वार्षिक प्रतिवेदन

2015-2016

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(समविश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. पर्यवलोकन 5-7

2. प्राधिकरण एवं संरचना 8

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े 13

4. 2015-2016 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 19-45

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 21

4.1.2 वित्त अनुभाग 21

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 22

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 23

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 23

4.1.6 पुस्तकालय 26

4.1.7 विक्रय इकाई 26

4.1.8 योजना अनुभाग 27

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 29

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 34

4.1.11 आदर्श महाविद्यालय/शोधसंस्थान 35

4.1.12 परियोजनाएँ 36

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 39

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 40

4.1.15 पत्राचार अनुभाग 43

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 44

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 47-129

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) 49

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 52

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 55

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 69

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 76

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 84

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 94

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 98

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 107

4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 116

4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 121

4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 122

5. वर्ष 2015-2016 की प्रमुख गतिविधियाँ 131-145

5.1 माननीय कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री का अभिनन्दन समारोह 133
5.2 शिक्षक-प्रशिक्षण-पाठ-लेखन राष्ट्रिय कार्यशाला 133
5.3 योगदिवस कार्यक्रम 133
5.4 क.जे. सौमेय्या विद्यापीठ मुंबई में विश्वयोग दिवस का आयोजन 133
5.5 16वां विश्वसंस्कृतसम्मेलन 134
5.6 विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान 136
5.7 संस्कृत सप्ताह आयोजित 136
5.8 सदाशिव परिसर शिक्षक दिवस 137
5.9 5वां दीक्षान्त समारोह: 138
5.10 स्थापना दिवस 139
5.11 आठवां युवा महोत्सव उल्लासपूर्वक सम्पन्न 139
5.12 द्विदिवसीया राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी 141
5.13 पालि प्राकृत परियोजना 141
5.14 लखनऊ परिसर में आयोजित कार्यक्रम 142
5.15 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 142
5.16 54वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 143
5.17 द्वितीय अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस आयोजित 143
5.18 तेरहवां संस्कृत नाट्य महोत्सव 144
5.19 सातवां युवा महोत्सव सम्पन्न 145
5.20 स्वच्छता अभियान 145

6. संलग्नक 147-196

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 149
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 152
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 159
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 160
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 169
च. सम्बद्ध संस्थाएँ 174
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 183
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 186
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 192
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 193
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 193
ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 195

7. 2015-2016 के वार्षिक लेखे

क. वर्ष 2015-2016 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 201
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2015-2016 वर्ष की रिपोर्ट 257

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के रक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से समविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। समविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे समविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और समविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत समविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्त: सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।

माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।

स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।

संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।

उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।

संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।

स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।

विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।

दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।

संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने बारह परिसरों में संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान **'संस्कृत विमर्शः'** और **'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 588 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान **माननीया श्रीमती स्मृति ज़ुबिन इरानी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत-सरकार,** संस्थान के कुलाधिपति हैं। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान अधोनिर्दिष्ट व्यक्ति कुलपति प्रभारी कुलपति के रूप में आसीन रहे। (1) डॉ. सुखबीर सिंह सन्धू (प्र.कुलपति) संयुक्त सचिव (भाषाएँ) 01.04.205 से 28.04.2015 तक (2) प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री (प्र. कुलपति) 29.04.2015 से 14.06.2015 तक तथा कुलपति के रूप में दिनांक 15.06.2015 से 31.03.2016 नियमित कुलपति। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल** संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2015-2016 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
42वीं बैठक	03.06.2015
43वीं बैठक	15.09.2015
44वीं बैठक	29.09.2015
45वीं बैठक	09.11.2015
46वीं बैठक	14.12.2015
47वीं बैठक	18.02.2016
48वीं बैठक	03.03.2016
49वीं बैठक	29.03.2016

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	सितम्बर 2015
	25.11.2015
	26.11.2015
विद्वत्परिषद् की उप समिति	16.02.2016
अध्ययन मण्डल (बोर्ड ऑफ स्टडीज)	25.03.2015
वित्त समिति	
28वीं बैठक	01.06.2015
29वीं बैठक	09.11.2015
30वीं बैठक	15.12.2015
31वीं बैठक	17.02.2016
32वीं बैठक	29.03.2016
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का संगठन एवं संरचना

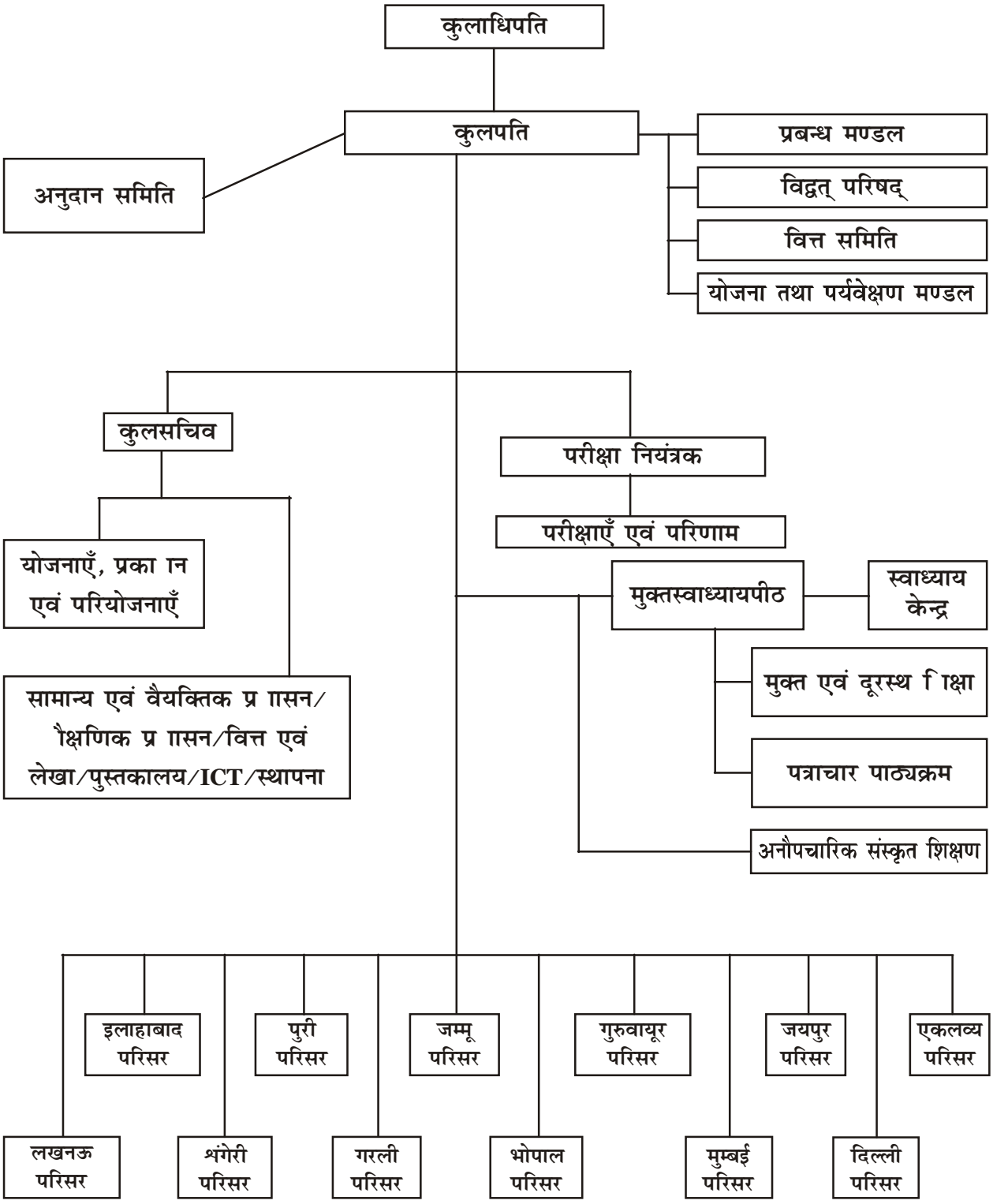

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली की प्रशासनिक संरचना

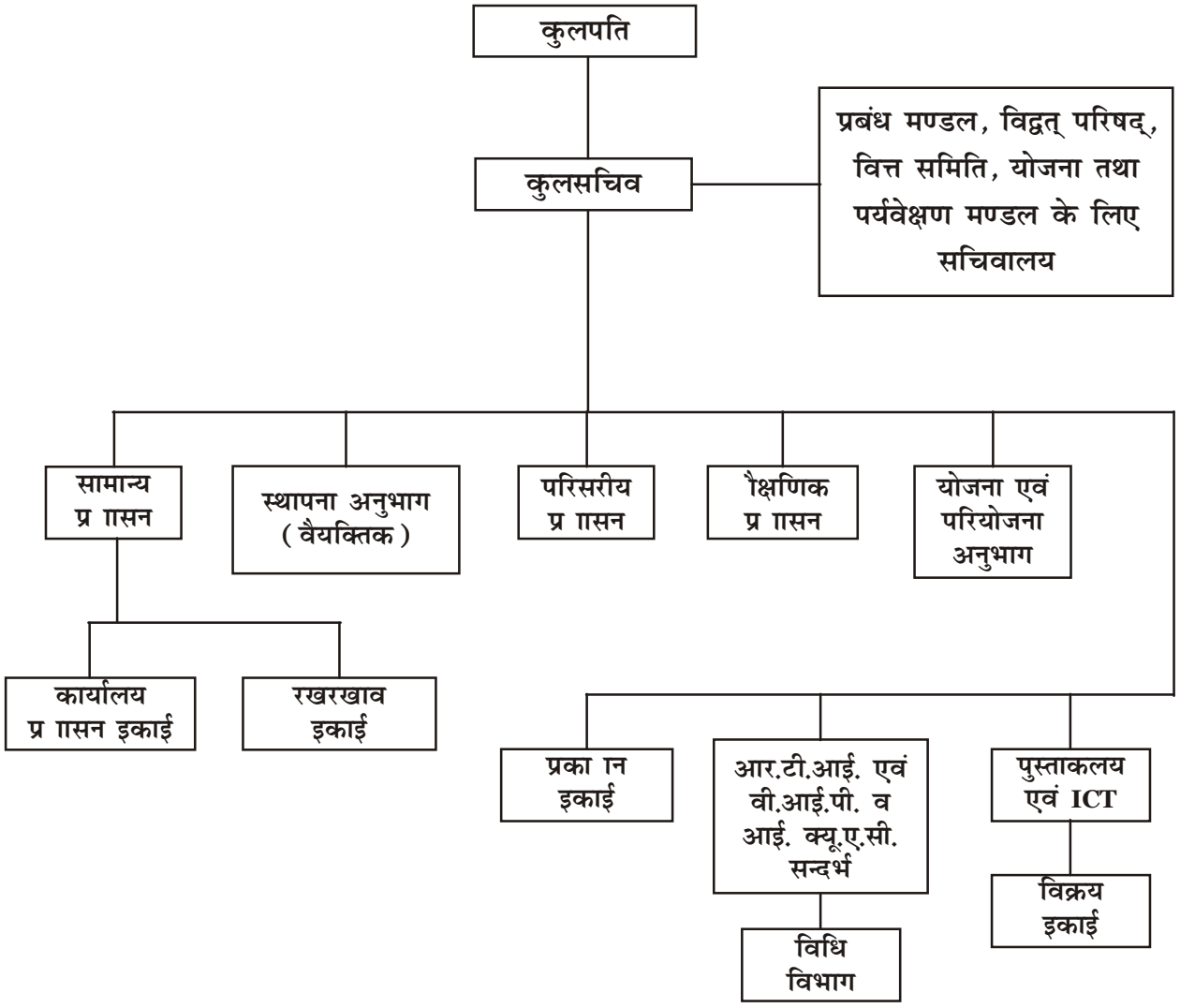

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (सम विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड्.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड्.
6.	विद्यावारिधि	पी-एच्.डी.

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **32083** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II	-	-
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	11
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	116	102	125	108	114	100	289	226	38	37
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	29	43	55	38	39	99	29	25	–	12
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	41	34	57	57	25	49	38	28	–	21
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	27	33	100	127	142	96	140	129	12	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	25	13	40	49	49	43	42	27	–	10
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	47	25	57	51	63	50	54	49	–	13
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	33	28	115	112	123	49	80	55	–	20
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	61	27	95	60	56	98	59	34	16	70
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	06	04	04	07	07	47	07	16	–	14
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	15
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	09	11	15	06	07	51	41	14	–	11
	योग	**394**	**320**	**663**	**615**	**625**	**682**	**779**	**603**	**66**	**234**
										कुल योग – 4981	

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म.-I	पू.म.-II	उ.म.-I	उ.म.-II	प्राश-I	प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	बिहार													
1	जे.एन.बी. + 2 विद्यालय	**6**	46	40	31	23	–	–	–	–	–	–	–	**140**
2	देवरहा बाबा भक्तशिव	**7**	10	13	–	–	14	07	–	–	–	–	–	**44**
3	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	**12**	05	05	26	17	–	02	09	04	08	17	06	**99**
4	डा. गण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	**14**	34	53	–	–	19	30	22	15	23	–	–	**196**
5	अजीत कुमार संस्कृत शिक्षण	**15**	83	81	45	35	–	–	31	14	08	12	07	**316**
6	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक	**16**	67	49	16	17	–	–	–	–	–	–	–	**149**
7	दीनानाथ मिथिला संस्कृत	**18**	46	42	12	18	–	–	–	–	–	–	–	**118**
8	डॉ. रामजी मेहता आदर्श	**08**	02	01	–	–	36	20	26	14	15	19	19	**152**
9	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श	**10**	–	–	–	–	60	26	27	25	12	38	37	**225**
10	रामसुन्दर संस्कृत वि.वि.	**13**	57	57	11	17	47	23	27	27	26	24	23	**339**
11	जे.एन.बी. आदर्श सं.म. विद्यालय	**19**	–	–	–	–	26	13	45	43	20	18	24	**169**
	झारखण्ड													
12	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कत	**09**	–	–	–	–	17	13	13	13	07	14	15	**92**
	दिल्ली													
13	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	**26**	19	17	09	14	–	–	23	21	08	23	18	**152**
14	ब्रह्मऋषि राम पी.	**27**	06	07	03	03	–	–	–	–	–	–	–	**19**
15	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड	**28**	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	04	**11**
16	बसन्तग्राम आदर्श संस्कत	**29**	13	13	09	08	–	01	–	–	–	–	–	**44**
17	रामदल संस्कृत म.वि.	**31**	07	04	09	06	–	–	10	11	07	–	–	**54**
18	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	**32**	43	32	25	32	–	–	27	13	16	–	–	**188**
19	सामन्त भद्रा संस्कृत म.वि.	**33**	–	–	–	–	15	13	22	09	01	20	11	**91**
20	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	**34**	29	10	–	01	13	13	23	27	15	24	09	**164**
21	श्री हनुमान संस्कृत म.वि.	**35**	34	20	17	16	02	05	09	08	06	–	–	**117**
22	आर्य कन्या गुरुकुल	**36**	06	10	04	05	–	–	–	–	–	–	–	**25**
23	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	**37**	13	14	09	12	02	03	21	17	07	–	–	**98**
24	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**38**	10	14	–	–	19	11	12	07	10	–	–	**83**
25	बाल विद्या मन्दिर	**39**	22	08	–	–	–	04	–	–	–	–	–	**34**
	गुजरात													
26	श्री रघुवर रामानन्द	**47**	01	04	05	03	–	–	09	04	04	08	02	**40**
	हरियाणा													
27	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	**52**	–	–	–	–	–	13	24	30	33	–	–	**100**
28	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत	**55**	09	08	11	08	–	–	15	09	03	–	–	**63**
29	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	**56**	11	07	15	04	26	08	53	27	44	22	20	**237**
30	हरियाणा संस्कत विद्यापीठ	**53**	–	–	–	–	–	–	13	12	15	26	25	**91**
	जम्मू													
31	श्री गरु गंगादेवजी संस्कत म.वि.	**62**	26	19	22	20	01	04	16	08	13	09	01	**139**

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	प.म.-I	प.म.-II	उ.म.-I	उ.म.-II	प्राश-I	प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	केरल													
32	भारतीय संस्कृत म.वि.	**66**	–	–	–	–	08	05	07	06	06	08	04	**44**
33	श्री रागकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	**67**	–	–	–	–	32	26	12	19	09	–	02	**100**
34	श्री शंकर संस्कृत वी. डडडाकडोम	**68**	01	–	–	–	11	21	08	04	02	01	–	**48**
35	कोडंगलूर विद्वत्पीठग्	**71**	–	–	–	–	22	05	10	06	01	07	02	**53**
36	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा एच.	**73**	–	–	–	–	12	12	–	–	–	–	–	**24**
37	गाहेश्वरी संस्कृत कालेज	**75**	–	–	–	–	15	10	–	–	–	–	–	**25**
38	श्री अम्बाजी संस्कृत म.वि.	**82**	–	–	01	–	–	–	–	–	–	–	–	**01**
39	कालीकट आदर्श संस्कत विद्यापीठ	**70**	–	–	–	–	53	25	48	57	49	15	15	**262**
	महाराष्ट्र													
40	गुप्तादेवी आदर्श संस्कत म.वि.	**81**	–	–	–	–	11	09	13	09	08	22	16	**88**
	मणिपुर													
41	गणिपुर संस्कृत म.वि.	**86**	35	11	09	05	58	26	24	18	11	18	20	**235**
42	राधा माधव संस्कत म.वि.	**87**	117	84	51	44	103	50	35	35	30	28	27	**604**
	पंजाब													
43	श्री बाबा हरदीत गिरीजी	**96**	–	–	–	–	26	10	15	15	05	06	06	**83**
44	श्री सरस्वती संस्कत कालेज	**97**	–	–	–	–	–	14	24	24	14	–	–	**76**
	राजस्थान													
45	नवजागृति संस्कत विद्यापीठ	**102**	20	16	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**36**
	उत्तर प्रदेश													
46	रानी पद्मावती टी.टी. उच्चा.ग.	**113**	33	16	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**49**
47	श्री बटुकनाथ संस्कृत म.वि.	**114**	11	15	11	14	05	08	50	57	53	36	24	**284**
48	गिन्नीदेवी गोदी संस्कृत विद्यापीठ	**115**	06	04	06	06	–	–	07	–	–	–	–	**29**
49	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कतम.वि.	**118**	31	22	21	22	–	–	03	02	01	–	–	**102**
50	गांधी संस्कृत म.वि.	**119**	–	–	–	–	12	09	52	62	38	57	49	**279**
51	अनन्तदेवी संस्कृत म.वि.	**120**	–	–	–	–	10	07	67	105	73	83	94	**439**
52	रानी पद्मावती टी.टी. आदर्श	**123**	–	–	–	–	25	35	26	26	27	31	26	**196**
	उत्तराखण्ड													
53	आदर्श संस्कत विद्यापीठ	**112**	05	05	05	04	–	–	05	06	06	–	–	**36**
	पश्चिम बंगाल													
54	ठाकुर गदाधर संस्कृत वि.पी.	**128**	40	54	–	–	43	43	–	–	–	–	–	**180**
55	गदर उषा एग.ओरियण्टल	**130**	58	40	–	–	53	43	–	–	–	–	–	**194**
56	भारती चतुष्पति संस्कृत म.वि.	**131**	–	–	–	–	10	15	205	132	118	98	94	**672**
57	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	**106**	09	14	10	02	–	03	07	05	06	–	–	**56**
58	पगलानन्द संस्कृत म.वि.	**126**	73	33	–	–	–	–	–	–	–	–	–	**106**
59	श्री सीताराम वैदिक आ.सं.म.वि.	**127**	–	–	–	–	04	01	12	12	08	232	217	**486**
60	कालियाचक विक्रमकिशोर आदर्श	**129**	–	–	–	–	04	04	73	66	54	138	120	**459**
	योग		**1038**	**842**	**393**	**356**	**814**	**590**	**1180**	**1024**	**820**	**1061**	**937**	**9055**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2015-16) :

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	ततीय वर्ष
प्राकशास्त्री सेत	19	–	–
प्राकशास्त्री	39	25	–
शास्त्री सेत	91	–	–
शास्त्री	105	42	62
आचार्य सेत	58	–	–
आचार्य	446	94	–
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	–	–
प्रारम्भिक-प्राकत-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	–	–
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	08	–	–
प्राकत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	04	–	–
संस्कत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	37	–	–
कल	809	161	62
कल योग		1032	

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या (द्वितीय चक्र)
1.	आन्ध्र प्रदेश	12	
2.	बिहार	16	
3.	दिल्ली	05	
4.	गुजरात	17	
5.	हरियाणा	07	
6.	हिमाचल प्रदेश	06	
7.	जम्मू एवं काश्मीर	05	
8.	कर्णाटक	34	
9.	महाराष्ट्र	05	13,560
10.	मध्य प्रदेश	35	
11.	छत्तीसगढ़	20	
12.	ओडिशा	40	
13.	पंजाब	07	
14.	उत्तराखण्ड	15	
15.	उत्तरप्रदेश	90	
16.	केरल	11	
17.	पूर्वोत्तर राज्य	138	
	कुल	**463**	**13,560**

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी माध्यम एवं हिन्दी माध्यम (प्रथम वर्ष)	3450 भारतीय
2.	हिन्दी माध्यम हिन्दी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	0005 विदेशी
	कुल	**3455**

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	394	256	138	24	91	--
प्राक् शास्त्री-II	320	188	132	23	68	02
शास्त्री-I	663	462	201	50	122	--
शास्त्री-II	615	394	221	57	149	--
शास्त्री-III	625	376	249	62	138	--
शिक्षा-शास्त्री	682	410	272	98	204	05
आचार्य-I	779	404	375	61	191	01
आचार्य-II	603	298	305	40	154	--
शिक्षा-आचार्य	66	41	25	07	14	01
विद्यावारिधि	234	179	55	16	33	--
कुल योग	**4981**	**3008**	**1973**	**438**	**1164**	**09**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा प्रबन्धन मण्डल एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)-218.06 लाख रुपये (ख) राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)-264.50 लाख रुपये (ग) गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)-654.41 लाख रुपये (घ) श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा) - 1026.55 लाख रुपये (ङ) भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.) 208.59 लाख रुपये (च) वेदव्यास परिसर, बलाहार (हि.प्र.)-2981.96 लाख रूपये (फेस-II) (छ) एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)-2941.90 लाख रुपये (फेस-I) एवं 6681.54 लाख रूपये (फेस-II)

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 183 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 166 आवेदनों का उत्तर दिया गया। 17 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं

बजट (2015-2016) :

वर्ष 2014-15 की रु. 6034.45 लाख रूपये (रु. 3663.02 लाख योजनागत एवं रु. 2371.43 लाख योजनेतर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2015-2016 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 22181.81 लाख रुपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाइयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	नई दिल्ली मुख्यालय	5867.73	5109.97	10977.70
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	482.75	925.59	1408.34
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	75.39	571.57	646.96
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	53.44	427.98	481.42
5.	गुरुवायूर परिसर, केरल	314.20	614.21	928.41
6.	जयपुर परिसर	386.23	824.06	1210.29
7.	लखनऊ परिसर	118.46	695.41	813.87
8.	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	623.72	0.00	623.72
9.	वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश	1625.99	0.00	1625.99

10.	भोपाल परिसर, मध्य प्रदेश	861.09	0.00	861.09
11.	मुम्बई परिसर, महाराष्ट्र	332.18	0.00	332.18
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	2271.84	0.00	2271.84
	कुल योग	**13013.02**	**9168.79**	**22181.81**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय के अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2015-16 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :

- संस्थान के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निर्धारित करता है।
- वर्ष के दौरान विद्वत परिषद् का पुनर्गठन 21.07.2015 को किया गया तथा उसकी बैठक सितम्बर 2015 में आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) और शिक्षा आचार्य (एम.एड.) के पाठ्यक्रमों को भी राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) के नये निर्देशों के अनुसार संशोधित किया गया। जिसके तहत इन पाठ्यक्रमों को द्विवार्षिक पाठ्यक्रम और शिक्षा की सत्रार्द्ध (Semester) पद्धति के अनुसार परिवर्तन किया गया। एतदर्थ गठित समिति की दिनांक 25 एवं 26 नवम्बर, 2015 की बैठकों में इस विषय को पूरा किया गया। इसके साथ ही विद्वत् परिषद् उपसमिति की बैठक दिनांक 16 फरवरी 2016 को सम्पन्न हुई।
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संबंधन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संस्थान का प्रारंभ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं का भी संबंधन किया गया। इन निजी शिक्षण संस्थाओं को केवल सामान्य पाठ्यक्रमों, प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए संबद्धता प्रदान की। पिछले कुछ वर्षों में इन सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में कुछ वृद्धि हुई है। पूर्व वर्ष में संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं का सम्बन्धन विद्वत् परिषद् की उपसमिति और प्रबंधन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर इस वर्ष भी यथावत् रखा गया है।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।

2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 19.08.2015 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 167 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान मुख्यालय में विद्यावारिधि में 04 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन-समिति के माध्यम से दिनांक 08-06-2015 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किये:-

1. स्तुतिकुसुमाञ्जलि -प्रो. रमाकान्त शुक्ल
2. सृजतिशंखनादकिलकविता -प्रो. बिन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र
3. व्युत्पत्तिवादपरिष्कार: -डॉ. एन्.आर्. कण्णन्
4. भारतभूप्रशस्ति -प्रो. भुवनेश्वरकर शर्मा
5. परमानन्दशास्त्रिरचनावलि: -प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा
6. अभिराजदण्डकम् -प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र

पुनर्मुद्रण प्रकाशन योजना/अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया।

1. श्रीमद्भगवद्गीता (आनन्दवर्धनविरचित)
2. विदुरनीतिशतकम्
3. भर्तृहरिनीतिशतकम् (पूर्वार्द्ध)
4. भर्तृहरिनीतिशतकम् (उत्तरार्द्ध)
5. श्रीमद्भगवद्गीतासंग्रह (द्वितीय भाग)
6. श्रीमद्भगवद्गीतासंग्रह (तृतीय भाग)
7. संक्षेपरामायणम् (तृतीय भाग)

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2015-2016 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का कक्षावार विवरण निम्नलिखित है:-

कक्षा	छात्र संख्या	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	FL	उत्तीर्ण%
पर्वमध्यमा-I	1038	Home Exam	–	–	–	–
पर्वमध्यमा-II	841	788	726	18	44	92.13
उत्तरमध्यमा-I	393	Home Exam	--	—	—	—
उत्तरमध्यमा-II	356	333	318	09	07	95.49
प्राक्शास्त्री-I	1184	Home Exam	--	—	—	—
प्राक्शास्त्री-II	910	848	785	27	36	92.57
शास्त्री-I	823	704	553	145	06	78.55
शास्त्री-II	691	611	471	132	08	77.08
शास्त्री-III	575	541	514	01	25	95.00
आचार्य-I	457	381	257	113	11	67.45
आचार्य-II	379	332	321	03	13	96.68
शिक्षा शास्त्री	681	675	662	12	01	98.07
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	70	67	66	01	—	98.50
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	66	66	66	—	—	100
शास्त्री-I सेमेस्टर	1096	1050	961	85	04	91.52
शास्त्री-II सेमेस्टर	1039	1013	366	141	06	85.48
शास्त्री-III सेमेस्टर	968	953	907	45	01	95.17
शास्त्री-IV सेमेस्टर	925	922	877	43	02	95.11
शास्त्री-V सेमेस्टर	861	856	826	14	—	95.17
शास्त्री-VI सेमेस्टर	850	849	808	13	28	95.17
आचार्य-I सेमेस्टर	1325	1278	1213	56	09	94.91
आचार्य-II सेमेस्टर	1237	1204	1176	24	04	97.67
आचार्य-III सेमेस्टर	1197	1184	1366	15	02	98.56
आचार्य-IV सेमेस्टर	1180	1171	1118	32	21	95.47
योग	**19142**	**15826 Home Exam**	**14357 Home Exam**	**929 Ho.Ex.**	**228**	**92.1758**

परिसरों के छात्रों ने 2015-16 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है

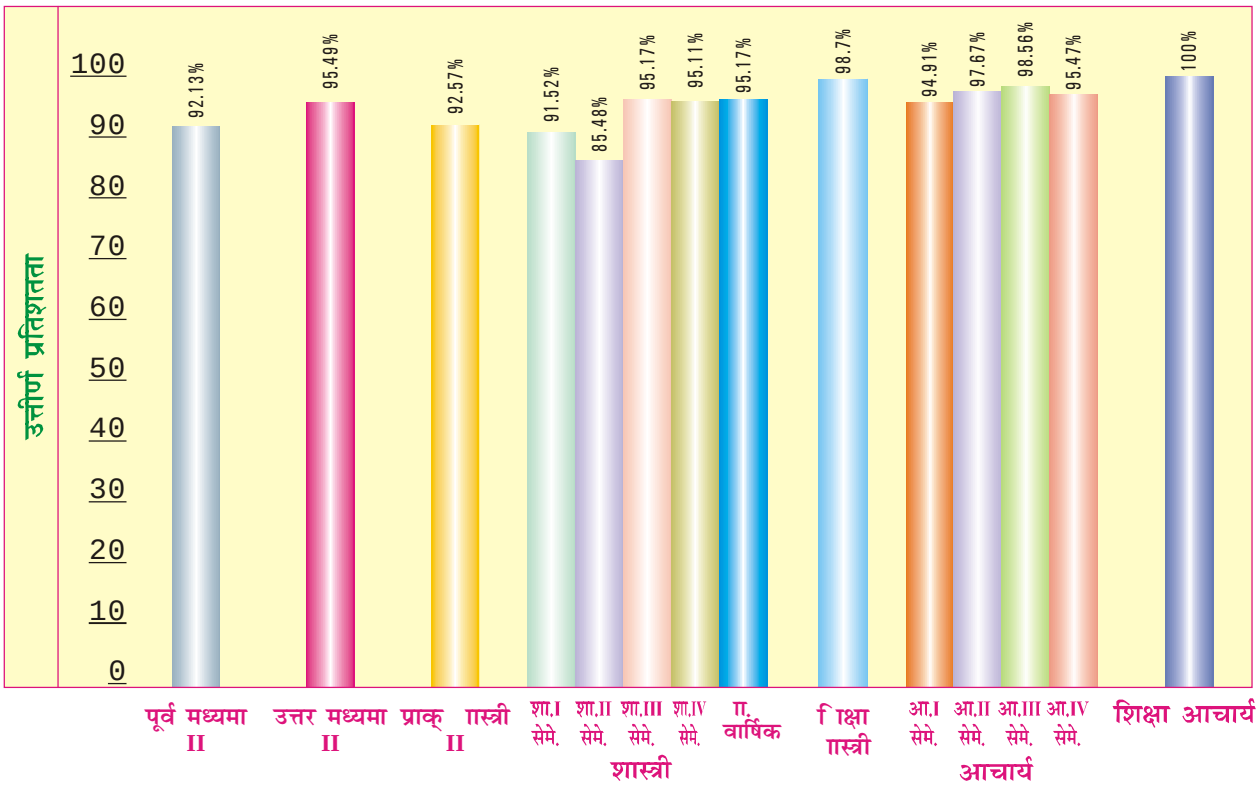

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित शिक्षकवर्ग कमी को पूरा करने के लिए अनुबन्ध आधार पर तथा अंशकालिक अध्यापकों को नियुक्त किया गया है। परिसरों के संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'घ'** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान 54 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

वार्षिक परीक्षा 2015-2016 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	141627	ऋषभ त्रिपाठी	--	श्री बटुकनाथ सं.म.वि.शंकुधरा, वाराणसी
2.	151758	ब्रज किशोर शर्मा	व्याकरणम्	श्री टिबरीनाथ सांगवेद सं.म.वि., बरेली
3.	152545	क्षमा कामत के.	दर्शनम्	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
4.	12368	सरयू प्रफुल्ल चन्द्र	नव्यव्याकरणम्	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
5.	23621	विदुषी बोल्ला	नव्यव्याकरणाचार्य	रा.सं.सं., के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई
6.	23573	स्वर्णदत्त बाहेरवाडे	साहित्याचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
7.	24087	मुरली मनोहर शर्मा	सिद्धान्तज्यौतिषाचार्य	जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
8.	22555	गणेश कृष्ण भट्ट	फलितज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
9.	22854	देवाशिष मिश्र	सर्वदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
10.	23815	लिलिमा प्रधान	धर्मशास्त्राचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी

11.	23918	राजलक्ष्मी साहु	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	23340	शिवजी झा	वेदाचार्य	ज.ना.ब्र. आदर्श सं.म., लगमा, दरभंगा
13.	154379	कृष्णकान्त पाण्डेय	पौरोहित्याचार्य	श्रीराम ज्यौतिष कर्मकाण्ड सं.म., दिल्ली
14.	24102	अनुभूति जैन	जैनदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
15.	24138	कामेश्वर नेगी	बौद्धदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., लखनऊ परिसर, लखनऊ
16.	23728	लिप्सा कर	सांख्ययोगाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
17.	23542	ति.के. नरसिंहन्	नव्यन्यायाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
18.	23549	गोविन्द गोपालकृष्ण हेगडे	मीमांसाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
19.	23563	जिषा आर्.	अद्वैतवेदान्ताचार्य	रा.सं.सं., राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
20.	154431	युवराज वाग्ले	रामानन्दवेदांताचार्य	श्री रघुवर रा.वे.म., श्री कौशलेन्द्रमठ, पालडी, गुजरात

4.1.6 पुस्तकालय

ग्यारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,263 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2015-16 में आरम्भ की गई है। अब तक 27,271 के लगभग प्रविष्टियाँ की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है-

1. उपहार स्वरूप में प्राप्त ग्रन्थों का मूल्य	रूपये 2,62,200/-

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है -

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यताप्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं -

1. मंत्रालय पुस्तकें (पुनर्मुद्रित)	रूपये	03,99,990.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	14,23,828.00
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रूपये	12,007.00
कुल योग	**रूपये**	**18,35,825.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है :

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेत
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेत

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन. दर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पनर्मद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचडामणि) को सेवानिवत्ति के पश्चात सेवाओं के उपभोग हेत वित्तीय सहायता।

योजना-VI (व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण" व्यावसायिक प्रशिक्षण हेत वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 1213.80 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 161 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2015-16 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 191.77 लाख व्यय किए गए। 71 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2015-16 में कुल 06 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 4.32 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

II. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तरोन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

VII. संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्द्धन के लिए विश्व-विद्यालयों/ समविश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./ एन.सी.ई.आर.टी./एस्.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2015-16 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 38.45 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2015-2016 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 24.08.2015 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 16.38 लाख रुपये जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 07 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 12 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टव्य है। इसके अतिरिक्त 28 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है

आवेदकों की संख्या	138
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	469
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	349

V. शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 22 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2015-16 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 52.76 लाख व्यय किये गये।

VI. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2015-16 में रु. 1.73 लाख व्यय किए गए।

VIII. छात्रवृत्तियाँ

यह योजना छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सञ्चालित है, इससे सम्बद्ध विवरण 4.1.2 व 3 में दर्शाया गया है।

IX. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

'अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' नाम से विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। 2015-16 के दौरान कार्यक्रम का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 4.1.10 भाग में दिया गया है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि नवमी कक्षा से Ph.D. तक के आधुनिक पद्धति से पढ़ने वाले संस्कृत छात्रों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदान की जाती है।

3. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि पारंपरिक संस्कृत संस्थाओं में पूर्वमध्यमा से विद्यावारिधि तक अथवा तत्समकक्ष कक्षाओं में पढ़ रहे छात्रों को दी जाती है।

पूर्वोक्त 1, 2, 3 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। प्रकार '2' और '3' की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2015-16 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		01
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	25	25	60	60	60	50	135	135	25	19
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	29	43	55	38	37	50	26	25	–	12
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	25	23	51	46	21	48	34	24	–	12
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	22	23	60	60	60	50	67	65	11	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	25	10	36	39	42	24	33	21	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	25	25	56	51	60	25	48	45	–	24
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	24	15	60	56	60	25	49	41	–	11
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	25	23	60	31	45	49	41	22	16	?
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	03	02	03	07	07	25	07	16	–	–
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	04	10	06	05	05	25	29	14	–	04
	योग	**207**	**199**	**447**	**393**	**397**	**371**	**469**	**408**	**52**	**92**
							कुल योग - 3035				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	207	144	63	12	10	40
प्राक् शास्त्री-II	199	130	69	09	11	35
शास्त्री-I	447	316	131	31	13	71
शास्त्री-II	393	252	141	34	14	76
शास्त्री-III	397	258	139	27	06	78
शिक्षा शास्त्री	371	165	206	26	23	103
आचार्य-I	469	267	202	30	8	88
आचार्य-II	408	251	157	19	05	81
शिक्षा आचार्य	52	34	18	03	02	08
विद्यावारिधि	92	54	38	06	01	18
कुल योग	3035	1871	1164	197	93	598

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ

(प्रकार 2 व 3) पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु. 250/- प्रतिमाह
11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह
बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह
एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान।

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों की संख्या :

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2015-2016 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 81630 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 9970 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। प्रदत्त छात्रवृत्ति का विवरण निम्न प्रकार से है :

आधुनिक वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
9वीं	456	90	29	345	09	929x2500	रु.23,22,500
10वीं	500	81	25	352	11	969x2500	रु.24,22,500
11वीं	372	83	27	355	10	847x3000	रु.25,41,000
12वीं	526	174	82	535	19	1336x3000	रु.40,08,000
बी.ए.-प्रथम	120	38	09	80	02	249x4000	रु.09,96,000
बी.ए.-द्वितीय	95	26	06	77	02	206x4000	रु.08,24,000
बी.ए.-तृतीय	83	19	07	60	01	170x4000	रु.06,80,000
एम.ए.-प्रथम	37	17	05	34	02	95x5000	रु.04,75,000
एम.ए.-द्वितीय	24	08	04	14	--	50x5000	रु.02,50,000
पी.एच.डी.	24	--	--	--	--	24x20000	रु.04,80,000
पूर्व वर्ष उपाधिप्राप्त (पीएच.डी.)	--	--	--	--	--	--	--
कुल	**2237**	**536**	**194**	**1852**	**56**	**4875**	**1,49,99,000**

परम्परागत वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	182	45	09	131	04	371x2500	09,27,500
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	152	43	03	149	00	347x2500	08,67,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	307	83	25	325	10	750x3000	22,50,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	360	144	63	494	12	1073x3000	32,19,000
शास्त्री प्रथम	300	60	21	214	08	603x4000	24,12,000
शास्त्री द्वितीय	177	72	15	157	02	423x4000	16,92,000
शास्त्री तृतीय	157	62	11	114	00	344x4000	13,76,000
आचार्य प्रथम	94	26	01	41	02	164x5000	8,20,000
आचार्य द्वितीय	43	10	01	22	02	78x5000	3,90,000
विद्यावारिधि	39	--	--	--	--	39x20000	7,80,000
पूर्व वर्ष उपाधिप्राप्त (पी.एच.डी.)	07	--	--	01	--	08x20000	1,60,000
कुल	**1818**	**545**	**149**	**1648**	**40**	**4200**	**1,48,94,000**

पूर्वोत्तर (परम्परागत वर्ग)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग		
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	53	03	02	06	00	64x2500	01,60,000
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	38	06	08	16	01	69x2500	01,72,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	288	39	19	115	01	462x3000	13,86,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	19	04	00	06	00	29x3000	87,000
शास्त्री प्रथम	80	10	00	26	01	117x4000	4,68,000
शास्त्री द्वितीय	15	00	00	08	00	23x4000	92,000
शास्त्री तृतीय	32	04	02	05	00	43x4000	1,72,000
आचार्य प्रथम	69	01	00	08	00	78x5000	3,90,000
आचार्य द्वितीय	04	--	00	01	00	05x5000	25,000
विद्यावारिधि	05	--	00	00	00	05x20000	1,00,000
पूर्व वर्ष उपाधिप्राप्त (पी-एच.डी.)	00	--	00	00	00	00x20000	--
कुल	**603**	**67**	**31**	**191**	**03**	**895**	**30,52,500**

सब योग

वर्ग	कुल छात्र संख्या						कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	विकलांग	कुल	
आधुनिक	2237	536	194	1852	56	4875	1,49,99,000
परम्परागत	1818	545	149	1648	40	4200	1,48,94,000
पूर्वोत्तर (परम्परागत+आधुनिक)	603	67	31	191	03	895	30,52,500
कुल योग	**4658**	**1148**	**374**	**3691**	**99**	**9970**	**3,29,45500**

4.1.10 54वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2015-16 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1.	जम्मू और कश्मीर	:	रणवीर परिसर, जम्मू
2.	हिमाचल प्रदेश	:	वेद व्यास परिसर, बलाहर
3.	दिल्ली	:	श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4.	उत्तराखण्ड	:	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5.	ओडिशा	:	सदाशिव परिसर, पुरी
6.	बिहार और झारखण्ड	:	दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7.	पश्चिम बंगाल	:	सीताराम आदर्श संस्कृत महा-विद्यालय, कोलकाता
8.	राजस्थान	:	जयपुर परिसर, जयपुर
9.	उत्तर-प्रदेश	:	लखनऊ परिसर, जयपुर
10.	मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़	:	भोपाल परिसर, भोपाल
11.	गुजरात	:	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12.	महाराष्ट्र, गोवा	:	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई
13.	आन्ध्र प्रदेश	:	रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14.	तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी	:	मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15.	केरल	:	गुरुवायूर परिसर, केरल
16.	कर्णाटक	:	कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय स्तर की 54वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 30.12.2015 से 02.01.2016 तक आन्ध्रप्रदेश में तिरुपतिस्थ श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियागिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी एवं तीन वेदों पर पदपाठ परीक्षाओं में भाग लिया।

इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

दिनांक 30.12.2015 को रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथि जी ने कार्यक्रम का समुद्घाटन किया। रा.सं.संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरनारायण शास्त्री जी ने इस सत्र की अध्यक्षता की। श्री वेङ्कटेश्वर वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. का.इ. देवनाथन् जी ने अपने वैदुष्यपूर्ण उद्बोधन से सभा को सार्थक बनाया। राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. रामसूर्यनारायण एवं श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. जि.एस्.आर्. कृष्ण मूर्ति जी भी कार्यक्रम में समुपस्थित थे।

इस आयोजन का संपूर्ति सत्र दिनांक 02.01.2016 को अपराह्ण में संपन्न हुआ जिसमें 'एम फार् सेवा' संस्था की सचिवा श्रीमती शीला बालाजी सम्मानितातिथि के रूप में आमंत्रित थीं। विशिष्टातिथि के रूप में समुपथित प्रो. का.इ. देवनाथन् जी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। संस्थान के कुलपति प्रो. प.ना. शास्त्री ने इस संपूर्ति सत्र की अध्यक्षता की।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम

मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

परिचय

मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत सरकार द्वारा इन्हें प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्कृत संस्थाओं के विकास हेतु इनका समर्थन किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सर्वप्रथम मंत्रालय के पत्रांक फा. 30-19/88-संस्कृत-I दिनांक 7 जुलाई 1993 को आदर्श योजना नियमावली बनाई गयी, बाद में मंत्रालय के पत्रांक फा.-83/94-संस्कृत-I दिनांक 17.07.1995 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को कार्यान्वयन हेतु भेजा गया। आदर्श योजना नियमावली 1995 को वर्ष 2012 में मंत्रालय के पत्रांक एफ.एन. 31-4/2009-संस्कृत-I दिनांक 29 जून, 2012 द्वारा संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आये, विशेषतया संस्कृत शिक्षा में छठे वेतन आयोग को लागू करने तथा ग्रेड पे एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियमों के द्वारा उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु जारी किये गये नियमों के फलस्वरूप यह जरुरी हो जाता है कि सभी मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को पारम्परिक शिक्षा के बढ़ावा हेतु एवं शोध को प्रभावशाली बनाने हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

संशोधित योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 25 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं, जिनमें 21 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 4 आदर्श शोध संस्थान सम्मिलित हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय हेतु आवर्ती मद में कुल राशि का 95 प्रतिशत तथा अनावर्ती मद में व्यय हेतु कुल राशि का 75 प्रतिशत अनुदान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिया जाता है।

लक्ष्य

परम्परागत संस्कृत शिक्षा तथा शोध कार्य को बढ़ावा देते हुए शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि की कक्षाओं में ज्यादा सुविधाएँ उपलब्ध कराते हुए संस्कृत शिक्षा का समग्र विकास करना एवं अनुसंधान आधारित प्रकाशन एवं शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2015-16 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य	संस्थाओं की संख्या	निर्गत धनराशि (रु. लाख में)
1.	आन्ध्र प्रदेश	1	74.41
2.	बिहार	5	892.05
3.	हरियाणा	2	216.84
4.	हिमाचल प्रदेश	2	332.65
5.	झारखण्ड	1	132.24
6.	कर्नाटक	1	99.17

7.	केरल	2	241.16
8.	महाराष्ट	2	148.23
9.	मणिपर	1	88.12
10.	तमिलनाड	2	223.44
11.	उत्तराखण्ड	1	110.42
12.	उत्तर प्रदेश	3	453.72
13.	पश्चिम बंगाल	2	509.13
14.	राजस्थान	1	8.20
कुल निर्गत अनदान राशि		**26**	**3529.78**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं में यद्यपि इस प्रतिवेदन-वर्ष में उल्लेखनीय प्रगति नहीं है तथापि सूचना की दृष्टि से विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 104 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषायी अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस विशाल परियोजना में दो वरिष्ठ शोध अध्येता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में सहयोग कर रहे हैं। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 52000 पाण्डुलिपियों में से कुल 40000 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

संस्थान के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों में निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप संस्थान के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। संस्थान के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में संस्थान विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प हैं।

मोक परियोजना

दूरस्थ शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन के क्षेत्र में बड़े स्तर पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (MOOC) एक नवाचार है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम अध्ययन की नवीन संभावनाओं का अवसर प्रदान करता है। परन्तु इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु संस्कृत आधारित पाठ्य सामग्री का नितान्त अभाव है। अत: संस्थान इस उदीयमान क्षेत्र की संभावनाओं को संज्ञान में लेते हुए इसके सम्वर्धन हेतु कृत संकल्प है।

राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में संस्थान के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

डक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से डक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा शास्त्रार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 02 मार्च, 2016 से 18 मार्च, 2016 तक एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्कृत शास्त्रों की पारम्परिक शिक्षण पद्धति का सम्वर्धन व प्रचार रहा।

इस कार्यक्रम में संस्कृत की 6 विभिन्न शाखाओं जैसे अद्वैत वेदान्त, व्याकरण, ज्योतिष, मीमांसा, न्याय एवं साहित्य का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रत्येक शाखा में 10 छात्रों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया गया। इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर दिनांक 10 फरवरी, 2016 को विधिवत् किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा में चयनीत 54 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण भारत के प्रतिष्ठित 60 पारम्परिक संस्कृत शास्त्र विद्वानों द्वारा प्रदान किया गया। यह एक अत्यन्त प्रभावी व सर्जनात्मक कार्यक्रम रहा जिसके सकारात्मक परिणाम संस्कृत शास्त्रों के संरक्षण एवं सम्वर्धन में बहुत समय तक अनुभव किए जायेंगे।

भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए नि:शुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर upload किया गया।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में चालू की गई पालि-प्राकृत परियोजना वर्तमान पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) की संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुका है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2015-16 में दिल्ली, जयपुर एवं लखनऊ केन्द्रों में निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं

दिल्ली केन्द्र :

1. दिल्ली - 'भारतीय ज्ञान-परम्परा में पालि-प्राकृत का योगदान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 4-6 दिसम्बर, 2015 को पालि-प्राकृत अध्ययन केन्द्र, दिल्ली में आयोजित की गई।
2. लीलावईकहा का हिन्दी अनुवाद।
3. गणिविज्जासुत्तं की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
4. जैनागमिक कथाओं का संग्रह।
5. पउमचरियं - खण्ड 2 के 500 गाथाओं की संस्कृतच्छाया।
6. पुहईचंदचरियं के अध्याय एक का हिन्दी अनुवाद।

जयपुर केन्द्र-

1. जयपुर प्राकृत से संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद के परिवर्तन तथा सम्पादन हेतु दिनांक 1-7 सितम्बर, 2015 को प्राकृत अध्ययन केन्द्र, जयपुर परिसर में कार्यशाला का आयोजन हुआ।
2. मागधी प्राकृत एक खोज - खण्ड 4 का लेखन।
3. कण्हचरियं की 400 गाथाओं की संस्कृतच्छाया।
4. दंसणकहरयणकरंडु 12-14 सन्धियों का हिन्दी अनुवाद।

लखनऊ केन्द्र :

1. लखनऊ पालि-प्राकृत से संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद के परिवर्तन तथा सम्पादन हेतु दिनांक 8-14 सितम्बर, 2015 को पालि-अध्ययन केन्द्र, लखनऊ परिसर में कार्यशाला का आयोजन हुआ।
2. अपदानपालि 2 की 1-9 वग्ग का हिन्दी अनुवाद।
3. पुग्गलपञ्ञति की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद।
4. पटिसम्भिदामग्ग की 100 पृष्ठों का हिन्दी अनुवाद।
5. पटिसम्भिदामग्ग के दो वग्गों की 100 निद्देसों की संस्कृतच्छाया।
6. यमकवग्गपालि-1 की संस्कृतच्छाया।
7. अपदानपालि -1 की 17-30 वग्गों का हिन्दी अनुवाद।
8. प्राकृतशब्दकोश ऑनलाइन कार्य के 580 नये शब्दों का कार्य।
9. 'पालि-प्राकृत-अनुशीलनम्' का तृतीय संस्करण।

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2015-2016 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र
2. आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग
3. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षणवर्ग

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र

शैक्षिक सत्र 2015-2016 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के केन्द्रों का संचालन पूर्वोत्तर राज्यों सहित भारत के अन्य राज्यों में भी किया गया। पूवोत्तर राज्यों, आन्ध्रप्रदेश, कर्णाटक, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, केरल तथा दिल्ली के 463 केन्द्रों में लगभग 13,890 अध्येताओं ने त्रैमासिक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में भाग लिया। इन केन्द्रों का विवरण अधोलिखित है

2015-2016 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	12
2.	बिहार	16
3.	देहली	05
4.	गुजरात	17
5.	हरियाणा	07
6.	हिमाचल प्रदेश	06
7.	जम्मू एवं कश्मीर	05
8.	कर्णाटक	34
9.	महाराष्ट्र	05
10.	मध्यप्रदेश	35
11.	छत्तीसगढ़	20
12.	उड़ीसा	40
13.	पंजाब	07
14.	उत्तराखण्ड	15
15.	उत्तरप्रदेश	90
16.	केरल	11
17.	पूर्वोतर राज्य	138
	कुल	463

सम्पूर्ण देश में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के माध्यम से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गये। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इन केन्द्रों में आकर छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, सहित समाज के विविध वर्गों के लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। केन्द्र के समीप शिक्षकों के अनुपलब्ध होने पर दूर-दूर से आकर संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा केन्द्रों का संचालन किया गया। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक एवं सामाजिक संस्थाओं में किया जाता है। इसका परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से प्रान्तसंयोजक के माध्यम से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध संस्थाओं से साक्षात् प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु स्वीकृति प्रदान की जाती है।

राज्य-संयोजक (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. वी. सुब्रह्मण्य शर्मा, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, (आन्धप्रदेश)
2.	बिहार	डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ- नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्.शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
12.	मध्यप्रदेश	डॉ. नीलाभ तिवारी, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपालपरिसरः, संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपालम्-462043 (मध्यप्रदेश)
13.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001.
14.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. शिवाचार्य, गांव-गमीरी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-सोनितपुर, असम
15.	उड़ीसा	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (उड़ीसा)

16.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
17.	राजस्थान	प्रो. वाई,एस,रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	त्रिपुरा	डा.श्रीगोविन्द पाण्डेय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), एकलव्य परिसर, C/o स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय, मोहनपुर, हरिनखला कमलघाट, पश्चिम त्रिपुरा-799 210
19.	उत्तराखण्ड	डॉ.हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
21.	पश्चिम बंगाल	डा.स्वामी वेदतत्त्वानन्द, रामकृष्ण विवेकानन्द विश्वविद्यालय, वेलूर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
22.	गोवा	डा.महाबल भट्ट, सी.जी.-4, सबनीस वेली, अरादी, सोकोरो, बरडीज, गोवा-403507

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग

दिनांक 03.04.2015 से 12.04.2015 तक 10 दिनों का आवासीय संस्कृत भाषाबोधन वर्ग, युव विकास केन्द्र, अमीन गांव, गुवाहाटी, असम में आयोजित किया गया। इसमें उत्तरपूर्व राज्यों से 96 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
1.	युव विकास केन्द्र, अमीन गांव, गुवाहाटी, आसम	03.04.2015 से 12.04.2015	96	डा. विनोद कुमार सिंह प्रो. राजेन्द्र नाथ शर्मा डा. नृपेन्द्र नाथ शर्मा डा. विनायक रजत भटट डा. रामकृष्ण पेजत्ताय डा. कामेश्वर शुक्ल डा.जगदीश शर्मा डा. रत्नमोहन झा

3. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षणवर्ग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु गीताश्रम, होजाई, जिला-नौगांव, असम में आवासीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	सदस्य
1.	गीताश्रम, होजाई जिला-नौगांव, असम	03.08.2015 से 23.08.2015	प्रो. वाई.एस्. रमेश डा. हरिप्रसाद डा. विनायकरजत भट्ट डा. सुदर्शनचिपलुङ्कर डा. के. गिरिधरराव डा. नृपेन्द्रनाथ शर्मा श्री कू. वेङ्कटेश मूर्ति डा. रत्नमोहन झा डा. छविलाल उपाध्याय श्री ध्रुवज्योतिमहान्त श्री अनन्त चेतियासु श्री कविता देवी श्रीमती कृष्णा सिन्हा

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम।

वर्ष 2015-2016 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन हेतु 3455 (3450 भारतीय एवं 5 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

मुक्तस्वाध्यायपीठम्, दूरस्थ शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा दूरस्थ माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया। मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

1. संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
7. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
8. पालि-परिचय पाठ्यक्रम (03 माह)
9. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
10. प्राकृत-परिचय पाठ्यक्रम (03 माह)
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठक्रम (06 माह)

2. शैक्षिक सत्र 2015-16 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2015-16 में कुल 1032 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

3. उत्तीर्ण छात्रों की संख्या -

मुक्तस्वाध्यायपीठ के शैक्षिक सत्र 2015-16 की सत्रांत परीक्षा में प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य कक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या 463 रही।

4. अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठ की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 12.08.2015 को आयोजित की गई।

5. वर्ष 2015-16 में मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा आयोजित कार्यशाला/सेमिनार का विवरण

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम	संयोजक
1.	11.06.2015 से 22.06.2015	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला राष्टिय संस्कत संस्थान. नई दिल्ली	डॉ. रत्नमोहन झा
2.	28.07.2015 से 17.08.2015	ज्योतिष पाठ्यसामग्री निर्माण कार्यशाला (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर. जम्म)	डॉ. श्यामदेव मिश्र
3.	07.10.2015 से 16.10.2015	नाट्यशास्त्रीय प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम कार्यशाला	डॉ. अजय कमार मिश्र
4.	27.12.2015 से 31.12.2015	स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला (राष्टिय संस्कत संस्थान. नई दिल्ली)	डॉ. रत्नमोहन झा
5.	04.01.2016 से 14.01.2016	व्याकरण सामग्री निर्माण कार्यशाला (राष्टिय संस्कत संस्थान. राजीव गांधी परिसर. शङ्केरी)	डॉ. चन्द्रकान्त

6.	23.01.2016 से 01.02.2016	अंग्रेजी आधुनिक विषय कार्यशाला (शास्त्री, प्रथम वर्ष) (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, त्रिचर. केरल)	प्रो. रमण मर्त्ति
7.	02.02.2016 से 23.02.2016	ज्योतिष स्वाध्याय सामग्री निर्माण कार्यशाला (राष्टिय संस्कत संस्थान. जयपर परिसर. राजस्थान)	डॉ. श्यामदेवमिश्र
8.	13.02.2016 से 22.02.2016	शिक्षक प्रशिक्षण एवं आधुनिक विषय (हिन्दी, राजनीतिशास्त्र. अर्थशास्त्र एवं इतिहास) पाठ लेखन कार्यशाला	डॉ. धर्मेन्द्रसिंहदेव
9.	22.03.2016 से 31.03.2016	अंग्रेजी आधुनिक विषय कार्यशाला (शास्त्री, द्वितीय वर्ष) (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान. गरुवायर परिसर. त्रिचर. केरल)	प्रो. रमणमर्त्ति
10.	30.03.2016 से 13.04.2016	साहित्यपाठ्यसामग्री निर्माण कार्यशाला राष्टियसंस्कतसंस्थान. वेदव्यासपरिसर. बलाहार	डॉ. पी.वी.बी. सब्रह्मण्यम
11.	31.03.2016 से 07.04.2016	नाट्यशास्त्रीय प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम कार्यशाला	डॉ. अजय कमार मिश्र

6. सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में क्रमशः पाँच बार (15-15 दिनों के लिए) चलायी जाती है। स्वाध्यायकेन्द्र दिल्ली में इस वर्ष विभिन्न पाठ्यक्रमों में आयोजित सम्पर्क कक्षाओं का विवरण इस प्रकार है-

प्रथम सम्पर्क कक्षा- दिनांक 17.09.2015 से 04.10.2015

द्वितीय सम्पर्क कक्षा- दिनांक 23.11.2015 से 07.12.2015

तृतीय सम्पर्क कक्षा- दिनांक 21.12.2015 से 04.01.2016

चतुर्थ सम्पर्क कक्षा- दिनांक 18.01.2016 से 08.02.2016

अतिरिक्त सम्पर्क कक्षा- दिनांक 23.01.2016 से 05.03. 2016 (केवल शनिवार एवं रविवार)

पञ्चम सम्पर्क कक्षा- दिनांक 14.03.2016 से 06.04.2016

संस्कृत सम्भाषण वर्ग-दिनांक 27.02.2016 से 12.03.2016

7. संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा निर्वहण किये गये दायित्वों का विवरण -

1. संस्कृत सप्ताह समारोह में मुक्तस्वाध्यायपीठ के सभी अध्यापकों ने दिए गए दायित्वों का निर्वहण किया।
2. दिनांक 14 से 27 सितम्बर, 2015 तक आयोजित हिन्दी पखवाड़े के दौरान विविध कार्यक्रमों का संयोजन डॉ. प्रफुल्ल गडपाल द्वारा किया गया।
3. दिनांक 30 सितम्बर 2015 को आयोजित पञ्चम दीक्षान्त समारोह में मुक्तस्वाध्यायपीठ के सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने दिए गए दायित्वों का निर्वहण किया।
4. दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को सरदारवल्लभभाई पटेल जयन्ती के अवसर पर आयोजित विविध स्पर्धाओं का संयोजन डॉ. जयप्रकाश नारायण ने किया।
5. दिनांक 30 दिसम्बर से 02 जनवरी, 2016 तक तिरुपति में आयोजित **54वीं अखिल भारतीय शास्त्री स्पर्धा** के संयोजन का कार्य श्री वेंकटेश मूर्ति ने सम्पन्न किया।
6. दिनांक 24 से 26 फरवरी 2016 तक आयोजित **त्रयोदश संस्कृत नाट्यमहोत्सव** का संयोजन प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने किया। उक्त महोत्सव में मुक्तस्वाध्यायपीठ के सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने दिए गए दायित्वों का निर्वहण किया।

8. पुरस्कार/सम्मान

संस्कृत वर्ग में वर्ष 2015 का महर्षि बादरायण सम्मान डॉ. रत्नमोहन झा को प्राप्त हुआ।

परिसरों की एक झलक

4.2 परिसरों की गतिविधियाँ

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदनमोहनमालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा, एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12.1.1945 को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, 1.5 एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 3.2.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों से सम्पन्न हुआ। सर मॉरिस ने बड़े भाव-भीने शब्दों में कहा कि डॉ. झा किसी प्रदेश-विशेष से सम्बन्धित न होकर पूरे राष्ट्र के थे। प्रयाग के प्रति उनके लगाव को देखते हुये यह सर्वथा उचित है कि उनकी स्मृति में यहाँ एक शोध संस्थान बने जहाँ से उनके अवशिष्ट कार्य को गति मिले।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉ. बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे। संस्थान के सचिव प्रारम्भ से ही डॉ. उमेश मिश्र (1967) रहे। इनके अनवरत प्रयास, देखभाल एवं परिश्रम से संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति हुई और विश्व में भारतीय विद्या के क्षेत्र में इसका महत्त्वपूर्ण स्थान निर्मित हुआ।

उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके सुयोग्य पुत्र डॉ. जयकान्त मिश्र, प्रो., अंग्रेजी विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय, ने दक्षतापूर्वक सचिव के रूप में इसका कार्यभार संभाला और इसकी कीर्ति को अक्षुण्ण रखा। संस्थान का प्रशासन 10 सदस्यों की प्रबन्ध समिति द्वारा होता था। डॉ. बाबूराम सक्सेना, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. एस.पी. चतुर्वेदी, पं. के.सी. चट्टोपाध्याय इस समिति में थे। इस समय तक शोध संस्थान का प्रमुख कार्य 'जर्नल' का प्रकाशन रहा।

महामहोपाध्याय डॉ. पी.वी. काणे, सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, डॉ. एफ. डब्ल्यू. थॉमस (आक्सफोर्ड), प्रो. फ्रैंकलीन एडगर्टन (न्यूयार्क), मौलवी सईद सुलेमान नकवी (आजमगढ़) और प्रो. मोहम्मद सफी इसके सम्मानित सदस्य रहे। श्री गोपालस्वरूप पाठक, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, सर एस. वरदाचारी, जस्टिस रघुबर दयाल, एस.सी. देव और सर सीताराम इसके आजीवन सदस्य रहे। इन विद्वानों के वरदहस्त से इस संस्था की निरन्तर गौरव-वृद्धि होती रही।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ) द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में वर्ष 1971 में किया गया तब से यह ''गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ'' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के समविश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर' किया गया। यह परिसर एक ऐसा प्रतिष्ठित शोध-केन्द्र है जो संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोध-कार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की अवस्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के समीप चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास स्थित है। परिसर के सम्मुख पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी. टी. रोड) परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3

किमी. इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 20 किमी की दूरी पर स्थित है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोधकार्य होता है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष) पाठ्यक्रमों में अध्ययन-अध्यापन कार्य होता है।।

1. विद्यावारिधि (पी-एच्. डी.)।
2. अनुसंधान प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान पाठ्यक्रम।
3. मुक्तस्वाध्यापीठम् के विभिन्न पाठ्यक्रम (दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से)

   प्राक्शास्त्री सेतु,

   प्राक्शास्त्री (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   शास्त्री सेतु (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   शास्त्री (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष),

   आचार्य (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)।

4. परिसर के लक्ष्य और उद्देश्य/परिसर की प्रमुख गतिविधियाँ

- भारतीय प्राच्य विद्या में मौलिक शोध को प्रोत्साहन।
- संस्कृत के दुर्लभ मातृकाओं/ग्रन्थों का सम्पादन/प्रकाशन/अनुवाद।
- अन्तर्राष्ट्रिय ख्याति की प्राच्यविद्यामयी शोध-पत्रिका "जर्नल आफ द गंगानाथ झा कैम्पस्" का प्रकाशन।
- प्राच्यविद्याध्ययनोपयोगी विशाल पुस्तकालय का संवर्धन।
- संस्कृत की पाण्डुलिपियों का संग्रह/संकलन/संरक्षण/सूचीकरण एवं सम्पादन।
- शोध छात्रों को शोधकार्य करने की सुविधा प्रदान करना।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रविष्ट करता है। प्रविष्ट शोध-छात्र इस परिसर के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में शोध कार्य करते हैं तथा परिसर में उपलब्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग की सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यहाँ की पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग मात्र परिसर के छात्रों तक ही सीमित नहीं है, अपितु नगर एवं नगर के बाहर के विद्वान् तथा शोध छात्र भी लाभान्वित होते हैं। यह परिसर संस्कृत तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के सभी वर्गो के विद्वानों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालय की क्षमतानुसार उपयोग का अवसर प्रदान करता है।

परिसर के आचार्य शोधच्छात्रों के मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त विभिन्न शोधपरियोजनाओं पर कार्य करते हैं तथा अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का सम्पादन करते हैं जिनका प्रकाशन परिसर द्वारा किया जाता है। परिसर द्वारा अब तक 120 पुस्तकों, 67 जर्नल ग्रन्थों, 11 उशती ग्रन्थों और 12 वर्णनात्मक पाण्डुलिपि ग्रन्थसूचियों का प्रकाशन किया जा चुका है।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं का विवरण

- भारतीय प्राच्य विद्या में मौलिक शोध को प्रोत्साहन।
- संस्कृत के दुर्लभ मातृकाओं/ग्रन्थों का सम्पादन/प्रकाशन/अनुवाद।
- अन्ताराष्ट्रिय ख्याति की प्राच्यविद्यामयी शोध-पत्रिका जर्नल आफ द गंगानाथ झा कैम्पस् का प्रकाशन।
- प्राच्य विद्याध्ययनोपयोगी विशाल पुस्तकालय का संवर्धन।
- संस्कृत की पाण्डुलिपियों का संग्रह/संकलन/संरक्षण/सूचीकरण एवं सम्पादन।
- शोध छात्रों को शोधकार्य करने की सुविधा प्रदान करना।
- संस्कृत दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- महिला दिवस का आयोजन
- स्थापना दिवस का आयोजन
- शिक्षक दिवस का आयोजन
- वसन्तोत्सव का आयोजन
- अन्त:परिसरीय युवा समारोह
- शास्त्रीय विषयों पर आधारित संगोष्ठी (राष्ट्रिय/अन्तरराष्ट्रिय)
- परिसरीय विद्वानों की शास्त्रचर्चा
- आचार्य मण्डनमिश्र स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन
- शोधच्छात्राओं की भाषण प्रतियोगिता
- स्वाध्याय केन्द्र की सम्पर्ककक्षाओं में यथासमय अध्यापनकार्य
- पी-एच.डी. की सत्रार्द्ध परीक्षा एवं स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा
- परिसरीय पत्रिका उशती का प्रकाशन
- शोधरत छात्रों के लिए क्रीडा प्रांगण की व्यवस्था

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 6 आचार्य एवं 4 सहायकाचार्य शोध छात्रों को विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

शैक्षिक विभाग के अग्रलिखित कार्य प्रगति पर है -

- मीमांसाचन्द्रिका (ब्रह्मानन्दसरस्वतिविरचिता) सम्पादन कार्य
- विधवोद्वाहशंकासमाधिः (कालोकशेपनामक श्री राजाराम शास्त्री इत्यनेन निर्मितः) सम्पादन कार्य
- 'गंगा-शशिलेखा व्याख्योपेतम्, गीतगोविन्दमहाकाव्यम्' टीकाकार महाकवि कृष्णदत्त (अठारहवीं शताब्दी) शीघ्र प्रकाश्यमाण
- लिंगनिर्णय, लिंगप्रकाशः लिंगानुशासनसूत्रवृत्तिः आख्यात चन्द्रिका
- हस्तलेख सम्पादन - सारस्वती प्रक्रिया (द्वादश पक्ष टीका), पद्ममुष्टिप्रकाशिका - मुकुन्दशास्त्रीकृता, धातुरत्नमञ्जरी-रामसिंहकृता, सौन्दर्यलहरीटीका
- सम्बन्ध विवेक - शूलपाणि (वंग एवं मैथिल लिपि) सम्पादनाधीन।
- ब्रह्मानन्दसरस्वतिकृत - परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या
- चित्प्रभा का सम्पादन क्रियमाण
- लघुविभक्त्यर्थनिर्णयः का समीक्षात्मक सम्पादन
- वृत्तिदीपिका - समीक्षात्मकसम्पादन
- वैयाकरणमतोन्मज्जनटीका का समीक्षात्मकसम्पादन
- वशिष्ठस्मृति की विद्वन्मोदिनी टीका (संयुक्त सम्पादन) सम्पादनाधीन।
- रूक्मिणी पत्रिका प्रकाशनाधीन
- नासिकेतोपाख्यान (सम्पादन कार्य)
- सुश्लोकलाघव (चित्रबन्ध) काव्य का सम्पादन
- रामविलासकाव्यम् का सम्पादन
- उपचारमाला महामुद्गल भट्ट कृत सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद कार्य समाप्त (प्रकाशनाधीन)
- नन्दसमुच्चय का सम्पादन (प्रकाशित)
- तत्त्वदीपिनी टीका प्रकाशनाधीन
- महामहोपाध्याय सर गंगानाथ झा (प्रकाशित)
- प्रस्तावसागर प्रकाशनाधीन
- शृंगारसप्तशतिका प्रकाशनाधीन
- द्रव्यसारसंग्रह प्रकाशनाधीन
- आनन्द रघुनन्दनम् प्रकाशनाधीन
- सुदामाशतकम्
- कारक खण्डनमण्डन
- प्रातिशाख्य पारिभाषिक कोष (शीघ्र प्रकाश्यमाण)
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 68, 69, 70 (प्रकाशित) 71 शीघ्र प्रकाश्यमाण
- उशती का सम्पादन (अंक द्वादश-त्रयोदश) प्रकाश्यमाण

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 02

उत्तर प्रेषित - 02

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर-परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा संस्थापित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित-विश्वविद्यालय के अन्तर्गत द्वादश परिसरों में पुरी में स्थापित श्री सदाशिव परिसर सबसे प्राचीन, सुसमृद्ध तथा बृहत्तम है। यह संस्था पहले सदाशिव संस्कृत महाविद्यालय के नाम से उत्कल सरकार के अधीन थी। उत्कल प्रदेश के महान् विद्वान् पण्डित हरिहरदास महोदय ने बलरामपुर के श्री दिग्विजय सिंह महोदय की सहायता से 1865 ई. में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की। बाद में महामहोपाध्याय सदाशिव मिश्र जी ने 1981 ई. में इस विद्यालय को महाविद्यालय में परिवर्धित किया। यहां साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त, स्मृति, पुराण, मीमांसा, सांख्ययोग, सर्वदर्शन, धर्मशास्त्र, ज्योतिष आदि शास्त्रीय क्षेत्रों में प्रख्यात विद्वानों का प्रादुर्भाव हुआ। पुनः 15 अगस्त 1971 ई. में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में इसे अधिकृत किया। तत्पश्चात् मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 07.05.2002 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित कर मान्यता दी। पुनः 13.6.2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस मानित विश्वविद्यालय को स्वीकृति देते हुए 03.07.2002 को उद्घाटित किया। सम्पूर्ण भारतवर्ष में इस सम विश्वविद्यालय के बारह परिसर स्वीकृत हुये। जिसमें श्री सदाशिव परिसर अन्यतम है।

परिसर की अवस्थिति

श्री सदाशिव परिसर गाँधीघाट मौजा के अन्तर्गत 4.780 एकड़ भूखण्ड पर वर्ष 2001 में निबन्धित हुआ, तथा यहाँ मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा नये भवन का निर्माण किया गया। पुरी के बालुखण्ड मौजा नामक स्थान में 10.05 एकड़ भूखण्ड निबन्धित हुआ था, जिसमें छात्रों के लिए आवास का निर्माण किया जा रहा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.	विषय	समकक्ष	अवधि
1.	प्राक्शास्त्री	इन्टरमीडिएट	2 वर्ष
2.	शास्त्री	बी.ए.	3 वर्ष
3.	आचार्य	एम.ए.	2 वर्ष
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.	1 वर्ष
5.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.	2 वर्ष

अन्यान्य कार्यक्रम तथा विभिन्न संगोष्ठियाँ एवं उत्सव आदि अखिल भारतीय स्पर्धा

संस्कृत सप्ताह समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,नई दिल्ली के निर्देशानुसार इस वर्ष श्रावण शुक्ल चतुर्दशी से कृष्ण तृतीया तक (9-13 अगस्त 2015) संस्कृत सप्ताह का पालन हुआ ।

अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव

आठवां अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव 30 अक्टुबर से 02 नवम्बर 2015 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के हिमाचल प्रदेश स्थित वेदव्यास परिसर में सम्पन्न हुआ । इस आयोजन में परिसर के श्री प्रियजीत महापात्र, डॉ.भगवान सामन्तराय,डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र, सुश्री स्नेहानन्द इत्यादि गुरूजनों के सफल नेतृत्व में 60 प्रतिभागी छात्रों ने भाग ग्रहण किया । जिनके द्वारा 19 पदक प्राप्त हुए । उनमें 4 स्वर्ण पदक 8 रजतपदक तथा 7 कांस्य पदक हैं ।

अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह

28-31 जनवरी 2016 को राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति के द्वारा आयोजित दसवें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह में 25 छात्रों ने भाग लिया। जिसमें एकल संगीत स्पर्धा में द्वितीय, समूह नृत्य में प्रथम, ज्योतिष

भाषण स्पर्धा में तृतीय, धर्मशास्त्र में द्वितीय तथा अद्वैतवेदान्त में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा

30 दिसम्बर 2015 से 2 जनवरी 2016 के मध्य श्री वेंङ्कटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति के द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा में डॉ. विश्वरंजनपति के निर्देशन में 20 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। जिसमें व्याकरण भाषण में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा निवेदिता रथ को स्वर्ण पदक तथा आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रद्धांजलि दास को रजत पदक प्राप्त हुआ।

परिसरीय शैक्षिक प्रतियोगिता

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2015-16 में भी वार्षिकोत्सव हेतु शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन डॉ. गणपति शुक्ल के संयोजन में सम्पन्न हुआ। इस कार्य में डॉ. कुन्जबिहारी द्विवेदी तथा डॉ.प्रियरंजन रथ ने सहयोग दिया।

परिसरीय वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता

4-6 मार्च 2016 तक परिसर में वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया विविध क्रीडा प्रतियोगिताओं में 130 छात्रों ने भाग लिया । सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाडी के लिए समीरदेव चौहान शास्त्री तृतीय वर्ष तथा सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाडी के लिए स्वागिता आचार्य शास्त्री तृतीय वर्ष के नाम उद्घोषित हुए। श्रेष्ठ कबड्डी खिलाडी गोपालकृष्ण मिश्र तथा श्रेष्ठ हस्तकन्दुक खिलाडी प्रकाश कुमार नायक के रूप में चयन किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान

डॉ. निर्मला पाणिग्रही, डॉ. रमाकान्त मिश्र और अन्य शिक्षाशास्त्र के विभाग के देखरेख में पूरे साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा समारोह

28 जनवरी 2016 से 31 फरवरी 2016 तक तिरुपति विद्यापीठ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा समारोह में पुरी विद्यापीठ ने एक स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक और एक कांस्य पदक प्राप्त किया।

विभागीय उपलब्धियाँ

परिसर में ग्यारह विभाग हैं। सभी विभागों में विस्तृत व्याख्यान के लिए विभिन्न स्थानों से विद्वान् आमंत्रित किए जाते हैं। सभी विभागों द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

छात्र कल्याण परिषद

परिसर की प्रत्येक कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र प्राचार्य के निर्देशानुसार छात्र कल्याण परिषद में रखे जाते हैं। इसमें आचार्य द्वितीय वर्ष की नव्यन्याय विभागीय छात्रा ज्योत्स्ना बेहरा,आचार्य प्रथम वर्ष, का अद्वैत विभागीय छात्र रमेश चन्द्र महापात्र,शिक्षा विभागीय छात्रा किशोरी पधान, शिक्षाचार्य विभागीय छात्र रमाकान्त शास्त्री तृतीय वर्षीय छात्र अविनाश भोई, शास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्र रोजालिन महाराणा, शास्त्री प्रथम वर्षीय छात्र कालीप्रसादाचार्य, प्राकशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्र सुलग्ना सेनापति, प्राकशास्त्री प्रथम वर्षीय छात्र श्रुति शिखा साहू को रखा गया है। इस परिषद के प्रो.हरेकृष्ण महापात्र,प्रो.सुकान्त कुमार सेनापति एवं श्री दुर्गाप्रसाददाश महापात्र पदाधिकारी हैं।

वार्षिकोत्सव

प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी 14 मार्च 2016 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. श्रीधर वशिष्ठ जी मुख्यातिथि, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति प्रो.परमेश्वर नारायण शास्त्री जी मुख्यवक्ता और परिसर के प्राचार्य डॉ.जी.गंगन्ना जी सभाध्यक्षता में वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ।

विशेष कार्यक्रम

नूतन छात्रावास का उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति प्रो.परमेश्वर नारायण शास्त्री जी के करकमलों के द्वारा 14 मार्च 2016 को प्रातः 10 बजे सम्पन्न हुआ।

परिसर के प्रकाशन

क्र.सं.	विभाग	प्रकाशन	आईएसएसएन/आईएसबीएन
1	परिसर	पौर्णमासी	2347-9469
2	परिसर	सदाशिव सन्देश	-----
3	व्याकरण	गोणिका	2347-6297
4	साहित्य	साहित्य सौरभम्	2454-2814
5	पुराण	पुराणज्योत्सना भागवतामृतम्	2394-9732
6	धर्मशास्त्र	श्रीदेवयानः	2394-2436
7	वेदान्त	अद्वैतनिधिः	2348-8263
8	दर्शन	दर्शनप्रभा	2348-5981
9	नव्यन्याय	तर्कतरङ्गिणी	2394-5109
10	सांख्ययोग	सांख्ययोगामृतम्	2465-796ग
11	ज्योतिष	ज्योतिषामृतम्	-----
12	हिन्दी	नीलांचल सौरभ	2394-5265
13	शिक्षाशास्त्र	शिक्षासुरभिः	2347-9914

इन सभी वार्षिक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रतिवर्ष किया जाता है ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 05

उत्तर प्रेषित - 05

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय-परिचय

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व शासक महाराजाधिराज श्री रणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवं अगाध अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1873 ईस्वी में रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का, दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने अधिग्रहण करके, 'श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' नाम दिया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम विश्वविद्यालय के रूप में घोषणा के बाद विद्यापीठ को श्री रणवीर परिसर के रूप में नामित किया गया। जिसमें अध्ययनविषयानुरूप व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, वेद, दर्शन और शिक्षाशास्त्र ये 6 विभाग हैं।

जिनमें प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक के अनुशासित छात्रों को सुयोग्य प्राध्यापकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जा रही है। संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यहाँ 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) पाठ्यक्रम का आरंभ किया गया है और शास्त्री तक शास्त्रीय विषयों के साथ ही हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहाँ छात्रों के लिए संगणक, पर्यावरण विज्ञान, संगीत और योग के प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बहुआयामी शोध के उद्देश्य से 1978 से अब तक 120 शोधच्छात्र विद्यावारिधि (पी.एच. डी.) उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 31 है। परिसर शैवदर्शन से सम्बद्ध शोधों को बढ़ावा देने के लिए कश्मीर शैव दर्शन कोश परियोजना को भी सञ्चालित कर रहा है। परिसर में अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है। जिसमें विविध विषयों की लगभग 38,243 पुस्तकें उपलब्ध हैं और यहाँ से 20 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

व्यवस्थित अधिगम के लिए परिसर में उच्चकोटि के संगणक कक्ष, शैक्षिक तकनीकि प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला भी हैं।

परिसर में स्टाफ के लिए आवासीय व्यवस्था के साथ ही उन्नत स्तर का अतिथिगृह भी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त आधुनिक व उत्कृष्ट कोटि का मन्त्रणा सभागार, सम्मेलन कक्ष और क्रीड़ा स्थल भी परिसर में विद्यमान है।

वर्ष 2015-16 के दौरान विभिन्न कक्षाओं में 392 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिसमें 307 छात्र और 50 छात्राएँ शामिल हैं। इनके निवास के लिए परिसर में (60+24=84 कमरों के) अलग-अलग त्रितलीय छात्रावास बनाए गए हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान 106 छात्रों और 35 छात्राओं के लिए आवास व्यवस्था प्रदान की गई।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू में स्थित है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्-शास्त्री
2. शास्त्री
3. शिक्षाशास्त्री
4. आचार्य
5. शिक्षाचार्य
6. विद्यावारिधि

4. समारोह/संगोष्ठियाँ एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

सरस्वती परिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से प्रतिमास सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवम् आधुनिक विषयों की भी विभागीय परिषद् (गोष्ठी) प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है

जिसके अन्तर्गत सम्मिलित रूप से सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय आदि विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की हैं।

शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेष रुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बन हेतु विद्यार्थियों को रूद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधि-विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

वसन्तोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव का आयोजन दिनांक 25-26 फरवरी 2016 को किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा लटकमेलकम् नाटक का मंचन किया गया। जिसमें परिसरीय छात्र श्रीपुरूषोतम दास को प्रथम पुरस्कार, सुश्री स्नेहा पाण्डेय द्वितीय पुरस्कार, तथा श्रीअरूणकुमार नायक, तृतीय पुरस्कार, प्राप्त हुआ। नाटक का निर्देशन डॉ. देवेन्द्र पाठक द्वारा किया गया। डॉ. पाठक ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार प्राप्त किया।

युवा महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष भिन्न-भिन्न परिसरो में युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दिनांक 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2016 तक युवा महोत्सव का आयोजन श्रीवेद व्यास परिसर बलाहार गरली हिमाचल प्रदेश में किया गया। इस महोत्सव में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया। तथा परिसर के आचार्य प्रथमवर्ष के छात्र श्रीहरीश शर्मा ने शाट-पुट में कांस्य पदक प्राप्त किया। सांस्कृतिक और आकादमिक प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्र पुरूषोतम दास ने एकपात्र अभिनय में स्वर्ण पदक और सुभाषितकण्ठ पाठ स्पर्धा में कांस्य पदक एवं सुश्री स्नेहा पाण्डेय ने एकल शास्त्रीय गायन में कांस्य पदक, पूरणचन्द्र ने एकलसंस्कृत गीत में कांस्य पदक और रोहित कुमार ने आशु भाषण में कांस्य पदक प्राप्त किया और समूह गायन स्पर्धा में शिक्षाशास्त्रविभाग की कल्पना साम्ल, सुस्मिता साहु, विजिस्मिता नन्द, शुभदा प्रियदर्शनी, कामिनीचन्द्र, अरूण नायक, भावुक ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30.12.2015 से 03.01.2016 तक अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन श्रीवेङ्कटेश्वरवैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति में किया गया।

वार्षिक शैक्षिक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वाद विवाद, श्लोक पाठ, काव्य पाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमञ्च आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है।

पर्यावरण एवं शैक्षिक भ्रमण

परिसर में प्रतिवर्ष प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों को पर्यावरण भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण तथा ऐतिहासिक भ्रमण के लिए विविध स्थानों पर ले जाया जाता है।

राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी

दिनांक 19.11.2015 से 21.11.2015 तक समसामायिक-सन्दर्भे वेदोदितनैतिकावधारणा इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वेदविभाग के द्वारा किया गया। इसका उद्घाटन संस्थान के कुलपति प्रो.परमेश्वर नारायण शास्त्री के अध्यक्षता में तथा जम्मू के उपमुख्यमंत्री डॉ. निर्मलसिंह के मुख्यातिथित्व में तथा प्रो.दयानन्दभार्गवमहोदय के विशिष्टातिथित्व तथा प्रो.युगलकिशोमिश्र के सारस्वातिथित्व में किया गया। जिसके मुख्यसंयोजक प्रो. मनोजकुमारमिश्र थे। इसके सह संयोजक डॉ. अरूणकुमार मिश्र, डॉ. डी.दयानाथ, तथा डॉ. दीपककुमार शर्मा, वेदविभागीय प्राध्यापक थे।

श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद्

भारतीय वाङ्मय की अमूल्य महानिधिभूत संस्कृत शास्त्रों के स्वाध्याय एवं प्रचार-प्रसार को बढावा देने के उद्देश्य से परिसर प्राचार्य ने गत वर्ष श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् की स्थापना की। इस सत्र में परिषद के संयोजन का दायित्व डॉ. चन्द्रमौलि रैणा ज्योतिष विभाग और सह-संयोजक डॉ. नीतू शर्मा एवं डॉ. ज्योति प्रकाश नन्द रहे।

- श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् का प्रथमाधिवेशन प्राचार्य प्रो. रामानुजदेवनाथन की अध्यक्षता में दिनांक 10.09.2015

को व्याकरण विषय में आयोजित किया गया। जिसमें व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. हरिणारायण तिवारी ने वृत्तितत्वमीमांसा, डॉ. सच्चिदानन्दशर्मा ने वर्णाः सार्थकाः अनर्थकाः वा, एवं डॉ. हरिशङ्कर पाण्डेय ने निपातार्थविचारः विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।

- दिनांक 29.10.2015 को द्वितीय अधिवेशन में वेद विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें डॉ. अरूण कुमार मिश्र ने शास्त्रे गोर्महत्वम्, डॉ. डी.दयानाथ ने वेदविकृतिपाठस्य महत्त्वम् तथा डॉ. दीपककुमार शर्मा ने शिक्षाग्रन्थेषु उदात्तादिस्वरस्वरूपविमर्शः विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- दिनांक 04.12.2015 को तृतीय अधिवेशन में सर्व दर्शन विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें डॉ. ज्योतिप्रकाश नन्द ने न्यायनये प्रथमाविभक्त्यर्थ-विचारः, डॉ. कृष्णमुरारी मणि त्रिपाठी ने पूर्वपक्षव्याप्तिपञ्च-लक्षणविचारः विषय पर तथा डॉ. आशीष कुमार ने तत्र गन्धवती पृथिवी शाब्दबोधः विषयक शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- दिनांक 07.01.2016 को चतुर्थ अधिवेशन में साहित्य विभाग की ओर से शास्त्रार्थ उपस्थापित किया गया। जिसमें साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीशकुमार कपूर ने प्राच्यपाश्चात्य काव्यशास्त्रम् विषय पर, डॉ. तेजनाथ पौडेल ने ध्वनि व्यङ्ग्यार्थश्च विषय पर डॉ. राजकुमार मिश्र ने पण्डितराजजगन्नाथस्य काव्यलक्षणम् विषय पर शास्त्रार्थ उपस्थापित किया।
- अन्तिम अधिवेशन दिनांक 30.03.2016 को ज्योतिष विषय में सम्पन्न हुआ था। जिसमें ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभातकुमार महापात्र ने राशिस्वरूपम्, डॉ. चन्द्रमौलिरैणा ने नवग्रहेषु भौमः, डॉ. निगमपाण्डेय ने सूर्यचन्द्रग्रहणर्यो-र्विमर्शः, रतनकुमार पाण्डेय ने भारतीयवेधपरम्परा विषयक शास्त्रार्थ उपस्थापन किये।

श्रीशारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

परिसर में दिनांक 14.03.2016 से 19.03.2016 तक श्रीशारदाविशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

1. दिनांक 14.03.2016 को सम्पन्न हुए उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से सेवा-निवृत्त महामहोपाध्याय प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा उपस्थित थे। प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा ने 'यागहोमयोर्लक्षणमीमांसा' विषय पर व्याख्यान दिया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन ने की।
2. विशिष्टव्याख्यानमाला के दूसरे दिन 15.03.2016 को जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर, शिक्षासंकाय, के पूर्व प्रमुख प्रो. गोपीनाथ शर्मा ने 'अध्यापक शिक्षाः अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. दिनांक 16.03.2016 को विशिष्टव्याख्यानमाला के तृतीय चरण में श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी ने 'दिग्देशकालविचारः' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।
4. विशिष्ट व्याख्यानमाला के चतुर्थ दिन काशीहिन्दूविश्व-विद्यालय, वाराणसी के संगीत विभाग के प्राध्यापक डॉ. शिवराम शर्मा ने 'काव्यानन्दमीमांसा' विषय पर व्याख्यान दिया।
5. दिनांक 18.03.2016 को विशिष्ट व्याख्यानमाला के पञ्चम दिन उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित ने 'आरम्भवाद' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।
6. दिनांक 19.03.2016 को श्रीशारदाविशिष्टव्याख्यानमाला का सम्पूर्ति सत्र सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक प्रो. सत्यप्रकाश दुबे ने 'व्याकरणशास्त्रे शब्दतत्त्व-विमर्श' विषय पर व्याख्यान दिया। सम्पूर्ति सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन ने की।

श्रीशारदाविशिष्टव्याख्यानमाला का संयोजन साहित्य विभाग के अध्यापक डॉ. राजकुमार मिश्र एवं शिक्षाशास्त्रविभाग के अध्यापक श्री सुमन प्रसाद भट्ट ने संयुक्त रूप से किया।

विभागीय संगोष्ठी

परिसर में माननीय कुलपति के आदेशानुसार शैक्षिक उन्नयन और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के लिए इस सत्र से प्रत्येक विभाग में राष्ट्रिय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभागीय संगोष्ठी में राष्ट्रिय स्तर के विद्वानों ने सहभागिता की।

शैक्षिणिक सत्र 2015-16 में सम्पन्न वार्षिकगतिविधियों का विवरण

समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 21.06.2015 को परिसर में अन्ताराष्ट्रीययोगदिवस का आयोजन किया गया।
- संयुक्त शिक्षाशास्त्री पूर्व प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करके छात्रों ने जुलाई मास में दिनांक 14.07.2015 से 14.08. 2015 तक शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश लिया।
- दिनांक 22.07.2015 को शैक्षणिकसत्र का सत्रारम्भ गणेशपूजन के साथ हुआ।
- दिनांक 27.07.2015 को विद्यावारिधि छात्रों का षाण्मासिक कक्षा का शुभारम्भ किया गया।
- दिनांक 28.07.2015 से 17.08.2015 तक परिसर में मुक्तस्वाध्याय पीठ के अर्न्तगत 21 दिवसीय ज्योतिष स्वाध्याय लेखन सामग्री कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री थे।
- दिनांक 03.08.2015 से 14.08.2015 तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए आवासीय संस्कृत प्रशिक्षणवर्ग का आयोजन किया गया। जिसके समापन की मुख्यातिथि राज्यशिक्षा मन्त्री श्रीमती प्रियासेठी थीं।
- दिनांक 08.09.2015 को परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. हरिनारायण तिवारी, व्याकरण-विभागाध्यक्ष थे।
- दिनांक 12.08.2015 को अन्तर्राष्ट्रीययुवदिवस का आयोजन रेड रिबन कल्ब श्रीरणवीर परिसर तथा जम्मू एड्स संक्रमण सोसाईटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जिसके मुख्यातिथि श्रीमति दीपिका बी.ठाकुर, विशिष्ट अतिथि ऋषिखजुरिया और सारस्वत अतिथि श्रीराजेशशर्मा थे।
- दिनांक 10.08.2015 से 24.08.2015 तक कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने इस अखण्डमन्त्रोच्चारण के साथ संस्कृतसप्ताहोत्सव का उद्घाटन किया गया। जिसके मुख्यातिथि के रूप में जम्मूविधानसभाध्यक्ष श्रीकवीन्द्रगुप्ता तथा विशिष्टातिथि के रूप में श्रीविजयसिंहसम्व्याल निदेशक, रेडियो कश्मीर, जम्मू पधारे। इसका समापन संस्कृत जागरूकता शोभायात्रा के साथ अखनूर में किया गया।
- दिनांक 15.08.2015 को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन किया गया।
- दिनांक 04.09.2015 को परिसर में शिक्षकदिवस का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यातिथि श्री वी.सन्तोष, प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय बनतलाब, जम्मू थे।
- दिनांक 11.09.2015 को परिसर में तिरुक्कुरळ् सन्देश के उपलक्ष्य में विभिन्न शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का समापन दिनांक 17.09.2015 को परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग में हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि श्री राजेश शुक्ल प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय नगरोटा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई।
- दिनांक 14.09.2015 को श्रीरामचरितमानस के अखण्ड-परायण के साथ हिन्दीपखवाडा का उद्घाटन किया गया। जिसके मुख्यातिथि के रूप में डॉ. गोविन्दईनखि, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू से पधारे।
- दिनांक 17.09.2015 को परिसर में गणेश चतुर्थी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चन्द्रमौलिरैणा थे।
- दिनांक 05.10.2015 को मूल्यशिक्षायां गुणवत्ता संवर्धनाय संस्कृतस्य योगदानम् इस विषय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षाशास्त्रविभाग में किया गया। जिसके मुख्यातिथि के रूप में श्री वी.सन्तोष, प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय बनतलाब, जम्मू तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. शुक्ला, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय नगरोटा, पधारे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. नगेन्द्रनाथ झा, शिक्षाशास्त्र-विभागध्यक्ष रहे।
- दिनांक 07.10.2015 को डॉ. वी. राघवनव्याख्यानमाला आयोजन किया गया। जिसके मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. वी.उपेन्द्रराव (विभागाध्यक्ष संस्कृतविभाग, जे.एन.यू. नई दिल्ली) सोम आह्युस्का इत्यनयोस्तुलनात्मकमध्यनम् इस विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 07.10.2015 को श्रीशङ्करशास्त्रार्थपरिषद् का उद्घाटन भी किया गया।
- दिनांक 08.10.2015 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ज्योतिषविभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी

के संयोजक डॉ. प्रभातकुमारमहापात्र, ज्योतिषविभागध्यक्ष रहे।

- दिनांक 11.10.2015 को परिसर प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में त्रैमासिक अनौपचारिकसंस्कृत शिक्षण प्रथम दीक्षा का उद्घाटन किया गया। अध्यापक के रूप में सुप्रिया आर्या एवं तिलकराज को नियुक्त किया गया।
- दिनांक 26.10.2015 से 31.10.2015 तक परिसर में सतर्कता एवं जागरूकता सप्ताह अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मदनसिंह शिक्षा विभाग रहे।
- दिनांक 27.10.2015 को परिसर में राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा के संयोजक डॉ. आशीषकुमार एवं डॉ. सुदीपकुमार पाठक रहे।
- दिनांक 19.11.2015 से 21.11.2015 तक समसामायिक-सन्दर्भे वेदोदितनैतिकावधारणा इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वेदविभाग के द्वारा किया गया।
- दिनांक 26.11.2015 से 30.11.2015 तक संविधानदिवस-समारोह का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन डॉ. योगेन्द्रदीक्षित, राजनीतिशास्त्र के प्राध्यापक तथा डॉ. प्रेमसिंह, शिक्षाशास्त्रविभाग के प्राध्यापक द्वारा किया गया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2016 तक शिक्षाशास्त्र प्रथमवर्ष के छात्रों के लिए जैनविश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा प्राकृतशिक्षणशिविर का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यप्रशिक्षक प्रो. दामोदरशास्त्री और सह प्रशिक्षक डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज थे।
- 27.11.2015 को प्राचामर्वाचां लक्ष्यलक्षणग्रन्थानां विवेकः इति विषय में साहित्यविभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का संयोजन डॉ. सतीशकुमारकपूर, साहित्यविभागध्यक्ष द्वारा किया गया।
- दिनांक 02.11.2015 से 06.11.2015 तक सरदारबल्लभ-भाईपटेल जयन्ती का आयोजन परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता संस्कृतभारती के अखिलभारतीय संगठनमंत्री श्रीदिनेशकामत् थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चन्द्रमौलिरैणा, एवं सह संयोजिका डॉ. नीतूशर्मा थी।
- दिनांक 21.12.2015 को श्रीरणवीरपरिसर के द्वारा गीताजयन्ती समारोह का आयोजन केन्द्रीयविद्यालय, गांधीनगर, जम्मू में किया गया। जिसके मुख्यातिथि प्राचार्य केन्द्रीयविद्यालय गांधीनगर थे। तथा विशिष्टातिथि डॉ. उषाकेलकर निरीक्षक, एयरपोर्ट जम्मू थी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शरत् चन्द्रशर्मा, आधुनिक-विभागाध्यक्ष द्वारा की गई। संयोजक डॉ. नगेन्द्रनाथ झा, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र थे।
- दिनांक 12.01.2016 को परिसर में 153वीं स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि श्री आई.डी.सोनी थे। कार्यक्रम की संयोजक श्री शरत् चन्द्रशर्मा थे।
- दिनांक 22.01.2016 को द्वितीय दीक्षा एवं तृतीय दीक्षा का उद्घाटन परिसर प्राचार्य जी की अध्यक्षता में किया गया। द्वितीया दीक्षा के संयोजक डॉ. प्रभात कुमार महापात्र एवं तृतीया दीक्षा के संयोजक डॉ. डी. दयानाथ थे। तृतीया दीक्षा के अध्यापक श्री विक्रमदास एवं द्वितीय दीक्षा अध्यापक श्री कृष्णकुमार तथा तिलकराज थे। द्वितीया दीक्षा एवं तृतीया दीक्षा के समापन समारोह के मुख्यातिथि डॉ. अंकुर गुप्त, निदेशक माईट कॉलेज, कोट-भलवाल, जम्मू तथा अध्यक्ष परिसर प्राचार्य रहे।
- दिनांक 26.01.2016 को परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 12.02.2016 को परिसर में बसन्तपंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 21.02.2016 को परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मदन सिंह, प्राध्यापक शिक्षाविभाग एवं डॉ. कृष्णमुरारी मणि त्रिपाठी, प्राध्यापक, दर्शनविभाग रहे।
- दिनांक 27.02.2016 को परिसर में 04.03.2016 तक वार्षिक खेल सप्ताह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 11.03.2016 को परिसर में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यातिथि के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय वूशु खिलाडी श्री सूर्यभानुप्रताप सिंह पधारे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। इस अवसर पर विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्यसंयोजक डॉ. प्रभात कुमार महापात्र तथा सह संयोजक डॉ. राजेन्द्र लाल रहे।
- दिनांक 21.02.2016 को परिसर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सर्वदर्शन विभाग में किया गया।

संगोष्ठी के संयोजक प्रो. के.बी. सुब्बरायडु, विभागाध्यक्ष सर्वदर्शन विभाग थे।

- दिनांक 01.04.2016 को परिसर में उत्कलदिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 04.04.2016 को परिसर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आधुनिकविभाग में किया गया। संयोजक डॉ. शरत् चन्द्र शर्मा, आधुनिकविभागाध्यक्ष थे।

परिसरीय प्राध्यापकों की अकादमिक सहभागिता 2015-16

प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्राचार्य

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों में सदस्य।
- संस्कृत संवर्धन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति में सदस्य।

प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, विभागाध्यक्ष, सर्वदर्शन विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

प्रो. हरिनारायण तिवारी, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

प्रो. बच्चा भारती, शिक्षाशास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

प्रो. जगदीश राज शर्मा, शिक्षाशास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

श्री शरत् चन्द्र शर्मा, आधुनिक विषय विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- Polity in Vishnudharmottara Puran का विमोचन श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय में आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल के द्वारा किया गया।
- श्री वेद व्यास परिसर बलाहार में आधुनिक विषय विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता।
- श्री रणवीर परिसर में आधुनिक विषय विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी में Translations: Its Relavance as knowledge in Plureleitic Society in India विषय पर पत्र वाचन किया।
- प्रधानमन्त्री मन की बात कार्यक्रम का डोगरी में अनुवाद कर रेडियो कश्मीर पर प्रसारित।
- All India Radio के उद्घोषक प्रशिक्षण कार्यक्रम 'वाणी' में विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता।
- रेडियो कश्मीर द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में।
- जम्मू विश्वविद्यालय और All India Radio के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत कवि सम्मेलन कार्यक्रम का संचालन एवं काव्यपाठ।

डॉ. प्रभात कुमार महापात्र, सह-आचार्य, ज्योतिष विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 08.10.2015 श्री रणवीर परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'मानवजीवने वक्रिग्रहणां प्रभाव:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27.11.2015 श्री रणवीर परिसर में साहित्य विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का भागग्रहण किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में सत्राध्यक्ष।
- दिनांक 18.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 30-03-2016 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'राशिस्वरूपविमर्श:' विषय पर शास्त्रार्थ प्रस्तुति।

डॉ. नगेन्द्र नाथ झा, सह-आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं विभागाध्यक्ष

- दिनांक 01.03.2016 से 04.03.2016 तक भोपाल परिसर में आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में सहभागिता।

डॉ. सतीश कुमार कपूर, सहायक-आचार्य, साहित्य विभाग एवं विभागाध्यक्ष

व्याख्यान

- जम्मूविश्वविद्यालय के ऊर्दू विभाग द्वारा आयोजित विविध-भाषीय रिफ्रेशर कार्यक्रम में दिनांक 09.08.2015 को "काव्यात्मक सौन्दर्य की अनुभूति" तथा "भाषा एवं भाव की प्रभावात्मकता" विषयों पर दो विशिष्ट व्याख्यान दिए।
- परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित भाषाशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 06.09.2015 को "संस्कृतव्याकरणान्तर्गत: समासपरिचय:" विषय पर व्याख्यान दिया।
- परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित भाषाशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 20.09.2015 को "संस्कृतसम्भाषण-कौशलम्" विषय पर व्याख्यान दिया।
- विद्यावारिधि-सात्राद्धिक-पाठ्यक्रम 2015-16 में "शोधप्रबन्धस्वरूपम्", "अनुसन्धानस्य नूतनक्षेत्राणि", "शोधप्रबन्धनिर्माणम्", "अनुसन्धानपद्धति:", "ग्रन्थसम्पादनं पाठसमालोचनं च" इत्यादि विषयबिन्दुओं पर पाँच व्याख्यान दिए।
- गोरक्षा सेवा समिति, अम्बफला, जम्मू द्वारा दिनांक 19.11.2015 को आयोजित गोपाष्टमी उत्सव कार्यक्रम में मुख्यवक्ता एवं सारस्वत अतिथि के रूप में "गो महिमा" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

- लेखक, सम्पादक एवं संयोजक के रूप में रची गई तथा प्रवेशिका, कनिष्ठोपाध्याय, वरिष्ठोपाध्याय आदि कक्षाओं के पाठ्यक्रम में निर्धारित पाँच पुस्तकों के नवीन संस्करण का राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा प्रकाशन हुआ।
- The Aesthetics of Poetry शीर्षक से "विश्वमूर्ति-वैभवम्" नामक अभिनन्दनग्रन्थ में शोधपत्र प्रकाशित हुआ।
- "अभिनन्दनश्री:" शीर्षक से "विश्वमूर्तिवैभवम्" नामक अभिनन्दनग्रन्थ में संस्कृतकविता प्रकाशित हुई।

सम्पादन

- सह सम्पादक: शैवदर्शन एवं साहित्यशास्त्रीय शोधपत्र-संग्रहात्मक ग्रन्थ "शारदायनम्"।
- सह सम्पादक: राष्ट्रपतिसम्मानित प्रो. विश्वमूर्तिशास्त्री अभिनन्दनग्रन्थ "विश्वमूर्तिवैभवम्"।

शोधपत्रादिप्रस्तुति

- दिनांक 08.09.2015 को परिसर में आयोजित व्याकरण-विभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी में "शब्दब्रह्मविज्ञानम्" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19.11.2015 को परिसर में आयोजित वेदविभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी में "वेदोदितमानवमूल्यानामालोक:" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 07.01.2016 को परिसर में आयोजित श्रीशंकर-शास्त्रार्थपरिषद् के साहित्यविभागीय सत्र में "प्राच्यं पाश्चात्त्यं च काव्यशास्त्रम्" विषय पर शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27.11.2015 को परिसर में आयोजित सहित्य-विभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी में "काव्यात्मकसंवेदनानां मनो-वैज्ञानिकपृष्ठभूमि:" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 28.03.2016 को परिसर में आयोजित दर्शनविभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी में "कुण्डलिनीशक्तिराधुनिकविज्ञानदृष्टिश्च" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 04.04.2016 को परिसर में आयोजित आधुनिक-विषयविभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी में Sanskrit and Artificial Intelligence विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सावित्री शतपथी, सहायक-आचार्या, सर्वदर्शन विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

डॉ. चन्द्र मौलि रैणा, सहायक-आचार्य, ज्योतिष विभाग

- श्री राघवेन्द्र पंचाग 2015-16 का प्रकाशन।

डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा, सहायक-आचार्य, व्याकरण विभाग

- दिसम्बर 2015 को जम्मू विश्वविद्यालय में रिफ्रेशर कोर्स में सम्मिलित हुए।
- दिनांक 10.09.2015 को श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'वर्णा: अर्थवन्त: अनर्थका: वा' नामक विषय पर शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया।
- दिनांक 08.09.2015 को व्याकरण विभागीय संगोष्ठी में

'स्फोट पदार्थः' नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- दिनांक 08.10.2015 को ज्योतिष विभाग की संगोष्ठी में 'व्याकरणे ज्योतिषम्' नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 को श्री रणवीर परिसर द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'सा विद्या या विमुक्तये' नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- शैवदर्शन पत्रिका - शब्दायनम् में शोध पत्र शैवदर्श एवं व्याकरण की दृष्टि में पश्यन्ती वाणी का विवेचन-2015
- सूर्योपासना द्वारा विद्या लेख श्री राघवेन्द्र पंचाग 2015 में प्रकाशित।
- 'विश्वमूर्तिवैभवम्' में लेख प्रकाशित - 2015 (1) आदर्श व्यक्तित्वम् (2) ध्वनि समीक्षणम्
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. राम दास संगोत्रा, सहायक-आचार्य, ज्योतिष विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।
- 2015 में जम्मू विश्वविद्यालय में रिफ्रेशर कोर्स में सम्मिलित।

श्रीमती निर्मल गुप्ता, सहायक-आचार्या, (डोगरी)

- दिनांक 6 अप्रैल से 26 अप्रैल 2015 तक जम्मू विश्वविद्यालय में रिफ्रेशर कोर्स में सम्मिलित हुई।

डॉ. अरुण कुमार मिश्र, संविदा अध्यापक, वेद विभाग

- शोध पत्र प्रस्तुत राष्ट्रिय संगोष्ठी व्याकरण विभाग श्री रणवीर परिसर, जम्मू 08.09.2015
- शोध पत्र प्रस्तुत राष्ट्रिय संगोष्ठी ज्योतिष विभाग श्री रणवीर परिसर, जम्मू 08.10.2015
- षट् मासिक शोध प्रविधि कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी श्री रणवीर परिसर, जम्मू 19-20 नवम्बर 2016 का संयोजन किया।
- 15.12.2015 को वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन भारत सरकार की वार्षिक परीक्षा में पर्यवेक्षक रहें।
- श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् श्री रणवीर परिसर में शास्त्रार्थ में विषय प्रस्तुत किया।
- 23-25 जनवरी 2016 को श्री महाकाल वैदिक प्रशिक्षण शोध संस्थान, उज्जैन द्वारा आयोजित वैदिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 2-3 मार्च 2016 को श्री श्री गगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम् श्री शारदा पीठम् वाराणसी में आयोजित वेदसम्मेलन में भाग ग्रहण कर वेद पारायण किया।
- 7-9 मार्च 2016 को ज्ञान-प्रवाह वाराणसी द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. दे. दयानाथ, संविदा अध्यापक, वेद विभाग

- दिनांक 24-28 अगस्त 2015 को जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पंच दिवसीय कार्यशाला में भाग ग्रहण किया।
- दिनांक 08.09.2015 को श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'अन्तरं निरुक्तव्याकरणयोः' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 05.10.2015 को श्री रणवीर परिसर में शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'ज्ञानं शिक्षाया उद्देश्यम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 08.10.2015 को श्री रणवीर परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'वेदे संवत्सरविज्ञानम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 को श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी का संयोजन एवं 'कियत्प्राचीना गङ्गा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27.11.2015 को श्री रणवीर परिसर में साहित्य विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'वेदमूलं साहित्यम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचलित षाट्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का संयोजन एवं विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत।

- दिनांक 10-11 मार्च 2016 गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'पाण्डुलिपि: का' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 18.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'विशिष्टाद्वैते तत्त्वत्रयम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. दीपक कुमार शर्मा, संविदा अध्यापक, वेद विभाग

- दिनांक 05.10.2015 श्री रणवीर परिसर में शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'वैदिकवाङ्मये व्यक्तित्वविकास:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 29.10.2015 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'शिक्षाग्रन्थेषु उदात्तादिस्वर-स्वरूपविमर्श:' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 को श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी के सह-संयोजक रहे।
- दिनांक 2-3 मार्च 2016 को श्री श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम् श्री शारदा पीठम् वाराणसी शाखा द्वारा आयोजित चतुर्वेद पाठ स्पर्धा में परीक्षक रहे।
- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचलित षाट्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।

डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, संविदा अध्यापक, व्याकरण विभाग

- दिनांक 08.09.2015 को रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचालित षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. विनायक रजत भट्ट, संविदा अध्यापक, व्याकरण विभाग

- सत्र 2015-16 में मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र द्वारा राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी में आयोजत 11 दिवसीय व्याकरण पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'पाणिनीये नीतिविचारचिन्तनम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सत्र 2015-16 में राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'कालस्य आनन्त्यम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सत्र 2015-16 में श्री रणवीर परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'ब्रह्मणो वय:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सत्र 2015-16 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा गौहाटी आसाम में आयोजित आवासीय संस्कृत शिक्षण शिविर में विशेषज्ञ के रूप में भागग्रहण।

डॉ. निगम पाण्डेय, संविदा अध्यापक, ज्योतिष विभाग

- दिनांक 28.07.2015 से 17.08.2015 तक श्री रणवीर परिसर में आयोजित ज्योतिषपाठ्यलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'सृष्टिप्रक्रिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 08.10.2015 श्री रणवीर परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'गोलविमर्श:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'वेदाङ्गज्योतिषम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 30.03.2016 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'ग्रहणविमर्श' विषय पर शास्त्रार्थ प्रस्तुति।
- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचालित षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।

डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, संविदा अध्यापक, ज्योतिष विभाग

- दिनांक 28.07.2015 से 17.08.2015 तक श्री रणवीर परिसर में आयोजित ज्योतिषपाठ्यलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'ज्योतिषशास्त्रे व्याकरणम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 08.10.2015 श्री रणवीर परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'पञ्चाङ्गसाधनम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'मानवजीवने वेदाङ्गज्योतिषस्य प्रभावः' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 30.03.2016 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'भारतीया वेधपरम्परा' विषय पर शास्त्रार्थ प्रस्तुति।

डॉ. कृष्ण मुरारी मणि त्रिपाठी, संविदा अध्यापक, सर्वदर्शन विभाग

- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचालित षट्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का संयोजन एवं विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत।

डॉ. आशीष कुमार, संविदा अध्यापक, सर्वदर्शन विभाग

- राजकीय कन्या महाविद्यालय, जम्मू में 'पर्यावरण दिवस' के अवसर पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 04.12.2015 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में शास्त्रार्थ प्रस्तुति।

डॉ. ज्योति प्रकाश नन्द, संविदा अध्यापक, सर्वदर्शन विभाग

- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'वेदे न्यायवैशेषिकतत्त्वम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 04.12.2015 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'न्यायनये प्रथमाविभक्त्यर्थ-विचारः' पर शास्त्रार्थ प्रस्तुति।
- दिनांक 18.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीतू शर्मा, संविदा अध्यापक, साहित्य विभाग

- दिनांक 04.02.2016 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में ध्वन्यालोकस्य टीकापरम्परायां दीपशिखा-टीकया: समीक्षात्मकं अध्ययनम् विषय पर शोधप्रबन्ध प्रस्तुत किया।
- ISSN No. के साथ प्रकाशित श्री रणवीर परिसर की प्रतिष्ठित पत्रिका श्री वैष्णवी में ध्वनिसिद्धान्तविमर्श विषय पर शोधलेख प्रकाशित हुआ।

डॉ. तेजनाथ पौडेल, संविदा अध्यापक, साहित्य विभाग

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कला संकाय संस्कृत विभाग के द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका स्वातन्त्र्योत्कर्ष में नवम्बर 2015 में 'स्वातन्त्रोत्तरकालस्य नेपालदेशीये संस्कृतसाहित्यम्' विषय पर शोध लेख प्रकाशित।
- जम्मू से प्रकाशित 'विश्वमूर्तिवैभवम्' में 'चित्रालङ्कारविमर्शः' विषय पर शोध लेख प्रकाशित।

- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'स्फोटविमर्श:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 08.10.2015 श्री रणवीर परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'रघुवंशमहाकाव्ये ज्योतिषशास्त्रीया: सन्दर्भा:' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'ऋग्वेद के उषस-सूक्त में वस्तुविधान और काव्यात्मकता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27.11.2015 श्री रणवीर परिसर में साहित्य विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'महाकविकालिदासस्य शब्दप्रत्यभिज्ञानम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री रणवीर परिसर में आयोजित श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् में 'ध्वनिव्यङ्ग्यार्थश्च' पर शास्त्रार्थ प्रस्तुति।
- श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में साहित्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शिशुपालवधमहाकाव्ये दार्शनिकसन्दर्भा: विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राज कुमार मिश्र, अतिथि-अध्यापक, साहित्य विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

डॉ. दयानिधि शर्मा, संविदा अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

डॉ. मदन कुमार झा, संविदा अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- शैक्षणिक सत्र 2015-16 में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए।

डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार, संविदा अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- दिनांक 24.08.2015 से 28.08.2015 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित 'शिक्षाशास्त्रा-ध्यापकानामभिविन्यासकार्यक्रम:' में भागग्रहण किया।
- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'वैदिकशिक्षा में पर्यावरण संरक्षण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27.11.2015 श्री रणवीर परिसर में साहित्य विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'गुणमन्दारमञ्जरीगद्यकाव्ये रसतत्त्वविवेचनम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 05.10.2015 श्री रणवीर परिसर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'गुणवत्तासंवर्धने मूल्य-शिक्षाया: उपादेयता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 21.12.2015 से 23.12.2015 तक जयपुर परिसर द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'संस्कृत-शिक्षकशिक्षायां शिक्षणायोजनदृष्ट्या गुणस्तरसंवर्धनम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- वर्ष 2015 के षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत।
- दिनांक 18.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'न्यायदर्शने ज्ञानमीमांसा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- वर्ष 2015-16 में के.जे. सोमय्या परिसर, मुम्बई द्वारा प्रकाशित 'शिक्षारश्मि:' पत्रिका में 'सामाजिकविज्ञान-शिक्षणस्य शिक्षणप्रतिमानानि' विषय शोध पत्र प्रकाशित।
- अक्टूबर-नवम्बर 2015 में हरिप्रभा अन्तर्राष्ट्रिय मूल्यांकिता मासिकी शोध पत्रिका, हरियाणा में 'संस्कृतसाहित्ये पर्यावरणस्य महत्त्वम्' विषयक शोध पत्र प्रकाशित।
- संस्कृत अनुसन्धान संस्थान दरभंगा द्वारा प्रकाशित 'वेद-

ज्योतिष्मती' अन्तर्राष्ट्रिय शोध पत्रिका में The Ideals in Vedic Education विषय पर पत्र प्रकाशित।

डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु, संविदा अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 18.03.2016 श्री रणवीर परिसर में सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'शिक्षाशास्त्रदिशा जिवज्ञानमीमांसा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शुभश्री दाश, अतिथि-अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- दिनांक 24.08.2015 से 28.08.2015 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित 'शिक्षाशास्त्राध्यापकानामभिविन्यासकार्यक्रमः' में भागग्रहण किया।
- दिनांक 08.09.2015 श्री रणवीर परिसर में व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 05.10.2015 श्री रणवीर परिसर में शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. मदन सिंह, अतिथि-अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- दिनांक 24.08.2015 से 28.08.2015 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित 'शिक्षाशास्त्राध्यापकानामभिविन्यासकार्यक्रमः' में भागग्रहण किया।
- दिनांक 05.10.2015 श्री रणवीर परिसर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'माध्यमिकस्तरे मूल्यशिक्षायां गुणवत्तासंवर्धनाय संस्कृतपद्यशिक्षणविधिनां प्रभावः' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'सदाचार (सच्चरित्रता) जीवन का आधार' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 21.12.2015 से 23.12.2015 तक जयपुर परिसर द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'संस्कृतशिक्षकशिक्षायां हर्बर्टीयपाठयोजनादृष्ट्या गुणस्तरसंवर्धनम्' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचालित षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।

श्री सुमन प्रसाद भट्ट, अतिथि-अध्यापक, शिक्षा शास्त्र विभाग

- दिनांक 24.08.2015 से 28.08.2015 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित 'शिक्षाशास्त्राध्यापकानामभिविन्यासकार्यक्रमः' में भागग्रहण किया।
- दिनांक 05.10.2015 श्री रणवीर परिसर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'शिक्षकशिक्षायां गुणवत्तासंवर्धनाय मूल्यपरकशिक्षायाः उपादेयता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा श्री रणवीर परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- दिनांक 19-20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में 'वैदिकवाङ्मये मूल्यशिक्षाया अवधारणा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचलित षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।

डॉ. संजय कुमार मिश्र, संविदा अध्यापक (हिन्दी)

- दिनांक 22.01.2016 को मुम्बई परिसर में आयोजित आधुनिक विषय विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'संस्कृत वाङ्मय में हिन्दी वाङ्मय का प्रभाव' शीर्षक पर पत्र वाचन किया।
- दिनांक 13.02.2016 से 22.02.2016 तक भोपाल परिसर में आयोजित आधुनिक विषयों की पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 04.04.2016 को श्री रणवीर परिसर में आयोजित आधुनिक विषय विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'गोस्वामी तुलसीदास की समन्वयवादिता' विषय पर शोध पत्र वाचन किया।

डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित, संविदा अध्यापक (राजनीति विज्ञान)

- दिनांक 01.06.2015 से 10.06.2015 तक भोपाल परिसर में आयोजित आधुनिक विषयों की पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 25.10.2015 से 27.10.2015 तक अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद् द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में भागग्रहण किया।
- अखिलभारतीय राजनीति विज्ञान परिषद् की राष्ट्रिय कार्यकारिणी में सदस्य के रूप में निर्वाचित।
- दिनांक 19–20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 13.02.2016 से 22.02.2016 तक भोपाल परिसर में आयोजित आधुनिक विषयों की पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 29.03.2016 को आधुनिक विषय विभाग जयपुर परिसर द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन किया।
- दिनांक 04.04.2016 को श्री रणवीर परिसर में आधुनिक विषय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन परम्परा: एक विश्लेषण पर पत्र वाचन किया।

डॉ. चंचल गर्ग, संविदा अध्यापक (इतिहास)

- दिनांक 01.06.2015 से 10.06.2015 तक भोपाल परिसर में आयोजित आधुनिक विषयों की पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 13.02.2016 से 22.02.2016 तक भोपाल परिसर में आयोजित आधुनिक विषयों की पाठलेखन कार्यशाला में भागग्रहण किया।
- दिनांक 19–20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 04.04.2016 को श्री रणवीर परिसर में आधुनिक विषय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन किया।

डॉ. राजेन्द्र लाल, अतिथि–अध्यापक (शारीरिक शिक्षा)

- वर्ष 2015 मई को Research Reinforcement (Referred Journal of Multi Disciplinary Research) पत्रिका में 'Coverage Analysis of T-20 World Cup Cricket 2014 and Other Sports in '*The Hindu and the Times of India*' शीर्षक पर प्रकाशित।

श्री विशाल महाजन, अतिथि–अध्यापक (संगणक विज्ञान)

- जुलाई से दिसम्बर 2015 तक प्रचालित षाण्मासिक शोध प्रविधि पाठ्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत।
- दिनांक 19–20 नवम्बर 2015 श्री रणवीर परिसर में वेद विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी में भागग्रहण किया।
- दिनांक 04.04.2016 को श्री रणवीर परिसर में आधुनिक विषय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र वाचन किया।
- दिनांक 04.04.2016 को श्री रणवीर परिसर में आधुनिक विषय विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'Sanskrit A Computer Friendly Language' पत्र वाचन किया।

सम्मान एवं पुरस्कार

- डॉ. ज्योति प्रकाश नन्द, श्री रणवीर परिसर, सर्वदर्शनविभाग के अध्यापक को पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में स्वयं पाठी परीक्षा में (एम्.ए.) स्वर्ण पदक प्राप्त।

प्रशिक्षण शिबिरादि

- दिनांक 03.08.2015 से 14.08.2015 तक परिसर में दस दिवसीय आवासीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन हुआ। दिनांक 03.08.2015 को परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में तथा मुख्य शिविर संचालक श्री दिलीप चन्द्रवंशी संगठन मंत्री संस्कृत भारती जम्मू प्रान्त एवं समस्त अध्यापकों की उपस्थिति में उद्घाटन हुआ। दिनांक 14.08.2015 को समापन समारोह में श्रीमती प्रिया सेठी माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, जम्मू एवं कश्मीर मुख्य अतिथि के रूप में पधारी। शिविर के संयोजक डॉ. मदन कुमार झा शिक्षा विभाग थे।
- दिनांक 23.11.2015 से 02.12.2015 तक प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के द्वारा परिसर में आयोजित 10 दिवसीय प्राकृत शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य प्रशिक्षक प्रो. दामोदर शास्त्री, विभागाध्यक्ष, प्रा.वि. एवं भा.वि.जैन विश्वभारत लाडनूं तथा सह-शिक्षक श्री सत्यनारायण भारद्वाज थे।
- दिनांक 08.12.2015 से 18.12.2015 शिक्षा शास्त्र विभाग के छात्र छात्राओं का जम्मू स्थित केन्द्रीय विद्यालयों में विद्यालय अवलोकन का कार्य शिक्षा विभाग के अध्यापकों के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।
- दिनांक 15.02.2016 से 26.02.2016 तक शिक्षा विभाग में छात्रों के लिए सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परीक्षा आयोजन

- जून 2015 में प्राकशास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2015 में प्रथम तृतीय पंचम सत्रार्द्ध एवं आचार्य प्रथम एवं तृतीय सत्रार्द्ध की परीक्षाएं मुख्यालय की आदेशानुसार की गई।

परिसरीय भावी योजनाएं

- नवीन शिक्षा भाव का निर्माण।
- पुरूष व महिला छात्रावास का विस्तार।
- शास्त्र और शास्त्र शिक्षण संवर्धन के लिए विविध नूतन परियोजनाएँ।
- सम्पूर्ण परिसर में वाई.फाई. (wi-fi) सुविधा प्रदान करना।

नूतन विभाग शुभारम्भ

आगामी सत्र से अद्वैत वेदान्त, न्याय, दर्शन, बौद्ध दर्शन, कश्मीर शैव दर्शन विभाग शुभारम्भ करने की अभिलाषा है।

प्रमाण पत्रादि कार्यक्रम

ज्ञानार्जन एवं जीविकोपार्जन दोनों के उद्देश्य से वास्तु, ज्योतिष, कर्मकाण्ड पौरोहित्य, संस्कृत भाषा एवं संस्कृत साहित्य, संस्कृत पत्रकारिता, के ज्ञान में दक्षता के लिए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने का संकल्प है। परिसर में इस तरह की शुरुआत से न केवल संस्कृत के विद्यार्थी अपितु आम नागारिक भी संस्कृत की ज्ञान गंगा में अवगाहन कर सकेंगे।

प्रतियोगी परीक्षाएं

KAS, PSST, PSAT, Pre-PhD ENTRANCE, UGC-NET/SLET, UPSC की प्रतियोगी परीक्षाओं की समुचित तैयारी करवाने के लिये परिसर को माननीय कुलपति जी की अनुमति की अपेक्षा है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	15
उत्तर प्रेषित	-	15

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

परिसर-परिचय

गुरुवायूर परिसर 16.07.1979 को गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ, जो गुरुवायूर के पास पावरत्ती में स्थित था और जिसकी स्थापना स्व. श्री पी.टी. कुरियाकोश मास्टर द्वारा की गई थी, के अधिग्रहण के फलस्वरूप स्थापित हुआ। (यह पूर्ववर्णित विद्यापीठ केरल के अन्दर और बाहर के समस्त क्षेत्रों में संस्कृत ज्ञान के प्रमुख केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था और स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक, मद्रास विश्वविद्यालय के साथ 1934 से, केरल विश्वविद्यालय 1958 से और कालिकट विश्वविद्यालय के साथ 1968 से सम्बद्धता प्राप्त करके, शिक्षा प्रदान करता था।) जनवरी 1970 में यह प्राचीन पारम्परिक अध्ययन का भण्डारगृह भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध हो गया। 7 मई 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को सम विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त होने पर इस केन्द्रीयविद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के गुरुवायूर परिसर का नाम दिया गया।

गुरुवायूर परिसर के दो केन्द्र हैं एक पुरनाट्टुकरा में और दूसरा पावरती में। प्रमुख केन्द्र पुरनाट्टुकरा में है जो 14 एकड़ के विस्तार में अत्यन्त सौन्दर्यपूर्ण प्राकृतिक वातावरण में स्थित है। इसमें प्रमुख शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, पुस्तकालय, छात्रों और छात्राओं के छात्रावास, अतिथि गृह, आडिटोरियम, खेल का मैदान, अर्ध कार्यरत भवन और आवासीय भवन स्थित हैं। पावरती केन्द्र 50 सेन् की विस्तृत भूमि में बसा है और इसका नाम इस विद्यापीठ के पूर्वोक्त संस्थापक श्री पी. टी. कुरियाकोश मास्टर के नाम पर पी.टी.कुरियाकोस स्मृति भवन रखा गया। इसमें एकमंजिला भवन है जिसमें दो बड़े हॉल हैं, एक प्रशासनिक कक्ष है और अन्य दस कक्षा गृह हैं जो आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हैं।

परिसर की अवस्थिति

गुरुवायूर परिसर का मुख्य केन्द्र केरल में त्रिचूर जिले में आदत पञ्चायथ स्थान पर एक शैक्षिक संकुल क्षेत्र में स्थित है और इसके चारों ओर आमला मेडिकल महाविद्यालय, श्रीरामकृष्ण आश्रम एस.आर्.के.जी.वी.एम्. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शारदा बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय तथा आई.ई.एस्. इन्जीनियरिग कॉलेज स्थित है। त्रिचूर शहर से गुरुवायूर परिसर उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर दूर है। कोच्चि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो नेदुम्बेसेरी में स्थित है, परिसर से केवल 61 किलोमीटर दूर है। पावरती में कुरियाकोस मास्टर स्मृति भवन मुख्य परिसर से 15 किलोमीटर की दूरी पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

वर्तमान में पुरुनाट्टुकरा स्थित परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं-

1. प्राक्शास्त्री (इन्टरमीडिएट)
2. शास्त्री (स्नातक) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्योतिष।
3. आचार्य (स्नातकोत्तर) - वेदान्त, साहित्य, व्याकरण और न्याय।
4. शिक्षा-शास्त्री (बी.एड्)
5. विद्यावारिधि (पी.एच्.डी)

संस्थान और परिसर के अधिकारी वर्ग जल्द ही यहाँ शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने के लिए प्रयासरत हैं। आधुनिक जगत से परिचित कराने के लिए परिसर में आधुनिक विषय भी यथा - इतिहास, अंग्रेजी, मलयालम, योग, संगणक शिक्षा एवं पर्यावरण अध्ययन प्राक्शास्त्री से शास्त्री तक विद्यार्थियों को पढ़ाए जाते हैं।

पी.टी. कुरियाकोस स्मृति भवन का उपयोग मुक्तस्वाध्याय पीठ, त्रैमासिक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, पत्राचार पाठ्यक्रम एवं हस्तलिपि संग्रहण केन्द्र आदि के रूप में किया जाता है।

शैक्षणिक विभाग

वर्तमान में परिसर में कार्यरत सात विभाग अधोलिखित हैं:

1. नव्य व्याकरण
2. साहित्य
3. अद्वैत वेदान्त
4. न्याय

5. ज्यौतिष
6. शिक्षाशास्त्र
7. आधुनिक विषय

ग्रन्थालय

परिसर का पुस्तकालय, संस्थान के अन्य श्रेष्ठ पुस्तकालयों में एक माना जाता है। इस पुस्तकालय की स्थापना 16 जुलाई सन् 1979 को हुई थी। यह पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार है। उच्चतर अध्ययन के क्षेत्र में, संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण एवं अभिन्न अंग के रूप में यह कार्य करता है। इस पुस्तकालय में लगभग 32,208 पुस्तकें, 250 हस्तलिपियाँ, पत्रिकायें, समाचार पत्र शोधप्रबन्ध और लघु शोधप्रबन्ध हैं। सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए यहाँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में संगणक की सुविधा है जिसमें इन्टरनेट का संयोजन भी है। पुस्तकालय की आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता के लिए एक क्रय-विक्रय समिति का गठन किया गया है। समकालीन विषयों से संबन्धित पाठ्य सामग्री भी पुस्तकालय में हैं। प्रत्येक विभाग के विषय विशेषज्ञ इस पर कार्य कर रहे हैं। परिसर के कर्मचारी एवं विद्यार्थी इन्टरनेट की सुविधा प्राप्त करते हैं। इन्टेरनेट के उपयोग में समय की सीमा नहीं है। फिर भी छात्रों के लिए दोपहर का समय निर्धारित किया गया है। पुस्तकालय की सेवाएँ संगणक द्वारा संयोजित हैं।

दूरस्थ शिक्षा

छात्रों की कुल संख्या 117 है। प्राक्-शास्त्री जैसे पाठ्यक्रमों में इस वर्ष से प्रवेश कराया गया है-सेतु, साहित्य, व्याकरण, फलितज्योतिष; शास्त्री-सेतु साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, आचार्य; आचार्य-सेतु साहित्य, सेतु फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, आदि इन पाठ्यक्रमों की पुरनाट्टुकरा परिसर में नियमित पाठ्यक्रमों के समकक्ष मान्यता है।

अन्य क्रिया कलाप

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर संस्कृत के शास्त्रीय अध्ययन के साथ-साथ आधुनिक विषयों तथा त्रिभाषा अध्ययन पद्धति का समायोजन करता है। परिसर की अन्य गतिविधियाँ निम्नवत् हैं

वाग्वर्धिनी परिषद्

विद्यार्थियों को अपनी शैक्षिक उत्कृष्टता का विकास करने का मंच है वाग्वर्धिनी परिषद्। विभिन्न संकायों के निर्देशन में शास्त्री पाठ्यक्रम के प्रतिनिधि विद्यार्थियों को परिषद् द्वारा अपनी प्रतिभा दर्शाने का अवसर दिया जाता है। आचार्य विद्यार्थियों का मार्ग निर्देशन परिसर प्राचार्य द्वारा निर्धारित संकाय सदस्य द्वारा होता है। प्रत्येक बुधवार को इसका आयोजन सभी विद्यार्थियों के लिए दोपहर में दो बजे से लेकर पाँच बजे तक होता है। परिषद् में विद्यार्थियों तथा अध्यापकों द्वारा आलेख प्रस्तुति भी होती रहती हैं।

वाग्वर्धिनी परिषद् में प्रमुख विषयों पर चर्चा होती है

1. वाक्यार्थ विचार
2. शास्त्र परिचय
3. समकालीन विषय
4. कला प्रदर्शन

वाक्यार्थ परिषद्

वाक्यार्थ परिषद् विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच है जहाँ विद्यार्थियों के सम्मुख अध्यापक नये-नये वाक्यार्थों का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इसके साथ विद्यार्थियों को शास्त्रीय ढंग से वाक्यार्थ प्रस्तुति का प्रशिक्षण दिया जाता है।

संस्कृत सप्ताह समारोह

सन् 2015 का संस्कृत सप्ताह समारोह अगस्त 24 से लेकर 4 सितम्बर तक मनाया गया। राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रामकृष्णाचार्यडुलु ने समारोह का उद्घाटन किया। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। इस दौरान संगोष्ठियाँ एवं प्राक्शास्त्री से शोध स्तर के विद्यार्थियों के लिए कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कई वरिष्ठ विद्वानों को सम्मानित भी किया गया।

4 सितम्बर दोपहर 2.00 बजे संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह संपन्न हुआ। बैंगलूर संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. श्रीनिवास वारकीडी इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। उनके द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये।

छात्र कल्याण परिषद 2015-16

अध्ययन वर्ष में छात्र कल्याण परिषद् का उद्घाटन सन्

22.09.2015 को विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। मलयालम के जाने माने अभिनेता वी. के. श्रीरामन द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ छात्र कल्याण परिषद् के अधिकारी डॉ. एस.वी. आर. मूर्ति महोदय सम्मेलन में सबका स्वागत किए। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा द्वारा मुख्यातिथि का सम्मान किया गया। छात्र कल्याणम् परिषद् की अध्यक्षा कुमारी गोपिका सी. (आचार्य द्वितीय वर्ष) ने भाषण दिया। सम्मेलन में विविध समितियों के सचिवों ने आशीर्वचन दिये छात्रों के प्रतिनिधि चित्तरंजन राज (शिक्षा शास्त्री) ने कृतज्ञता ज्ञापित की। छात्रों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन हुआ। छात्र कल्याण परिषद की सचिवा कुमारी मृदुला वी. वी. (शास्त्री तृतीयवर्ष) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान

व्याकरण विभाग

'परिभाषा' इस विषय पर व्याकरण विभाग ने 1 नवम्बर सन् 2015 को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया गया। प्रो. के. चन्द्रशेखरन नायर संगोष्ठी के उद्घाटक एवं मुख्यातिथि रहे। प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा उद्घाटन सम्मेलन के अध्यक्ष रहे। अमंत्रित श्रोता विद्वान द्वारा निर्दिष्ट विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किये गये। विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन 09.11.2015 को किया गया। उद्घाटक एवं मुख्यातिथि प्रो. श्रीपद सत्यनारायण-मूर्ति ने 'स्फोटवाद' पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।

वेदान्त विभाग

वेदान्त विभाग द्वारा 04.03.2016 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने विभागाध्यक्ष प्रो. एम. एच्. एन्. मूर्ति संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए 'अध्यारोपापवाद' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिये। राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के दर्शन संकाय अध्यक्ष प्रो. एम. पी. भट्ट ने किया था। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा संगोष्ठी के अध्यक्ष रहे। डॉ. सुशान्त सहायक आचार्य, देवस्वम बोर्ड, कलाशाला, शास्तामकोट्टा, कोल्लम, डॉ. पी. वी. अजीकुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत कलाशाला, त्रिप्पूनित्तुरा, डॉ. पी. वी. श्रीनिवास, सहायक आचार्य आयुर्वेद कलाशाला, तिरुवनन्तपुरम संगोष्ठी के प्रपत्र वाचक रहे।

ज्योतिष विभाग

ज्योतिष विभाग द्वारा 15.01.2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर के सह-आचार्य डॉ. ईश्वर भट्ट विशिष्टव्याख्यान के मुख्यातिथि रहे। 'ज्यौतिषशास्त्र की दिशा में आकस्मात् धनप्राप्ति योग' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान भी प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्यातिथि तिरुवनन्तपुरम् संस्कृत विद्यालय के डॉ. इ. एन् ईश्वरन थे। 'होरा शास्त्र विमर्श' विषय पर शृंगेरी परिसर से डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय ने भाषण प्रस्तुत किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन 11-12 फरवरी 2016 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा भी किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय था "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत एवं शिक्षा"। संगोष्ठी का उद्घाटन 11, फरवरी को शृंगेरी परिसर के शिक्षा शास्त्र के विभाग अध्यक्ष डॉ. चन्द्रकान्त ने किया था। सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रन इडक्केडत्त ने उद्धेशाधिष्ठित शिक्षण इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिये। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा सम्मेलन के अध्यक्ष रहे।

साहित्यविभाग

साहित्यविभाग ने 1-2 मार्च 2016 को नाट्यशास्त्र पर आधारित "नाट्यशास्त्र देशी और प्रान्तीय परम्पराएँ" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. उमा वैद्य ने किया। तिरुपति संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य विरूपाक्ष जड्डिपाल, आचार्य एन. पी. उण्णि, डॉ. के. पी. श्रीदेवी, डॉ. एन्. के. गीता संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों के अध्यक्ष रहे। नाट्यशास्त्र के प्रकाण्ड पंडित प्रो. मुरलीमाधवन नाट्यशास्त्र के देशी और प्रान्तीय परंपराएँ इस विषय पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। श्रीमति उषा नङ्यार का विषयाधिष्ठित कला प्रदर्शन संगोष्ठी का मुख्य आकर्षण रहा। डॉ. सी. वेणुगोपाल नायर, डॉ. इ. एन्. नारायण, डॉ. दामोदरन पी. एम्., श्री सुरेश बाबु, डॉ सी. के. जयन्ती जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

आधुनिक विभाग

परिसर के आधुनिक विभाग द्वारा 9 मार्च सन् 2016 को

विज्ञान एवं मानवीकी विषय का संस्कृत के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन' इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आधुनिक विषयों का जैसे मलयालम, हिन्दी, इतिहास, शारीरिक शिक्षा, संगणक विज्ञान एवं अंग्रेजी के सहायक आचार्य डॉ. गणेशन संगोष्ठी के मुख्यातिथि एवं उद्घाटक रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। आधुनिक विभाग के अध्यक्ष एवं संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एस. वी. आर. मूर्ति ने कार्यक्रम में सबका स्वागत किया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में डॉ. गणेशन, प्रो. एम. ए. बाबू और डॉ. सी. शान्त वक्ता के रूप में क्रमशः अंग्रेजी, इतिहास, मलयालम आदि को केन्द्र में रखकर भाषण दिये। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में डॉ. बी. विजयकुमार, डॉ. विपिनकुमार और लेफ्टिनेन्ट राजेश माधवन ने क्रमशः हिन्दी, संगणक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा विषयों को लेकर भाषण दिये। संगोष्ठी के तीसरे सत्र में आधुनिक विषयों पर अनेक शोध पत्र विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

न्याय विभाग

न्याय विभाग मार्च 15 सन् 2016 अनुमानप्रमाणम इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। तिरुपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के न्याय विभाग के आचार्य पंडित श्री वी. वासुदेवन द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। कई श्रेष्ठ विद्वानों की पत्र-प्रस्तुति हुई। न्याय विभाग द्वारा मार्च 21, सन् 2016 को "अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि के पृथक प्रमाणता का खण्डन्" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। चेन्नई, मायापुरी संस्कृत कलाशाला के मीमांसा आचार्य प्रो. सुब्रह्मण्यद्राविडशास्त्रीपद ने प्रस्तुत विषय पर व्याख्यान दी। प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा सम्मेलन के अध्यक्ष रहे।

अंग्रेजी पाठ्य सामग्री निर्माण हेतु 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

शास्त्री प्रथम वर्ष के अंग्रेजी पाठ्य सामग्रियों के निर्माण हेतु दस दिवसीय दो कार्यशालाओं का आयोजन 23.01.2016 से 09.02.2016 तक व 22.03.2016 से 31.03.2016 तक परिसर के मुक्तस्वाध्याय केन्द्र पावरट्टी में किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दिल्ली के माननीय कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. सुब्रह्मण्यशर्मा द्वारा संपन्न हुआ।

पि. टी. कुरियाक्कोस मास्टर अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति भाषण

संस्कृत प्रणयभाजनम् श्री. पी. टी. कुरियाक्कोस् मास्टर अन्ताराष्ट्रीय स्मृति भाषण (छठा) 23 फरवरी 2016 को संपन्न हुआ। डॉ. ए. वी. नागसंपिगे, निदेशक पूर्णप्रज्ञा शोध संस्थान, बैङ्गलूरु मुख्यातिथि रहे एवं "भारतीय दर्शन की मुक्ति संकल्पना" विषय पर स्मृति भाषण प्रस्तुत किये। प्रो. पी. सी. मुरलीमाधवन विभागाध्यक्ष साहित्य, गुरुवायूर परिसर ने भाषण दिये। प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा अध्यक्षीय भाषण दिये।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

वेदान्त विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन 17 और 18 नवम्बर सन् 2015 को चलायी गयी। संगोष्ठी का विषय रहा था "अद्वैत वेदान्त का दूसरे दार्शनिक मतों के साथ का संबन्ध"। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो. पी. एन्. शास्त्री ने किया।

संगोष्ठी के समापन सम्मेलन का उद्घाटन लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डे ने किया था।

गुरुवायूर परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा सम्मेलन के अध्यक्ष रहे। कई श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता 2015-2016

सन् 2015-2016 का अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 30 दिसम्बर 2015 से 2 जनवरी 2016 तक तिरुपति श्री. वेङ्कटेश्वरा वैदिक विश्व विद्यालय में चलायी गयी। इसके राज्य स्तर की प्रतियोगिताएँ परिसर में नवम्बर सन् 2015 को चलायी गयी थी। चयनित 12 प्रतिभागियों ने विविध शास्त्र विषयों की स्पर्धाओं में भाग लिया।

युवमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संस्थान के अधीनस्थ 11 परिसरों के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के खेलक्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन युवमहोत्सव के रूप में पिछले कई वर्षों से संचालित होता रहा है। इस साल युवा महोत्सव का आयोजन हिमाचल प्रदेश बलाहर के वेद व्यास परिसर में किया गया था। 30.10.2015 से 02.11.2015 तक

प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। गुरुवायूर परिसर के 5 विद्यार्थियों ने विभिन्न साहित्य कला सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस वर्ष गुरुवायूर परिसर ने 8 सुवर्णपदक जीता और पुरी प्रतियोगिताओं में चौथा स्थान प्राप्त किया।

वसंत महोत्सव

इस बार वसंत महोत्सव का आयोजन डॉ. सर्वप्पल्ली राधाकृष्णन् सभागार, केन्द्रीय विद्यालय नंबर दो, ए. पि. एस. कॉलोनी दिल्ली में 24.02.2016 से 28.02.2016 तक चलायी गयी। गुरुवायूर परिसर द्वारा "मत्तविलास प्रहसन" का प्रदर्शन हुआ। हमारे परिसर के नाटक को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। हरिता टी (ए 2) को सर्वोच्च अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त हुआ, हरिप्रासाद एस (शिक्षा शास्त्रि) और श्रीराज पी. आर. (ए 2) क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किये।

गवेषकों के लिए सत्रार्ध अध्ययन कार्यक्रम

परिसर ने शोध छात्रों के लिए सत्रार्ध अध्ययन कार्यक्रम आरम्भ किया। जुलाई 2015 से वरिष्ठ विद्वानों के नेतृत्व में कक्षाएँ चलायी गयी। 09.01.2016 को विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्देशित परीक्षा भी चलायी गयी। यू. जी. सी. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार ही कक्षाओं का आयोजन हुआ था।

स्वतंत्रता दिवस

परिसर द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा महोदय ने पताका ध्वजन किया।

हिन्दी पखवाड़ा

सन 2015 के हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 सितंबर से 25 सितंबर तक किया गया। हिन्दी की कई प्रतियोगिताएँ परिसर के विद्यार्थीगण तथा अध्यापक अनध्यापक वृन्दों के लिए चलायी गयी। केन्द्रीय विद्यालय पुरनाट्टुकरा के टी. जी. टी. डॉ. के एम. उण्णिकृष्णन समापन सम्मेलन के मुख्यातिथि रहे। विजेताओं के लिए मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिये गये।

स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मवार्षिक अवसर पर दो अक्टूबर सन् 2014 को प्रत्येक परिसर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान प्रारम्भ किया गया है। गाँधीजी के आदर्शों का पालन करते हुए परिसर को स्वच्छ रखने का प्रण लेते हुए स्वच्छ भारत अभियान का कार्यक्रम 24.09.2014 से 31.10. 2015 तक चलाया गया जिसमें परिसर के अध्यापकगण, विद्यार्थीगण कर्मचारियों एवं अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी हुई।

राष्ट्रिय एकता दिवस

भारत के लौह पुरुष श्री सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस की स्मृति में 31.10.2016 को राष्ट्रिय दिवस के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. एस. वी. आर. मूर्तिमहोदय ने सरदार बल्लभभाई पटेल के योगदानों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस शुभ अवसर पर प्राचार्य (प्रभारी) प्र. सि. एल. सिसिली, डॉ. के. के. जैन ने सरदार बल्लभभाई पटेल के मूल्यवान योगदानों को साझा किया।

केरल पिरवी श्रेष्ठ भाषा का दिनाचरण

नवम्बर 2015 को परिसर द्वारा मलयालम श्रेष्ठ भाषा दिन का आचरण किया गया। विद्यार्थियों के लिए कई क्रियाकलापों का आयोजन हुआ जैसे वाद-विवाद, ललित, संगीत, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं।

संविधान दिवस

परिसर द्वारा 26 नवम्बर सन् 2015 को संविधान दिवस मनाया गया तथा शास्त्री, शिक्षा शास्त्री और आचार्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

स्वामी विवेकानन्द के एक सौ तिरपनवें (153) जन्मवार्षिक - युवदिवस

स्वामी विवेकानन्द के 125वां जन्म दिवस 12 जनवरी सन् 2016 को युवदिवस के रूप में परिसर में मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. एम. ए. बाबू महोदय द्वारा संपन्न हुआ। परिसर के छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वामी विवेकानन्द के संबंध में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इस अवधि में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

स्टार्टअप इंडिया प्रोग्राम

स्टार्ट अप इंडिया प्रोग्राम प्रधानमंत्री द्वारा 16, जनवरी सन् 2016 को प्रारंभ किया गया था। उसी दिन गुरुवायूर परिसर में भी इस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में स्वावलम्बी बनाना है।

67वां गणतंत्र दिवस समारोह

परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। 26 जनवरी सन् 2016 को सुबह 8.30 बजे परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा ने पताका ध्वजन किया।

दसवां अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा संगम

अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा संगम 28 जनवरी सन् 2016 से 31 जनवरी सन् 2016 तक तिरुप्पति संस्कृत विद्यापीठ में चलायी गयी। गुरुवायूर परिसर से 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शास्त्री तृतीय वर्ष की मृदुला वी. वी. को वेदान्त भाषण में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। संस्कृत गीतालापन प्रतियोगिता में शास्त्री द्वितीय वर्ष की आर्या पी. सी. ने काँस्य पदक जीता। संघ नृत्यम् में परिसर टीम को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मातृभाषा दिवस

21 फरवरी को परिसर में मातृभाषा दिवस का आचरण किया गया कालटी श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एन. पी. उण्णि कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। परिसर की मलयालम सहायक अध्यापिका श्रीमती के. ए. जेस्सी महोदया ने कार्यक्रम में सबका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. मुरलीमाधवन ने मुख्य भाषण दिया। प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा (परिसर प्राचार्य) कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। विद्यार्थियों के लिए कविता लेखन, कवितालापन, लघुकथा लेखन, निबन्ध लेखन, भाषण, वाद-विवाद आदि की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं।

मेलपत्तूर नारायणभट्टत्तिरि पर अंताराष्ट्रीय संगोष्ठी

मेलपत्तूर नारायणभट्टत्तिरि पर त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन 20, 21, 22 फरवरी 2016 को आयोजित की गयी। आमेरिका के पेन्सिलवानिया विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्वान 'जार्ज कारडोना' ने संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मेलपत्तूर नारायणभट्ट पर भाषण दिये। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भूत-पूर्व कुलपति प्रो. कुटुम्बशास्त्री ने मुख्य भाषण दिया। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। कालटी श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. एन. पी. उण्णि ने सम्मेलन को आशीर्वचन से अनुग्रहीत किया।

संगोष्ठी का समापन समारोह 22 अक्टूबर 2016 को संपन्न हुआ। कालटी, संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एम. सी. दिलीप कुमार संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे। समापन सम्मेलन में, गुरुवायूर परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. के. टी. माधवन ने अनुग्रह भाषण दिया। गुरुवायूर परिसर के प्राचार्य प्रो. सि. एच. एल. एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पी. सी. मुरलीमाधवन ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

साहित्यिक प्रतियोगिताएँ

परिसर के साहित्यिक समिति परिसर में साहित्यिक वातावरण बनाये रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। इस साल समिति के उपदेशक साहित्यिक विभाग के डॉ. रामचन्द्र जोइसा और शिक्षा शास्त्र के डॉ. सुशान्तकुमार राय रहे। सभी साहित्यिक प्रतियोगिताओं में बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रतियोगिता का प्रारम्भ 16 मार्च को अंग्रेजी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के साथ हुआ। 29 अप्रैल तक प्रतियोगिताएँ चलायी गयीं। प्रतियोगिताओं को सुचारु ढंग से चलाने में परिसर प्राचार्य एवं छात्रकल्याण परिषद् के सदस्यों का सर्वथा सहयोग रहा।

कला प्रतियोगिताएँ

2015-2016 के अध्ययन वर्ष की कला प्रतियोगिताएँ (सम्मोहनम्) मार्च 17 और 18 को चलायी गयीं। परिसर प्राचार्य प्रो. सि. एच्. एल. एन. शर्मा ने सम्मोहनम का उद्घाटन किया। डॉ. सी. शान्ता (उपदेशक, कलासमिति) ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. एम्. के. षीबा (संयुक्त उपदेशक, कलासमिति) ने कृतज्ञता ज्ञापित की सभी कला प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

वार्षिक खेलक्रीडाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर वार्षिक खेल-क्रीडा "कुरुक्षेत्र" के नाम से 30 मार्च सन् 2016 को आयोजित किया। छात्रों को चार दलों में विभाजित करके एक एक दल को क्रमशः अर्जुन, भीम, दुर्योधन और कर्ण नाम दिये गये थे। हस्तकन्दुक स्पर्धा,

क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, बैडमिण्टन और एथलेटिक्स कुरुक्षेत्र की मुख्य स्पर्धाएँ रहीं।

वार्षिक दिवस

छात्र कल्याण परिषद के नेतृत्व में 7 अप्रैल 2016 को परिसर का वार्षिक दिवस मनाया गया। मलयालम के जाने-माने फिल्म अभिनेता तृश्शूर, अरिम्बूर निवासी श्री नंदकिशोर वार्षिक दिवस समारोह के उद्घाटक रहे। वार्षिक दिवस समारोह में विद्यार्थियों के कई सांस्कृतिक-कार्यक्रमों का प्रदर्शन भी हुआ। सन् 2015-16 अध्ययन वर्ष में चलायी गयी सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को वार्षिक दिवस समारोह में सम्मानित किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	07
उत्तर प्रेषित	-	07

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर-परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्व निदेशक) के सत् प्रयासों से प्रथम निदेशक आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा 13-05-1983 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का परिसर 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ', जयपुर के नाम से स्थापित किया गया। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन के लिए, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन के लिए, शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का यह जयपुर-परिसर प्रसिद्ध है। वर्तमान सत्र में यह परिसर न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में श्रेष्ठ रहा है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ रहा है।

परिसर की अवस्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयास से केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता तथा जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर नगर के गोपालपुरा बाई पास पर स्थित त्रिवेणीनगर, जो कि जयपुर रेलवे स्थानक से 21 कि.मी. दूरी पर 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान परिसर बना है। यहाँ अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक्-पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त यह परिसर शोभायमान है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

1. प्राक्शास्त्री
2. शास्त्री
3. आचार्य
4. शिक्षाशास्त्री
5. शिक्षाचार्य
6. विद्यावारिधि

विषय साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष), धर्मशास्त्र, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि।

वर्ष 2015-16 के अन्तर्गत परिसर में आयोजित कार्यक्रम

1. सरस्वती पूजन सत्रारम्भ समारोह, 01-07-2015
2. षाण्मासिकी शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला, 17.6.2015-16.12.15
3. शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य प्रवेश
4. स्वतन्त्रता दिवस समारोह, 15-08-2015
5. संस्कृत सप्ताह महोत्सव एवं युवमहोत्सव शैक्षिक चयन प्रतियोगिता, 28.8.15-29.8.15
6. शिक्षक दिवस समारोह, 05-09-2015
7. व्याकरण परिषद् गठन, 8.9.15
8. भाषा बोधन वर्ग कार्यशाला, 7-9-15 से 28-09-15
9. हिन्दी दिवस, 14-09-15
10. फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम सत्र 2014-15 द्वितीय चक्र 14-09-15 से 22-12-15
11. स्वच्छता अभियान, 2-10-15
12. एकता दिवस, 3.10.15
13. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, 7.10.15-8.10.15
14. युवा महोत्सव बलाहर परिसर, 29-10-15-2-11-15
15. षाण्मासिकी शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला, 2.11.15.-3.11.15
16. ज्योतिष परिषद् गठन एवं आचार्य स्तरीय संगोष्ठी, 5. 11.2015
17. वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता, 5-11-15 से 7-11-15
18. शास्त्री स्तरीय ज्योतिष संगोष्ठी, 26.11.15
19. संविधान दिवस, 26.11.15
20. शिक्षाशास्त्र विभागस्य त्रिदिवसीया संगोष्ठी, 21.12.15-23. 12.15
21. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा तिरुपतिनगरे, 02-01-16

22. विवेकानन्द जयन्ती समारोह, 12-1-16
23. सद्भावना यात्रा, 13.2.16
24. व्याकरण विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 22.1.16
25. वसन्त पंचमी एवं सरस्वती पूजन, 24-01-16
26. गणतन्त्र दिवस, 26-01-16
27. ज्योतिष विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 29.1.16
28. वसन्त उत्सव नाट्यस्पर्धा, 4-2-16 से 6-02-16
29. साहित्य विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 19.2.16
30. सर्वदर्शन विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 22.2.16
31. धर्मशास्त्र विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 3.3.16
32. शिक्षा विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 15.3.16
33. जैनदर्शन विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 21.3.16
34. आधुनिक विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 29.3.16
35. वेद विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान, 30.3.16
36. वार्षिकोत्सव, 30.3.16

1. सत्रारम्भ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर में 1 जुलाई 2015 को सरस्वती पूजन के साथ सत्रारम्भ हुआ इस कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य सभी प्राध्यापक तथा छात्र उपस्थित होकर वैदिकमन्त्रोच्चारण से सरस्वती देवी का पूजन किये। प्राचार्य ने निर्विघ्नतापूर्वक परिसर की उन्नति हेतु कामना की।

2. षाण्मासिकी शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला

दिनांक 17-06-2015 से 16-12-2015 तक एकविंशतिदिवसीया शोधप्रविधिपाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला का आयोजन प्रो. वाई.एस.रमेश के निर्देशन में किया गया। जिसमें 85 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। द्वितीय सत्र आयोजन 02 नवम्बर 2015 से 02 मई 2016 तक किया जा रहा है। इसमें 21 शोधार्थी भाग ले रहे है। इस सत्र का आयोजन भी प्रो. वाई.एस.रमेश के निर्देशन में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में परिसरीय तथा बाह्य विद्वानों द्वारा बहु उद्देशीय व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

3. संस्कृत सप्ताह समारोह

24-28 अगस्त 2015 में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामकिशोर शुक्ल, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय के द्वारा की गयी तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीधरमिश्र ने किया। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा अनेक शैक्षिक स्पर्धाओं में भाग लिया गया। जयपुर परिसर में दिनांक 28.8.15 तः 29.8.15 तक संस्कृत सप्ताह का कार्यक्रम अत्यधिक उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देवर्षि कलानाथ शास्त्री उपस्थित हुए। सभा की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने की तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में संस्कृत में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, भाषण आदि शैक्षिक कार्यक्रम समायोजित हुए। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रसिद्ध संस्कृत राष्ट्रपति सम्मानित विद्वान् प्रो. हरिराम आचार्य उपस्थित हुए।

4. युवा समारोह शैक्षिक स्पर्धा

दिनांक 24-28 अगस्त 2015 में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सुभाषित कण्ठ पाठ, वादविवाद, आशुभाषण, अनुवाद, गद्यपद्यरचना, संस्कृत वार्तालेखन, आशुचित्र, व्यंग्यचित्र, प्रचार पत्र निर्माण, संगणकस्पर्धा, रंगवल्ली, प्रश्नमंच, एककशास्त्रीय गान, एककशास्त्रीय वादन तथा समूह नृत्य आदि प्रतियोगितायें आयोजित हुई। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय, प्रो. कमलनयनशर्मा, प्रो. श्रीकृष्णशर्मा, डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा, प्रो. रमाकान्त पाण्डेय आदि विद्वानों के साथ परिसरीय विद्वान् भी सम्मिलित रहे।

5. शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 5.09.2015 को जयपुर परिसर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

6. हिन्दी दिवस समारोह

जयपुर परिसर में दिनांक 14.09.2015 को हिन्दकेसरी सभागार में हिन्दी दिवस समारोह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्य एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा छात्रों के समक्ष राष्ट्रभाषा के महत्त्व को दर्शाते हुए कार्यालयीय गतिविधियों में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

7. राजस्थान राज्यस्तरीय शलाका एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा

राजस्थान राज्यस्तरीय शलाका एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा 7-8.10.2015 को जयपुर में आयोजित हुई। जिसका संयोजन प्रो. श्रीधर मिश्र महोदय ने किया तथा निर्णायक के रूप में परिसर के विद्वानों के अतिरिक्त प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, प्रो. हरिराम आचार्य, प्रो. इन्द्रमणि दास, प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय, प्रो. मोहन लाल शर्मा, प्रो. राजधर मिश्र, प्रो. लम्बोदरमिश्र डॉ. भगवान सहाय आदि विशिष्ट विद्वान् बाह्य निर्णायक के रूप में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में 19 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्पर्धा में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस स्पर्धा में परिसर के छात्रों का वर्चस्व रहा।

8. विवेकानन्द जयन्ती समारोह

12.1.2016 को जयपुर परिसर में विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में युवसमारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार से किया गया।

1. विवेकानन्द के जीवन से सम्बद्ध लघु चलचित्र दिखाया गया। जिसमें परिसर के सभी छात्र तथा प्राध्यापक उपस्थित थे।
2. विवेकानन्द के जीवन से सम्बद्ध तथा उनके प्रवचन से सम्बद्ध एक प्रदशर्नी आयोजित की गयी।
3. राष्ट्रीय एकता की वर्तमान चुनौतियों तथा समाधान विषय पर भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. वैद्यनाथ झा तथा प्रो. विजेन्द्र कुमार शर्मा निर्णायक के रूप में आमन्त्रित थे।
4. युवाओं के व्यक्तित्व विकास में सोशल मिडिया का प्रभाव इस विषय के पक्ष व विपक्ष में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
5. वर्तमान समय में युवाओं के व्यक्तित्व विकास में स्वामी विवेकानन्द के विचारों की प्रासंगिकता इस विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वेदवेदांग संकाय अध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा उपस्थिति थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वयं सेवक संघ राजस्थान प्रान्त के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्रीमान् कैलाश चन्द शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रेवश व्यास ने किया। तथा कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग डॉ. विजेन्द्र शर्मा एवं डॉ. नमिता मित्तल ने किया। परिसर की छात्राओं ने कुलगीत प्रस्तुत किया।

9. वसन्त पंचमी पूजन

13-02-2016 को डॉ. हिन्दकेसरी सभागार में सरस्वती पूजन समारोह वैदिकमन्त्रोच्चारण तथा पौराणिक विधियों के अनुसार सम्पूर्ण परिसरीय कर्मचारी तथा छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

10. व्याकरण विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 22.1.16 को जयपुर परिसर के व्याकरण विभाग के द्वारा एकदिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय सुबर्थ विचार रहा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य तथा पूर्व संकाय अध्यक्ष आचार्य आजाद मिश्र जी तथा सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. हरीराम मिश्र (जे.एन.यू. दिल्ली) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. लक्ष्मीनारायण आसोपा (निर्देशक संस्कृत विभाग राजस्थान सरकार) उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. शिवकान्त झा, संचालन डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बाह्य विद्वानों के अतिरिक्त परिसरीय विद्वान् तथा शोधच्छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11. व्याकरणपरिषद् का गठन एवं उद्घाटन

8.9.2015 को व्याकरण विभाग में व्याकरण परिषद का उद्घाटन किया गया। जिसमें छात्राध्यक्ष के रूप में आचार्य द्वितीय वर्ष के विशाल गौतम, उपाध्यक्ष के रूप में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबु कुमारी, सचिव पद के लिए

शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा शिवानी शर्मा तथा संयोजक आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र मुनीश शर्मा का चयन किया गया। यह चयन प्रक्रिया परीक्षा प्राप्त सर्वश्रेष्ठ अंक के आधार पर की गयी। इस कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

12. ज्योतिष विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

29 01.2016 को जयपुर परिसर के ज्योतिष विभाग के द्वारा एकदिवसीया राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी तथा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य विषय 'मर्मस्थलानि' था। इस संगोष्ठी में 14 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष ज्योतिषविभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय तथा जयपुर परिसर के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रमणि दास उपस्थित थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय द्वारा की गयी। तथा कार्यक्रम का संयोजन ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा, संचालन ज्योतिष विभाग के अध्यापक डॉ. प्रवेश व्यास द्वारा किया गया।

13. ज्योतिष पाठलेखन कार्यशाला

दिनांक 02 फरवरी 16 से 23 फरवरी 16 तक जयपुर परिसर के मुक्तस्वाध्यायपीठ में ज्योतिष शास्त्रीय पाठलेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन समारोह में निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ नई दिल्ली प्रो. रमाकान्त पाण्डेय उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय द्वारा की गयी। कार्यशाला में विविध परिसरों के ज्योतिष शास्त्र के विद्वान् पाठलेखक एवं पाठसंशोधक के रूप में उपस्थित हुए। जिसमें प्रो. मदनमोहन पाठक, प्रो. हंसधर झा, डॉ. श्यामदेवमिश्र, डॉ. मुरलीकृष्ण टी., प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. ईश्वर भट्ट, डॉ. चक्रधरकर, श्री विजयानन्द अडिग तथा डॉ. प्रवेश व्यास आदि रहे। इस कार्यशाला का समन्वयन मुक्तस्वाध्यायपीठ जयपुर के समन्वयक प्रो. श्रीधर मिश्र तथा सह-समन्वयक डॉ. कुलदीप शर्मा द्वारा किया गया।

- ''ज्योतिर्मयी'' ज्योतिषशोधपत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।
- ज्योतिष विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गयी जिसमें शताधिक ग्रन्थों का क्रय किया गया।
- इस सत्र में ज्योतिष विभाग द्वारा आचार्य वर्ग के लिए दिनांक 5.11.18 तथा 18.3.16 को 02 विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- शास्त्री वर्ग के लिए 26.11.15 को विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- ज्योतिष विभाग द्वारा संध्याकालीन कक्षा के अन्तर्गत स्ववित्तपोषित ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम, वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम का आयोजन 14.9.2015 से 22.12. 2015 तक (त्रैमासिक पाठ्यक्रम) सम्पन्न हुआ जिसमें 23 छात्रों ने प्रमाण पत्र प्राप्त किए।
- परिसरीय स्तर पर स्थानीय ज्योतिष छात्रों की विशेष रुची को दृष्टिगत रखते हुए चातुर्मासिक परिष्कृत प्रमाणपत्रीय फलित ज्योतिष पाठ्यक्रम का प्रारम्भ 9 मार्च 2016 को ज्योतिष विभाग द्वारा किया जिसमें 10 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया।
- ज्योतिष विभागीय छात्रों की शैक्षणिक यात्रा का आयोजन 7.3.2016 को रणथम्भौर अभ्यारण्य दर्शन किया गया।

14. साहित्य विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 19.2.2016 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन साहित्य विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें विशिष्ट व्याख्यान का विषय 'लक्षण' एवं संगोष्ठी का विषय 'श्लेष' था। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. कृष्णचन्द्र चतुर्वेदी पूर्व आचार्य साहित्य विभाग जयपुर, सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय पूर्व आचार्य साहित्य विभाग जयपुर, प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी आदि विद्वान् उपस्थित रहे। गोष्ठी का संयोजन प्रो. रामकुमार शर्मा एवं संचालन डॉ. हरीश चन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में अध्यापकों एवं शोधच्छात्रों द्वारा 35 से अधिक शोध पत्र पढे गए। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय द्वारा की गयी।

- एकदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 19. 2.16 को किया गया जिसका विषय था 'लक्षणा'
- एकदिवसीय सेमीनार 'रसस्वरूप मीमांसा पर दिनांक 5. 4.16 को की गयी।
- विभागीय पत्रिका विच्छति का प्रकाशन किया जा रहा है।
- साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा ने

विश्वसंस्कृत सम्मेलन बैंकाक थाइलैण्ड में दिनांक 28.6.15-2.7.15 तक भाग लिया।

15. दर्शन विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 22.02.16 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दर्शन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें प्रो. कमलनयन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रो. राजधर मिश्र व्याकरण विभागाध्यक्ष ज.रा.रा.सं.वि.वि. सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। गोष्ठी का आयोजन प्रो. वैद्यनाथ झा द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में परिसरीय अध्यापक एवं शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय द्वारा की गयी।

16. धर्मशास्त्र विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 03.03.16 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें आचार्य कमलनयन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं भगवान सहाय शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में, आचार्य लक्ष्मीनारायण शास्त्री सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस गोष्ठी का आयोजन धर्मशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. भगवती सुदेश तथा संचालन अतिथि अध्यापिका डॉ. कृष्णा शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें परिसरीय अध्यापकों एवं परिसरीय शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया।

17. जैनदर्शन विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 26.02.16 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन जैनदर्शन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें विशिष्ट व्याख्याता प्रो. विजय कुमार जैन लखनऊ, सारस्वत अतिथि डॉ. धर्मेन्द्र जैन, मुख्यातिथि डॉ. सुषमा सिंघवी एवं प्रो. दयानन्द भार्गव जयपुर रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. वासुदेव शर्मा द्वारा की गयी। संयोजन दर्शनविभागाध्यक्ष प्रो. श्रीयांशकुमार सिंघई, प्रो. कमलेशकुमार जैन द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में परिसरीय अध्यापकों एवं परिसरीय शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया।

18. प्रो. हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यान माला

इस व्याख्यान माला का आयोजन दिनांक 21.03.16 को किया गया। इस व्याख्यान माला का विषय प्राकृत पाण्डुलिपियों के आधार पर जैन आगमों का सम्पादन था। इस व्याख्यानमाला के विशिष्ट वक्ता प्रो. जितेन्द्र बी.शाह, मुख्य अतिथि प्रो. बंशीधर भट्ट, सारस्वत अतिथि प्रो. संजीव भानावत तथा अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. श्रीयांशकुमार सिंघई, एवं संचालन प्रो. कमलेशकुमार जैन द्वारा किया गया।

19. आधुनिक विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

आधुनिक विभाग द्वारा दिनांक 29.03.16 को 'भाषा, साहित्य, समाज, विज्ञान, एवं तकनीकी विषयों के आधुनिक राष्ट्रीय संगोष्ठी' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. परमजीत सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रो. अमनजैन, सारस्वत अतिथि प्रो. सतीश किलावत, वक्ता उर्वशी शर्मा, प्रो. इनाक्षी चतुर्वेदी, आदि उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. ओमप्रकाश भड़ाना अध्यक्ष आधुनिक विभाग एवं संचालन डॉ. सुभाष चन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में बाह्य विद्वान् एवं परिसरीय विद्वान् तथा शोधच्छात्रों द्वारा शोधपत्रों का वाचन किया गया। इस सेमिनार में डॉ. रेखा पाण्डेय ने स्वागत भाषण दिया एवं डॉ. सुभाष, डॉ. नमिता मित्तल, कुमारी कान्ता गिलानी ने मंच संचालन किया तथा डॉ. विनी शर्मा व मोहित झालानी ने सेमिनार का प्रतिवेदन सुनाया। आधुनिक विभाग के सभी प्राध्यापक एवं छात्रों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

20. वेद विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

वेद विभाग द्वारा दिनांक 30.03.16 को 'वेदव्याख्या पद्धति' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. मनोज कुमार मिश्र, परीक्षा नियन्त्रक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, सारस्वत अतिथि लम्बोदर मिश्र, संकाय अध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा एवं अध्यक्ष डॉ. प्रकाश पाण्डेय, सत्राध्यक्ष प्रो. वैद्यनाथ झा मंच संचालक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार पाठक, कार्यक्रम संयोजक प्रो. श्रीधर मिश्र रहे। इसके अतिरिक्त परिसरीय विद्वानों एवं शोधच्छात्रों द्वारा उपर्युक्त विषय पर शोधपत्र पढ़े गए।

शिक्षाशास्त्र विभाग की वार्षिक गतिविधियाँ –

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	विवरण
1.	अभिविन्यास कार्यक्रम में सहभागिता दिनांक 23.8.15 से 29.8.15	एकलव्य परिसर अगरतला में सभी प्राध्यापकों की पाठ्यक्रम रूप रेखा में सहभागिता
2.	शिक्षक दिवस पूर्व संध्या 4.9.15	विभागीय प्राध्यापक एवं छात्रगण
3.	भाषा बोधन वर्ग 7.9.15 से 9.10.15	समस्त प्रशिक्षणार्थी शिक्षाशास्त्री व शिक्षाचार्य
4.	हिन्दी दिवस समारोह 14.7.15	विभागीय प्राध्यापक व छात्रगण निबन्ध व भाषा प्रतियोगिता का आयोजन
5.	स्वच्छता दिवस समारोह 2.10.15	डॉ. हरिओम शर्मा के निर्देशन में
6.	राष्ट्रिय एकता दिवस सरदार पटेल जयन्ती 30.1.15 से 31.10.15	समस्त छात्रों का राष्ट्रिय एकता की शपथ प्रो. फतह सिंह द्वारा दिलायी गयी श्लोगन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
7.	विद्यालय अवबोध कार्यक्रम 18.9.15 से 26.9.15	समस्त प्राध्यापकों के निर्देशन में दस केन्द्रों पर संचालित किया गया।
8.	संविधान दिवस 27.9.16	प्रो. फतह सिंह के संयोजन में समस्त विद्यार्थी द्वारा किया गया प्रो. जे.पी. व्यास सेवानिवृत्त प्रो. विधि विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा व्याख्यान दिया गया।
9.	त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 21.12.15 से 23.12.15	त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें विषय 'संस्कृत शिक्षकशिक्षायां गुणस्तरसंवर्धनम्' था। इस गोष्ठी की अध्यक्षता प्रकाश पाण्डेय द्वारा की गयी। मुख्यवक्ता एवं अतिथि के रूप में प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रो. मुरलीधर शर्मा, प्रो. गोपीनाथ शर्मा, डॉ. चाँदकरण सलूजा, प्रो. सोहनलाल पाण्डेय, प्रो. वी.मुरलीधर शर्मा, डॉ. दिवाकर मिश्र, डॉ. सुनीता भार्गव, डॉ. विजय लक्ष्मी शर्मा आदि विद्वान उपस्थित रहे। इस गोष्ठी में परिसरीय एवं बाह्य विद्वानों द्वारा अनेकों शोधपत्र हिन्दी संस्कृत एवं अंग्रेजी के माध्यम से पढे गए। जिसका संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. वाई. एस.रमेश एवं संचालन प्रो. सुदेश कुमार शर्मा द्वारा किया गया।
10.	सद्भावना यात्रा 13.1.16	शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों के निर्देशन में छात्रों द्वारा निकाली गयी।
11.	सुक्ष्म शिक्षण 1.2.16 से 5.2.16	शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों के निर्देशन में
12.	एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 15.03.16	'भारतीयदार्शनिकविचारधाराणाम्' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसके चारों सत्रों में न्यायवेदान्त आदि शास्त्रों में शैक्षिक तत्वों का विमर्श हुआ। विविधसत्रों में प्राचार्य डॉ . प्रकाश पाण्डेय, प्रो. वैद्यनाथ झा, प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई, प्रो. कमलेश कुमार जैन, प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. सुरेन्द्र शर्मा, प्रो. शिवकान्त झा, विषय विवेचक के रूप में

		आतिथ्य का निर्वहण किया। इस संगोष्ठी का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. वाई.एस.रमेश द्वारा किया गया। इसमें 50 से अधिक शोध पत्र विद्वानों द्वारा पढ़े गए।
13.	संस्कृत विक्की पीडिया कार्यशाला 18, 19 मार्च 2016	श्रीलक्ष्मीनरसिंहन कृष्णमूर्ति के निर्देशन में आयोजित की गयी।
14	छात्र संगोष्ठी 8 अप्रैल 2016	इस संगोष्ठी में सभी पदों का निर्वहन छात्रों द्वारा किया गया। प्राध्यापकों ने केवल मार्गदर्शन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना –

- 22.9.2015 मंगलवार को एकदिवसीय शिविर का आयोजन
- 2.10.15 शुक्रवार को एकदिवसीय शिविर ''हमारा परिसर स्वच्छ परिसर'' (स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत) का आयोजन।
- यूनियन बैंक द्वारा प्रायोजित "Vigilance Awareness Week" के अन्तर्गत "Preventive vigilance as tool if good Governance" विषयक प्रोग्राम में NSS की परिसर ईकाई के 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें प्रतिभागियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।
- 1.12.15 को एड्स दिवस पर जागरूकता सम्बन्धी रैली का आयोजन।

परिसर कार्यक्रमों में आमंत्रित विद्वान्

1. प्रो. हरिराम–आचार्य भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
2. देवर्षि कलानाथ शास्त्री, राष्ट्रपति सम्मानित
3. प्रो. हरीराम मिश्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली
4. प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्यचर भोपाल परिसर
5. प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
6. प्रो. बीना अग्रवाल, आचार्य और अध्यक्ष संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
7. डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष जयनारायणव्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
8. डॉ. कमलनयन शर्मा, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर
9. डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष,साहित्य विभाग जयपुर परिसर
10. डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठ, नई दिल्ली
11. प्रो. सुषमा सिंघवी, अध्यक्षा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
12. डॉ. सतीश किलावत, भूतपूर्व प्राचार्य, जयपुर परिसर
13. राणूलाल शर्मा, पतञ्जलियोगसमिति
14. श्री अशोक गौतम, पतञ्जलियोगसमिति
15. वैद्य पवन अग्रवाल, पतञ्जलियोगसमिति
16. हरेन्द्र पाल सिंह, पतञ्जलियोगसमिति
17. डॉ. मञ्जुलाभाटी, पतञ्जलियोगसमिति
18. श्रीमती अल्काशर्मा, पतञ्जलियोगसमिति
19. श्रीमती सुनीता जैन, पतञ्जलियोगसमिति
20. डॉ. एस.बी. दवे, पतञ्जलियोगसमिति
21. श्री वी.पी. शुक्ला, पतञ्जलियोगसमिति
22. श्री लक्ष्मण सिंहः, पतञ्जलियोगसमिति
23. महन्तमोहनशरणशास्त्री, निम्बाई आश्रम भीलवाड़ा
24. डॉ. विनोद शर्मा, ज्योतिष विभागाध्यक्ष ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
25. डॉ. भगवान सहाय शर्मा, प्राचार्य, महाराजसंस्कृत –आचार्य महाविद्यालय, जयपुर
26. डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा सहाचार्य, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
27. डॉ. दिवाकर मिश्रः, सहाचार्य, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
28. प्रो. कमलेश कुमार जैन, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय
29. प्रो. अशोक तिवारी, व्याकरणविभागाध्यक्ष, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर

30. डॉ. राजधर मिश्र, सहायकाचार्य व्याकरण विभाग, ज.रा.रा.सं.वि.वि., जयपुर
31. प्रो. मनोज कुमार मिश्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
32. प्रो. दयानन्द भार्गव, जयपुर
33. प्रो. गोपीनाथ मिश्र, जयपुर
34. डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	19
उत्तर प्रेषित	-	19

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर की स्थापना 2 अगस्त, 1986 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन हुई। आरम्भिक समय से ही यह केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ परम्परागत संस्कृत विद्या की उन्नति प्रचार-प्रसार, अध्ययन-अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्यरत है। वर्ष 2002 में सम विश्वविद्यालय घोषित होने के पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ लखनऊ से लखनऊ परिसर के रूप में संस्कृत भाषा के उन्नयन हेतु प्रयत्नशील है, लखनऊ परिसर में अन्य भाषाओं के साथ ही पाली एवं प्राकृत भाषाओं के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की गई है। संस्कृत भाषा के अनेक विद्वानों एवं लेखकों ने इस परिसर के विकास में अपना योगदान दिया है। अवध क्षेत्र में स्थित होने के कारण यह परिसर क्षेत्र के लोगों ने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रिय एकता एवं धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सम विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ में विशाल भवन में स्थित है। परिसर के अन्दर ही महिला छात्रावास, संकाय एवं कर्मचारी आवास भी है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

(अ) परिसर में सञ्चालित नियमित पाठ्यक्रम

शास्त्रीय-

1. नव्य व्याकरण 2. प्राचीन व्याकरण 3. साहित्य 4. सिद्धान्त ज्योतिष 5. फलित ज्योतिष 6. बौद्धदर्शन 7. वेद

आधुनिक विषय विभाग-

1. हिन्दी 2. इंग्लिश 3. राजनीति विज्ञान 4. अर्थशास्त्र 5. संगणक (प्राक् शास्त्री तथा शास्त्री कक्षा में पढ़ाये जाते हैं)

(ब) नियमित कक्षाओं का विवरण

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री प्रथम वर्ष

शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री तृतीय वर्ष

आचार्य प्रथम वर्ष

आचार्य द्वितीय वर्ष

शिक्षाशास्त्री

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)

(स) मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा), स्वाध्याय केन्द्र, लखनऊ के अन्तर्गत सञ्चालित कक्षाएँ-

प्राक्शास्त्री सेतु

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री सेतु

शास्त्री प्रथम वर्ष

शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री तृतीय वर्ष

आचार्य सेतु

आचार्य प्रथम वर्ष

आचार्य द्वितीय वर्ष

दूरस्थ शिक्षा में सम्प्रति प्राक्शास्त्री, शास्त्री सेतु, शास्त्री, आचार्य सेतु एवम् आचार्य स्तर पर शास्त्रीय विषयों में साहित्य, व्याकरण एवं फलित ज्योतिष तथा प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री स्तर पर आधुनिक विषयों के अन्तर्गत हिन्दी, इंग्लिश, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिविज्ञान के पाठ्यक्रम सञ्चालित हैं।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम –

ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम तथा पालि, प्राकृत एवं भोट भाषा के प्रमाणपत्रीय कार्यक्रम।

शैक्षणिक गतिविधियाँ –

– डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला (13.04. 2015)

विशिष्ट वक्ता– श्री एस. आर. दारापुरी

1. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान पर दो कार्यशाला

(A) जुलाई से दिसम्बर 2015

(B) नवम्बर से अप्रेल 2016

2. भारत स्वच्छता अभियान (11 जुलाई 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य की अध्यक्षता एवं डॉ. रमेश सिंह के द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का संचालन किया गया

3. सत्रारम्भ सरस्वती पूजन – (13 जुलाई, 2015)

सरस्वती पूजन प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य के सानिध्य में सभी अध्यापक, प्राध्यापक, छात्र, शोधच्छात्र एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया।

4. छात्र संस्कार कार्यक्रम – (15 जुलाई 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य तथा डॉ. नीरज तिवारी, वेद विभाग के सहयोग से परिसर में किया गया।

5. वाग्वर्धिनी सभा का उद्घाटन– (17 जुलाई, 2015)

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य तथा इस कार्य का सम्पादन डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी तथा डॉ. यदुवीरस्वरूप ब्रह्मचारी द्वारा किया गया।

6. व्यासपूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) (31 जुलाई 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य ने वरिष्ठ आचार्यों के साथ गुरु पूजन किया।

7. वृक्षारोपण कार्यक्रम – (6 अगस्त, 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य ने प्रो. मदनमोहन पाठक एवं ज्योतिष विभाग के अन्य अध्यापकों के सहयोग से किया।

8. स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त, 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, आचार्य, छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वाधीनता दिवस मनाया गया।

9. गृहे गृहे संस्कृतम्– कार्यक्रम का शुभारंभ (22 अगस्त, 2015)

मुख्य अतिथि– माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री–भारत सरकार

अध्यक्षता– प्रो. पी. एन. शास्त्री, कुलपति, रा.सं.सं. (मा.वि.) नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि– प्रो. यदुनाथ दूबे, कुलपति– सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

– डॉ. दिनेश शर्मा, मेयर, लखनऊ

– श्री सोहनलाल वकील,

– महामहोपाध्याय हृदयरंजन शर्मा, प्राध्यापक संस्कृत–भारती, काशी प्रान्त

10. संस्कृत सप्ताह समारोह (26 अगस्त से 29 अगस्त 2015)

उद्घाटन में मुख्य अतिथि– श्रीमान् भानु प्रताप सिंह, निदेशक, सतर्कता विभाग, उ.प्र.

सारस्वत अतिथि– प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, रा.सं.सं., भोपाल परिसर

विशिष्ट अतिथि– प्रो. उमारमण झा, राष्ट्रपति सम्मानित, पूर्व प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

विशिष्ट अतिथि– श्री रामसागर शुक्ल, सेवानिवृत्त उप निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ

अध्यक्ष– प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. धनीन्द्र कुमार झा, सहा. आचार्य, व्याकरण

संयोजक- प्रो. मदन मोहन पाठक, आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष विभाग

समापन-सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, राष्ट्रपति सम्मानित, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

विशिष्टातिथि - श्री शिवाकान्त द्विवेदी, विशेष सचिव, प्रौद्योगिक शिक्षा, उ.प्र.

सारस्वत अतिथि- प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, पूर्व प्रतिकुलपति, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संयोजक- प्रो. मदनमोहन पाठक, आचार्य एवं अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग

संचालक- प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी, व्याकरण विभागाध्यक्ष

11. सुशासन दिवस (25 दिसम्बर 2015)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य की अध्यक्षता में वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. अवनीश अग्रवाल के सानिध्य में, संचालक श्री जगन्नाथ झा।

12. स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह (12 जनवरी, 2016)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, प्रो. विजय कुमार जैन, प्रो. देवीप्रसाद द्विवेदी, प्रो. रामलखन पाण्डेय एवं परिसर के अध्यापकों छात्र-छात्रों के द्वारा मनाया गया। जिसका संचालन श्री प्रमोद कुमार शुक्ल ने किया।

13. गणतन्त्र दिवस कार्यक्रम (26 जनवरी, 2016)

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, आचार्य शोधच्छात्रों एवं कर्मचारियों के द्वारा मनाया गया।

14. पालि संशोधन/सम्पादन कार्यशाला, पालि अध्ययन केन्द्र

(8-14 सितम्बर, 2015)

देश के 10 विद्वानों ने भाग लिया।

15. महिला सुरक्षा का व्याख्यान

विषय- महिलाओं की सुरक्षा एवं विविध जानकारी

व्याख्यात्री- श्रीमती शिखा सिन्हा, (स्पेशल कौंसिल नैरकोटिक्स, कंट्रोल ब्यूरो, एम.एस.ए.)

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालिका- प्रो. अवनीश अग्रवाल, शिक्षाशास्त्र विभाग

16. महामहोपाध्याय पं. गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यानमाला (30 मार्च, 2016)

विषय- महोपाध्याय पं. गोपीनाथ कविराज का साधना पक्ष

मुख्य वक्ता- प्रो. मनुदेव भट्टाचार्य, पूर्व विभागाध्यक्ष, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

सारस्वत अतिथि- प्रो. नवजीवन रस्तोगी, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालक- प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी, व्याकरण विभागाध्यक्ष, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

धन्यवादज्ञापन- डॉ. पवन कुमार, सहायकाचार्य, साहित्य विभाग,

एक दिवसीय वास्तुशास्त्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी -

विषय - **वर्तमानसन्दर्भे वास्तुशास्त्रस्य प्रासंगिकता**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, लखनऊ विश्वविद्यालय

सारस्वत अतिथि - प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, भोपाल परिसर

विशिष्ट अतिथि- श्री जयप्रकाश त्रिपाठी, आई.ए.एस.

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय, राष्ट्रपति सम्मानित, पूर्व सचिव, महर्षि सान्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

सारस्वत वक्ता- प्रो. मदनमोहन पाठक, ज्योतिष विभगाध्यक्ष, लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय, अध्यापक ज्यो. वि., रा.सं.सं. लखनऊ परिसर

- साहित्य विभाग (17-12-2015)

एकदिवसीय साहित्य शास्त्रीय संगोष्ठी -

विषय - **संस्कृतवाङमये साहित्यविद्या साहित्यिक-प्रस्थानानि**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. राकेश चन्द्रा, पूर्व संकायाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय

सारस्वत अतिथि - प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी, अध्यक्ष व्याकरण विभाग

विशिष्ट अतिथि - डॉ. मीरा वाणी, वी.एस.एच् वी कॉलेज, लखनऊ

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. पवन दीक्षित, सहाचार्य, सा. विभाग लखनऊपरिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि - प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, भोपाल परिसर

विशिष्ट अतिथि - डॉ. मीरा वाणी, वी.ए.एनच् वी कालेज, लखनऊ

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संचालिका - डॉ. ग़ज़ाला अंसारी सहायकाचार्य, सा. विभाग

- व्याकरण विभाग (18-12-2015)

एक दिवसीय व्याकरण शास्त्रीय संगोष्ठी -

विषय - **व्याकरणदर्शनस्य तत्त्वचिन्तनम्**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, रा.सं. सं., भोपाल परिसर

सारस्वत अतिथि - प्रो. रामसारगर मिश्र, अवकाश प्राप्त, रा.सं.सं.

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. उमारमण झा, पूर्व प्रचार्य, लखनऊ परिसर

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

- बौद्धदर्शन विभाग (21-12-2015)

एकदिवसीय बौद्धदर्शन शास्त्रीय संगोष्ठी-

विषय : - **बौद्धदर्शन वैशिष्ट्यम्**

उद्घटन सत्र-

मुख्य वक्ता- प्रो. राकेश चन्द्र, दर्शन विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय

विशिष्ट अतिथि - श्री वृजेश चन्द्र, निदेशक उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, सहा. आचार्य, बौद्धदर्शन विभाग

समापन सत्र-

मुख्य वक्ता- प्रो. विजयकुमार जैन, बौद्धदर्शन संकायाध्यक्ष, लखनऊ परिसर

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

- शिक्षाशास्त्र विभाग (22-12-2015)

एक दिवसीय शिक्षाशस्त्री संगोष्ठी -

विषय- **भारतीयशिक्षायाः आदर्शस्वरूपम्**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. जगतपाल सिंह तोमर, पूर्वांचल विश्वविद्यालय

सारस्वत वक्ता - प्रो. लोकमान्य मिश्र, शिक्षा विभागाध्यक्ष लखनऊ परिसर

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

समापन सत्र-

प्रो. रामसागर मिश्र, पूर्व आचार्य, रा.सं.संस्थान

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

संयोजिका- प्रो. अवनीश अग्रवाल, शिक्षविभाग, लखनऊ परिसर

- वेद विभाग (23-12-2015)

एक दिवसीय वेद विभाग संगोष्ठी -

विषय -

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- डॉ. बृजेश चन्द, निदेशक, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

मुख्य वक्ता-प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय, पूर्व सचिव, महर्षि सान्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर समान

संचालक- डॉ. नीरज तिवारी, वेद अध्यापक, लखनऊ पसिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, लखनऊ विश्वविद्यालय

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

द्विदिवसीय राष्ट्रिय परिसंवाद संगोष्ठी व्याकरण विभाग (8 दिसम्बर एवं 9 दिसम्बर, 2015)

विषय: - **व्याकरणभूषणसारस्य समालोचनम्**

मुख्यातिथि- प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, भोपाल परिसर

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

मुख्यवक्त-प्रो. रामनारायण मिश्र,

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि - प्रो. कमलेश झा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

विशिष्ट अतिथि- प्रो. अशोक कुमार कालिया, कुलपति, सम्पूर्णानंद सं.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

विशिष्ट व्याख्यान-

वेद विभाग- (1 फरवरी, 2016)

विषय :- **वेदाध्ययनस्य वैदिकयज्ञानाञ्च वर्तमानकाले**

मुख्यातिथि - प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, संस्कृत विभागाध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय

मुख्य वक्ता- प्रो. लक्ष्मीश्वर झा, श्री लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नवदेहली

सारस्वत अतिथि- प्रो. मनोज कुमार मिश्र, वेद विभागाध्यक्ष, रा.सं.सं., नई दिल्ली

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. नीरज तिवारी, वेद प्राध्यापक-लखनऊ परिसर

ज्योतिष विभाग- (19 फरवरी 2016)

विषय - **सप्तर्षिचार:**

मुख्य अतिथि- प्रो. शिवकान्त झा, कामेश्वर सिंह दरभंगा, सं.वि.वि., ज्योतिष विभाग

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. ज्योति प्रसाद दास, लखनऊ परिसर

- व्याकरण विभाग - (3 मार्च 2016)

विषय- **शब्दबोध:**

मुख्य वक्ता- डॉ. दिव्य चैतन्य ब्रह्मचारी, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक -

- आधुनिक विभाग - (30 मार्च, 2016)

विषय: - **वैश्विक परिप्रेक्ष्य में साहित्य एवं सामाजिक विज्ञान**

मुख्य वक्ता-

अध्यक्षता - प्रो. विजयकुमार जैन, प्र. प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संयोजकत्व- प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय, लखनऊ परिसर, लखनऊ

संचालक एवं सहसंयोजक- डॉ. एस. पी. सिंह, सहायकाचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

- साहित्य विभाग- (18, मार्च, 2016)

विषय :- **साहित्यशास्त्रीयवैशिष्ट्यम्**

मुख्य वक्ता - प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक, मुक्त स्वाध्याय पीठ, रा.सं.सं., नई दिल्ली

मुख्य अतिथि- प्रो. रामसुमेर यादव, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

अध्यक्षता - प्रो. रामलखन पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, लखनऊ परिसर

संचालिका - डॉ. पवन कुमार, सहायकाचार्य, साहित्य विभाग, लखनऊ परिसर

- बौद्धदर्शन विभाग - (18 मार्च, 2016)

विषय- **बौद्धपरम्परायाः विविधायामाः**

मुख्य वक्ता- प्रो. उमाशंकर व्यास, पूर्व निदेशक नवनालन्दा, महाविहार, बिहार

सारस्वत अतिथि- भिक्षु चन्दिमा, अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

अध्यक्ष - प्रो. विजय कुमार जैन, बौद्ध दर्शन विभाग, रा. सं.सं.ल.प.

संचालक- डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, विभागीय प्राध्यापक

धन्यवाद ज्ञापन- सुश्री कृष्णा कुमारी, विभागीय प्राध्यापिका

- शिक्षाशास्त्र विभाग - (30 मार्च, 2016)

विषय - **साम्प्रतिके समाजे गुरुशिष्यपरम्परायाः स्थितिः**

मुख्य वक्ता- प्रो. राम सागर मिश्र, सेवानिवृत्त शिक्षाचार्य, रा.सं.सं.

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, रा.सं.सं. लखनऊपरिसर

संचालक- प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ परिसर

धन्यवाद- प्रो. अवनीश अग्रवाल, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ परिसर

एक दिवसीय विभागीय संगोष्ठी-

(आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन प्रत्यायन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत आयोजित)

वेद विभाग - (1 फरवरी 2016)

विषय- **वेदाध्ययनस्य वैदिकयज्ञानाञ्च वर्तमाकाले विस्तारोपायाः**

उद्घाटन सत्र-

मुख्यातिथि - प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, संस्कृत विभागाध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय

मुख्य वक्ता- प्रो. लक्ष्मीश्वर झा, श्री लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नवदेहली

सारस्वत अतिथि- प्रो. मनोज कुमार मिश्र, वेद विभागाध्यक्ष, रा.सं.सं., नई दिल्ली

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक/संयोजक- डॉ. नीरज तिवारी, वेद प्राध्यापक- लखनऊ परिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी, संस्कृत विभागाध्यक्ष, मा.गा. काशी विद्यापीठ, वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

ज्योतिष विभाग- (20 फरवरी 2016)

विषय - **ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या मधुमेहरोगस्य कारणानि तन्निदानञ्च**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- श्री शिवाकान्त द्विवेदी, आई.ए.एस., विशेष सचिव, तकनीकी शिक्षा, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि - प्रो. उमाशंकर शुक्ल, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

सारस्वत अतिथि- प्रो. शिवाकान्त झा, आचार्य एवं अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, दरभंगा

मुख्य वक्ता- डॉ. विनय कुमार पाण्डेय, एसो.प्रो., ज्योतिष विभाग, का.हि.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. ज्योति प्रसाद दास, ज्योतिष विभाग अध्यापक

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- डॉ. रवीन्द्र कुमार, सी.एम.ओ. लखनऊ

सारस्वत अतिथि- प्रो. उमाशंकर शुक्ल, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

सारस्वत अतिथि- प्रो. शिवाकान्त झा, आचार्य ज्योतिष विभाग, का.सि.द.सं.वि.वि., दरभंगा, बिहार

सारस्वत अतिथि- श्री जयप्रकाश त्रिपाठी, आई.ए.एस., रिटा.)

मुख्य वक्ता- प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री, विजिटिंग प्रोफेसर, का.हि.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय, ज्योतिष विभाग अध्यापक, लखनऊ परिसर

- व्याकरण विभाग - (4 मार्च 2016)

विषय - **व्याकरणदर्शनमीमांसा**

मुख्य वक्ता- डॉ. शशिनाथ झा, दरभंगा विश्वविद्यालय, बिहार

सारस्वत अतिथि- डॉ. दिव्यचैतन्य ब्रह्मचारी, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य लखनऊ परिसर

संचालक- प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष व्याकरण विभाग, लखनऊ परिसर

- शिक्षाशास्त्र विभाग - (8 मार्च, 2016)

विषय - **दार्शनिकपरिप्रेक्षे शिक्षा**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य वक्ता- प्रो. रमेश प्रसाद पाठक, डीन एवं अध्यक्ष, आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय, लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालक एवं संयोजक- प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी, लखनऊ परिसर

सम्पूर्ति सत्र-

मुख्य वक्ता- प्रो. रमेश प्रसाद पाठक, डीन एवं अध्यक्ष, आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय, लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालिका- प्रो. अवनीश अग्रवाल, लखनऊ परिसर

- आधुनिक विभाग - (16 मार्च, 2016)

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि- श्री गोपाल चतुर्वेदी, भारतीय प्रशासनिक सेवा

सारस्वत अतिथि- प्रो. शिवजी उपाध्याय, सेवानिवृत्त साहित्य विभाग, सं.सं.वि.वि., वाराणसी

विशिष्ट अतिथि- डॉ. सरजीत सिंह डंग, एम.वी.वी. एस., का.हि.वि.वि., वाराणसी

प्र.प्राचार्य - प्रो. विजयकुमार जैन, बौद्धदर्शन विभाग, लखनऊ परिसर

संकाय प्रमुख- प्रो शिशिर कुमार पाण्डेय, लखनऊ परिसर

अध्यक्ष- प्रो. उमेश चन्द्र पाण्डेय, पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री,
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

संचालक- डॉ. एस. पी. सिंह, लखनऊ परिसर

सत्र- अंग्रेजी

अध्यक्ष- डॉ. शोभा बाजपेयी, वी.एस.एन.वी. कॉलेज, लखनऊ

संचालिका- डॉ. कविता विसारिया, लखनऊ परिसर

सत्र- हिन्दी-

अध्यक्ष- प्रो. रामसागर मिश्र, सेवानिवृत्त, रा.सं.सं.

मुख्य अतिथि- प्रो. अलका पाण्डेय, लखनऊ विश्वविद्यालय

संचालक- श्री विनय कुमार द्विवेदी, संगणक शिक्षक

सत्र- कम्प्यूटर

अध्यक्ष- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, लखनऊ विश्वविद्यालय

विषय विशेषज्ञ- डॉ. अशोक कुमार कुशवाहा, संगणक विभागाध्यक्ष, जीपीएल, उ.प्र.

संचालक- श्री विनय कुमार द्विवेदी, संगणक शिक्षक

- साहित्य विभाग - (17 मार्च, 2016)

विषय - **काव्यतत्वविमर्शः**

उद्घाटन सत्र-

मुख्य अतिथि - प्रो. जी. आञ्जनेय शास्त्री, अधिष्ठाता सं.वि.धर्म विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि., वाराणसी

सारस्वत अतिथि- प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक, मुक्त स्वाध्यायपीठ, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, निदेशक, अभिनव गुप्त स्वतंत्र कला शास्त्रीय एवं शैव दार्शनिक संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालिका- डॉ. ग़ज़ाला अंसारी, विभागीय प्राध्यापिका, लखनऊ परिसर

समापन सत्र-

मुख्य अतिथि- प्रो. रामसुमेर यादव, संस्कृत एवं प्राकृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

अध्यक्ष- प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य, लखनऊ परिसर

संचालक- डॉ. पवन कुमार, विभागीय प्राध्यापक, लखनऊ परिसर

- बौद्धदर्शन विभाग - (18 मार्च, 2016)

विषय - **बौद्धपरम्परायाः विविधायामाः**

अध्यक्ष- प्रो. रामसागर मिश्र, सेवानिवृत्त, शिक्षाचार्य, रा. सं.सं.

सारस्वत अतिथि- भिक्षु उपनन्द, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

संचालक- प्रदीप शर्मा लुईटेल, शोधच्छात्र एवं कनिष्ठ शोध अध्येता पालि

समापन सत्र-

अध्यक्ष- प्रो. उमाशंकर व्यास पूर्व निदेशक नवनालन्दा, महाविहार, नालन्दा, बिहार

सारस्वत अतिथि- प्रो. रामसुमेर यादव, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

संचालिका- श्रीमती सोनल सिंह, शोधच्छात्रा

धन्यवाद ज्ञापन- प्रो. विजय कुमार जैन, बौद्धदर्शन विभाग, लखनऊ परिसर

प्रकाशन-

- साहित्य समाख्या- साहित्य विभाग की शोध पत्रिका
- व्याकरण संगोष्ठी की स्मारिका
- पालि अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत संयुत्तनिकाय भाग 2 एवं भाग 3 का प्रकाशन
- पालि/प्राकृत अनुशीलन अंक 3 का प्रकाशन
- साहित्य विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- व्याकरण विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- बौद्धदर्शन विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- ज्योतिष विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- शिक्षाशास्त्र विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- आधुनिक विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- वेद विभागीय प्रकाशन का शुभारंभ
- गोमती अंक का प्रकाशन

संस्थान के विद्वानों का कार्यकलाप-

प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य

भोपाल परिसर में आयोजित व्याकरणशास्त्रीय संगोष्ठी एवं सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय की संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. विजय कुमार जैन, बौद्धदर्शन विभाग

जयपुर परिसर में विशिष्ट व्यख्यान दिया एवं महाबोधि सभा, सारनाथ, दिल्ली संस्कृत अकादमी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, उ.प्र. संस्कृत अकादमी की संगोष्ठियों में भाग लिया एवं सत्रों की अध्यक्षता की; पांच शोध प्रकाशित।

प्रो. लोकमान्य मिश्र, शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष मई-जून, 2015 में विभिन्न विश्वविद्यालयों में विशिष्ट व्याख्यान एवं शोध परीक्षण किया तथा लखनऊ परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय, हिन्दी

सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय की संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रो. रामलखन पाण्डेय, साहित्य

सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय की संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया एवं कालिदास अकादमी में कविता पाठ किया।

प्रो. अवनीश अग्रवाल –

विभिन्न संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत किया एवं संगोष्ठी का संयोजन किया।

प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी, व्याकरण विभाग

अखिल भारतीय व्याकरण शास्त्र संगोष्ठी का संयोजन तथा विभिन्न संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. मदनमोहन पाठक– ज्योतिष विभाग

राष्ट्रिय संगोष्ठियों में भाग लिया।

प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी– शिक्षाशस्त्र विभाग

परिसर में संगोष्ठी का संयोजन किया।

डॉ. अमित कुमार शुक्ला– ज्योतिष विभाग

परिसर में संगोष्ठी का संयोजन किया।

डॉ. अवधेश कुमार चौबे, बौद्धदर्शन विभाग

अगरतला परिसर एवं सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रमेश सिंह, शारीरिक शिक्षा (आधुनिक विभाग)

अक्टूबर महीने के द्वितीय सप्ताह में बलाहार परिसर में 2015 आयोजित 'युवमहोत्सव' में भाग ग्रहण किया।

डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, बौद्धदर्शन विभाग

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं CIHCS, दाहुंग के संयुक्त तत्त्वावधान में दिरांग, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित 'बौद्ध संस्कृति महोत्सव' में आमन्त्रित विशिष्ट वक्ता के रूप में भाग लेते हुए व्याख्यान दिया, 'उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान' और लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'राष्ट्रीय पालि परिसंवाद' में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लेते हुए पत्रवाचन, 4 राष्ट्रीय एवं 2 स्थानीय संगोष्ठियों में भाग लिया। एवं शोध पत्रों का वाचन, एक स्थानीय एवं एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन, 'पालि–प्राकृत–अनुशीलनम्' नामक षाण्मासिक शोध–पत्रिका एवं सौगतीयम् नामक वार्षिक शोध–पत्रिका के प्रवेशाङ्क का सम्पादन, विविध शोध–पत्रिकाओं में चार शोध–पत्रों का प्रकाशन, संयोजक–वाग्वर्धिनी।

प्रो. एस. पी. सिंह, अर्थशास्त्र (आधुनिक विभाग)

विभिन्न संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं में भाग ग्रहण किया।

डॉ. पवन कुमार – साहित्य विभाग

साहित्य विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी का संयोजन, साहित्य–सामाख्या नामक पत्रिका का सम्पादन, 6 शोधलेखों का प्रकाशन, लखनऊ परिसर में बौद्धदर्शन, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं वेद में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीरज तिवारी, वेद विभाग

2015–16 में विभिन्न संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किया तथा वेद विभाग में संयोजक के रूप में राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. ज्योतिप्रसाद दास, ज्योतिष विभाग

लखनऊपरिसर में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किया एवं श्री जगन्नाथ नामक पञ्चांग के सहायक सम्पादन के रूप में कार्य किया।

डॉ. यदुवीर स्वरूप ब्रह्मचारी, व्याकरण विभाग

व्याकरण विभाग द्वारा द्विदिवसीय अखिल भारतीय व्याकरण शास्त्र संगोष्ठी में सह सहयोजक के रूप में कार्य किया तथा विभिन्न संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत किये, वाग्वर्धिनी सभा का संयोजन एवं विभिन्न पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशन।

उपलब्धियां–

अष्टम् अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव–2015 दिनांक 30.10.2015 से 02.11.12015 वेदव्यास परिसर, बलाहर (हि. प्र.) में लखनऊ परिसर के क्रीड़ा प्रतिभागियों का प्रदर्शन निम्नलिखित है।

1. विशाल शर्मा, शास्त्री, द्वि. – कुश्ती 74 कि.ग्रा. – तृतीय, जैवलिन थ्रो– तृतीय
2. नवीन कुमार–शोध छात्र – बैडमिन्टन डबल – प्रथम
3. सोमदेव– शा. तृतीय – बैडमिन्टन डबल – प्रथम
4. सनीत गौड़ – शा. द्वितीय – कुशती 61 कि.ग्रा.– प्रथम

5. दिनेश मिश्र – शा. द्वितीय – कुश्ती 70 कि.ग्रा. – तृतीय
6. अशोक कुमार – शिक्षाशास्त्री – कुश्ती – 86 कि.ग्रा. – तृतीय
7. मनस्विनी सतपथि– शिक्षाशास्त्री – डिस्कस थ्रो– तृतीय

शैक्षिक, सांस्कृतिक स्पर्धा (युव महोत्सव 2015) बलाहार

1. राजेश कालोनी– शिक्षाशास्त्री– शास्त्रीवादन– तृतीय
2. दिव्य रंजन– शिक्षाशास्त्री– हिन्दीत: संस्कृतनुवाद – तृतीय

सनित गौड़– शास्त्री द्वितीय वर्ष ने सत्र 2015–2016 में अन्तर्विश्वविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता मैसूर में संस्थान की तरफ से प्रतिनिधित्व किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	10
उत्तर प्रेषित	–	10

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीवगांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्री डॉ. अर्जुन सिंह, संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) राजीव गांधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केन्द्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीयचरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत से किया गया।

परिसर हेतु कर्णाटक राज्यसरकार द्वारा शृंगेरी, मेणसे में 10.2 एकड भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमगलूरु जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूरु से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी. और शिमोगा जंक्शन से 105 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा (जं.) बेंगलूरु से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त, मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.), शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड्) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोधछात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात् विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिन्दी, कन्नड, अंग्रेजी, इतिहास, कम्प्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

अन्य क्रियाकलाप, समारोह, संगोष्ठियों का विवरण

इस परिसर में नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लाभ हेतु चार प्रमुख परिषदों- 1. वाग्वर्धिनीपरिषद्, 2. स्पर्धिष्णुपरिषद्, 3. वाक्यार्थपरिषद् और 4. शारदा विशिष्ट-व्याख्यानमाला का गठन किया गया है।

अन्य क्रियाकलाप, समारोह, संगोष्ठियों का विवरण

इस परिसर में नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लाभ हेतु, चार प्रमुख परिषदों - १. वाग्वर्धिनीपरिषद, २. स्पर्धिष्णुपरिषद, ३. वाक्यार्थपरिषद और ४. शारदाविशिष्ट-व्याख्यानमाला का गठन किया गया है। अन्य क्रियाकलाप, समारोह, संगोष्ठियों का विवरण

डॉ. गणेश ईश्वरभट्ट (सहायक आचार्य) डॉ. सूर्यनारायणभट्ट (सहायक आचार्य) शैक्षिकसत्र २०१५-२०१६ के लिए वाग्वर्धिनी परिषद के समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। श्री गणेशकृष्णभट्ट (I) कुमारी उमाभट्ट (II) सचिव नियुक्त किए गए हैं।

स्पर्धिष्णु परिषद-इस परिषद में प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए छात्र-छात्राओं को उत्साहित एवं प्रशिक्षित किया जाता है। डॉ. सि. एस. एस. नरसिंहमूर्ति (सहाचार्य) डॉ. वेंकटेश तातार्य (सहायक आचार्य) शैक्षिक सत्र २०१५-२०१६ के समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। परिणाम स्वरूप अनेक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विविध पुरस्कारों के साथ संस्थान के आठवाँ युवमहोत्सव मे 'विजय वैजयन्ती' पुरस्कार अर्जित किया जिसका विवरण प्रतिवेदन के साथ प्रस्तुत है।

छात्र-छात्राओं का स्पर्धा में भागग्रहण -

1. २० सितम्बर २०१५ को शिवमोग्गा, तरुणोदय संस्कृत संस्था में आयोजित किया गया स्पर्धा में परिसर छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण करके पुरस्कार प्राप्त किए।
2. ११ अक्टूबर २०१५ को शृङ्गेरी का युवविप्रवेदिका द्वारा आयोजित क्रिडा-शैक्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्र - छात्राओं ने भाग ग्रहण करके पुरस्कार प्राप्त किए।
3. १९ सितम्बर २०१५ को कोग्रे गणेशोत्सव समिति द्वारा

अयोजित योगासन स्पर्धा में परिसर के छात्रों ने भाग लिए और पुरस्कार प्राप्त किया।

4. २७ अक्टूबर २०१५ से ३० अक्टूबर २०१५ तक हिमाचल प्रदेश के वेदव्यास परिसर में आयोजित युवा महोत्सव में परिसर के छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण करके विजयवैजयन्ती प्राप्त किया।
5. १४, १५ नवम्बर २०१५ को स्वर्णवल्ली में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिए और पुरस्कार प्राप्त किया।
6. अगस्त महीनें में सागर के होंगिरण संस्था में आयोजित प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किया।
7. २४ और २५ नवम्बर २०१५ में बेङ्गलूरु पूर्णप्रज्ञाविद्यापीठ में आयोजित राज्यस्तरीय भाषण-शलाका प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण करके विजय वैजयन्ती प्राप्त किया।
8. ८ दिसम्बर २०१५ को शृङ्गेरी जगद्गुरुचन्द्रशेखरभारती-स्मारकमहाविद्यालय के भावान्तरङ्ग सांस्कृतिक स्पर्धाओं में परिसर के विभिन्न छात्रों ने भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किया।
9. २५ दिसम्बर २०१५ को आदिचुञ्चनगिरि मठ में प्रचलित राज्यस्तरीय भाषण स्पर्धा में परिसर के छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किया।
10. ३० दिसम्बर २०१५ से १ जनवरी २०१६ तक तिरुपति वेदविश्वविद्यालय में प्रचलित अखिल भारतीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धाओं में परिसर के सात छात्र भाग ग्रहण करके ४ स्वर्णपदक २ रजत पदक और १ उत्तीर्णता पुरस्कार प्राप्त किये।
11. २९ जनवरी २०१६ से ३१ जनवरी २०१६ तक राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आयोजित प्रतिभा समारोह में परिसर के छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण करके विजयवैजयन्ती प्राप्त किये।
12. २४ फरवरी २०१६ से २६ फरवरी २०१६ तक देहली में आयोजित वसन्तोत्सव में "भगवदज्जुकीयम्" प्रहसन का अभिनय करके परिसर के छात्रों ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

वाक्यार्थ परिषद

परिसर के छात्रों को शास्त्रीय कौशल एवं प्रेरणा देने के लिए वाक्यार्थ परिषद का गठन किया जाता है। इसके समन्वयक प्रो. महाबलेश्वर पि. भट्ट और डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी थे। जिसमें प्राध्यापक वाक्यार्थ करके छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं।

शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

इस परिषद में समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट और डॉ. हरिप्रसाद के. सहायकाचार्य थे, जिनके द्वारा सात विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन सत्र २०१५-२०१६ में किया गया जिसका विवरण निम्नलिखित है।

1. ३० जुलाई २०१५ को प्रो. वि. कुटुम्बशास्त्री जी ने उद्घाटन करके 'उपमानप्रमाणम्' इस विषय पर व्याख्यान दिया।
2. ३० जुलाई २०१५ को प्रो. अक्लूजकर ने 'लक्ष्यैकचक्षुष्क: लक्षणैकचक्षुष्क:' विषय पर व्याख्यान किया।
3. २५ सितम्बर २०१५ को प्रो. राजाराम शुक्ल ने न्याय विषय में 'हेत्वाभासनिरूपणम्' इस पर व्याख्यान दिया।
4. ११ अक्टूबर २०१५ को प्रो. प्रह्लाद रा. जोशी ने शिक्षाशास्त्र में अपने व्यख्यान किया।
5. २० नवम्बर २०१५ को प्रो. विरूपाक्ष जड्डीपाल ने साहित्य में 'सर्वविद्यायतनं साहित्यम्' इस विषय पर व्याख्यान किया।
6. २२ मार्च २०१५ को प्रो. प्यारे मोहन पट्टनायक ने 'मीमांसापरिभाषाया: रेखीयप्रतिनिरूपणम्' इस विषय पर व्याख्यान किया।
7. २६ मार्च २०१६ को प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी ने ज्योतिषशास्त्र में 'सिद्धान्तज्योतिषस्वरूपम्' इस विषय पर व्याख्यान दिया।

वाक्यार्थ परिषद सत्र २०१५-२०१६

प्रथम सत्र ११ अगस्त २०१५

अध्यक्षता - प्रो. ए. पि. सच्चिदानन्द प्राचार्य (प्र)

1. डॉ. नवीन होल्ला, सहायकाचार्य, न्यायशास्त्र
2. डॉ. सि. एस्. एस्. नरसिंहमूर्ति, सहायकाचार्य, व्याकरणशास्त्र

3. डॉ. वेङ्कटरमणभट्ट, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र

द्वितीय सत्र ०५ सितम्बर २०१५

अध्यक्षता - प्रो. महाबलेश्वर पि. भट्ट, वेदान्त-विभागाध्यक्ष

1. प्रो. सुब्राय वि. भट्ट, आचार्य, मीमांसाशास्त्र
2. प्रो. के. ई. मधुसूदनन्, आचार्य, न्यायशास्त्र
3. डॉ. चन्द्रकला कोण्डी, सहायकाचार्य, साहित्यशास्त्र
4. श्री आर नवीन, संविदा प्राध्यापक, न्यायशास्त्र

तृतीय सत्र ०४ नवंबर २०१५

अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि भट्ट, मीमांसाविभागाध्यक्ष

1. डॉ. राघवेन्द्रभट्ट, सहायकाचार्य, साहित्यशास्त्र
2. डॉ. चन्द्रशेखरभट्ट, सहायकाचार्य,व्याकरणशास्त्र
3. डॉ. सूर्यनारायण भट्ट, सहायकाचार्य, मीमांसाशास्त्र
4. डॉ. मुरळीकृष्ण, संविदा प्राध्यापक, ज्योतिषशास्त्र
5. डॉ. नारायणवैद्य, अतिथिप्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र

चतुर्थ सत्र ०५ जनवरी २०१६

अध्यक्षता - प्रो. के. ई. मधुसूदन, न्यायविभागाध्यक्ष

1. डॉ. के. अनन्तपद्मनाभम्, सहायकाचार्य, व्याकरणशास्त्र
2. डॉ. गणेश ईश्वरभट्ट, सहायकाचार्य, वेदान्तशास्त्र
3. डॉ. हरिप्रसाद के, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र
4. डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय, संविदा प्राध्यापक, ज्योतिषशास्त्र
5. डॉ. श्रीनिवासमूर्ति, अतिथिप्राध्यापक, साहित्यशास्त्र

पञ्चम सत्र २० जनवरी २०१६

अध्यक्षता - प्रो. इन्दिरा पि., साहित्यविभागाध्यक्ष

1. प्रो. महाबलेश्वर पि. भट्ट, आचार्य, वेदान्तशास्त्र
2. डॉ. चन्द्रकान्त, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र
3. डॉ. के विनयकुमार, संविदा प्राध्यापक, साहित्यशास्त्र
4. डॉ. प्रमोद भट्ट, अतिथिप्राध्यापक, व्याकरणशास्त्र
5. डॉ. प्रमोदकुमार बुटोलिया, अतिथिप्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र

षष्ठ सत्र १० फरवरी २०१६

अध्यक्षता - डॉ. सि. एस्. एस्. नरसिंहमूर्ति, व्याकरण-विभागाध्यक्ष

1. डॉ. वेङ्कटेश तातार्य, सहायकाचार्य, मीमांसाशास्त्र
2. डॉ. गणेश टि पण्डित, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र
3. डॉ. गणपति वि हेगडे, संविदा प्राध्यापक, वेदान्तशास्त्र
4. डॉ. अनिरुद्धशुक्ल, अतिथिप्राध्यापक, ज्योतिषशास्त्र
5. कुमारी सविता आर्या, अतिथिप्राध्यापिका, व्याकरणशास्त्र

सप्तम सत्र १७ मार्च २०१६

अध्यक्षता डॉ. चन्द्रकान्त, शिक्षाशास्त्रविभागाध्यक्ष

1. श्री. श्यामसुन्दर ए., संविदा प्राध्यापक, न्यायशास्त्र
2. डॉ. रामचन्द्रुलबालाजी, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र
3. डॉ. श्रीकर, संविदाप्राध्यापक, वेदान्तशास्त्र

परिसरीय अन्यगतिविधियाँ

1. २९ जून २०१५ को परिसर में 'विश्वयोग दिवस' सञ्चालित किया। इस अवसर पर "पातञ्जलयोगसूत्रम्" विषय पर व्याख्यान हुआ। डॉ. रामचन्द्र जोयिस ने व्याख्यान का सञ्चालन किया।
2. स्वतन्त्रता दिवस १५ अगस्त २०१५ को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन हुआ। प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुब्राय भट्ट द्वारा झंडारोहण किया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में अनेक छात्र-छात्राओं ने स्वतन्त्रता दिवस के बारे मे हिन्दी, अंग्रेजी, कन्नड, संस्कृत में भाषण दिये। इसके बाद स्वतन्त्रता दिवस संबन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
3. परिसर में ३१ अगस्त २०१५ से ३ सितम्बर २०१५ तक संस्कृतोत्सव का आयोजन किया गया। पहले दो दिनों मे शृङ्गेरी के विविध विद्यालयों में परिसर के अध्यापकों ने जाकर संस्कृतप्रश्न स्पर्धाओं का आयोजन करके वहां के छात्र-छात्रओं को पुरस्कार दिये। परिसर के छात्र-छात्राओं के लिए विविध स्पर्धाओं का सञ्चालन किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विद्वान् जि महाबलेश्वर भट्ट ने संस्कृत में भाषण दिये। प्रो. सुब्राय भट्ट समन्वयक थे।

शिक्षकदिवस – ०५ सितम्बर २०१५ को परिसर में शिक्षक दिवस मनाया गया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर स्थानीय विद्यालय के दो अध्यापकों को सम्मानित किया गया।

रक्तदान शिबिर – ०१ अक्टूबर २०१५ को परिसर में रक्तदान शिबिर आयोजित हुआ। परिसर के अनेक छात्र-छात्राओं और अध्यापकों ने रक्तदान किया। डॉ. सूर्यनारायण भट्ट ने इस का आयोजन किया।

हिन्दी दिवस – २६ सितम्बर २०१५ को हिन्दी दिवस मनाया गया। शिमोगा का कुवेम्पु विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम का आयोजन डॉ. हरिप्रसाद और डॉ. राजेश शुक्ल ने किया।

स्वच्छ भारता अभियान कार्यक्रम – परिसर में ०२ अक्टूबर २०१५ में स्वच्छभारत कार्यक्रम हुआ। मान्य प्राचार्य के नेतृत्व मे यह कार्यक्रम मनाया गया।

शारदा पूजा – २६ अक्टूबर २०१५ को परिसर में शारदा का पूजन हुआ। डॉ. सूर्यनारायण भट्ट इस कार्यक्रम के समायोजक थे।

राष्ट्रिय एकता दिवस – ३१ अक्टूबर २०१५ को परिसर में प्राचार्य के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डॉ. ताताचार्य ने समन्वयक रूप में कार्य किया।

कन्नड राज्योत्सव – २० नवंबर २०१५ को परिसर मे कन्नड राज्योत्सव मनाया गया। डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट और श्रीमती कविता इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।

विवेकानन्द जयन्ती – १२ जनवरी २०१६ को विवेकानन्द जयन्ती मनायी गयी । डॉ. बालाजी समन्वयक थे।

श्रीमद्रामायणपारायण सत्र – ०४ फरवरी २०१६ के परिसर के छात्र-छात्राओं ने वाल्मीकिरामायण का। सुबह ८:४५ बजे से ९:४५ बजे तक छात्र और छात्राओं ने मिलकर पारायण किया।

मातृभाषा दिवस – २१ फरवरी २०१६ को मातृभाषा दिवस मनाया गया।

राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी – ११ और १२ जनवरी २०१६ को न्यायमीमांसा विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी 'शाब्दबोधविमर्श' विषय पर परिसर में आयोजित। सत्र का उद्घाटन पद्मश्री डॉ. वि. आर. गौरीशङ्करजी ने किया और प्रो. के. ई. देवनाथन अभ्यागत थे।

विभागीय राष्ट्रीयसङ्गोष्ठी –

1. २६ नवंबर २०१६, मीमांसा सङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. सूर्यनारायण भट्ट
2. ०५ जनवरी २०१६, ज्योतिष सङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय
3. ०७ जनवरी २०१६ दूरस्थशिक्षा सङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. चन्द्रकान्त
4. ०८ जनवरी २०१६, शिक्षाशास्त्र सङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. वेङ्कटरमणभट्ट
5. २२ जनवरी २०१६ वेदान्तसङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. गणेश भट्ट
6. २७ जनवरी २०१६ व्याकरणसङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट, डॉ. कृष्णानन्तपद्मनाभम्
7. २९ जनवरी २०१६ साहित्यसङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. चन्द्रकला कोण्डी
8. १९ फरवरी २०१६, न्यायसङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. नवीन होळ्ळा
9. २९ फरवरी २०१६ ऐ. क्यू. ए. सी. सङ्गोष्ठी, संयोजक – डॉ. हरिप्रसाद के.

प्रौढमनोरमा लेखन कार्यशाला ०४ जनवरी से १४ जनवरी २०१६ तक परिसर मे मुक्तस्वाध्यायपीठ की ओर से सम्पन्न हुई।

मुक्तस्वाध्यायपीठ (Institute of Distance Education) इस केन्द्र के समन्वयक डॉ. चन्द्रकान्त हैं। सत्र २०१५-२०१६ मे ३८ छात्रों ने प्रवेश लिया। मुक्तस्वाध्यायपीठ में व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष, प्राक्शास्त्री सेतु, प्राक्शास्त्री, शास्त्री सेतु, शास्त्री, आचार्य सेतु, तथा आचार्य की परीक्षायें हर साल होती है। छात्रों की सहायता के लिए परीक्षा के पूर्व पांच बार वर्ष में सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परिसर के मुक्तस्वाध्याय केन्द्र को सञ्चालित करने के लिए आर्थिक सहायता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान प्रदान करता है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	0
उत्तर प्रेषित	–	0

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जो भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित एक स्वायत संस्था है उसका एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से 16.09.1997 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत की स्वर्णिम जयन्ती के अवसर पर स्थापित हुआ। वर्ष 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम विश्वविद्यालय बनने से लेकर यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान समविश्व-विद्यालय वेदव्यास परिसर के नाम से नामित है।

वेद व्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने से परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावना है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त नम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, समविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट में अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं-

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त	

4.	विद्यावारिधि	2 वर्ष	पीएच.डी	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त
5.	शिक्षा-शास्त्री	1 वर्ष	बी.एड.	

दूरस्थ पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	

अनौपचारिक पाठ्यक्रम :-

उपर्युक्त नियमित एवं पत्राचार व दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के अलावा परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के माध्यम से सरल संस्कृत सम्भाषण शिक्षण कक्षाएँ भी 2 भागों में संचालित हैं। 1. प्रथमा दीक्षा, 2. द्वितीया दीक्षा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ -

(क) परिसरीय पाठ्येतर कार्यक्रम-

õ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2015)

परिसर में प्राचार्य की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम् ने किया। स्थानीय योग विशेषज्ञ श्री बलवीर सिंह पटियाल जी ने उपस्थित सभी को योग का महत्त्व बताया तथा योगासन व क्रियाओं का प्रयोग कराया।

õ महामहिम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुलकलाम को श्रद्धाञ्जलि (01.08.2015)

महामहिम पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुलकलाम के निधन पर उनके संकल्पित विचारों के अनुरूप अवकाश न घोषित करते हुए दिनांक 01.08.2015 को शनिवार अवकाश के दिन परिसर में कार्य दिवस रखा गया तथा अपराह्ण 02:00 बजे उनकी श्रद्धाञ्जलि सभा आयोजित की गई जिसमें उनकी आत्मकथा के कुछ प्रेरक अंशो को छात्रों को सुनाया गया।

õ वाग्वर्धिनी परिषद का प्रारम्भ एवं अन्य परिषदों का परिचय (05.08.2015)

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकास हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों/क्लब का आयोजन किया जाता है। दिनांक 05.08.2015 को इस सत्र के परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया। नव प्रविष्ट छात्रों के सुविधा हेतु इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये।

õ स्वतन्त्रता दिवस (15.8.2015)

परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" अभियान के तहत परिसर की छात्राओं कु. मीनाक्षी शर्मा (शैक्षिक प्रतिनिधि) तथा कु. शिल्पा शर्मा (क्रीड़ा प्रतिनिधि) के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

õ संस्कृत सप्ताह (26.08.2015 से 01.09.2015)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 26.08.2015 से 01.09.2015 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति थे।

- दि. 26.08.2015 को उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री, कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विद्यमान रहे।
- दि. 28.08.2015 को स्थानीय प्रागपुर ब्लॉक में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। संस्कृत सम्भाषण शिबिर के सभी छात्र भी इसमें सम्मिलित होकर कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सभा को प्रागपुर पंचायत के प्रधान श्री रूपेन्द्र सिंह डैनी ने संबोधित किया।
- दिनांक 01.09.2015 को समापन सत्र में मुख्यातिथि डॉ. प्रकाश पाण्डेय, प्राचार्य जयपुर परिसर तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. धनीन्द्र झा, व्याकरण विभाग, लखनऊ परिसर पधारे।

õ क्रीडा मैदान एवं मुक्ताकाश मंच का शिलान्यास (29.08.2015)

दिनांक 29.08.2015 (श्रावण पूर्णिमा) को संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने संस्कृत दिवस की बधाई दी तथा परिसर में आयोजित होने वाले युवा महोत्सव के लिए क्रीड़ा मैदान एवं मुक्ताकाश मंच के निर्माण का शिलान्यास किया।

õ शिक्षक दिवस (05.09.2015)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया।

õ युवा सशक्तीकरण (08.09.2015)

परिसर में दिनांक 08.09.2015 को पूर्वाह्ण 11:30 से 12:30 बजे तक प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मांऊट आबू (राजस्थान) के विशेषज्ञों द्वारा युवा सशक्तीकरण विषय पर छात्रों के लिए प्रेरणात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसका संयोजन छात्र परामर्श केन्द्र द्वारा किया गया।

õ हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2015 से 28.09.2015)

भारत सरकार के प्रयासों तथा निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2015 से 28.09.2015 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन तथा कविता पाठ प्रतियोगितायें आयोजित की गई। ''वर्तमान समय में महिलाओं की समस्यायें एवं समाधान'' विषय पर छात्र एवं छात्रा वर्गों के लिए परिचर्चा कार्यक्रम तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

- समापन कार्यक्रम में दिनांक 28.09.2015 को मुख्यातिथि के रूप में डॉ. रोशन लाल शर्मा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय (धर्मशाला) तथा विशिष्टातिथि के रूप में श्रीमती रेणु शर्मा पुलिस उपाधीक्षक, देहरा तथा श्री अजय सिंगला, प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया प्रागपुर, इस अवसर पर विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

õ स्थापना दिवस (16.09.2015)

परिसर का उन्नीसवां स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2015 को मनाया गया। ध्यातव्य है कि इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी।

õ स्वच्छता दिवस (02.10.2015)

दि. 02.10.2015 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर स्वच्छता दिवस मनाया गया, स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लिया गया तथा एक सप्ताह तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

õ सर्तकता जागरूकता सप्ताह- (26.10.2015 से 31.10.2015)

दि. 16.10.2015 से 31.10.2015 तक परिसर में सर्तकता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अन्तर्गत परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्बद्ध प्रतिज्ञा को दोहराया।

õ अष्टम युवा महोत्सव (30.10.2015 से 02.11.2015)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित अष्टम युवमहोत्सव परिसर में उत्साहपूर्वक स्थानीय परामर्श मंडल तथा विभिन्न समितियों के सहयोग से संचालित हुआ। युवा महोत्सव समिति के संयोजक प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा तथा सदस्य सचिव डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम् थे।

G **शोभा यात्रा**- दि. 29.10.2015 को सायं 05:00 बजे सभी परिसरों के छात्रों के दल अपने पारम्परिक वेश भूषाओं में निकटस्थ प्रागपुर बाजार में भव्य शोभा यात्रा में शामिल हुए। इसका नेतृत्व संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री ने किया तथा साथ में आयोजक परिसर के प्राचार्य प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय एवं प्रागपुर के प्रधान श्री रूपेन्द्र सिंह डैनी थे। शोभा यात्रा में सभी परिसरों के प्राचार्य एवं छात्रों के साथ आए अध्यापक भी शामिल हुए।

G **संगीत संध्या** - दि. 29.10.2015 को 07:00 बजे युवा महोत्सव की पूर्व संध्या पर भोपाल से पधारे डॉ. संजय द्विवेदी के नेतृत्व में ''ध्रुवा संस्कृत बैण्ड'' द्वारा सुमधुर संगीत संध्या का आयोजन हुआ।

G **उद्घाटन सत्र** - दि. 30.10.2015 को प्रात: 11:00 बजे संस्थान के कुलपति की अध्यक्षता में मुख्यातिथि के रूप में गुरूघासीदास आयुर्वेद विश्वविद्यालय, होशियारपुर के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश उपाध्याय तथा विशिष्टातिथि के रूप में 'सम्भाषण सन्देश' के सम्पादक डॉ. जनार्दन हेगडे ने अष्टम युवा महोत्सव का उद्घाटन किया।

G **सम्पूर्ति सत्र** - दि. 02.11.2015 को अपराह्ण 03:00 बजे हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सम्पूर्ति सत्र के मुख्यातिथि के रूप में पधार कर युवा महोत्सव के गौरव का संवर्धन किया। उन्होनों विद्वानों, क्रीड़ा विशेषज्ञों तथा स्थानीय परामर्श मण्डल के सदस्यों को सम्मानित किया एवं विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक श्री रविन्द्र सिंह राणा तथा हि.प्र. कामगार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह मनकोटिया भी उपस्थित रहे।

G **पुरस्कार वितरण**- युवा महोत्सव की सम्पूर्ण शैक्षिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में वेदव्यास परिसर बलाहर (हि.प्र.) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में विभिन्न छात्रों ने 14 स्वर्ण पदक, 07 रजत पदक तथा 05 कांस्य पदक जीते। छात्राओं का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा जिसमें कु.शिवांजलि ने लम्बी कूद में, कु. काजल ने ऊँची कूद में तथा कु. प्रिया वरियाल ने गोला फेंक में अब तक का रिकॉर्ड तोड़ा एवं कु. शिल्पा शर्मा ने तीन स्वर्ण पदक जीते।

õ संविधान दिवस (26.11.2015)

दि. 26.11.2015 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया एवं परिसर में '' भारत का संविधान'' विषय पर परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं संविधान निर्माण के कुशल शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

õ युवा प्रेरणा पक्ष-(दि.12.01.2016 - 30.01.2016)

दि. 12.01.2016 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, दि. 23.01.2016 को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती, गणतन्त्र दिवस को संविधान निर्माता बाबा साहिब भीमराव अम्बेडकर तथा 30.01.2016 को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि इन चारों महापुरूषो की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप परिसर में युवा प्रेरणा पक्ष मनाया गया। जिसमें छात्रों ने श्रमदान, स्वच्छता, वृक्षारोपण, रक्तदान आदि कार्यक्रमों में भाग लिया।

õ गणतन्त्र दिवस- (26 जनवरी 2016)

परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' अभियान के तहत परिसर की छात्राओं कु. रूचि चौधरी (शैक्षिक प्रतिनिधि) तथा कु. वैजयन्ती माला (क्रीड़ा प्रतिनिधि) के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

õ वार्षिकोत्सव-(01.04.2016)

दिनांक 01.04.2016 को वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया, प्राचार्य ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, विशिष्टातिथि के रूप में, डॉ. रत्नमोहन झा, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. उमाशंकर ऋषि तथा प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा उपस्थित रहे। विजेता छात्रों को अतिथियों ने पुरस्कार वितरित किये।

- इस अवसर पर प्रो. रामनारायण दास (पूर्व प्राचार्य) द्वारा प्रायोजित 'त्रिमुनि पुरस्कार' के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र तथा 1000 रूपये नकद कु. रजनी शर्मा को दिया गया।
- संस्थान से महिला दिवस के दिन पधारी डॉ. मालाचन्द्रा द्वारा छात्राओं के प्रोत्साहन के लिए उद्घोषित नकद पुरस्कार (कुल 10,000) इस अवसर पर कु. शिल्पा शर्मा, कु. वैजयन्ती माला, कु. शिवांजलि, कु. प्रिया वरियाल, कु. काजल, कु. शिल्पा, कु. सोनाली, कु. राधा शर्मा, कु. मीनाक्षी शर्मा को बाँटकर दिया गया।

(ख) राष्ट्रीय कार्यक्रम-

õ राष्ट्रीय सांख्य-योग-आयुर्वेद संगोष्ठी- (21.12.2015 से 22.12.2015)

दि. 21.12.2015 को राष्ट्रीय सांख्य-योग-आयुर्वेद संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्र मुख्यातिथि के रूप में पधारे तथा समापन में राजीव गाँधी आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला के प्राचार्य डॉ. वाई. के. शर्मा मुख्यातिथि रहे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री, उपाचार्य व्याकरण विभाग थे। इस संगोष्ठी में आमन्त्रित अतिथि के रूप में प्रो. गौरप्रिया दाश (पुरी), प्रो. एन.सी.पण्डा (होशियारपुर), श्री बलवीर सिंह पटियाल (प्रागपुर) डॉ. सतीश गन्धर्व (पपरोला), डॉ. श्रीनिवास पाण्डेय (दिल्ली), डॉ. गौरव शर्मा (प्रागपुर), डॉ. नानक चन्द शर्मा (प्रागपुर), पधारे । परिसर के अध्यापकों एवं शोध छात्रों ने मिलकर कुल 64 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। 21.12.2015 सायं 06:00 बजे से डॉ. मनोज श्रीमाल के नेतृत्व में भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित हुआ।

õ राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ-(27.02.2016 - 14.03.2016)

दिनांक	विभाग	अतिथिगण/संसाधक	संयोजक
27.02.2016 - 28.02.2016	ज्योतिष परियोजना एवं ज्योतिष विभाग	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्राचार्य (वेदव्यास परिसर), डॉ. मुकेश शर्मा (धर्मशाला), डॉ. आशीष भगूरिया, श्री अमित कुमार (वाराणसी)	डॉ. पी.वीबी. सुब्रह्मण्यम्
03.03.2016	शिक्षा शास्त्र	प्रो. वाचस्पति द्विवेदी (विशिष्ट व्याख्याता, वाराणसी) प्रो. सुरेश कुमार पाठक (धर्मशाला), प्रो. भास्कर मिश्र (नई दिल्ली), डॉ. राजेश शर्मा (धर्मशाला)	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी
04.03.2016	साहित्य	प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरूपति (विशिष्टव्याख्याता)	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डॉ. राधावल्लभ शर्मा (सह.)
04-05.03. 2016	आधुनिक	प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा (जयपुर), श्री शरतचन्द्र शर्मा (जम्मू), डॉ. डी.पी.शर्मा (प्रागपुर), श्रीमती मोनिका शर्मा (काँगड़ा)	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र, डॉ. प्रीति शर्मा (सह.)
07.03.2016	व्याकरण	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात (विशिष्ट व्याख्याता), प्रो. रामसागर मिश्र (लखनऊ), प्रो. के. वी.सोमयाजुलु (वेदव्यास परिसर)	डॉ. अशोकचन्द्र गौड़ शास्त्री
08.03.2016	महिला अध्ययन केन्द्र	डॉ. अर्चना कटोच (धर्मशाला), डॉ. साइमा बानो (धर्मशाला), डॉ. मालाचन्द्रा (नई दिल्ली), श्रीमती	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, डॉ. सागरिका नन्द (सह.)

		विजय लक्ष्मी (नई दिल्ली), श्रीमती उपासना देवी (के.वि. नलेटी) , श्रीमती रितिका (के.वि. नलेटी), श्रीमती सीमा देवी (ग्राम प्रधान, नलेटी), श्रीमती सुदेश कुमारी (ग्राम प्रधान, प्रागपुर)	
11.03.2016	अद्वैत वेदान्त	प्रो. सी.एच. एन. वी. प्रसाद राव (विशिष्ट व्याख्याता, पुरी), प्रो. आर.के.बर्मन् (वेदव्यास परिसर)	डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम्
14.03.2016	साहित्य	प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, कुलपति (उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, वारीपदा, मयूरभंज)	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति

(ग) विस्तार कार्यक्रम-

õ संस्कृत सम्भाषण शिबिर (17.08.2015 - 26.08. 2015)

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच की ओर से आस-पास के गाँवों में 17 संस्कृत सम्भाषण शिबिरों का आयोजन किया गया।

õ पंचम दीक्षान्त समारोह (30.09.2015)

दि. 30.09.2105 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानितविश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में विविध परीक्षाओं में उत्तीर्ण इस परिसर के छात्रों को भी उपाधियां प्रदान की गईं। आचार्य कक्षा में पूरे विश्वविद्यालय में अपने विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर परिसर के निम्नलिखित छात्रों को अध्यक्षा माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती स्मृति इरानी ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया-

सुषमा कुमारी - फलित ज्यौतिष
वासुमोहन - अद्वैत वेदान्त
राधा शर्मा - नव्य व्याकरण

õ राज्य स्तरीय संस्कृत शास्त्रीय भाषण प्रतियोगिता (21.11.2015 - 22.11.2015)

दि. 21.11.2015 से 22.11.2015 तक परिसर में हिमाचल प्रदेश राज्य स्तरीय संस्कृत शास्त्रीय भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ तथा इसमें से तिरूपति (आ.प्र.) में होने वाली 54वीं अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 18 छात्र-छाआओं का चयन किया गया। इसमें निर्णायक के रूप में हरिद्वार से डॉ. मञ्जुनाथ भट्ट, डॉ. दामोदर परगाई, डॉ. रतनलाल, डॉ. मनोज किशोर पंत उपस्थित हुये। प्रतियोगिताओं के संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् तथा सह-संयोजक डॉ. मधुकेश्वर भट्ट थे।

õ वसन्तोत्सव- नाट्य प्रतियोगिता (23.02.2016 से 26.02.2016)

संस्थान के द्वारा नवदेहली में आयोजित वसन्तोत्सव नाट्य प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों द्वारा 'कुहनाभैक्षवम्' नाटक की प्रस्तुति की गई जिसकी सभी ने सराहना की । इसके निर्देशक डॉ. मनोज श्रीमाल तथा सह निर्देशक श्री पुरुषोत्तम थे। डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी (संयोजक), डॉ. राधाबल्लभ शर्मा, डॉ. निशा एवं डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी के मार्गदर्शन में छात्रों ने नाटक का सफल मंचन किया।

õ सामाजिक चेतना कार्यक्रम (02.03.2016)

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभागीय अध्यापकों के मार्गदर्शन में शिक्षा शास्त्री छात्रों द्वारा दि. 02.03.2016 को देहरा तहसील कार्यालय के पास सामाजिक चेतना रैली निकाली गई तथा देहरा में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर नशा मुक्ति, दहेज विरोध, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण आदि सामाजिक मुद्दो पर आधारित नुक्कड नाटक प्रस्तुत किये गये जिसे सभी स्थानीय जनता ने सराहा।

õ साहित्य पाठलेखन कार्यशाला- (30.03.2016 - 14.04.2016)

संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा परिसर में आयोजित साहित्य पाठलेखन कार्यशाला में निम्नलिखित बाह्य विद्वानों ने भाग लिया- प्रो. रमाकान्त पाण्डेय (निदेशक), डॉ. रत्नमोहन झा (पाठ्यक्रम संयोजक), प्रो. उमाशंकर ऋषि (पटना), प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा (जयपुर), डॉ. राकेश कुमार जैन (मुम्बई परिसर), डॉ. राजकुमार मिश्र (जम्मू परिसर)।

परिसरीय अध्यापक- डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डॉ. राधावल्लभ शर्मा, श्री विपिन कुमार झा, डॉ. निशा, श्री श्रीनाथधर द्विवेदी, डॉ. परमेश कुमार शर्मा, डॉ. वैद्य सुब्रह्मण्यन् ने सहयोग प्रदान किया। कार्यशाला का संयोजन डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् (वेदव्यास परिसर के स्वाध्याय केन्द्र समन्वयक) ने किया।

(घ) शोध गतिविधियाँ-

õ प्रथम षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम का समापन (12.10.2015)

अप्रैल 2015 से संचालित प्रथम षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम का समापन दि. 12.10.2015 को हुआ, जिसमें प्रो. श्रीधर वशिष्ठ पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली मुख्यातिथि के रूप में पधारे तथा शोध छात्रों को संबोधित किया।

õ द्वितीय षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम का समुद्घाटन (नवम्बर 2015 - अप्रैल 2016)

नवम्बर 2015 से द्वितीय षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम का संचालन हुआ जिसमें प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र (शिमला), प्रो. एन.सी.पण्डा (होशियारपुर), प्रो. वनमाली विस्वाल (इलाहाबाद), प्रो. राजेश्वर मिश्र (कुरूक्षेत्र), डॉ. पूनम लखनपाल (मेरठ), प्रो. आर.पी.पाठक (नई दिल्ली), प्रो. सुदेश शर्मा (जयपुर), प्रो. मनोज कुमार मिश्र (संस्थान मुख्यालय), श्री राघवेन्द्रनाथ त्रिपाठी (लखनऊ), डॉ. शिव कुमार वर्मा (होशियारपुर), आशीष भगूरिया (धर्मशाला), श्री राकेश कुमार (प्रागपुर) के अतिरिक्त समय-समय पर परिसर में उपस्थित अन्य बाह्य विद्वानों ने भी व्याख्यान दिया।

õ स्थानीय शोध समिति की बैठक

इस सत्र में स्थानीय शोध समिति की पांच बैठकें सम्पन्न हुई। वि.वि.सं.भा.भा. संस्थान होशियारपुर से प्रो. नरसिंह चरण पण्डा बाह्य विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री समिति के सदस्य सचिव थे।

1. दिनांक 10.09.2015 को सम्पन्न बैठक में दो छात्रों के मार्गदर्शक परिवर्तन एक छात्र का पुनः पंजीकरण तथा आठ छात्रों के एक वर्ष छात्रवृत्ति की अवधि बढ़ाने पर विचार हुआ।
2. दिनांक 18 तथा 19.11.2015 को सम्पन्न बैठक में 2014-15 के शोध छात्रों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा 24 छात्रों को सत्रार्द्ध परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए योग्य घोषित किया गया। अन्य छात्रों को एक महीने बाद पुनरीक्षण के लिए बुलाया गया।
3. दिनांक 20.12.2015 को सम्पन्न बैठक में पाँच शोध छात्राओं को कनिष्ठ अध्येता वृति (J.R.F) से वरिष्ठ अध्येता वृति (S.R.F) में स्तरोन्नयन की संस्तुति की गई तथा पूर्व में अवशिष्ट शोध छात्रों की प्रगति का पुनरीक्षण करके उन्हें परीक्षा लिखने की अनुमति दी गई।
4. दिनांक 14.02.2016 को सम्पन्न बैठक में 2015-16 के शोध छात्रों की छात्रवृत्ति के विषय में विचार किया गया।
5. दिनांक 05.05.2016 को सम्पन्न बैठक में 2015-16 सत्र के प्रगति का परीक्षण करते हुए उन्हें सत्रार्द्ध परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई तथा उनके शोध विषयों का निर्धारण करके उनकी संक्षिप्तिकाओं को संस्थान मुख्यालय अग्रसारित करने पर विचार किया गया।

(ङ) छात्र व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं सुविधाएँ-

(क) शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं-काल में चलाए जाते हैं हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।-

सोमवार एवं मंगलवार	-	विभागशः- शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।
बुधवार	-	हर महीने के प्रथम एवं तृतीय बुधवार विभागशः तथा द्वितीय एवं बुधवार चतुर्थ सामूहिक वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास।

	गुरुवार एवं शुक्रवार	–	स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब, संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श केन्द्र के कार्यक्रम।
	प्रत्येक गुरुवार	–	शोध परिषद्
(ख)	छात्रावास	–	किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है। (1) पुरुष छात्रावास, बलाहार में 50 छात्र, अधिष्ठाता– श्री पुरुषोत्तम, डॉ. मनोज श्रीमाल, (2) महिला छात्रावास, नगरोटा में 60 छात्राएँ, अधिष्ठात्री– डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सागरिका नन्द
(ग)	परिसरीय बस व्यवस्था	–	प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् के पर्यवेक्षण में होता है।
(घ)	कैन्टीन	–	''अन्नपूर्णा मन्दिर''–कैण्टीन में पढ़ने वालों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन कम मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

(च) छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

õ पंचम एशिया स्तरीय योग–स्पर्धा, थाईलैण्ड–

थाईलैण्ड में आयोजित पंचम एशिया स्तरीय योग–स्पर्धा में परिसर के शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र शुभम आर्य ने भाग लिया तथा कलात्मक युगल योगासन, योगासन स्पर्धा तथा कलात्मक योगासन में प्रथम स्थान एवं संगीतात्मक योगासन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। दि. 17.07.2015 को प्रागपुर एवं देहरा में भव्य शोभा यात्रा में श्री शुभम आर्य का स्वागत किया गया तथा परिसर में आयोजित अभिनन्दन कार्यक्रम में प्रो. सर्वनारायण झा, योजना प्रभारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शुभम आर्य को सम्मानित किया।

õ अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा–

दि. 30.12.2015 से दि.02.01.2016 तक श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय तिरूपति (आ.प्र.) में आयोजित 54वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में सम्मिलित होने के लिए परिसर के प्राध्यापक डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी के मार्गदर्शन में हिमाचल राज्य स्तरीय स्पर्धा में चयनित 18 छात्र और छात्राओं ने भाग लिए।

õ ग्लोरी फेस्टीवल

दि. 05.01.2016 से दि.09.01.2016 तक ओडिशा राज्य स्थित पुरी नगरी में नेशनल यूथ इन्टीग्रेटेड सेन्टर द्वारा आयोजित राष्ट्रस्तरीय अन्तर्महाविद्यालय विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 21वें ग्लोरी फेस्टिवल में परिसर में कार्यरत अतिथि प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार यादव व अतिथि प्राध्यापिका डॉ. निशा के मार्गदर्शन में 15 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया तथा कई पुरस्कार प्राप्त किये।

õ अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव–

दि.28.01.2016 से दि. 31.01.2016 तक राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानितविश्वविद्यालय, तिरूपति, (आ.प्र.) में आयोजित विविध स्पर्धाओं में सम्मिलित होने के लिए परिसर के प्राध्यापक श्री पुरूषोतम के मार्गदर्शन में 13 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें कु. मीनाक्षी ने साहित्य भाषण में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

õ अन्तःमहाविद्यालयीय संस्कृतसम्भाषणादि प्रतियोगिता (10.03.2016)

पंजाब विश्वविद्यालय के अन्तर्गत होशियारपुर में स्थित विश्वेश्वरानन्द विश्वबन्धु संस्कृत एवं भारत भारती अनुशीलन संस्थान, होशियारपुर के छात्र परिषद द्वारा संचालित संस्कृत सम्भाषण प्रतियोगिता में परिसर के अध्यापक डॉ. महेश कुमार पाणिग्राही के मागदर्शन में परिसर के 07 छात्रों ने भाग लिया तथा कई पुरस्कार प्राप्त किये।

õ स्व.पं. दुर्गादत्त शास्त्री स्मृति पुरस्कार-

इस वर्ष श्री शेषभूषण जी ने अपने पिता स्वा.पं.दुर्गादत्त शास्त्री की स्मृति में परिसर की उत्तम शोधछात्रा कु. राधा शर्मा को रूपये 2500/- नगद पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया।

õ अन्य सहभागितायें

1. दि. 12.02.2016 राधाकृष्ण मन्दिर, देहरा में आयोजित भजन प्रतियोगिता में श्री नरेश शर्मा तथा श्री अमित वालिया के मार्गदर्शन में भाग ग्रहण।
2. दशहरे मेले के अवसर पर स्थानीय कबड्डी प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्र विजेता रहे।
3. हिमाचल प्रदेश के कई जिलों हेतु दिसम्बर 2015 शीतावकाश के समय पपरोला में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग में परिसर के छात्रों ने भाग लिया। परिसर के प्राध्यापक डॉ. परमेश कुमार शर्मा तथा वैथी सुब्रह्मण्यन् जी ने अध्यापन कार्य किया।
4. दि. 18.01.2016 से दि. 22.01.2016 तक मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता मे डॉ. संजय मनकोटिया के मार्गदर्शन में परिसर के छात्रों ने भाग लिया।
5. दि. 21.03.2016 से 23.03.2016 तक चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय, जिन्द (हरियाणा) में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता में परिसर के अध्यापक श्री पुरूषोतम के मार्गदर्शन में छात्रों ने भाग लिया।
6. जनवरी 2016 में मैंगलूर में आयोजित अखिल भारतीय योग प्रतियोगिता में डॉ. दिनेश कुमार यादव के मागदर्शन में परिसर के छात्रों ने भाग लिया।

(छ) विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ-

õ ज्योतिष परियोजनाः-

परिसर में डॉ.पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् के निर्देशन में तीन वर्षीय ज्योतिष परियोजना ''आधुनिक विज्ञान की दिशा में ज्योतिष में अनुसन्धान के परिप्रेक्ष्य'' का शुभारम्भ अगस्त 2014 में हुआ था जो निरन्तर प्रगति पूर्वक चल रहा है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य कार्यरत हैं-

1. श्री महिन्द्र कुमार- परियोजना सहायक
2. श्री अभिषेक शर्मा- परियोजना सहायक
3. कुमारी सुषमा - परियोजना सहायक

õ महिला अध्ययन केन्द्रः-

परिसर के महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत महिलाओं की समस्याओं पर परिचर्चा, लिंग संवेदीकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, महिला छात्राओं का विशेष प्रोत्साहन इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र के संयोजक डॉ. मधुकेश्वर भट्ट तथा सह-संयोजिका डॉ. सागरिका नन्द हैं।

õ आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (I.Q.A.C.)

मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 20.10.2015 को प्राचार्य, प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता मे आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ का गठन हुआ जिसका कार्यकाल दो वर्ष तक रहेगा। इसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में हिमाचल प्रदेश सेवा में पूर्व उपशिक्षा निदेशक श्री हरीश गुलेरी को मनोनीत किया गया, संस्थान से प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, केन्द्रीय समिति के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में रहेगें तथा परिसर के ज्यौतिष विभागाध्यक्ष डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् इसके संयोजक रहेगें। अन्य सदस्य-

1. अध्यापन वर्ग- प्रो. आर.के बर्मन्, डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. संजय मनकोटिया।
2. कार्यालय वर्ग- श्री विनोद कुमार अरोडा (अनुभागाधिकारी), श्री सम्पूर्णानन्द नौटियाल।
3. छात्र वर्ग- कुमारी मीनाक्षी शर्मा (आचार्य), श्री गौरव शर्मा (शिक्षा-शास्त्री)।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम-

1. डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, पुनश्चर्या, रांची, अगस्त, 2015
2. डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, पुनश्चर्या, चंडीगढ़, सितम्बर 2015

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 03

उत्तर प्रेषित - 03

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर-परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर की स्थापना वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल भाई महावीर जी ने 16 सितम्बर, 2002 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया था। इस परिसर के विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन ने बागसेवनिया में 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क प्रदान की है, जिस पर शैक्षिक, प्राशासनिक, पुस्तकालय एवं प्रेक्षागार निर्माण हेतु तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने 19 सितम्बर, 2005 को शिलान्यास किया था। अब वह भवन निर्मित हो चुका है, अत: मई 2010 से परिसर की सभी शैक्षिक गतिविधियाँ इस नवनिर्मित भवन में प्रारम्भ हो गई हैं। परिसर में शैक्षिक एवं प्राशासनिक, मुक्ताकाश मंच, पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, अतिथि गृह एवं आवासीय भवन निर्मित हो चुका है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल-462 043, म.प्र.
दूरभाष 0755-2418043, दूरप्रेष्य 0755-2418003
ईमेल : rsks_bhopal@yahoo.com
वेव साइट : www.rsksbhopal.ac.in

3. पाठ्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध के तीन विभाग संचालित हैं। शिक्षण विभाग में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (B.A.) एवं आचार्य (M.A.) की कक्षाओं का अध्यापन होता है। जिनमें साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र (सिद्धान्त एवं फलित), जैन दर्शन के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, कम्प्यूटर विज्ञान एवं पर्यावरण की शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षाशास्त्र (B.Ed.) तथा शिक्षाचार्य (M.Ed.) का पाठ्यक्रम संचालित है। शोध विभाग में साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र (सिद्धान्त एवं फलित), शिक्षाशास्त्र एवं संस्कृत विद्या की अन्य धाराओं में विद्यावारिधि (Ph.D.) उपाधि हेतु शोध छात्र अनुसंधान करते हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठम् का स्वाध्याय केन्द्र भी सञ्चालित है। इसके अतिरिक्त परिसर में 3 महीने के अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन होता है।

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

- **संविद्-विकास-परिषद्** विद्यार्थियों की वाक्क्षमता, शास्त्रीय पाण्डित्य एवं प्रतिपादन सामर्थ्य के विकास के लिए परिसर में प्रति शुक्रवार संविद्-विकास-परिषद् का आयोजन होता है, जिनमें विद्यार्थी साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं अन्य सम्बन्धित प्राच्यविद्याओं के अधीन गहन सिद्धान्तों की चर्चा एवं व्याख्या करते हैं।
- **शास्त्रमीमांसा समिति** शास्त्र चर्चा के माध्यम से प्राध्यापकों में शास्त्रीय तेजस्विता के विकास के लिये शास्त्रमीमांसा समिति का संघटन किया गया है। शिक्षकों के संकल्पानुसार प्रतिमास आरम्भिक शुक्रवार को शास्त्र-मीमांसा समिति का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूर्व निर्धारित विषय पर प्राध्यापकों द्वारा शास्त्र-चर्चा प्रस्तुत की जाती है। सत्रान्त में शास्त्रमीमांसा पत्रिका में शोध निबन्धों का प्रकाशन किया जाता है।
- **शास्त्रार्थ प्रशिक्षण** परिसर में विभिन्न शास्त्रों के मार्मिक एवं दुरूह पक्षों के परिष्कार हेतु विद्यार्थियों को शास्त्रार्थ का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें किसी शास्त्र के विशिष्ट सिद्धान्त पर पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष के साथ शास्त्रसम्मत एवं प्रामाणिक तर्क उपस्थापित होते हैं। उसके अन्त में सैद्धान्तिक निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है।
- **शलाका एवं कण्ठपाठ** अध्येताओं की स्मृति, मेधा

एवं अवबोधन शक्ति के परीक्षण हेतु विभिन्न शास्त्रों एवं काव्यों पर आधारित शलाका एवं कण्ठपाठ का अभ्यास कराया जाता है। शलाका परीक्षा में स्मृति, मेधा एवं अवबोधन तीनों का परीक्षण होता है। जबकि कण्ठपाठ में केवल स्मृति का ही परीक्षण होता है।

- **विस्तार व्याख्यानमाला** परिसर में शिक्षासत्र के मध्य विभिन्न शास्त्रों में विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न शास्त्रों के विशिष्ट एवं पारंगत विद्वानों का व्याख्यान होता है, इससे विद्यार्थियों को अपने अधीत शास्त्रों के विस्तार हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है।
- **स्मृति व्याख्यानमाला** – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन प्रतिवर्ष होता है।
- **प्रादेशिक वाक्स्पर्धा** – भोपाल परिसर में अधिराज्यीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के पारम्परिक संस्कृत विद्यार्थियों की निर्धारित आठ शास्त्रों में प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं। उनमें प्रतिशास्त्र एवं प्रतिराज्य विजेता छात्रों का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के लिए चयन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कण्ठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित होती हैं।
- **अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रादेशिक वाक्स्पर्धा में चुने हुए विद्यार्थियों को भोपाल परिसर में शास्त्रीय भाषण, शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कण्ठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।
- **क्रीड़ा एवं योगासन** परिसर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विभिन्न शारीरिक क्रियाओं, योग एवं क्रीड़ा का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतिवर्ष विजेता छात्रों का अखिल भारतीय युवमहोत्सव हेतु चयन किया जाता है और उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।
- **अखिल भारतीय युवमहोत्सव** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय युवमहोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें परिसरीय प्रतिभावान् युवा विद्यार्थियों को क्रीड़ा, योग, चित्रांकन, अभिनय, नृत्य, संगीत एवं श्लोक गान आदि विविध पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों के विकास हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।
- **नाट्याभिनय एवं कलाएँ** परिसर में विद्यार्थियों को पारम्परिक नाट्य शास्त्रीय अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाता है और ग्रीष्मावकाश में संस्थान के सहयोग से अन्य संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत नाटकों का रूपायन किया जाता है एवं उन्हें कौमुदी महोत्सव और युवमहोत्सव के अन्तर्गत आयोजित नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

- **दूरस्थ शिक्षा** – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठम् स्थापित है, जिसके अन्तर्गत परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र संचालित है। यह केन्द्र पंजीकृत स्वाध्यायी अध्येताओं को पाठ्यसामग्री भेजता है और आवश्यकतानुसार अवकाश के दिनों में स्वाध्यायी छात्रों के लिए कक्षाओं का आयोजन भी करता है। इस प्रकार परिसर से दूर अपने गृहनगर में रहने वाले पंजीकृत स्वाध्यायी छात्र भी इस केन्द्र के माध्यम से अध्ययन करके प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा देते हैं तथा उत्तीर्ण होने पर पाठ्यक्रमों का प्रमाणपत्र/उपाधि प्राप्त करते हैं।
- **नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र** – पारम्परिक एवं समकालीन भारतीय रंगमंच पर अनुसंधान एवं प्रयोग, संस्कृत रंगमंच की प्रायोगिक दिशाओं का अन्वेषण और नाट्यशास्त्रीय अनुसन्धान एवं प्रयोग में कार्यरत-देश-विदेश की संस्थाओं से सक्रिय संबंध करने की दृष्टि से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में नाट्य शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र स्थापित हुआ है। उसके अन्तर्गत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ का प्रकाशन, नाट्यशास्त्रीय प्रशिक्षण, कार्यशाला, संस्कृत-गानमण्डल एवं संस्कृत रंगमण्डल का गठन करके प्रयोग-कार्य प्रचलित हैं।
- **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण** – संस्कृत भाषा, संस्कृत के काव्य एवं संस्कृत शास्त्रों को शिक्षक के बिना स्वयं पढ़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने

संस्कृत स्वाध्याय पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें पाँच सत्र/दीक्षा हैं। प्रत्येक सत्र/दीक्षा में छह-छह मास अध्ययन करना होगा है। नि:शुल्क कक्षा आयोजन की सूचना समय-समय पर समाचार-पत्रों के माध्यम से दी जाती है।

- **भारतीय ज्योतिष परिचय एवं भारतीय वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम** – भारतीय फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र में रुचि रखने वाले साधारण पाठकों के लिए भारतीय ज्योतिष परिचय एवं वास्तुशास्त्र का त्रैमासिक पाठ्यक्रम परिसर के द्वारा संचालित है। इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त कर सकता है। इसकी कक्षायें सायंकालीन होती हैं, जिसमें रुपए 1000/- मात्र पंजीकरण शुल्क देय है। समाचार पत्रों के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की सूचना प्रसारित की जाती है। इस वर्ष इसमें एक सौ अभ्यर्थी पंजीकृत थे।
- **संस्कृत अन्तर्जाल परियोजना** – परिसर में संस्कृत के प्राचीन शास्त्रों को अन्तर्जाल में संस्थापित करने हेतु संस्कृत अन्तर्जालपरियोजना प्रचलित है। विभिन्न संस्कृत ग्रंथों को टंकित करके अन्तर्जाल में स्थापित करना इस परियोजना का मुख्य कार्य है। इस योजना के अन्तर्गत परिसर के द्वारा साहित्य दर्पण और अलंकार सर्वस्वम्, परिभाषेन्दुशेखर ग्रंन्थ की स्थापना अन्तर्जाल में हो चुकी है। इसी प्रकार संस्कृत विद्वत्परिचायिका (who is who) नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और उसे अन्तर्जाल में स्थापित किया गया है।
- **संस्कृत शिक्षानुसन्धान सर्वेक्षण** – 1980 से 2012 तक भारत के संस्कृत विश्वविद्यालयों में शिक्षाशास्त्र सम्बद्ध एम.एड., एम.फिल., पीएच.डी. तथा डी.लिट् के शोध कार्यों का सारांश संकलित एवं सम्पादित किया गया। इस बृहत् अनुसन्धान परियोजना के प्रधान अनुसन्धाता डॉ. नीलाभ तिवारी हैं।
- **शब्दकोश-परियोजना** – बोली एवं उपबोली शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत परिसर से बुन्देली-संस्कृत (हिन्दी अर्थ सहित) शब्दकोश तथा मालवी-संस्कृत (हिन्दी अर्थ सहित) शब्दकोश प्रकाशित हो चुके हैं।
- **संगोष्ठी एवं कार्यशाला** – परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया है। शास्त्रीय ज्ञान का आदान-प्रदान, शोध तथा वैदुष्य का विकास करना संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य रहा है।
- **प्रशिक्षण** – अनौपचारिक संस्कृत भाषा विकास के शिक्षकों का उनके शिक्षण कौशल तथा पाण्डित्य में विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्रों के प्रति रुचि उत्पन्न तथा उस दिशा में प्रावीण्य प्राप्त कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है।
- **पुस्तक विक्रय केन्द्र** – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रकाशित संस्कृत विषय की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ सर्वसाधारण जन को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए परिसर में विक्रय केन्द्र का संचालन होता है।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाओं सहित पूर्ण विवरण

1. योगदिवस कार्यक्रम

21 जून 2015 को 'अन्ताराष्ट्रिययोगदिवस' के उपलक्ष्य में भोपालपरिसर में योग दिवस कार्यक्रम समायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय, होशंगाबाद के संरक्षक स्वामी ऋतस्पति जी का 'पातंजल योगसूत्र' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने की। कार्यक्रम में परिसरीय छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। छात्रों के लिए आयोजित योगस्पर्धा में संजयशाक्य ने प्रथम स्थान, विशाल शर्मा ने द्वितीय एवं आयुषदीक्षित व दीपकदाश ने संयुक्तरूप से तृतीयस्थान प्राप्त किया।

2. ज्योतिषप्रयोगशाला का समुद्घाटन

06 जुलाई 2015 को परिसर के ज्योतिषविभाग के ज्योतिष प्रयोगशाला का नवीनीकरण के उपरान्त परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में पलभायन्त्र, राशियन्त्र, गोलयन्त्र, दूरबीनयन्त्र आदि के विषय में विभागीय विद्वानों ने दृश्यश्रव्य माध्यम के द्वारा परिचय प्रदान किया।

3. दो सदस्यीय टीम द्वारा परिसर का निरीक्षण

जुलाई मास के द्वितीय सप्ताह में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के शिक्षासचिव श्री पवन मेहता तथा राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के तत्कालीन परियोजना प्रभारी प्रो. सर्वनारायण झा की द्विसदस्यीय निरीक्षण समिति ने भोपालपरिसर का निरीक्षण किया। दोनों सदस्यों ने परिसर के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध विभागों के छात्रों के लिए भवन, फर्नीचर आदि आवश्यकताओं की पूर्ति के आकलन हेतु शिक्षण कक्ष, ज्योतिष प्रयोगशाला, कार्यालय, छात्रावास, खेल मैदान आदि का निरीक्षण किया। परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा के साथ बैठक में निरीक्षण समिति के दोनों सदस्यों ने विविध विषयों पर गहन चर्चा की। चर्चा में परिसर की ओर से निरीक्षण समिति के समक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग के लिए नये भवन, ज्योतिषविभाग के लिए तारामण्डल कक्ष (प्लेनेटोरियम, प्रयोगशाला, अनुसन्धान कक्ष, विभागीय पुस्तकालय), सुविधा युक्त खेल का मैदान, पुस्तकालय एवं भवनों के लिए कुर्सी आदि फर्नीचर के सन्दर्भ में मांग रखी गई।

4. प्रो. ओमप्रकाशभडाना महोदय का सौप्रस्थानिकसमारोह

जुलाई मास के तृतीय सप्ताह में परिसर के क्रीडा विभाग एवं आधुनिकज्ञानविज्ञानविभाग के अध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश भडाना जी के जयपुरपरिसर के लिए स्थानान्तरण के सन्दर्भ में सौप्रस्थानिकसमारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने उनका अभिनन्दन करते हुए परिसर की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। परिसर के सौहार्दपूर्ण वातावरण की प्रशंसा करते हुए प्रो. भडाना ने भोपाल परिसर के प्रति आभार व्यक्त किया।

5. सत्रारम्भकार्यक्रम

17 जुलाई 2015 ई. को भोपालपरिसर में औपचारिकरूप से वर्तमान शिक्षणसत्र 2015-16 का शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व पुलिसमहानिदेशक (म.प्र.) श्रीसुभाषचन्द्र त्रिपाठी ने छात्रों को उद्बोधित किया। इस अवसर पर परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने परिसर की मर्यादा एवं सुसंस्कृत परम्परा के निर्वहन हेतु छात्रों को प्रेरित किया।

6. स्वतन्त्रतादिवस समारोह

15 अगस्त को भारतवर्ष का 67 वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह भोपालपरिसर में परिसरीय छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, कर्मचारियों की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मनाया गया। झण्डारोहण के पश्चात् स्वातन्त्र्यवीरों को श्रद्धांजलि देते हुए परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने छात्रों को देश एवं समाज के हित के लिए कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. धर्मेन्द्रकुमार सिंहदेव ने किया।

7. संस्कृतसप्ताह समारोह

26 अगस्त से 1 सितम्बर 2015 तक भोपालपरिसर में संस्कृतसप्ताहसमारोह आयोजित हुआ। इस समारोह में शास्त्रार्थ, संस्कृतनाटक गणेशपूजन, श्लोकपाठस्पर्धा, संस्कृतगीतस्पर्धा, संस्कृतभाषणस्पर्धा एवं संस्कृत कवि सम्मेलन मुख्य आकर्षण रहे। उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्री मनोज कुमार राय एवं शिक्षाविद प्रो. वेदनारायण चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. रमेशचन्द्रशाह तथा विशिष्ट अतिथि भोपाल के सांसद श्री आलोक संजर उपस्थित रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने समागत अतिथियों का स्वागत किया। संस्कृत सप्ताह का प्रतिवेदन प्रो. भारतभूषण मिश्र ने प्रस्तुत किया। संस्कृत के प्रचार- प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रो.क्षेत्रवासी पण्डा, प्रो.सत्यजीत पाण्डेय, प्रो.वेदनारायण चौधरी, प्रो.प्रभादेवी चौधरी, प्रो.हंसधर झा एवं डॉ.ब्रजभूषण ओझा को संस्कृतभूषण सम्मान प्रदान किया गया।

8. वार्षिकशास्त्रीय, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ास्पर्धा

04 सितम्बर से 10 सितम्बर तक परिसर की वार्षिकशास्त्रीय, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ास्पर्धा आयोजित की गई। शास्त्रीय सांस्कृतिक स्पर्धा के अन्तर्गत प्रश्नमंच, भाषण, श्लोकगायन, संस्कृतगीत, वादन, नृत्य, अभिनय, चित्रनिर्माण, रंगोली आदि स्पर्धायें मुख्य आकर्षण थीं। इन विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिमांशु गौड़, प्रज्ञा, इवेन्द्र भारद्वाज, रक्षा भारद्वाज, मोहनत्रिपाठी, सर्वेश जैन, सत्येन्द्र बसेडिया, गोविन्द महतो, शिवा त्रिपाठी, अंशुल दूबे, खुशबू व्यास, यकलेश मुड़ौतिया, शिखा चन्द्रवंशी, नीता शर्मा, मनोज तिवारी, अनमोल उपाध्याय, अमितशर्मा, श्रीओमशर्मा, शिवनारायण शुक्ल, आयुष शर्मा एवं सन्दीप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन स्पर्धाओं में सफल प्रतिभागियों का चयन राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा एवं अखिल भारतीय युवमहोत्सव के लिए हुआ।

9. डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला

05 सितम्बर 2015 को डॉ. राधाकृष्णन् स्मृतिव्याख्यानमाला

के अन्तर्गत 'काव्यसृजनप्रक्रिया' विषय पर राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के पूर्वकुलपति प्रो. राधाबल्लभ त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान भोपालपरिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय ज्ञानाध्ययन बौद्धविश्वविद्यालय, सांची की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने समुपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

10. हिन्दीपखवाड़ा समारोह

15 दिन तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा समारोह का समापन 15 सितम्बर को हुआ। समापनकार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में प्रसिद्ध हिन्दी लेखक व समीक्षक प्रो. विजयबहादुर सिंह तथा प्रसिद्ध भाषाविद् व अंग्रेजी के आचार्य प्रो. मूलाराम जोशी समुपस्थित रहे। इस पाक्षिक समारोह में हिन्दीभाषा पर केन्द्रित विभिन्नस्पर्धायें समायोजित की गयीं। समारोह का समन्वयन हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. अर्चना दूबे ने किया।

11. स्वच्छतासप्ताह समारोह

7 दिनों तक मनाये जाने वाले स्वच्छता सप्ताह समारोह का समापन 2 अक्टूबर 2015 को हुआ। परिसर के प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने अपने भाषण में कहा कि महात्मा गाँधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती भारत सरकार ने प्रतिवर्ष स्वच्छता दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की है परन्तु समाज एवं अपने परिवार के लिए यह कार्यक्रम प्रतिदिन होना चाहिए। इस कार्यक्रम का समन्वयन श्री सुमित सक्सेना ने किया।

12. राज्यस्तरीयशास्त्रीयस्पर्धा (2015-2016)

7-8 अक्टूबर 2015 को भोपालपरिसर में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों की राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा आयोजित की गई। इस स्पर्धा में दोनों राज्यों के 70 से अधिक छात्रों ने ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त, पुराणेतिहास, मीमांसा, न्यायशास्त्र आदि विभिन्नशास्त्रों कीं शलाकास्पर्धा, भाषण प्रतियोगिता, समस्या पूर्ति, अष्टाध्यायी, धातुरूप कण्ठपाठ, काव्य कण्ठपाठ आदि स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया। इन विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिमांशु गौड़, प्रज्ञा, इवेन्द्र भारद्वाज, रक्षा भारद्वाज, मोहनत्रिपाठी, सर्वेश जैन, सत्येन्द्र बसेडिया, गोविन्द महतो, शिवा त्रिपाठी, अंशुल दूबे, खुशबू व्यास, यकलेश मुड़ौतिया, शिखा चन्द्रवंशी, नीता शर्मा, मनोज तिवारी, अनमोल उपाध्याय, अमितशर्मा, श्रीओमशर्मा, शिवनारायण शुक्ल, आयुष शर्मा एवं सन्दीप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इन स्पर्धाओं में निर्णायक के रूप में परिसरीय प्राध्यापकों के साथ प्रो. इन्द्रमणि दास, प्रो. बोधकुमार झा, प्रो. रहसविहारी द्विवेदी, प्रो. क्षेत्रवासी पण्डा, प्रो. एच. पी. दीक्षित, डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, डॉ.रघुनाथप्रसाद गोस्वामी आदि बाहर से समागत विद्वान भी उपस्थित थे। परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सुसम्पन्न हुआ। इन स्पर्धाओं में चयनित छात्रों ने दिसम्बर मास में तिरुपति में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। स्पर्धाओं का समन्वयन प्रो. हंसधर झा ने किया।

13. सतर्कता जागरण सप्ताह समारोह

26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2015 तक मनाये गये सतर्कता जागरण सप्ताह समारोह में विशिष्टव्याख्यान के साथ निबन्ध, वाद विवाद, भाषणादि विभिन्न स्पर्धायें आयोजित की गईं। इसी क्रम में 26 अक्टूबर को भोपाल के पुलिस महानिदेशक श्री पवन जैन का सतर्कता जागरण विषय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ। इस समारोह में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने परिसरीय छात्रों प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को सतर्कता के लिए प्रतिबद्धता हेतु प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. सुबोधशर्मा ने किया।

14. लौहपुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती कार्यक्रम

31 अक्टूबर 2015 को 'एकता दिवस' के रूप में लौहपुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयन्ती परिसर में मनायी गई। प्रो. भारतभूषणमिश्र ने सरदारपटेल के व्यक्तित्व का परिचय छात्रों को दिया। इस अवसर पर सरदार पटेल के जीवनवृत्त एवं आदर्शों पर अवलम्बित वादविवाद, भाषण, निबन्ध आदि स्पर्धायें आयोजित की गईं। समारोह में पुस्तक प्रदर्शनी आकर्षण का मुख्य केन्द्र रही। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अशोक कछवाह ने किया।

15. युवमहोत्सव में सफल प्रतिभागियों का सम्मान कार्यक्रम

09 नवम्बर 2015 को भोपालपरिसर में युवमहोत्सव में सफल प्रतिभागियों के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। ध्यातव्य है कि हिमाचलप्रदेश के बलाहर में स्थित वेदव्यास परिसर में 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2015

तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का युवमहोत्सव आयोजित किया गया था, जिसमें भोपाल परिसर के दीपक धाकड़, नीलेश शर्मा, गोपाल कृष्ण नन्द एवं धर्मेन्द्र शर्मा ने 4 स्वर्णपदक, नीलेश शर्मा, चन्द्रशेखर आर्य ने 2 रजतपदक तथा दीपक धाकड़, महिपाल आर्य सूर्यकान्त चौबे, लवकुश तिवारी,अरुण शुक्ल, पवनकुमार आर्य, दीपक कुमार, नीता शर्मा एवं कल्याणी फगरे ने 9 कांस्यपदक अर्जित किये। प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने कार्यक्रम में पदक विजेता छात्रों का सम्मान करते हुये आगे भी इसी प्रकार की उपलब्धि की कामना की।

16. राष्ट्रिय ज्योतिष शोध संगोष्ठी

27-28 नवम्बर 2015 को परिसर के ज्योतिषविभाग के द्वारा ''वर्तमानपरिदृश्य में ज्योतिष के विभिन्न सम्भावनायें एवं उपलब्धियां '' इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय ज्योतिष शोध संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के उद्घाटन में मुख्यातिथि के रूप में विराजमान मध्य प्रदेशशासन के आवासीय आयुक्त श्री आर. के. चतुर्वेदी, आई.ए.एस. का ज्योतिषशास्त्र विषय पर दिया गया विशिष्ट उद्बोधन अत्यन्त प्रेरणास्पद रहा। तदनन्तर दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृतविभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्र मिश्र के विशिष्ट व्याख्यान ने श्रोताओं को ज्योतिषशास्त्र के गूढ़ तत्वों से परिचय करवाया। इसके बाद व्याख्यान सत्र में प्रो. वासुदेवशर्मा, प्रो.ईश्वरभट्ट, डॉ.पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम जैसे विद्वानों के गम्भीरचिन्तन से श्रोता मन्त्रमुग्ध हो गये। तकनीकिसत्रों में 115 से अधिक शोधपत्र विद्वान प्राध्यापकों, ज्योतिष मर्मज्ञों एवं शोधच्छात्रों ने प्रस्तुत किये। समापनसमारोह में बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.मुरलीधरतिवारी मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान थे। कार्यक्रम में श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के वास्तुशास्त्रविभागाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसादत्रिपाठी जी का "वास्तुशास्त्र की उपादेयता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान चित्ताकर्षक रहा। उसके बाद लखनऊपरिसर से आये हुए प्रो. मदनमोहन पाठक का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। संगोष्ठी में प्रो. मुरलीमनोहरपाठक, प्रो. क्षेत्रवासीपण्डा, प्रो. प्रभुदयालमिश्र, डॉ. विष्णुकुमारनिर्मल, डॉ. विश्वरंजनपति, डॉ.सुभाषमिश्र जैसे विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्दझा, समन्वयक ज्योतिषविभागाध्यक्ष प्रो. भारतभूषणमिश्र, उपाध्यक्ष प्रो. हंसधर झा तथा सचिव डॉ. अशोक थपलियाल थे।

17. डॉ. ब्रजभूषणओझा को शास्त्रकलानिधि सम्मान

24 नवम्बर 2015 को व्याकरणशास्त्र में उल्लेखनीय अवदान के लिए डॉ. ब्रजभूषण ओझा को महाराष्ट्र के पुणे में स्थित श्रीबाबा सहस्रबुद्धे समाधि मन्दिर न्यास के द्वारा शास्त्रकलानिधि सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. ओझा की इस उपलब्धि पर परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने परिसर की ओर से उन्हें शुभकामना प्रदान की।

18. संविधानदिवस समारोह

26 से 30 नवम्बर 2015 को भोपालपरिसर में 'संविधान दिवस' के रूप में भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'संविधान निर्माण में भारतरत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर का योगदान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। समारोह के समापन कार्यक्रम में प्रो. प्रभादेवी चौधरी का भारतीय संविधान की विशेषता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान भी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने की। समारोह की संचालिका डॉ. अर्चना चौहान थीं।

19. आवासीय संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण वर्ग

03 से 10 जनवरी 2016 तक परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग ने संस्कृत भारती मध्य प्रदेश के सहयोग से आवासीय संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया। इस वर्ग में 114 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किया।

20. युवदिवस समारोह

12 जनवरी 2016 को स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती युवा दिवस रूप में परिसर में मनाई गई। इस कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द के जीवन-चरित्र पर छात्रों एवं अध्यापकों ने गीत, जीवनकथा, भाषण आदि प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में आन्ध्रप्रदेश के तिरुपति में आयोजित 2015-16 वर्ष के अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के विजेता छात्रों का भी सम्मान किया गया। अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में सर्वेश जैन ने जैन विषय के शलाका में स्वर्णपदक, अंशुल दुबे ने सिद्धान्त ज्योतिषशलाका में रजतपदक प्राप्त किया। मनोज तिवारी एवं अनमोल उपाध्याय ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किये। इसी युवदिवस कार्यक्रम में चेन्नई की संस्था द्वारा वीर विवेक युवा पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ. डम्बरुधर पति का सम्मान भी परिसर की ओर से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने

की। समारोह की संचालिका डॉ. अर्चना दूबे थीं।

21. संस्कृत सम्भाषणशिविरों का आयोजन

13 से 22 जनवरी 2016 तक परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा संस्कृतभारती मध्यप्रदेश के सहयोग से दश दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्रों ने इन शिविरों को 108 तहसील क्षेत्रों में संचालित किया।

22. स्टार्ट अप इण्डिया कार्यक्रम

18 जनवरी 2016 को छात्रों-छात्राओं को भारतसरकार के स्टार्ट अप इण्डिया कार्यक्रम के विषय में दृश्यमाध्यम से (वीडियो प्रसारण के द्वारा) जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रो. भारतभूषणमिश्र, प्रो.जे.भानुमूर्ति, प्रो.प्रभादेवीचौधरी आदि ने स्टार्ट अप इण्डिया कार्यक्रम के विषय में नूतन ज्ञान प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने की। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन डॉ. नितिन जैन एवं श्री सुमित सक्सेना ने किया।

23. संगमनी कार्यक्रम

23 से 24 जनवरी 2016 तक संस्कृतभारती, मध्यप्रदेश ने रा. सं. संस्थान भोपालपरिसर के सहयोग से द्विदिवसीय संस्कृत सम्मेलन 'संगमनी' नाम से आयोजित किया। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के गृहमन्त्री श्रीबाबूलाल गौर, अध्यक्ष के रूप में रा. सं. संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरनारायण शास्त्री, विशिष्टातिथि के रूप में नगरनिगम के अध्यक्ष श्रीसुरजीतसिंह चौहान उपस्थित थे।। कार्यक्रम में संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी एवं संस्कृत पाण्डुलिपि प्रदर्शनी मुख्याकर्षण का केन्द्र रही।

24. राष्ट्रिय व्याकरण शोध संगोष्ठी

12 फरवरी 2016 को परिसर के व्याकरण विभाग के द्वारा 'विविधशास्त्रदृष्ट्या व्याकरणाभिमतशब्दार्थसम्बन्धसमीक्षा' इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रिय व्याकरण शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. हरिनारायण तिवारी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में 45 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. सुरेन्द्रपाठक, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. हरेराम त्रिपाठी तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. आजादमिश्र उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, समन्वयक व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. सुबोध शर्मा तथा सचिव डॉ. ब्रजभूषण ओझा थे।

25. वसन्तोत्सव

संस्थान मुख्यालय के द्वारा 24 से 26 फरवरी 2016 तक अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस स्पर्धा में भोपाल परिसर की ओर से डॉ.धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव के निर्देशन में वत्सराजप्रणीत हास्यचूड़ामणि नामक प्रहसन प्रस्तुत किया गया। इस प्रतियोगिता में अनुपम गर्ग ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया।

26. संस्कृतसद्भावना शोभायात्रा

19 मार्च को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्त्वावधान में 'संस्कृत सद्भावना शोभायात्रा' समायोजित की गई। शोभायात्रा का शुभारम्भ परिसर प्राचार्य प्रो.विद्यानन्द झा तथा शिक्षाशास्त्र की विभागाध्यक्षा प्रो. प्रभादेवी चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। शोभा यात्रा में प्राध्यापकों एवं छात्र छात्राओं ने सोत्साह भाग लिया।

27. पाठलेखन कार्यशाला -

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र के द्वारा आधुनिकविषयों में दूरस्थ छात्रों के लिए स्वाध्याय सामग्री के निमित्त 13 से 22 फरवरी 2016 तक दस दिवसीय पाठलेखन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में 40 से अधिक विषय विशेषज्ञों ने 150 से अधिक पाठों का लेखन किया। कार्यक्रम के समापनसमारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. क्षेत्रवासी पण्डा, तथा अध्यक्षरूप में परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। कार्यशाला के सचिव प्रो. भारतभूषणमिश्र तथा समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेव थे।

28. नुक्कड़ नाटक का आयोजन

गली-नुक्कड़ों में संस्कृतभाषा में नाटकों का मंचन कर स्त्रीशिक्षा, उपभोक्ता जागरण, पर्यावरण संरक्षण, देशप्रेम, एकता, सामाजिक समरसता जैसे ज्वलन्त विषयों पर जनजागरण के लिए भोपाल परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा भोपाल के बागसेवनिया, आशिमा मॉल, गणेश मन्दिर, दुर्गा मन्दिर, भोज आर्केड, अरविन्द विहार चौराहा आदि स्थानों में अनेक

नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। 26 फरवरी 2016 को नुक्कड़ नाटकों का शुभारम्भ कार्यकारी प्राचार्य प्रो. भारतभूषण मिश्र तथा शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्षा प्रो. प्रभादेवी चौधरी ने किया।

29. आधुनिकविषय के वर्तमानपरिप्रेक्ष्य में राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

दिनांक 01 मार्च 2016 को भोपाल परिसर के आधुनिकविषय विभाग द्वारा 'IQAC के तत्वावधान में आधुनिक विषयों का वर्तमानपरिप्रेक्ष्य' इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में अटल विहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहनलालछीपा, सारस्वतातिथि के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. आशीष त्रिपाठी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा विराजमान थे। इस संगोष्ठी में 70 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. आशीष त्रिपाठी, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. वेदनारायण चौधरी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, समन्वयिका आधुनिक विषय विभाग की अध्यक्षा डॉ.अर्चना दुबे, तथा सचिव डॉ. अवनिशर्मा थी।

30. जैनदर्शनविभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

दिनांक 02 मार्च 2016 को भोपाल परिसर के जैनदर्शन विभाग द्वारा IQAC के तत्वावधान में 'जैनसिद्धान्तों की वर्तमान प्रासंगिकता' इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. श्रेयांश जैन, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. कमलेश जैन, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. रतनचन्द्र जैन तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा विराजमान थे। इस संगोष्ठी में 40 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. सुबोध शर्मा, सारस्वतातिथि के रूप में पं. कमल जैन 'कमलांकुर' तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, समन्वयक जैन दर्शन विभाग के अध्यक्ष श्री प्रताप शास्त्री, तथा सचिव डॉ. पंकज जैन थे।

31. शिक्षाशास्त्रविभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी

दिनांक 03 मार्च 2016 को भोपाल परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा IQAC के तत्वावधान में 'शैक्षिकप्रबन्धन के विविध आयाम' इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में अटल विहारी बाजपेयी उत्तम प्रशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल के प्रो.अखिलेश अर्गल, सारस्वतातिथि के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के प्राचार्य प्रो. के. के.खरे तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा विराजमान थे। इस संगोष्ठी में 55 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में प्रशासनिक अकादमी भोपाल के प्रो. हरिमोहन मिश्र, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो.वेदनारायण चौधरी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, समन्वयिका शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्षा प्रो. प्रभाादेवी चौधरी तथा सचिव डॉ. अशोक कछवाह थे।

32. मातृभाषा दिवस समारोह

यूनेस्को द्वारा निर्धारित मातृभाषा दिवस कार्यक्रम विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोग के आदेशानुसार 03 मार्च 2016 को मनाया गया। कार्यक्रम में परिसरीय छात्रों के साथ प्राध्यापकों ने भी संस्कृत भाषा के साथ ही हिन्दी, अंग्रेजी, मैथिली, भोजपुरी, अंगिका, गढ़वाली, हिमाचली, पंजाबी, हरियाणवी, उडिया, तेलगू, मलयालम, तमिल, उर्दू, बुंदेली, मालवा आदि विविध भाषाओं में विचार प्रस्तुतीकरणपूर्वक सोत्साह भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम में परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा का अध्यक्षीय उद्बोधन रहा। कार्यक्रम का संचालन व समन्वयन डॉ. मोहिनी अरोरा तथा डॉ. अवनि शर्मा ने किया।

33. साहित्यविभागीय राष्ट्रियशोधसंगोष्ठी

दिनांक 04 मार्च 2016 को भोपाल परिसर के साहित्य विभाग द्वारा IQAC के तत्वावधान में 'अर्वाचीन संस्कृत गद्य साहित्य' इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटनकार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान, नई दिल्ली के पूर्वकुलपति प्रो. राधाबल्लभत्रिपाठी, सारस्वतातिथि के रूप में मध्यप्रदेश पुलिसविभाग के पूर्वमहानिदेशक श्रीसुभाषचन्द्रत्रिपाठी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा विराजमान

थे। इस संगोष्ठी में 70 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. रमाकान्तशुक्ल, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो.वेदनारायण चौधरी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, समन्वयक साहित्यविभागाध्यक्ष डॉ. सनन्दनकुमार त्रिपाठी, तथा सचिव डॉ. धर्मेन्द्रकुमार सिंहदेव थे।

34. डॉ. संगीतागुन्देचा को आनन्दा सम्मान

08 मार्च 2016 को साहित्यक्षेत्र में उल्लेखनीय अवदान के लिए डॉ. संगीता गुन्देचा को भोपाल के ''आर्ट ट्वन्टी ट्वन्टी'' नामक संस्था द्वारा आनन्दा सम्मान से अलंकृत किया गया। डॉ. गुन्देचा की इस उपलब्धि पर परिसरप्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा ने परिसर की ओर से उन्हें शुभकामनायें दीं।

35. ज्योतिषविभागीय प्राध्यापकों का विशिष्टव्याख्यान

11 से 13 मार्च 2016 तक सिक्किमराज्य के साम्दों क्षेत्र में महर्षि सान्दीपनी वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के तत्त्वावधान में समायोजित क्षेत्रीयवेदसम्मेलन में परिसर के ज्योतिषविभाग के प्रो. भारतभूषण मिश्र एवं डॉ. अशोक थपलियाल ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

36. वार्षिकोत्सव

30 मार्च 2016 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर ने अपना वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री श्रीकैलाश जोशी सारस्वत अतिथि के रूप में साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान-अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा मंच पर सुशोभित हुए। इस वार्षिकोत्सव समारोह में न केवल परिसर में ही अपितु अखिल भारतीय स्तर पर भी वर्ष पर्यन्त आयोजित शैक्षिक, क्रीड़ा, सांस्कृतिक, सामाजिक आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के द्वारा परिसर के गौरव को बढ़ाने वाले छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में ज्योतिषविभागीय शोधपरक श्रीभोजराजपंचांग के विक्रम संवत् 2073 के संस्करण एवं ज्योतिषशोधसंगोष्ठी के प्रस्तुत कतिपय शोधपत्रों के संग्रह रूप ग्रन्थ 'ज्योतिष-ज्योत्स्ना' का लोकार्पण भी हुआ। समारोह के अन्त में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव द्वारा निर्देशित 'हास्यचूड़ामणि' नामक संस्कृत नाटक का अभिमंचन किया गया।

37. अभिनवगुप्तसहस्राब्दि कार्यक्रम

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के शुभावसर पर दिनांक 08 अप्रैल 2016 को भोपाल परिसर में अभिनवगुप्त सहस्राब्दि कार्यक्रम उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर तमिलनाडु के कांची कामकोटि पीठ से निकली 'अभिनव सन्देश यात्रा' का कलश पूजन पूर्वक स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश श्री एस. के राउत, विशिष्टातिथि के रूप में निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के प्रो. अखिलेश पाण्डेय, सारस्वतातिथि के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. रजनीश शुक्ल तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा उपस्थित थे। यह कार्यक्रम कश्मीर के तन्त्रशास्त्र एवं साहित्यशास्त्र के प्रसिद्ध आचार्य अभिनव गुप्त जन्म के एक हजार वर्ष पूर्ति के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले सहस्राब्दिसमारोह का एक महत्वपूर्ण आयाम था। इसमें वक्ताओं ने अभिनवगुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन इस वर्ष मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले अभिनवगुप्त-सहस्राब्दि-समारोह-समिति के सचिव एवं भोपाल परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. नीलाभ तिवारी ने किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर-परिचय

भारत के पश्चिमी तट पर निहित, लगभग 2.5 करोड़ की आबादी वाला मुम्बई महानगर, देश के चार महानगरों में से एक है। यह महाराष्ट्र की राजधानी कहलाता है। महानगर की अधिष्ठात्री मुम्बादेवी के चरण कमलों में पल्लवित यह स्थान भारत की आर्थिक राजधानी के नाम से जाना जाता है।

संस्कृत पारम्परिक विद्या में नवाचारों एवं नवोन्मेषों का समन्वय करते हुए, शास्त्रीय आर्ष परम्परा के प्रचार-प्रसार हेतु महानगरस्थ-सुप्रसिद्ध के.जे.सोमैया ट्रस्ट द्वारा, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को प्रारम्भ करने हेतु, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि दानरूप में प्रदान करने की योजना रखी। जिसको साकार करने के लिए राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा दानरूप में प्राप्त भूमि का जायजा लिया गया, और विद्यापीठ मुम्बई में प्रारम्भ किया जा सकता है, ऐसे आश्वस्त होकर, एक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को अग्रेषित किया।

मन्त्रालय द्वारा 31 मार्च 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ आरम्भ करने की संस्तुति प्रदान की तथा के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार के माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा 16 मई 2002 को किया गया। के.जे.सोमैया संस्कृत विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए), साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों में, सम्बद्ध शास्त्रों में पी.एच.डी. (विद्यावारिधि) तक के शिक्षण का प्रावधान है। इसके साथ-साथ, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान व पर्यावरण विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों का भी शिक्षण होता है जो, संस्थान के पाठ्यक्रमानुसार पढाया जाता है। यह पाठ्यक्रम व्यवसाय उन्मुख होने के साथ ही मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के द्वारा संस्कृत पढ़ने का एक सर्वोत्तम साधन भी है। हिन्दी, अंग्रेजी, आधुनिक पद्धति के साथ संस्कृत अनिवार्य के रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण 100 छात्रों के लिए एक वर्ष का शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रोफेशनल कोर्स (व्यावसायिक प्रशिक्षण) भी करवाया जाता है। (सत्र 2015-16 से पाठ्यक्रम दो वर्ष का हो गया है) इसका आरम्भ एन.सी.टी.ई. के अनुमोदन के बाद शैक्षिणक वर्ष 2007 में शुरु किया गया था।

वर्तमान में के.जे.सोमैया ट्रस्ट ने विद्याविहार में ही बहुमूल्यीय एक एकड़ भूमि विद्यापीठीय भवन निर्माण के लिए उपलब्ध करायी है। यहाँ भवन निर्माण की समस्त औपचारिकतायें पूरी हो चुकी हैं।

इस समय सोमैया विद्याविहार परिसर में ही ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यापीठ का प्रशासनिक कार्य और पुस्तकालय पॉलिटेक्निक भवन में; अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, शोध आदि कार्य चाणक्य भवन तथा सुरुचि (कला) भवन में चल रहा है।

मिशन एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की दृष्टि-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लक्ष्य हैं कि

1. संस्कृत को हर तरह से सुविधाजनक बनाने, दूसरी भाषाओं के साथ संस्कृत साहित्य का शिक्षा से सम्बन्ध, पारम्परिक धारा के क्षेत्रों में संस्कृत शिक्षा और अनुसन्धान की पारम्परिक प्रणालियों को बढ़ावा देने, संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम और प्रचार व प्रसिद्धि तथा पारम्परिक संस्कृत विज्ञान के सर्वांगीण विकास के लिए नीतियों को लागू करना है।
2. संस्कृत की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि के साथ, कुशल मानव संसाधनों का उत्पादन, संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में, विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान तथा तुलनात्मक अध्ययन के लिए तथा संस्कृत सीखने व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने की सभी

शाखाओं के संचालन के लिए सर्वविध प्रयास करना है।

3. वैश्विक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने तथा संस्कृत सीखने की महिमा स्थापित करने के लिए एक दृश्य के साथ विश्व स्तर के विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्षीय)
2. शास्त्री (3 वर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
3. आचार्य (2 वर्षीय)
4. शिक्षाशास्त्री (1 वर्षीय) (सत्र 2014-15 से द्विवर्षीय होगा)
5. विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)
6. अनौपचारिक संस्कृत प्रशिक्षण (त्रैमासिक)
7. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र
7. भारतीय ज्योतिष में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (त्रैमासिक)

मुख्य रूप से परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं शिक्षाशास्त्र इन चार विषयों का अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य चल रहे हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

õ शैक्षणिक कार्यक्रम

1. विश्व योग दिवस

दिनांक 21.06.2015 को विश्वयोग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सभी छात्रों ने उत्साह से योग दिवस मनाया गया । निर्दिष्ट योगासनों का अभ्यास किया ।

2. शिक्षाशास्त्र विभाग का सत्रारम्भ समारोह

दिनांक 20.07.2015 को शिक्षाशास्त्र विभाग में सत्रारंभ समारोह हुआ । जिसमें विभिन्न राज्यों से आये हुए छात्रों का स्वागत किया गया ।

3. गुरु पूर्णिमा

दिनांक 31.07.2015 को गुरु पूर्णिमा के दिन छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया । सभी छात्रों को गुरु पूर्णिमा का महत्व के बारे में बताया गया।

4. भाषा बोधन वर्ग

शिक्षाशास्त्र में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम का शुभारम्भ हुआ । प्रथम वर्ष में 21 दिनों का, दिनांक 06.08.2015 से 26.08.2015 तक संस्कृत, आंग्ल एवं हिन्दी भाषाओं में, छात्रों में निपुणता सम्पादनार्थ भाषाबोधन वर्ग का आयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. मदन मोहन झा द्वारा किया गया । जिसमें छात्र/छात्राओं ने उत्साह के साथ भाषा के माध्यम से व्यवहार, व्याकरण आदि जाना और समझा ।

5. क्रीड़ा उत्सव

दिनांक 16.08.2015 से 19.08.2015 तक छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए विद्यापीठ में **क्रीड़ा उत्सव** का आयोजन किया गया। जिसमें शारीरिक क्रीड़ा स्पधाओं के अन्तर्गत सांस्कृतिक स्पर्धाएँ भी आयोजित हुई। इस कार्यक्रम के संयोजक क्रीड़ा शिक्षक श्री शंकर आंधळे थे।

6. शैक्षिक सांस्कृतिक स्पर्धा

दिनांक 17.08.2015 से 18.08.2015 तक विद्यापीठ में शैक्षिक - सांस्कृतिक एवं चित्र रचना स्पर्धाओं का आयोजन हुआ । इस कार्यक्रम के संयोजक साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. ई. आर. नारायाणन् थे ।

7. शिक्षाशास्त्र अध्यापकों का अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 24.08.2015 से 28.08.2015 तक रा.स.सं. के विभिन्न परिसरों में विद्यमान शिक्षाशास्त्र अध्यापकों के लिए द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को उद्देश्य कर त्रिपुरा राज्य के अगरतला प्रदेश में स्थित एकलव्य परिसर में 05 दिनों का अभिविन्यास कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ । जिसमें परिसर के शिक्षा विभाीय सभी प्राध्यापक सम्मिलित हुए ।

8. संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी सांकेतिक रूप में (त्रिदिवसीय) संस्कृत सप्ताह दिनांक 27.08.2015 से 29.08.2015 तक मनाया गया। दिनांक 27.08.2015 (गुरूवार) को उद्घाटन, दिनांक 28.08.2015 (शुक्रवार) को कवि सम्मेलन, दिनांक 29.08.2015 (शनिवार) को संस्कृतकण्ठपाठ, श्रावणी उपाकार्म, भाषण प्रतियोगित शैक्षणिकस्पर्धा, समापन समारोह आदि का आयोजन किया गया।

9. शिक्षक दिवस

दिनांक 04.09.2015 को डॉ. सर्वपल्लि राधाकृष्णन् जी का जन्मदिन(दिनांक 05.09.2015) के उपलक्ष्य में विद्यापीठ में शिक्षक दिवस कार्यक्रम मनाया गया ।

10. षाण्मासिक पाठ्यक्रम (विद्यावारिधि)

मुख्यालय के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम का आरम्भ दिनांक 24.04.2015 से 23.10.2015 तक एवं दूसरा उपक्रम 02. 11.2015 से 01.04.2016 तक हुआ । शोध छात्रों को पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शोध प्रविधि विज्ञान, पाण्डुलिपि आदि प्रशिक्षण के लिए षाण्मासिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया ।

11. हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में 14 सितम्बर से 28.09.2015 तक हिन्दी पखवाडा पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में हिन्दी भाषण, लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

12. सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती उत्सव -

दिनांक 31.10.2015 को सरदार वल्लभाई पटेल के जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रिय एकता दिवस कार्यक्रम एवं पुस्तक प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया ।

13. संविधान दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम (आम्बेडकर जयन्ती उत्सव)

केन्द्र सरकार की सूचना अनुसार दिनांक 26.11.2015 से 30.11.2015 तक इस वर्ष विशेषत: भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125 वीं जयन्ती के अवसर पर संविधान दिवस पर साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

14. स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

दिनांक 12.01.2016 को मुख्यालय के निर्देशानुरूप परिसर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया ।

15. मातृभाषा दिवस

इस वर्ष में केन्द्र सरकार के सूचना अनुसार मराठी मातृभाषा दिवस का आचरण परिसर में दिनांक 03.03.2016 को किया गया ।

16. वार्षिक शास्त्रीय स्पर्धा

दिनांक 04.03.2016 को हर वर्ष की भाँति शास्त्रों में निपुणता सम्पादन हेतु छात्रों को साहित्य - ज्योतिष -शिक्षा शास्त्रों में वार्षिक शास्त्रीय भाषण स्पर्धाओं का आयोजन किया गया । प्राक्शास्त्री के छात्र/छात्राओं के लिए विशेषत: कण्ठपाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया ।

õ सहशैक्षणिक कार्यक्रम

1. युवमहोत्सव

दिनांक 30.10.2015 से 02.10.2015 तक वेदव्यास परिसर, बलाहर, गरली में मुख्यालय द्वारा आयोजित अन्त: परिसरीय युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें परिसर के छात्रों ने अत्यन्त उत्साह से भाग लिया। विद्यापीठ को युव महोत्सव में 11 पुरस्कार प्राप्त हुए - 1 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक, 4 कांस्य पदक एवं 1 सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुए।

2. महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

54 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 09.11.2015 को महाराष्ट्र-गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें मुम्बई के मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत विद्यालय, पुणे स्थित उमाशंकर अद्वैत वेदान्त विद्यापीठ, पुणे स्थित ज्ञान प्रबोधीनी संस्कृत पाठशाला एवं रघुनन्दनाचार्य शास्त्र पाठशाला, परभणी स्थित आचार्य वेदशास्त्र पाठशाला और क. जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई के सभी छात्र/छात्राओं ने भाग ग्रहण किया । गोवा राज्य से श्री विद्या पाठशाला एवं ब्रह्मानन्द संस्कृत प्रबोधिनी (श्री क्षेत्र तपोभूमि गुरूपीठ) ने भाग लिये ।

3. साहित्य शास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी

मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 03-04 दिसम्बर 2015 दो दिन की साहित्य शास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन साहित्य विभाग द्वारा किया गया ।

4. ज्योतिष-वास्तु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दिनांक 15.12.2015 को तीन मास (त्रैमासिक) का ज्योतिष-वास्तु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम में 17 छात्र/छात्राओं ने सफलतापूर्वक भाग ग्रहण किया। जिस का आयोजन ज्योतिष विभाग द्वारा किया गया।

5. अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

दिनांक 30.12.2015 से 02.01.2016 तक आयोजित तिरुपति स्थित श्री वेङ्कटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा समायोजित अखिल भारतीय

शास्त्रीय वाक्स्पर्धा में मुम्बई परिसर में डॉ. देवदत्त सरोदे के मार्गदर्शन में 6 छात्र/छात्राओं ने भाग ग्रहण किया । व्याकरण भाषण में सुश्री विदुषी बोल्ला द्वितीय पुरस्कार और ज्योतिष शास्त्र शलाका स्पर्धा में विघ्नेश अय्यर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

6. पञ्चदिवसीय विशिष्ट व्याख्यानमाला एवं राष्ट्रिय संगोष्ठी

विद्यापीठ की आन्तरिक गुणवत्ता की दृष्टि से दिनांक 18.01.2016 से 22.01.2016 तक विशिष्ट व्याख्यान माला एवं राष्ट्रिय संगोष्ठी की श्रृंखला का आयोजन अत्यन्त सफलतापूर्वक किया गया । इन कार्यक्रमों में अन्य परिसरीय प्राध्यापक एवं कई गणमान्य विद्वान् अन्य प्रदेशों से आकर पत्र वाचन प्रस्तुत किए ।

- शिक्षाशास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी आयोजन - दिनांक 18.01.2016
- विशिष्ट व्याख्यान माला (शिक्षाशास्त्र) - दिनांक 19.01.2016
- ज्योतिष शास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी विशिष्ट व्याख्यान माला - दिनांक 20.01.2016
- व्याकरण शास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी विशिष्ट व्याख्यान माला - दिनांक 21.01.2016
- आधुनिक विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी विशिष्ट व्याख्यान माला -दिनांक 22.01.2016

7. अखिल भारतीय संस्कृत प्रातिभा समारोह

दिनांक 28.01.2016 से 31.01.2016 तक तिरुपति स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति आयोजित समारोह में 7 छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में सहर्ष भाग लिया। व्याकरण भाषण में सुश्री विदुषी बोल्ला प्रथम पुरस्कार, ज्योतिष भाषण में विघ्नेश अय्यर ने द्वितीय स्थान और समस्यापूर्ति में विघ्नेश अय्यर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

8. वसन्तपञ्चमी

दिनांक 12.02.2016 को परिसर में वसन्तपञ्चमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया । सभी ने माँ सरस्वती का पूजन किया ।

9. अन्तः परिसरीय नाट्योत्सव

दिनांक 24.02.2016 से 26.02.2016 तक मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तः परिसरीय नाट्योत्सव में परिसर के छात्रों ने "विवाहविडम्बनम्" प्रहसन का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत किया । परिणामतः परिसर ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया ।

10. संगणक प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक 01.03.2016 से 02.03.2016 तक शिक्षाशास्त्र विभाग में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अनुसार छात्राध्यापकों के प्राविधिक कौशल वर्धन हेतु संगणक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन शिक्षा विभाग में किया गया ।

õ शैक्षिक सत्र 2015-16 में परिसरीय प्रकाशन -

õ विद्यारश्मिः

वार्षिक राष्ट्रिय शोध पत्रिका भारत में विख्यात विद्वानों के लेखों से सुशोभित ISSN 2277-6443 संख्या प्रमाणित विद्यारश्मिः नाम से प्रकाशित है ।

õ विद्याश्रीः

परिसरीय पत्रिका वार्ता विशेष अंक के रूप में प्रकाशित की गई है ।

õ शिक्षारश्मिः

शिक्षा विभाग के शिक्षारश्मिः नामक ISSN 2395-7921 संख्या से प्रमाणित विभागीय वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया गया ।

õ शाब्दी

व्याकरण विभाग से प्रकाशित शाब्दी विभागीय पत्रिका में व्याकरण शास्त्र सम्बद्ध लेख प्रकाशित हैं ।

õ काव्यलतिका

साहित्य विभाग से काव्यलतिका नामक पत्रिका का प्रकाशन किया गया ।

õ ज्योतिषरश्मिः

ज्योतिष विभाग से ज्योतिषरश्मिः नामक पत्रिका का प्रकाशन किया गया ।

õ वैभाषिकी

आधुनिक विभाग से वैभाषिकी नामक पत्रिका का प्रकाशन किया गया ।

इस प्रकार से संस्कृत भाषा के सर्वतोमुखी विकास हेतु प्रयत्नशील यह विद्यापीठ भविष्य में किये जाने वाले कार्यों एवं योजनाओं का मन में संकल्प कर हमेशा अग्रसर है ।

õ सम्भाव्य संकल्पनाएँ / योजनाएँ

- परिसर का सुव्यवस्थित भवन निर्माण ।
- संस्कृत विज्ञान अनुसन्धान केन्द्र का व्यवस्थीकरण ।
- इस परिसर में शिक्षाचार्य कक्षा आरम्भ ।
- जैन दर्शन विभाग का आरम्भ ।
- अद्वैत वेदान्त विभाग का प्रारम्भ ।
- न्याय दर्शन विभाग का प्रारम्भ ।
- संस्कृत डी. टी. पी. पाठ्यक्रम का संचालन ।
- अल्पकालिक शास्त्र प्रशिक्षण योजना ।
- योग अध्ययन केन्द्र का आरम्भ ।
- संस्कृत-संस्कृति बोधक डिप्लोमा का आरम्भ ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 01

उत्तर प्रेषित - 01

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी हैं। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन

- संस्कृत सप्ताह
- स्थापना दिवस
- राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
- युव महोत्सव
- कौमुदी महोत्सव
- अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

1. परिचय

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत की महान परम्पराओं के पुनरुज्जीवन और प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कृत संकल्प तथा तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के सत् प्रयास के परिणामस्वरूप त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला के मोहनपुर क्षेत्र में संस्थान परिसर का आरम्भ स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय में 04 जून, 2013 को किया गया। वर्तमान में त्रिपुरा सरकार ने ओल्ड आई.ए.एस.ई. भवन के रिक्त होने के कारण एकलव्य परिसर को संचालन करने के लिए दिया है जो कि अगरतला नगर के बीच में स्थित है। सत्र 2015-16 में इसी स्थान पर एकलव्य परिसर का अध्ययन व अध्यापन होगा।

इस प्रदेश का नाम त्रिपुरा यहाँ की प्रसिद्ध अधिष्ठात्री देवी माता त्रिपुरेश्वरी के कारण से पड़ा। त्रिपुरा को मुख्यरूप से जनजातियों की भूमि कहा जाता है। यहां पर मुख्यरूप से देवबर्मा, रियाङ्, जमातिया, चकमा, हालम, लुसाई, मोग्स इत्यादि जनजातियां निवास करती हैं। बांग्लादेश का विभाजन होने के बाद बंगाली भी बहुत बड़ी संख्या में त्रिपुरा में बसे हुए हैं।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला साक्षात् हवाई सेवा द्वारा कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई, हैदराबाद एवं गुवाहाटी इन क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। त्रिपुरा का राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं. 44 अगरतला को असम के साथ भारत के दूसरे हिस्सों से भी जोड़ता है। जिसे त्रिपुरा की जीवनरेखा के नाम से भी जाना जाता है। सन् 2008 से यह रेल माध्यम से भी भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ गया है।

यहां के दर्शनीय स्थलों में माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, नीरमहल, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी इत्यादि स्थल बहुत प्रसिद्ध हैं। यहां पर दुर्गापूजा एवं सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई जाती है। यहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य एवं वातावरण बहुत रमणीय है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, त्रिपुरा राज्य के पश्चिम त्रिपुरा जिले में अगरतला के पास स्थित राधानगर में अवस्थित है। इस परिसर के आसपास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी देवताओं के माताबडी (त्रिपुरेश्वरी) कमला सागर, जगन्नाथ मन्दिर, चतुर्दश देवता मन्दिर तथा उनकोटी अवस्थित है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	

4.	विद्यावारिधि		पीएच.डी	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र
5.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	

3. परिसर में विद्यमान प्रयोगशालायें

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर में विविध उपकरणों से सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है, जिनसे परम्परागत संस्कृत छात्रों को विविध मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अभ्यास करवाया जाता है ताकि वे छात्रों से सम्बन्धित समस्याओं का निवारण कर अपने शिक्षण में नूतन पद्धतियों का अनुसरण कर सकें।

शैक्षणिक तकनीकि एवं भाषा प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में शैक्षिक तकनीकि प्रयोगशाला भी विविध नवीनतम उपकरणों से युक्त है, जिसमें भावी अध्यापकों एवं छात्रों को ओवर हैड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर द्वारा पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन, स्लाइड प्रोजेक्टर आदि का प्रयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से श्रवण एवं भाषण कौशलों का विकास किया जाता है।

संगणक (कम्प्यूटर) प्रयोगशाला

संस्थान परिसर में छात्रों को कम्प्यूटर की अनिवार्य शिक्षा देने के लिए एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी है।

4. छात्रावास व्यवस्था

पुरुष तथा महिला छात्रावास की व्यवस्था उपलब्ध है। नियमित छात्र एवं छात्राओं को परिसर से दूरी एवं गत कक्षा में वरीयता के आधार पर छात्रावास में स्थान दिया जाता है।

सत्र 2015-16 में परिसरीय गतिविधियां

अन्तर्राष्ट्रिय-योगदिवस

सम्पूर्ण विश्व के साथ एकलव्यपरिसर ने दिनाकं 21.06.2015 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का उत्साह के साथ परिपालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. के.बि.सुब्बरायुडु ने की। मुख्यातिथि के रूप में अगरतला स्थित आई.जी.एम. चिकित्सालय की दन्त चिकित्साधिकारी डॉ. राखी देब बर्मा तथा आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के योग शिक्षक श्री अमितरक्षित विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृपाशंकर शर्मा ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने योग के महत्त्व को प्रकट करते हुए विविध योगमुद्राओं एवं आसनों का अभ्यास भी करवाया।

गुरुपूर्णिमा दिनोत्सव

दिनांक 31.07.2015 को एकलव्य परिसर में गुरुपूर्णिमा दिवस का मनाया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. के.बि.सुब्बरायुडु ने की। मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त अध्यक्ष प्रो. सीतानाथदे एवं विशिष्टातिथि के रूप में एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललितकुमार साहु उपस्थित थे। अतिथियों एवं परिसर के सभी प्राध्यापकों ने आशीर्वचनों द्वारा छात्रों को जीवन में उन्नति के लिए प्रोत्साहित किया।

शास्त्रार्थ परिषद्

शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान को परस्पर चर्चा एवं शोध पत्रों के माध्यम से प्रकटीकरण हेतु एकलव्य परिसर में शास्त्रार्थ परिषद का आरम्भ दिनांक 05.08.2015 को परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में किया गया जिसके उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. चन्दनकुमार चक्रवर्ती उपस्थित हुए। शास्त्रार्थ परिषद् में प्रतिमास प्रत्येक विभाग द्वारा अपने अपने विषय पर शोधपत्रों की प्रस्तुति की गई।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

एकलव्य परिसर ने दिनांक 15 अगस्त 2015 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया, जिसमें प्रात: परिसर प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु ने ध्वजारोहण कर स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों को स्मरण कर उन्हें श्रद्धाञ्जलि प्रदान की। परिसर छात्रों ने राष्ट्र भक्ति से ओत प्रोत गीतों एवं नाटक द्वारा सभा में उपस्थित सभी अतिथियों

का मनोरंजन कर उन्हें देशभक्ति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. बिचित्र रंजन पण्डा ने किया।

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 21.08.2015 से 29.08.2016 तक एकलव्य परिसर ने संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें छात्रों के लिए विविध शैक्षिक प्रतियोगितायें आयोजित की गई। संस्कृत सप्ताह के सन्दर्भ में परिसर छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा अगरतला नगर में शोभा यात्रा का आयोजन भी किया गया। संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम त्रिपुरा राज्य के राज्यपाल श्रीमान् तथागतराय महोदय के करकमलों द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु ने किया।

शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 05.09.2015 को एकलव्य परिसर में शिक्षक दिवस का परिपालन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. रबिन्द्रनाथ दास शास्त्री उपस्थित हुए। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक एवं कार्यालय कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु द्वारा की गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विचित्ररंजन पण्डा एवं श्री संबित महापात्र द्वारा किया गया।

हिन्दी पखवाडा

दिनांक 16.09.2015 से 05.10.2015 तक हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिए एकलव्य परिसर में परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाडा का परिपालन किया गया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिनोद कुमार मिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक एवं कार्यालय कर्मचारी उपस्थित हुए। हिन्दी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में परिसर में अनेक स्पर्धाओं जैसे निबन्ध लेखन, भाषण, कविता पाठ, प्रश्नमञ्च इत्यादि का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विचित्ररंजन पण्डा एवं श्री संबित महापात्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र एवं सह-संयोजन डॉ. रंजय सिंह द्वारा किया गया।

बाङ्ग्ला भाषा समिति

परिसर के कर्मचारियों एवं छात्रों को बांग्ला भाषा में निपुण बनाने के उद्देश्य से दिनांक 08.09.2015 को एकलव्य परिसर में बांग्ला प्रशिक्षण समूह का उद्घाटन परिसर प्राचार्य आचार्य के. बी. सुब्बरायुडु द्वारा किया गया। बांग्ला प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजिका बांग्ला भाषा प्राध्यापिका डॉ. बीणापाणि चन्दा थी।

गणेशपूजा कार्यक्रम

दिनांक 09.09.2015 को छात्रों द्वारा परिसर के सम्मेलन कक्ष में गणेशपूजा का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया।

टैगोर-आङ्ग्ल भाषासमूह

परिसरीय छात्रों की आंग्ल भाषा में निपुणता सम्पादन के लिए परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में दिनांक 12.08.2015 को टैगोर-आङ्ग्ल भाषासमूह का उद्घाटन किया गया जिसमें प्रत्येक मास में अनेक सत्रों के माध्यम से आङ्ग्ल भाषाध्यापक श्रीसुमन आचार्जी द्वारा सभी परिसरीय छात्रों को आंग्ल भाषा का प्रशिक्षण दिया गया।

वाग्वर्धिनी परिषद्

परिसरीय छात्रों के शास्त्र में गति सम्पादन हेतु परिसर प्राचार्य द्वारा दिनांक 13.08.2015 को परिसर में वाग्वर्धिनी परिषद् का शुभारम्भ किया गया जिसका संयोजन ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक श्रीदीप कुमार तथा सह-संयोजन व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. राहुल शर्मा द्वारा किया गया।

स्वच्छतादिवस कार्यक्रम

दिनांक 02.10.2015 को समस्त भारत के साथ एकलव्य परिसर में भी परिसर के प्राचार्य डॉ. पवनकुमार के नेतृत्व में स्वच्छता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के सभी प्राध्यापकों, कार्यालय के कर्मचारियों तथा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. बिचित्ररंजन पण्डा द्वारा किया गया।

सतर्कता-जागरूकता सप्ताह

दिनांक 24.10.2015 से 30.10.2015 तक एकलव्य परिसर में सतर्कता एवं जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया

गया जिसके समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में एन. आई.टी. अगरतला के भूत पूर्व सतर्कता एवं जागरुकता अधिकारी प्रो. उमेश मिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य धनीन्द्र कुमार झा द्वारा की गई। कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापकों, कार्यालय के कर्मचारियों तथा छात्रों ने भाग लिया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती

दिनांक 31.10.2015 को समस्त भारत के साथ एकलव्य परिसर में भी भारतवर्ष के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती का परिपालन किया गया जिसके उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए अनेक शैक्षिक एवं क्रीड़ा स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कलासंकाय प्रमुख प्रो. सत्यदेव पोद्दार उपस्थित हुए।

युवमहोत्सव

परिसरीय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला युवा महोत्सव इस वर्ष दिनांक 30.10.2015 से 02.11.2015 तक हिमाचल प्रदेश स्थित वेदव्यास परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों ने समूह नृत्य में प्रथम पुरस्कार, समूहगान एवं एकल सुभाषित कण्ठपाठ में तृतीय पुरस्कार, 1500 मीटर धावन में प्रथम पुरस्कार, 200 मीटरधावन में द्वितीय, 100 मीटर धावन में द्वितीय तथा कुन्तक्षेपण (भाला फेंक प्रतियोगिता) में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

अभिभावकसंघ सभा

दिनांक 09.11.2015 को एकलव्य परिसर में साहित्यशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी की अध्यक्षता में अध्यापक अभिभावकसंघ सभा का आयोजन किया गया जिसमें परिसर में पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावकों एवं परिसरीय प्राध्यापकों ने भाग लिया तथा छात्रों की समस्याओं, भविष्य से सम्बन्धित योजनाओं तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु अपेक्षित योजनाओं पर विचार किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कृपाशङ्कर शर्मा तथा श्रीमती पारभिन्-देवबर्मा द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

मौलाना-अबुलकलाम आजाद जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 12.11.2015 को एकलव्य परिसर में राष्ट्रिय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में अगरतला स्थित आई.ए.एस.ई. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रत्ना रॉय उपस्थित हुई।

अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्र

संस्थान मुख्यालय द्वारा प्राप्त सूचनानुसार एकलव्य परिसर में दिनांक 13.11.2015 को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का उद्घाटन परिसर प्राचार्य आचार्य के.बि. सुब्बरायुडु की अध्यक्षता में किया गया जिसमें अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण योजना के प्रान्त संयोजक शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ललितकुमार साहु तथा साहित्यशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी विशिष्टातिथि के रूप में सम्मिलित थे। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र में संस्कृत शिक्षण का कार्य सुश्री तनुश्री सिन्हा ने किया तथा केन्द्र संयोजक के रूप में डॉ. अरुणकुमार को नियुक्त किया गया।

अखिल भारतीय शास्त्री स्पर्धाओं के लिए चयनस्पर्धा

दिनांक 16.11.2015 को एकलव्य परिसर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में पूर्वोत्तर के छात्रों के चयन हेतु स्पर्धाओं का आयोजन किया गया जिसमें अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में भाग लेने के लिए एकलव्य परिसर से व्याकरण विषय में ज्ञानेन्द्र गौतम, ज्योतिष में संहिता शर्मा, धर्मशास्त्र में सुशान्ति देवनाथ, अद्वैतवेदान्त में गोपेश पाण्डेय, सांख्यशास्त्र में के. मनोग्ना एवं बौद्धदर्शन में हीरा वाल्मिकी का चयन हुआ।

परिसर के बौद्धदर्शन विभाग में राष्ट्रीय-संगोष्ठी का आयोजन

नवम्बरमास की 26 एवं 27 दिनांक को एकलव्य परिसर द्वारा **भारतीयसंस्कृतेः विकासे श्रमणपरम्परायाः योगदानम्** इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. अञ्जनकुमार घोष, कुञ्जिकाभाषणकर्ता के रूप में डॉ. अवधेश कुमार चौबे, सारस्वतातिथि के रूप में श्री एम्.नागराजु, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. श्रेयांशकुमार सिंघई उपस्थित हुए। सभा की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य आचार्य के.बि. सुब्बरायुडु ने की। इस संगोष्ठी में कुल 44

प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 37 ने शोधपत्र वाचन किया।

समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. के. राजेश्वर राव, प्रमुख सचिव मुख्यमन्त्री त्रिपुरा, सारस्वतातिथि के रूप में आचार्य अक्षयानन्द, प्रधान-आचार्य, बुद्धमन्दिर अगरतला तथा विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. सोमेश मिश्र उपस्थित थे।

संविधान दिवस

दिनांक 26.11.2015 से 30.11.2015 तक परिसर में संविधान दिवस का परिपालन किया गया जिसके समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. ए.के.नाथ, सचिव विधिमन्त्रालय त्रिपुरा सरकार, उपस्थित हुए। संविधान दिवस के अन्तर्गत परिसर में चर्चा सत्रों एवं संविधान के विषय में जागरूकता बढ़ाने से सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मातृभाषा दिवस परिपालन

दिनांक 17.02.2016 से 21.02.2016 तक एकलव्य परिसर मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में मातृभाषा में दक्षता के लिए अनेक प्रतियोगिताओं जैसे निबन्धलेखन, भाषण तथा वाद-विवाद इत्यादि का आयोजन किया गया।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्मोत्सव परिपालन

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का उनके 119वें जन्मदिवस पर एकलव्य परिसर द्वारा जनवरी मास के 23 दिनांक को उनके स्मरण स्वरूप एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

गणतन्त्र दिवस

दिनांक 26 जनवरी गणतन्त्र दिवस का आयोजन एकलव्य परिसर के निर्मीयमाण भवन के स्थल लेम्बू छेरा में किया गया। परिसर प्राचार्य आचार्य के.बि. सुब्बरायुडु द्वारा ध्वजारोहण के उपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम अगरतला स्थित वर्तमान भवन में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन शारीरिक शिक्षाध्यापक श्री राजीवघोष द्वारा किया गया।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय से प्राप्त प्रपत्र संख्या. RSKS/P.D./Function/2015-16/144 efovee[1]: 05/11/2015 kesA अनुसार एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक 02.03.2016 से 18.03.2016 तक अद्वैत-वेदान्त, ज्योतिष, मीमांसा, साहित्य, व्याकरण, न्याय इन छः शास्त्रों में शास्त्रार्थ प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया जिसमें जम्मू, हिमाचलप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, कर्णाटक, तमिलनाडु, केरल, देहली, सिक्किम राज्यों से कुल 44 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। शास्त्र विशेषज्ञों के रूप में 19 विद्वान प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित हुए जिनका विवरण इस प्रकार है -

1. अद्वैतवेदान्त - प्रो. गणेश इ. भट्ट
2. ज्योतिष - प्रो. रामचन्द्रझा
3. साहित्य - प्रो. रामकुमारशर्मा
4. व्याकरण - प्रो. हरेकृष्णमहापात्र
5. मीमांसा - प्रो. सुब्रायभट्ट,
6. मीमांसा - डॉ. सूर्यनारायणभट्ट
7. न्याय - प्रो. वसिष्ठत्रिपाठी
8. न्याय - डॉ. नवीनशर्मा
9. अद्वैत-वेदान्त - प्रो. कमलेशझा
10. अद्वैत-वेदान्त - प्रो. महाबलेश्वरभट्ट
11. साहित्य - प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति
12. साहित्य - प्रो मुरलीमाधवन
13. व्याकरण - डॉ. सी.एस.एन.मूर्ति
14. व्याकरण - डॉ. ब्रजभूषण ओझा
15. मीमांसा - डॉ. श्रीरामशर्मा
16. मीमांसा - डॉ. मणिद्रविड
17. मीमांसा - प्रो. के.इ.देवनाथन
18. न्याय - प्रो. के.इ.सुब्रह्मण्यम्
19. न्याय - प्रो. श्रीपादसुब्रह्मण्यम्

उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य के शिक्षामन्त्री श्रीतपन चक्रवर्ती, सारास्वतातिथि के रूप में अगरतला स्थित-जगन्नाथ मन्दिर के भक्तिकमल वैष्णव स्वामी जी, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। शास्त्रार्थ प्रशिक्षण वर्ग का समापन 18.03.2016 को लेम्बुच्छेरा स्थित मुख्य भवन, महिला छात्रावास एवं पुरुष छात्रावास के शिलापूजन कार्यक्रम के साथ हुआ जिसमें मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य के महामहिम राज्यपाल श्रीतथागतराय, विशिष्टातिथि श्री दिलीपदास, सारस्वतातिथि

प्रो. सीतानाथदे उपस्थित थे। समापन समारोह की अध्यक्षता स्वयं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम्माननीय कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री द्वारा की गई।

राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान

साहित्य विभाग

दिनांक 08.02.2016 को एकलव्य परिसर के साहित्य विभाग ने **संस्कृतसाहित्यस्य लोकोपयोगिता** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साहित्यशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ललितकुमार गौड उपस्थित हुए। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। अगले दिन 9 फरवरी 2016 को मुख्यातिथि द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के समन्वयक साहित्यशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी, संयोजक डॉ. कृपाशङ्कर शर्मा तथा सह संयोजन डॉ. मञ्जूठेम देव ने किया। इस संगोष्ठी में कुछ 36 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

अद्वैतवेदान्त विभाग

दिनांक 12.03.2016 को अद्वैतवेदान्त विभाग ने **वेदान्तशास्त्रस्य लोकोपयोगिता** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में शृङ्गेरीस्थ श्रीराजीव गान्धी परिसर के अद्वैतवेदान्त शास्त्र के उपाचार्य डॉ. प्रो. महाबलेश्वर पि. भट्ट एवं सारस्वतातिथि के रूप में शृङ्गेरीस्थ श्रीराजीव गान्धी परिसर के अद्वैतवेदान्त शास्त्र उपाचार्य डॉ. गणेश इ. भट्ट उपस्थित हुए। प्रो. महाबलेश्वर पि. भट्ट ने **ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या** इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन श्री अजयकुमार गन्धा ने एवं सह संयोजन श्री संबित महापात्र एवं श्रीविश्वनाथ हेगडे द्वारा किया गया। संगोष्ठी में कुल 26 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

व्याकरण विभाग

दिनांक 13.03.2016 को व्याकरण विभाग ने **कारकार्थविचारः** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जयपुर परिसर के साहित्य शास्त्र विभागाध्यक्ष **प्रो. रामकुमार शर्मा**, सारस्वतातिथि रूप में भोपाल परिसर के व्याकरण विषय के सहायकाचार्य **डॉ. ब्रजभूषण ओझा** उपस्थित हुए। प्रो. रामकुमार शर्मा ने **कर्तृकारकविचारः** इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. धनीन्द्रकुमार झा द्वारा किया गया। संगोष्ठी में कुल 20 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

धर्मशास्त्र विभाग

दिनांक 18.03.2016 को धर्मशास्त्र विभाग ने **'संस्कृतेः संरक्षणे संवर्धने च धर्मशास्त्रस्य योगदानम्'** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जयपुर परिसर की धर्मशास्त्र विभागाध्यक्षा प्रो. श्रीमती भगवतीसुदेश उपस्थित हुई। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. ललितकुमार साहु तथा सह-संयोजन डॉ. इतिश्री महापात्र द्वारा किया गया। संगोष्ठी में कुल 30 विद्वानों ने भाग लिया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

दिनांक 19.03.2016 को शिक्षाशास्त्र विभाग ने **'विद्यालयीयशिक्षायाः गुणवत्तासंवर्धने संस्कृतस्य योगदानम्'** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जयपुर परिसर के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुदेशशर्मा एवं सारस्वतातिथि के रूप में नरसिंहगढ स्थित भवनत्रिपुरा B.Ed महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रजतदे उपस्थित हुए। प्रो. सुदेशशर्मा ने **'विद्यालयीयशिक्षायाः गुणवत्तासंवर्धने संस्कृतस्य योगदान'** इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के संयोजक सचिव डॉ. पवनकुमार एवं डॉ. गौराङ्गबाघ, आयोजन संयोजक डॉ. ओमप्रकाश एवं डॉ. ऋषिराज तथा आयोजन सहसंयोजक डॉ. मन्था श्रीनिवास एवं डॉ. आर. शिवरामकृष्ण थे। संगोष्ठी में कुछ 36 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

बौद्धदर्शन विभाग

दिनांक 15.03.2016 को बौद्धदर्शन विभाग ने **'बौद्धदर्शन-सम्प्रदायानां स्वरूपम्'** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में अगरतला स्थित बुद्धमन्दिर के आचार्य भिक्षु दिव्यानन्द उपस्थित हुए। जिन्होंने पालि भाषा एवं बौद्धधर्म इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। सभा की अध्यक्षता बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के प्रो. कमलेशझा द्वारा की गई। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. धनीन्द्रकुमार झा द्वारा तथा सहसंयोजन

श्री प्रदीपकुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। संगोष्ठी में कुल 30 विद्वानों ने भाग लिया।

ज्योतिष विभाग

दिनांक 15.03.2016 को ज्योतिष विभाग ने **ज्योतिषशास्त्रस्य लोकोपयोगिता** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कामेश्वरसिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं विभागाध्यक्ष आचार्यरामचन्द्र झा उपस्थित हुए। आचार्य रामचन्द्र झा ने '**उदयान्तरसंस्कारविमर्शः**' इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य सर्वनारायण झा द्वारा की गई। संगोष्ठी का संयोजन डॉ. अरुणकुमार एवं डॉ. दीपकुमार द्वारा किया गया। संगोष्ठी में कुल 33 विद्वानों ने शोधपत्र पढ़े।

आधुनिकविभाग

(द्विदिवसीय राष्ट्रियकार्यशाला एवं विशिष्टव्याख्यान-माला)

दिनांक 19-20.03.2016 को आधुनिक विभाग ने Skill Development : An Initiative Towards make in India in 21st Century इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला एवं विशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन किया जिसका विवरण इस प्रकार है-

1. Prof. Chandrik Bose Manumdar, Dept, of Political Science – Importance of Fundamental Rights in Our Indian Constitution for Skill Development of Students – Dr. Ranjay Kumar Singh, *Political Science* – 19 March 2016.
2. Shri Suman Acharjee, RSKS, Ekalavya Campus – Pragmatical Aspect of English for Students – Shri Suman Acharjee, English – 19 March 2016.
3. Mrs. Parvin Debbarma, RSKS, Ekalavya Campus – Unicode & MS Office – Mrs. Pravin Debbarma, Computer Science – 19 March 2016.
4. Prof. Nirmal Das, Dept. of Bengali, Tripura University – Importance Of Regional Language In Skill Development – Miss. Binapani Chanda, Bengali – 20 March 2016.
5. Dr. Binod Mishra, Dept. of Hindi, Tripura University – The Importance of Hindi Language as Communicative medium and its Implication in different arena – Dr. Bramahananda Mishra – 20 March 2016.
6. Shri Rajib Ghosh, RSKS, Ekalavya Campus – Elementary Knowledge of Anatomy and Physiology (Physical Education) – Shri Rajib Ghosh, Physical Education – 20 March 2016

इस कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यामाला का संयोजन आधुनिक विभाग के सभी प्राध्यापकों द्वारा किया गया।

स्वागत एवं सौप्रस्थानिक कार्यक्रम

नवागत सदस्यों का स्वागत

- **प्रो. सच्चिदानन्दतिवारी** - दिनांक 06.08.2015 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली से एकलव्य परिसर में साहित्य विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
- **प्रो. धनीन्द्रकुमारझाः** - दिनांक 09.10.2015 लखनऊ परिसर से एकलव्य परिसर में व्याकरण विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
- **डॉ. ऋषिराजः** - दिनांक 09.10.2015 जम्मू परिसर से एकलव्य परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग में सहायकाचार्य के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **डॉ. ओमप्रकाशः** - दिनांक 09.10.2015 जयपुर परिसर से एकलव्य परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग में सहायकाचार्य के पद पर कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्री के.कुमारः** - दिनांक 19.10.2015 आन्ध्रप्रदेश से एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग में सहायकाचार्य के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्री अजयकुमारगन्धा** - दिनांक 19.10.2015 ओडिशा से एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग में सहायकाचार्य के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्रीराहुलशर्मा** - दिनांक 03.07.2015 को एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग में अनुबन्धित अध्यापक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्रीप्रदीपकुमारद्विवेदी** - दिनांक 06.07.2015 एकलव्य

परिसर के बौद्धदर्शन विभाग में अनुबन्धित अध्यापक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।

- **डॉ. रञ्जयकुमारसिंहः** – दिनांक 20.07.2015 को एकलव्य परिसर के आधुनिक विभाग में राजनीतिशास्त्र विषय में अनुबन्धित अध्यापक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **डॉ. ब्रह्मानन्दमिश्रः** – दिनांक 03.8.2015 को एकलव्य परिसर के आधुनिक विभाग में हिन्दी विषय में अनुबन्धित अध्यापक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्रीविश्वनाथहेगड़े** – दिनांक 10.08.2015 एकलव्य परिसर के अद्वैतवेदान्त विभाग में अनुबन्धित अध्यापक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **श्रीमतीञ्जूठेमदेवः** – दिनांक 19.08.2015 साहित्यविभाग में अनुबन्धाध्यापिका के रूप में कार्य प्रारम्भ किया।
- **प्रो. सर्वनारायणझाः** – दिनांक 04.02.2016 नवदेहलीस्थ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय से एकलव्य परिसर में आचार्य के.बि. सुब्बारायुडु के स्थान पर कार्यभार ग्रहण किया।

सौप्रस्थानिक कार्यक्रम

- **प्रो. रञ्जितकुमारबर्मन्** – दिनांक 10.07.2015 को एकलव्य परिसर से हिमाचल प्रदेश वेदव्यासपरिसर में स्थानान्तरित हुए।
- **डॉ. बिचित्ररञ्जनपण्डा** – दिनांक 07.11.2015 को एकलव्य परिसर से लखनऊ परिसर में स्थानान्तरित हुए।
- **डॉ. जितेन्द्रायगुरु** – दिनांक 07.11.2015 को एकलव्य परिसर से जम्मूस्थ श्रीरणवीर परिसर में स्थानान्तरित हुए।
- **प्रो. के.बि.सुब्बारायुडु** – दिनांक 08.02.2016 को एकलव्य परिसर के पूर्वप्राचार्य जम्मूस्थ श्रीरणवीर परिसर में स्थानान्तरित हुए।

10. 'सूचना का अधिकार' अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना–पत्र प्राप्त – 01

उत्तर प्रेषित – 01

5. वर्ष-2015-2016 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 माननीय कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री का अभिनन्दन समारोह

दिनांक 05.05.2015 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के नवनियुक्त कुलपति माननीय परमेश्वर नारायण शास्त्री का अभिनन्दन समारोह भोपाल परिसर में हर्षोल्लास पूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य पद पर अलङ्कृत विद्यानन्द झा महोदय का भी स्वागताभिनन्दन परिसर परिवार द्वारा किया गया।

5.2 शिक्षक-प्रशिक्षण-पाठ-लेखन राष्ट्रिय कार्यशाला

01.06.2015 से 10.06.2015 तक भोपाल परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के तत्त्वावधान में आधुनिक विषयों के पाठ लेखन हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ लेखन राष्ट्रिय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सी.आर.के मूर्ति एवं मुक्तस्वाध्यायपीठ के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने व्याख्यान तथा प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्रकुमार सिंह देव थे।

5.3 योगदिवस कार्यक्रम

'अन्तर्राष्ट्रिय योगदिवस' के उपलक्ष्य में दिनांक 21.06.2015 को भोपाल परिसर में योगदिवस कार्यक्रम समायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में आर्षगुरुकुल महाविद्यालय, होशंगाबाद के संरक्षक स्वामी ऋतस्पति ने पातञ्जलयोगसूत्र के ऊपर विशिष्ट व्याख्यान दिया। परिसरीय छात्र-प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। छात्रों के लिए आयोजित योगस्पर्धा में संजय शाक्य ने प्रथम, विशाल शर्मा ने द्वितीय, तथा आयुष दीक्षित व दीपकदाश ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

5.4 क.जे.सोमैय्या संस्कृत विद्यापीठ मुंबई में विश्वयोग दिवस का आयोजन

इस परिसर मे दिनांक 21.06.2015 को विश्वयोग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 10 बजे परिसरीय छात्रों ने योगासन प्रतियोगिता का आयोजन कियाा। कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य प्रो. एम. चन्द्रशेखर ने सबको सम्बोधित किया।

5.5 16वां विश्वसंस्कृतसम्मेलन

16वां विश्वसंस्कृत सम्मेलन थाइलैण्ड के बैंकांक शहर में 28.06.2015 से 02.07.2015 तक चला। 60 देशों के 642 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने सम्मेलन में भाग लेने के लिए 26 विद्वानों को भेजा, उद्घाटन समारोह में भारत सरकार की विदेशमन्त्री श्रीमती सुषमा स्वराज और सयाम् वरोम राजकुमारी महाचक्री सिरिन्धोन उपस्थित थी। इस सम्मेलन का प्रथम वाक्य "वसुधैव कुटुम्बकम्" था, यह वाक्य यह मेरा है, यह मेरा नही है, इस भाव को दूर

करता है और हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं, इस भाव को जगाता है, और यह संस्कृत भाषा अतीव शुद्ध और ज्ञान विज्ञान से युक्त है। फिर भी केवल यह कहने मात्र से ही नही सिद्ध होगा, प्रतिदिन व्यवहार अर्थात् बोलचाल में भी संस्कृत भाषा का प्रयोग करना चाहिए, तभी संस्कृत भाषा का महत्त्व और उसमें निहित तत्त्व जन जन तक फैलेगा, इस प्रकार से माननीया श्रीमती सुषमा स्वराज, विदेश मंत्री, भारत सरकार का विशिष्ट व्याख्यान समुद्घाटन समारोह में हुआ।

पाँच दिन तक चले इस सम्मेलन में वेद, रामायण, महाभारत, पुराण, आगम, तन्त्रम्, भाषाविज्ञान, व्याकरण, काव्यसाहित्य, नाटकसाहित्य, बौद्धसाहित्य, जैनसाहित्य, दर्शन, इतिहास, कलासाहित्य, योगशास्त्र, आयुर्वेद, हस्तलेखन शास्त्र, नाट्यशास्त्र, वेदगणित, दूरस्थशिक्षा, इत्यादि विषय को लेकर 800 से अधिक शोध पत्रों को भारतीय विद्वानों और पाश्चात्य विद्वानों ने अनेक सत्रों में प्रस्तुत किया।

इस सम्मेलन में बंगलूरु में स्थित स्वामी विवेकानन्द योगानुसन्धान संस्था के माननीय कुलपति डॉ. जि. रामचन्द्रभट्ट की अध्यक्षता में परम्परागत पद्धति से परम्परापद्धत्या शब्दार्थसम्बन्धविमर्श:" और "प्रमाणमीमांसा" इन दो विषयों पर विद्वानों ने चर्चा की, शास्त्र की रक्षा में प्राणभूत शास्त्रचर्चा के महत्त्व को पाश्चात्य विद्वानों ने भी जाना। उज्जैन में स्थित संस्कृत एव वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी के अध्यक्षता में कवि गोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें विश्व के प्रसिद्ध कवियों ने स्वरचित कविताओं को सुनाया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यपीठ से प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शिनी मुक्त स्वाध्यायपीठ के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय के निर्देशन में लगायी गई।

समापन समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृताध्ययनसमवाय के अध्यक्ष प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री के अध्यक्षता में, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री और डॉ. चिरापत्प्रपण्डविद्या मञ्च में विद्यमान थे। प्रो. कुटुम्बशास्त्री ने कहा कि इस सम्मेलन मे युवा विद्वानों ने शास्त्रचर्चाओं को किया, इसलिये अगामी सम्मेलनों में भी शास्त्र चर्चाओं का आयोजन हो और यह भी कहा कि परिसरों मे योग और आयुर्वेद एव विश्वशान्ति के विषय में हमें अनुसन्धान करने की जरुरत है। इसी विषय को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने भी जोर देकर कहा।

5.6 विशिष्ट संस्कृत सेवा सम्मान (26.08.2015 - 01.09.2015)

डॉ. अम्बाकुलकर्णी (2015)

महोदया वर्तमान में हैदराबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में उपाचार्य पद पर कार्य कर रही है, इन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सङ्गणकीय संस्कृत विज्ञान पर (Sanskrit Computational Langustics) विशिष्ट कार्य किया। इन्होंने 2010 में हैदराबाद विश्वविद्यालय से प्रायोगिक भाषा विज्ञान में (Applied Linguistics) पी.एच.डी. किया है, इनको 2015 का विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

श्री के. लक्ष्मीनरसिंहन

ये मूलत: विज्ञान के छात्र रहे इन्होंने तमिलनाडु के सेमल में स्थित राजकीय अभियान्त्रिक महाविद्यालय अभियान्त्रिक शास्त्र में उपाधि प्राप्त की, 22 वर्ष इन्होंने इस क्षेत्र में कार्य किया। फिर एक वर्ष ब्रिटेन में प्रयोजनाधिकारी इस पद में भी काम किया, तत्पश्चात 2015 अक्टूबर में सबकुछ छोड़कर संस्कृत सेवा में लग गये।

डॉ. जयन्तकुमार दीर्घाङ्गी

ये मूलत: चिकित्सक है, इनका जन्म स्थान पश्चिम बङ्गाल में हुआ। इन्होंने, एम. डी.एफ.ए.सी.ओ.जी., एफ.ए.सी.एस.एफ.आई.पी.एस इन उपाधियों को प्राप्त किया। ये अमेरिका में प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विशेषज्ञ रुप में चिकित्सा शास्त्र में कार्य किया। इन्होंने ये सब कुछ करते हुए वैदिक विधि के अनुसार नित्य अग्निहोत्र और सोमयागी है।

5.7 संस्कृत सप्ताह आयोजित

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनाङ्क 26.08.2015 से 01.09.2015 तक संस्कृत सप्ताह का उल्लास पूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन समारोह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ साहित अन्य संस्कृत के प्रतिष्ठित संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में दि. 26.08.2015 को मावलंकर प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्यातिथि राष्ट्रिय कौशल विकास निगम के अध्यक्ष श्री एस्. रामदुरई, सारस्वतातिथि अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे तथा अध्यक्ष संस्कृति मन्त्रालय के राज्यमन्त्री

डॉ. महेश शर्मा थे। इस कार्यक्रम में संस्कृतेतर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न विद्वानों डॉ. अम्बाकुलकर्णी महोदय, श्री के. लक्ष्मीनरसिंहन् तथा डॉ. जयन्त कुमार दीर्घाङ्गी को विशिष्ट सेवाव्रति सम्मान से सम्मानित किया गया। दिनांक 27.08.2015 से 01.09.2015 तक संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्थान मुख्यालय में महाविद्यालय विद्यालय और स्तर पर विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें-सुभाषित कण्ठपाठ, स्तोत्रपाठ, भाषण स्पर्धा, शिवमहिम्न स्त्रोत, निबन्ध लेखन, विद्वत्समवाय समायोजन, ध्रुव बैंड द्वारा संस्कृत गान प्रस्तुति रही। इस समारोह में दिल्लीस्थ विभिन्न संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।

दिनांक 01.09.2015 को पुरस्कार प्रदान तथा सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पूर्वकुलपति प्रो. वी. कुटुम्बशास्त्री तथा अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री महोदय रहे। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

5.8 सदाशिव परिसर शिक्षक दिवस

परिसर में 05.09.2015 को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम मे परिसर के सभी अध्यापकों ने भाग ग्रहण किया। विशिष्ट व्याख्यान माला 14.09.2015 को सम्पन्न हुई। 14.09.2015 से लेकर 30.09.2015 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। संविधान दिवस का समायोजन डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयन्ती के अवसर पर 26.11.2015 से आरम्भ होकर 30.11.2015 तक आयोजन हुआ। प्रो. विजयपाल कछा का आचार्य रूप में स्थानान्तर जम्मू से इस परिसर में 13.10.2015 को किया गया। इस क्रम में प्रो. सोहन लाल पाण्डेय का जयपुर परिसर से इस परिसर में स्थानान्तरण 28.11.2015 को किया गया।

फरवरी 2015 मे पुराणेतिहास विभाग ने (रामायणे शास्त्रगततत्वानि) इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी पर विशिष्ट चर्चा हुई, इसी महीने ही "पुराणेषु ब्रह्मतत्त्व विमर्श" इस शीर्षक पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन हुआ, फरवरी महीने में ही व्यासपीठ समिति के तरफ से छात्रों और विद्वानों के लिए भागवतामृतम् शोध पत्रिका दी गई। दिनांक 30.07.2015 को व्यास जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। सितम्बर महीने में भागवत जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। दिनांक 19.11.2015 को श्रीमद्भागवतमहापुराण का परायण और पूजन किया गया। इस समारोह में भागवत् के विशिष्ट विद्वान स्वामी व्रजेन्द्रनन्दनदाश ने श्रीमद्भागवत के ऊपर विशिष्ट व्याख्यान दिया। दिसम्बर महीने में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित (महाभारते शास्त्रतत्त्वानि) इस शीर्षक पर दो दिवसीय चर्चा का आयोजन किया गया।

दिनांक 23.12.2015 को गीता जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

5.9 5वां दीक्षान्त समारोहः

रा.सं.सं. का 5वां दीक्षान्त समारोह दिनांक 30.09.2015 को जवाहर लाल नेहरू क्रीड़ा प्राङ्गण भारोत्तालन प्रेक्षागृह में हुआ। इसा समारोह में भारत सरकार में मानव संसाधन विकास मन्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलाध्यक्षा श्रीमती स्मृति ईरानी अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने दीक्षान्त भाषण दिया। संस्कृतभाषा सभी भाषाओं की जननी है, इस भाषा में ऋषियों के तपोबल से प्राप्त ज्ञान राशी विद्यमान है, वेद पुराण, शास्त्र और सर्वसमता भाव और विश्वशान्ति का उपदेश देती है। यही भाषा कहती है कि "विश्वं भवत्येकनीडम्" अर्थात् जहाँ पर सम्पूर्ण विश्व एक है, "मा गृधः कस्यस्विद्धनम्" सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग भवेत् इस प्रकार वेद कहता है इन प्रमुख विषयों पर श्रीमती स्मृति ईरानी ने अपने भाषण में कहा। ऋषियों के निरन्तर तपस्या से यह हमारी ज्ञानराशी और शास्त्र परम्परा आज भी जीवित है, आज यह महत्वपूर्ण दिन है, कि आज आप सब अपनी दीक्षा को पाकर समाज में जायें इसलिए आपका स्वागत है, संस्कृत भाषा लोकभाषा थी यह "प्रयुक्तानाम् अन्वाख्यानम् इदं व्याकरणम्" इस कथन से ज्ञात होता है। काव्यसाहित्य में प्रयुक्त शब्दों का अन्वख्यान व्याकरण नही होता

अपितु व्यवहार में अर्थात् लोक में विद्यमान शब्दों का अन्वाख्यान व्याकरण करता है। संस्कृत भाषा ही राष्ट्रभाषा होनी चाहिए, ऐसा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था। इस वैज्ञानिक युग में संस्कृत भाषा में विद्यमान नवीन तथ्यों का अन्वेषण बहुत अपेक्षित है, तभी हम सब आगे बढ़ेगे, इस प्रकार भारत सरकार की मानव संसाधन विकास मंत्री श्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा। दीक्षान्त समारोह में वेद विषय के मर्मज्ञ श्री हृदयरञ्जन और वेद व्याकरणदि शास्त्रों मे निष्णात श्री एस. नागराज महोदय को 'महामहोपध्याय' यह उपाधि दी गई। इस समारोह में प्रबन्ध परिषद् के सदस्य और विद्वत परिषद् के सदस्य उपस्थित थे। संस्थान के सम्पूर्ण परिसरों के छात्रों ने स्नातक, विद्या वादिरि उपाधि को प्राप्त किया।

5.10 स्थापना दिवस

दिनांक 15.10.2015 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 46वां स्थापना दिवस संस्थान के मुख्यालय मे बहुत ही उल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय परम्परा के अनुसार दीपप्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि रूप से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय इन तीन विश्वविद्यालयों के भूतपूर्व कुलपतियों में वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री मुख्यातिथि, सारस्वतातिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र मिश्र उपस्थित थे। प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री ने कहा कि संस्कृत के विकास में शिक्षा में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान है, और विश्व में संस्थान ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

5.11 आठवां युवा महोत्सव उल्लासपूर्वक सम्पन्न

संस्थान का आठवां युवा महोत्सव दिनांक 30.10.2015 से 02.11.2015 तक हिमाचल में स्थित वेदव्यास परिसर में आयोजित किया गया। इस युवा महोत्सव में साहित्य- सङ्गीत-कला-क्रीडादि स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने उत्साह सहित भाग लिया। युवा महोत्सव के उद्घाटन सत्र में परागपुर ग्राम में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। ध्वजोत्तोलन के बाद उद्घाटन सत्र में संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री, होशियारपुरस्थ आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश उपाध्याय सारस्वतातिथि तथा जनार्दन हेगडे महोदय ने विशिष्ट अतिथि पद को अलङ्कृत किया। साथ ही परिसर के प्राचार्य भी मञ्चासीन थे। वेदव्यास परिसर के प्राचार्य प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय ने पुष्प गुच्छों से अतिथियों का स्वागत किया।

प्रसिद्ध योगविज्ञानी प्रो. ओमप्रकाश उपाध्याय ने कहा-कि हमारे पूर्व ऋषियों ने शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग का अन्वेषण किया इसलिये शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। विशिष्टातिथि ने कहा कि शैक्षिक अभ्यास के साथ शारीरिक अभ्यास की भी आवश्यकता है। तथा ऐसे महोत्सव के आयोजन से मन प्रफुल्लित होता है। कार्यक्रमाध्यक्ष प्रो. पी.एन. शास्त्री ने कहा कि वेद कहता है कि - 'युवा स्यात्

सुयुवाध्यायकः आशिष्टो दृढिष्ठो बलिष्ठः'। अतः हमारा शरीरिक मानसिक विकास अपेक्षित है शारीरिक और मानसिक विकास ऐसे स्पर्धाओं में भाग ग्रहण करने से होता है। सत्र के अन्त में वेदव्यास परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. पी.वी.वी. सुब्रह्मण्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस तीन दिनों के उत्सव में विभिन्न प्रकार की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिनमें सांस्कृतिक स्पर्धाओं में एककसंगीत, शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, अभिनय तथा चित्रकला स्पर्धाओं में आशुचित्रण, भित्तिपत्र निर्माण, व्यङ्ग्य चित्र निर्माण तथा रङ्गवल्ली चित्रण का आयोजन किया गया। शैक्षिक स्पर्धाओं में कण्ठ-पाठ, वादविवाद, सङ्गणकीय स्पर्धा तथा स्फूर्ति स्पर्धा आयोजित हुई। इस प्रकार शारीरिक स्पर्धाओं खो-खो, कबड्डी, हस्तकन्दुक, धावन, कूद, कुन्तक्षेपण, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, योगासन इत्यादि स्पर्धाएं हुई।

दिनांक 02.11.2016 को अपराह्न युवा महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन समारोह में हिमाचल के महामहिम राज्यपाल डॉ. वेदव्रह्म मुख्यातिथि थे। युवा महोत्सव के स्पर्धाओं में शृङ्गेरी स्थित राजीवगान्धी परिसर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

5.12 द्विदिवसीया राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी

"समसामायिकसन्दर्भे वेदोदितनैतिकावधारणा" इति विषय पर 19-20 नवम्बर 2015 को द्विदिवसीया राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन वेद विभाग के द्वारा आयोजित हुई, इस संगोष्ठी का उद्घाटन रा.सं.सं. के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री के अध्यक्षता में एवमेव जम्मू राज्य के उपमुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह मुख्यातिथि रुप में, इसी प्रकार प्रो. दयानन्द भार्गव के विशिष्टातिथित्व में, युगलकिशोर मिश्र के सारस्वतातिथित्व में और वेदविभागाध्यक्ष प्रो. मनोजमिश्र के मुख्य संयोजन में हुआ।

5.13 पालि प्राकृत परियोजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के योजनाओं के अन्तर्गत संचालित पालि-प्राकृत योजना में दिनांक 4-6 दिसम्बर 2015 को आयोजित राष्ट्रीय पालि-प्राकृत संगोष्ठी के बारह सत्रों में विभिन्न विश्वविद्यालयों से तथा स्थानीय लगभग 90 विद्वानों ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्घाटन संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ तथा समापन के अवसर पर श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय के मुख्य-आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। पालि एवं प्राकृत विषयों के प्रमुख विद्वानों प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, प्रो. सी उपेन्द्रराव, प्रो. के टी एस सराव, प्रो. जानकीप्रसाद द्विवेदी, प्रो. उमाशंकर व्यास, प्रो. प्रद्युम्न दुबे, प्रो. सुदीप जैन, प्रो. रामजी राय, प्रो. संघसेन सिंह, प्रो. धर्मचन्द्र जैन, प्रो. राजाराम जैन आदि की उपस्थिति से यह संगोष्ठी गरिमामय रही।

5.14 लखनऊ परिसर में आयोजित कार्यक्रम

द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 08.12.2015 से 09.12.2015 तक व्याकरण शास्त्र विषय पर (वैयाकरणभूषणसारस्य समालोचनम्) इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। इस कार्यक्रम मे मुख्यातिथि के रूप में प्रो. आजादमिश्र (भूतपूर्व प्राचार्य) उपस्थित थे। अध्यक्षता प्रो. सुरेन्द्र पाठक परिसर प्राचार्य ने किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. कमलेश झा (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) उपस्थित थे। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. अशोककुमार कालिया (भूतपूर्व कुलपति संम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी) विद्यमान थे और यह समापन समारोह परिसर प्राचार्य के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

एकदिवसीय वास्तुशास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी

ज्योतिष विभाग ने दिनांक 15.12.2015 को "वर्तमानसन्दर्भे वास्तुशास्त्रस्य प्रासङ्गिता" इस विषय को लेकर एकदिवसीय वास्तुशास्त्रीय राष्ट्रिय संगोष्ठी आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र में प्रो. वृजेश कुमार शुक्ल उपस्थित थे। विशिष्टातिथि के रूप में श्री जयप्रकाश त्रिपाठी ने (I.A.S.) संगोष्ठी को अलंकृत किया।

समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में श्री ओमप्रकाश पाण्डेय (पूर्व सचिव, महर्षि सान्दीपनी वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन) विद्यमान थे। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम परिसर प्राचार्य के अध्यक्षता में हुआ।

एकदिवसीय साहित्य शास्त्रीय संगोष्ठी

इस परिसर में दिनांक 17.12.2015 को "संस्कृतवाङ्मये साहित्यविद्या साहित्यिकप्रस्थानानि च" इस विषय को लेकर एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित हुई। इसका उद्घाटन मुख्यातिथि के रूप में आये प्रो. राकेशचन्द्रा (पूर्वसंकायाध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय) ने किया। सारस्वातिथि के रूप में प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य थे।

समापन समारोह मे मुख्यातिथि के रूप में प्रो. आजाद मिश्र उपस्थित थे। डॉ. गजाला अंसारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

एकदिवसीय शिक्षाशास्त्र संगोष्ठी

शिक्षाशास्त्र विभाग ने 'भारतीयशिक्षाया: आदर्शस्वरूपम्' इस विषय पर दिनांक 22.12.2015 को एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया।

एकदिवसीय वेद संगोष्ठी

वेद विभाग ने "दर्शपौर्णमासस्य वैज्ञानिकचिन्तनम्" इस विषय पर दिनांक 23.12.2015 को एकदिवसीय राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी वेद विभागीय अध्यापक और छात्र उपस्थित थे, विभागीय अध्यापकों और छात्रों ने और शोध पत्र वाचन किये। इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता श्री ओमप्रकाश पाण्डेय थे।

5.15 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

सम्पूर्ण देश में शैक्षिक सत्र 2015-16 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के 463 केन्द्रों में 13890 अध्येताओं ने लाभ लिया। इस वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

5.16 54वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अध्ययन किये हुए विषयों को दृढ़ करने के लिए और शास्त्र के रक्षण के लिए प्रत्येक साल सम्पूर्ण राष्ट्र स्तर पर शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष 54वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय में दि. 30.12.2015 से 02.01.2016 तक हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन 30.12.2015 को हुआ, इस अवसर पर मुख्यातिथि के रुप में तिरुमल तिरुपति देवस्थान के कार्यनिर्वहण अधिकारी डॉ. डी. साम्बशिवरत्व, विशिष्टातिथि के रूप में तिरुपति मे स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति आचार्य हरेकृष्ण शतपती और सारस्वातिथि के रूप में श्री वेकेटेश्वर वेद विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य का. ई. देवनाथन उपस्थित थे।

अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में राज्य स्तर मे चयनित 23 राज्यों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किया और विषयों में भाषण स्पर्धा, आठ विषयों में शलाका कण्ठपाठ, शास्त्रार्थ विचार, समस्यापूर्ति, अक्षरश्लोकी, वेदपाठ स्पर्धा, इत्यादि

मिलाकर 29 स्पार्धाओं का आयोजन हुआ। प्रत्येक स्पर्धाओं में विजयी छात्रों ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार रूप से स्वर्ण, रजत, कास्य पदक प्राप्त किये। सभी प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक पुरस्कार को प्राप्त करके कर्णाटक के प्रतिभागियों ने विजय वैजयन्ती प्राप्त किये।

इस कार्यक्रम का पुरस्कार प्रदान समारोह 2.1.2016 को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में चेन्नई में स्थित 'ऐम फार सेवा' इस संस्था के कार्यों को देखने वाली श्रीमती शीला बाला जी, सारस्वतातिथि रूप से जयपुरस्थ श्री जगदशुभा रामानन्दचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति आचार्य के.वि. रामकृष्णमाचार्य, विशिष्टातिथि के रूप में तिरूपतिस्थ श्री वेङ्कटेश्वरवेदविश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य का.ई. देवनाथन, अध्यक्ष रूप से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री विद्यमान थे। अतिथियों ने विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया।

5.17 द्वितीय अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस आयोजित

संस्थान में दिनांक 21.06.2016 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

5.18 तेरहवां संस्कृत नाट्य महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अन्तः परिसरीय नाट्यस्पर्धारुप तेरहवां संस्कृत नाट्य महोत्सव केन्द्रीय विद्यालय के राधाकृष्णन् सभागार में दि. 24.02.16 से 26.2.2016 तक आयोजित किया गया। इस उत्सव के उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि विश्रुत संस्कृतमनीषि विद्वान् एच.वी. नागराजराव, सारस्वत अतिथि, श्री ला.बा.रा.सं. विद्यापीठ के कुलपति, प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय तथा अध्यक्ष संस्थान के कुलपति, प्रो. पी. एन. शास्त्रि रहे। इस उत्सव में 11 प्रहसन रूपकों की प्रस्तुति की गई।

24.02.16 को उपराह्ण में श्री रणवीर परिसर द्वारा 'लटकमेलक', एकलव्य परिसर द्वारा 'वञ्चकपञ्चक' तथा वेदव्यास परिसर द्वारा कुहनाभैक्षव प्रहसनों का मञ्चन किया गया।

दिनांक 25.02.2016 को गङ्गनाथझा परिसर द्वारा मृदङ्गदासप्रहसन, लखनऊ परिसर द्वारा स्नुषा-विजय, सदाशिव परिसर द्वारा-हास्यार्णव प्रहसन, जयपुर परिसर द्वारा पलाण्डुमण्डन, तथा मत्तविलासप्रहसन गुरुवायूर परिसर द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दिनांक 26.02.2016 को मुम्बई परिसर द्वारा विवाहविडम्बन, भोपाल परिसर द्वारा हास्यचूडामणि, तथा राजीवगान्धी परिसर द्वारा भवगवदज्जुकीयम् का अभिनय किया गया।

दिनांक 26.02.2016 को सायंकाल संस्कृत नाट्यमहोत्सव का समापन समारोह आयोजित हुआ। समापन कार्यक्रम में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र मुख्यातिथि, एन.एम.के.आर.वी. महिला महाविद्यालय के पूर्व संस्कृतविभागाध्यक्ष प्रो. एस.आर. लीला सारस्वत अतिथि तथा संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्रि ने अध्यक्ष पद को अलङ्कृत किया। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ इस कार्यक्रम के संयोजक रहे।

नाट्योत्सव में गुरुवायूरपरिसर, क.जे. सोमय्या परिसर तथा राजीवगान्धी परिसर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री अनुपम गर्ग (भोपाल परिसर) सर्वोत्तम अभिनेता तथा सुश्री प्रियङ्का शर्मा सर्वोत्तमा अभिनेत्री रहीं।

5.19 सातवां युवा महोत्सव सम्पन्न

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विशिष्ट कार्यक्रमों में अन्तःपरिसरीय युव महोत्सव विशेष है। सातवां अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव शृङ्गेरीस्थ राजीवगान्धी परिसर में सम्पन्न हुआ। इस महोत्सव में संस्थान के ग्यारह परिसरों से आये छात्रों ने उत्साहपूर्वक, सांस्कृतिक-क्रीडा तथा शैक्षिक स्पर्धाओं में भाग लिया। युवा महोत्सव की शोभायात्रा में विभिन्न परिसरों से आये छात्रों ने अपने-अपने राज्यों के संस्कृति के अनुरूप वेषभूषा में भाग लिया। तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में शृङ्गेरीस्थ राजीवगांधी परिसर अधिक अंक प्राप्त कर विजयी रहा। द्वितीय स्थान जयपुर परिसर को तथा तृतीय स्थान वेदव्यास परिसर को मिला।

5.20 स्वच्छता अभियान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में बहुत ही मनोयोग से स्वच्छता अभियान सप्ताह आयोजित किया गया।

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2015 से 31.03.2016)

1.	(क)	सुखबीर सिंह सन्धू, कुलपति (प्र.) संयुक्त सचिव (भाषाएँ)	अध्यक्ष (01.04.2015 से 28.04.2015)
	(ख)	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष (29.04.2015 से 31.03.2016)
2.	(क)	प्रो. अशोक कुमार कालिया "श्रीनिवास" बी-1/19, कल्याण-विहार (सैक्टर 'के') अलीगंज, लखनऊ-226024	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (01.04.2015 से 14.01.2016)
	(ख)	प्रो. विश्व मूर्त्ति शास्त्री सेवानिवृत प्रो. एवं प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर, जम्मू	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (15.01.2016 से 31.03.2016)
3.	(क)	प्रो. राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति, सनराईज विला (नजदीक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल) लोअर समर हिल, शिमला-171005	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (01.04.2015 से 14.01.2016)
	(ख)	श्री चमू कृष्ण शास्त्री वरिष्ठ सहायक (भाषा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (15.01.2016 से 31.03.2016)
4.	(क)	प्रो. श्रीपति त्रिपाठी न्यू क्वार्टर-7, श्यामबाग, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, जिला दरभंगा, बिहार	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (01.04.2015 से 14.01.2016)
	(ख)	प्रो. सीतानाथ डे वेद श्रीराम नगर, कमरा न. 05, पोस्ट-रामनगर, अगरतला (त्रिपुरा)	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (15.01.2016 से 31.03.2016)

क्रमशः....

5.	(क)	प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति (आ.प्र.)	सदस्य (केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित) (01.04.2015 से 14.01.2016)
	(ख)	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, एस.एल.बी.एस.आर.एस.वी. नई दिल्ली-16	सदस्य (केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित) (15.01.2016 से 31.03.2016)
6.	(क)	डाइरेक्टर (भाषा)/डिप्टी डाईरेक्टर (भाषा) भाषा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग शास्त्री भवन, नई दिल्ली-01	सदस्य (एक्स-ऑफिको) (01.04.2015 से 14.01.2016)
	(ख)	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (एक्स-ऑफिको) (15.01.2016 से 31.03.2016)
7.		संयुक्त सचिव (वित्त परामर्शदाता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (एक्स-ऑफिको) (15.01.2016 से 31.03.2016)
8.	(क)	डा. एन.आर्. कण्णन् प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) राजीव गांधी परिसर, मेनसे श्रृंगेरी-577139 जि-चिकमंगलूर (कर्नाटक)	सदस्य (1.04.2015 से 25.04.2015)
	(ख)	प्रो. आर. देवनाथन् प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर, जम्मू	सदस्य (26.04.2015 से 31.03.2016)
9.	(क)	प्रो. पी.एन. शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (म.प्र.)	सदस्य (01.04.2015 से 25.04.2015)
	(ख)	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (26.04.2015 से 31.03.2016)

10. (क)	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधी परिसर, मेनसे, श्रृंगेरी-577139 जिला चिकमंगलूरु (कर्णाटक)	सदस्य (01.04.2015 से 25.04.2015)
(ख)	प्रो. के.बी. सुब्बारायडु प्रो. (अद्वैत वेदान्ता), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	सदस्य (26.04.2015 से 31.03.2016)
11. (क)	प्रो. अर्क नाथ चौधरी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर	सदस्य (26.04.2015 से 12.07.2015)
(ख)	प्रो. च.ल.न. शर्मा प्रो. (शिक्षा-शास्त्र) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरला)	सदस्य (15.09.2015 से 31.03.2016)
12. (क)	डॉ. गोपी रमण मिश्र परीक्षा नियन्त्रक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	विशेष आमन्त्रित (01.04.2015 से 30.10.2015)
(ख)	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा परीक्षा नियन्त्रक (प्रभारी), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	(01.11.2015 से 31.3.2016)
13. (क)	डा. बिनोद कुमार सिंह कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सचिव (01.04.2015 से 14.12.2015)
(ख)	प्रो. एस. सुब्राह्मण्यम शर्मा प्रभारी-कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	सचिव (16.12.2015 से 31.03.2016)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2016 के अनुसार)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110 058 संकायाध्यक्ष	अध्यक्ष
2.	प्रो. सीएच. लक्ष्मी नारायण शर्मा संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, पोस्ट आफिस-पुरानाटुकरा, जिला-त्रिचूर-680551 (केरला)	सदस्य
3.	प्रो. वासु देव शर्मा संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
4.	प्रो. विजय कुमार जैन संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.)	सदस्य
5.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)	सदस्य
6.	प्रो. राम लखन पाण्डेय संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)	सदस्य

क्रमशः....

7. प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. श्रृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटका)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

9. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द — सदस्य
संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. श्रृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

10. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
एकलव्य परिसर, फटीकचकरा,
वाया-कमालघाट, अगरतला,
पश्चिम त्रिपुरा - 799 210

11. प्रो. सर्वनारायण झा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, ज्योतिष,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

12. प्रो. सुदर्शन पाठक — सदस्य
संकायाध्यक्ष, व्याकरण
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर

13. प्रो. वैद्यनाथ झा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, न्याय
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

14. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

15. प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघाई — सदस्य
संकायाध्यक्ष, जैन दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

16. प्रो. शैलकुमारी मिश्रा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

17. डॉ. मिनति रथ — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

18. प्रो. एस.वी. भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, मीमांसा
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

19. प्रो. सुशान्त कुमार सेनापति — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सर्व दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

20. प्रो अवधेश कुमार चौबे — सदस्य
संकायाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्रा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, वेद
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

22. श्री एस.वी. रमणमूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

23. डॉ. अर्चना दूबे — सदस्य
संकायाध्यक्ष, हिन्दी
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

24. श्री अशोक कुमार मीना — सदस्य
संकायाध्यक्ष, संख्ययोग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

25. प्रो. हरी नारायण तिवारी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जम्मू परिसर, (जम्मू और काश्मीर)

26. प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

27. प्रो. मदन मोहन पाठक — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

28. प्रो. राम कुमार शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

29. प्रो. विजय पाल शास्त्री — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर, ग्राम गरली, प्रो.ओ. प्रागपुर,
तहसील देहरा, जि. कांगड़ा-177 108 (हि.प्र.)

30. प्रो. भारत भूषण मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

31. प्रो. श्रीधर मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

32. प्रो. ललित कुमार साहू — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
अगरतला परिसर, त्रिपुरा

33. प्रो. सूर्यमणि रथ — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

34. प्रो. मदन मोहन झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

35. डॉ. राजन ई.एम. — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

36. डॉ. प्रभा आर. — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

37. डॉ. एस. सुब्रामणयम् शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

38. डॉ. ई.पी. श्रीदेवी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

39. डॉ. जयप्रकाश नारायण — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

40. डॉ. सानन्दन कुमार त्रिपाठी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

41. प्रो.(श्रीमति) इंदुमति कात्रे — सदस्य
पुनरुथान विद्यापीठ
ज्ञानम 9-बी, आजार्द पार्क
जंधोर बाजार, कंकरीया,
अहमदाबाद-380028

42. प्रो. मुरलीधर शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति-517507

43. आचार्य गाजानज भट्ट — सदस्य
सेवानिवृत प्राचार्य
श्रीमति वैदिक संस्कृत कॉलेज,
उपचागी, पो. यालपुर-टीक्यू. एन.के.
जिला-कर्नाटक

44. प्रो. एच-वी. नागराज राव
45. प्रो. हरे राम त्रिपाठी
46. प्रो. उपेन्द्र राव

41. कुलसचिव — सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2016 के अनुसार)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा "सन्निधानम्" 483, बैरागीपथेडा, तिरुपति-517501	सदस्य
3. i.	प्रो. अशोक कुमार कालिया (01.04.2015 से 17.02.2016) बी-I/19, सेक्टर-के, अलीगंज, लखनऊ यू.पी.-226024	सदस्य
ii.	प्रो. हरे राम त्रिपाठी (18.02.2016 से 31.03.2016) डीन, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	सदस्य
4.	श्रीमती गीतिकना सूर 3/73, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.)	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (संस्कृति एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य
6.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य
7.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2016 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. शैल कुमारी मिश्रा	प्राचार्य (का.)	साहित्य
2.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. विश्वम्भर नाथ गिरि	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. सुब्राय वी. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
6.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायक आचार्य	पुराणेतिहास
10.	डॉ. रामजी पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायक आचार्य	व्याकरण

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	आचार्य	नव्यव्याकरण
4.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
5.	प्रो. विमल प्रसाद महान्ति	आचार्य	शारीरिक शिक्षा
6.	प्रो. श्रीमती मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य	सर्वदर्शन

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
9.	प्रो. श्रीमती गौरप्रिया दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	डॉ. सी.एच.एन.वी. प्रसाद राव	उपाचार्य	अद्वैतवेदान्त
11.	डॉ. के. रघुनाथन	उपाचार्य	सर्वदर्शन
12.	डॉ. उदयनाथ झा	उपाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. श्रीमती निर्मला पाणिग्रही	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. शम्भुनाथ महालीक	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
17.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सह-आचार्य	अद्वैतवेदान्त
18.	डॉ. वी.पी. श्रीनिवास	सह-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सह-आचार्य	नव्य व्याकरण
20.	डॉ. बी.के. निर्मल	सह-आचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सह-आचार्य	साहित्य
22.	डॉ. महेश झा	सह-आचार्य	नव्यन्याय
23.	डॉ. गणपति शुक्ल	सह-आचार्य	नव्यन्याय
24.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सह-आचार्य	सांख्ययोग
25.	डॉ. मखलेश कुमार	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
26.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सह-आचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. श्रीमती राधामणि प्रतिहारि	सह-आचार्य	पुराणेतिहास
28.	डॉ. श्रीमती केतकी महापात्र	सह-आचार्य	हिन्दी
29.	डॉ. नृसिंह चरण साहु	सह-आचार्य	उड़िया
30.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
31.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सह-आचार्य	इतिहास
32.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सह-आचार्य	नव्यव्याकरण

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रामानुज देवनाथन	प्राचार्य	
2.	डॉ. मनोज कुमार मिश्र	प्रोफेसर	वेद
3.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	एसो. प्रोफेसर	व्याकरण

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
4.	श्री शरत्चन्द्र शर्मा	एसो. प्रोफेसर	अंग्रेजी
5.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्र	एसो. प्रोफेसर	फलित ज्योतिष
6.	डॉ. जगदीश राज शर्मा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. नागेन्द्र नाथ झा	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. विजय पाल कच्छवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. चन्द्रमौलि रैना	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
10.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. निर्मल गुप्ता	सहायकाचार्य	डोगरी
12.	डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. रामदास संगोत्रा	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
14.	डॉ. सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्व-दर्शन

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा	प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो.सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
3.	डॉ. ए. प्रसन्ना उन्नित्तान	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	प्रो. पी.सी. मुरलीमाधवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
7.	डॉ. के. कृष्णन् नम्बूतिरि	सहाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. ई. एम. राजन	सहाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. पी. इन्दिरा	सहाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. सि. शान्ता	सहायकाचार्या	साहित्य
12.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	प्रोफेसर	साहित्य
13.	डॉ. आर्.प्रतिभा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
15.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	न्याय
16.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य	न्याय
17.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
18.	डॉ. के. के. षैन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा शास्त्र
19.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
20.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
21.	डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
22.	श्रीमती के.ए. जेस्सी (मलयालम)	सहायकाचार्य	आधुनिक
23.	प्रो. के.पी. केशवन	आचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
24.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
25.	डॉ. ललिता चन्द्रन	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. कमलचन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
6.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
8.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
9.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
10.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
11.	डॉ. हरीशचन्द्र तिवाड़ी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
12.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
13.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
14.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
15.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
16.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम् कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
17.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. फतह सिंह	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
20.	प्रो. वाई.एस्.रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
25.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
26.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
27.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्र. प्राचार्य	
2.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	सह-आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	साहित्य
8.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायक आचार्य	साहित्य
10.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
11.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
12.	प्रो. विजय कुमार जैन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्धदर्शन
13.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	सह आचार्य	बौद्धदर्शन
14.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
15.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	संकायाध्यक्ष एवं आचार्य	हिन्दी
16.	डॉ. रमेश सिंह	सह आचार्य	शारीरिक-शिक्षा
17.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
18.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
19.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

क्रमश:....

20.	प्रो. लोकमान्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. बच्चा भारती	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. कुलदीप शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्. आर्. कण्णन्	प्राचार्य	न्याय
2.	प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
3.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
4.	प्रो. डॉ. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
5.	डॉ. ईश्वर भट्ट	एसो. प्रोफेसर	प. ज्योतिष्य
6.	डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. चन्द्रकान्त	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्री
9.	डॉ. नवीन होल्ला	असि. प्रोफेसर	नव्य-न्याय
10.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
11.	डॉ. के. ए. पद्मनाभम्	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
12.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	असि. प्रोफेसर	अद्वैत-वेदान्त
13.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	असि. प्रोफेसर	साहित्य
14.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
15.	डॉ. सोमनाथ साहु	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	असि. प्रोफेसर	साहित्य
17.	डॉ. रामचन्द्र जोईस	असि. प्रोफेसर	साहित्य
18.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	असि. प्रोफेसर	मीमांसा
19.	डॉ. गणेश टी पण्डित	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
20.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	असि. प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्री वेंकटेश तातार्य	असि. प्रोफेसर	मीमांसा

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
6.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य (31.10.2014 को सेवानिवृत्त)	--
2.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्राचार्य	
3.	डॉ. सुबोध शर्मा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
4.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. विद्यानन्द झा	आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. मोहिनी अरोरा	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	प्रो. भारत भूषण मिश्र	आचार्य	ज्योतिष
14.	प्रो. हंसधर झा	प्रोफेसर	ज्योतिष

क्रमश:....

15.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
16.	प्रो. सन्तोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17.	प्रो. वी.एन. चौधरी	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. पी.डी. चौधरी	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	एसो. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. नीलाभ तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	प्रो. ओ.पी. भदाना	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
23.	डॉ. अर्चना दुबे	सहायकाचार्य	हिन्दी

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम्. चन्द्रशेखर	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. प्रकाशचन्द्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. नारायणन्. ई. आर्	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
5.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. गायत्री मुरली कृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्वनारायण झा	आचार्य/प्रभारी योजनाएँ (03.02.2016 तक)	ज्योतिष
2.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
3.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य (08.05.2015 से 31.03.2016 तक)	वेद
4.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य/ASM/ASS प्र. कुलपति (11.05.2015 से 31.03.2016)	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. गोविन्द पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

6.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
9.	श्री कू. वेंकटेश मूर्त्ति	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
10.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. मो. हनीफ खान	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
13.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायकाचार्य (09.02.2016 से 31.03.2016)	साहित्य
16.	डॉ. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	सहायकाचार्य (05.02.2016 से 31.03.2016)	शिक्षा शास्त्र

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	आचार्य	
2.	एल. के. साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. आर. के. वर्मन	आचार्य	वेदान्त
4.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
5.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
6.	डॉ. गौराङ्ग बाघ	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
7.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य

संलग्नक-ङ

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(वर्ष 2015-16 के दौरान)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१.	ज्योतिकृष्ण एम. (१०९५)	पूर्णप्रज्ञ संष्ठोधन मन्दिर	श्रीवादिराजतीर्थप्रणीते श्रीरुग्मिणीष्ठाविजये द्वैतवेदान्ततत्त्वानां समीक्षणम्	द्वैतवेदान्त ष्ठास्त्र
२.	आष्ठीष कुमार (१०५५)	इलाहाबाद परिसर	मौनिश्रीकृष्णभट्टविरचिते ष्ठाब्दार्थतर्कामष्ठे न्यायसिद्धान्त-खण्डनस्य समालोचनात्मकम् अनुष्ठीलनम्	दर्ष्ठान
३.	मनीष ष्ठार्मा (१०६८)	जयपुर परिसर	नीलकण्ठदैवज्ञविरचितस्य ताजिकनीलकण्ठी ग्रन्थस्य प्रमुखटीकानामनुष्ठीलनम्	ज्योतिष
४.	वाचस्पति नाथ झा (१०९२)	मुम्बई परिसर	अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतस्य अभिराजयष्ठोभूषणस्य समीक्षणम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
५.	रौनक कुमार (१११८)	जयपुर परिसर	वैदेष्ठिकष्ठाब्दानाम् अन्वर्थत्वदष्टया संस्कृत-रूपान्तरणप्रक्रियाविचार:	व्याकरण
६.	मार्कण्ड नायक (१११९)	पुरी परिसर	श्रीमद्भगवद्गीतायां भगवच्छ्रीरामानुजभष्य-आचार्यश्रीविष्ठवनाथचक्रवत्तिठक्कुरभाष्यायो: तुलनात्मकाध्ययनम्	विष्ठिष्टद्वैतवेदान्त
७.	जयाकृष्णा कर (११०४)	पुरी परिसर	काव्यप्रकाष्ठा व्याख्याया: मधुमत्या: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
८.	कालिका प्रसार ष्ठुक्ला (११२१)	भोपाल परिसर	छात्राणाम् अभिप्रेरण समायोजन चिन्तनां सन्दर्भे श्रीमद्भगवद्गीताया: प्रायोगिकमध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
९.	देबाष्ठीष प्रधान (१०८६)	पुरी परिसर	व्याप्तिपञ्चकस्य माथुरीदीधितिटीकयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	न्याय
१०.	देवेन्द्र सिंह (११२३)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्ये उच्चप्राथमिकसंस्कृतविद्यालयेष्वध्ययनरतानां छात्राणां संवेगात्मकसामाजिकसमायोजनक्षमताया तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्ठिक्षा ष्ठास्त्र
११.	भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय (१०९७)	भोपाल परिसर	ज्यौतिषष्ठास्त्रदष्टया रोगाणां निदानं समाधनञ्च (उदर-हृदय-रक्तचाप-मधुमेह-चर्मरोगाणां संदर्भे)	ज्यौतिष
१२.	विपिन कुमार द्विवेदी (१०५८)	लखनऊ परिसर	कालिदासकृतिषु रसदोषाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१३.	विभूति गिरि (११०३)	पुरी परिसर	भर्तष्ठरिनागेष्ठायो: ब्रह्मतत्त्वनिरूपणे तौलनिकमध्ययनम्	न्याय व्याकरण

क्रमश:....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१४.	ज्ञानेन्द्र कुमार तिवारी (१११२)	इलाहाबाद परिसर	आचार्य राधावल्लभत्रिपाठिप्रणीतानां संस्कृत नाटकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१५.	धनंजय मिश्रा (११२५)	भोपाल परिसर	कविवर प्रो. मिथिलाप्रसादत्रिपाठिनः काव्यानां साहित्यिकं सांस्कृतिकञ्चाध्ययनम्	साहित्य
१६.	निष्ठा (११२०)	जयपुर परिसर	कविवरराधावल्लभत्रिपाठिप्रणीतस्य 'अन्यच्च' इत्युपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१७.	गिरिराज (११२४)	गरली परिसर	महादेव-विरचितायाः ज्यौतिषरत्नमालारुचिरविवरणाख्य-पाण्डुलिपे समीक्षात्मकं सम्पादनम्	ज्यौतिष
१८.	वी. अच्यूतन कुट्टी (१०९०)	गुरुवायूर परिसर	नारायणीयकृष्णगीतिग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१९.	चन्द्रमौली तिवारी (११२९)	लखनऊ परिसर	सिद्धान्तज्यौतिषग्रन्थेषु वेधयान्त्रिकतत्त्वानां परिष्ठीलनम्	ज्यौतिष
२०.	ष्ठोभा जी.एस. (११११)	पूर्णप्रज्ञ संष्ठोधन मन्दिर	श्रीवेदान्तदेष्ठिकस्तोत्रकाव्येषु वेदान्ततत्त्वानां छन्दासां च समीक्षणम्	साहित्य
२१.	राम सेवक झा (११५१)	लखनऊ परिसर	बिहारराज्ये नवनियोजितानां संस्कृताध्यापकानां वष्टितसंतष्टेः अध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
२२.	सेना ताद (१०८१)	पुरी परिसर	श्रीव्रजनाथविरचितष्ठयामरासोत्सवे दार्ष्टांनिकतायाः समीक्षा	सर्व दर्ष्टान
२३.	रुकाईया अब्बासी (१०४२)	इलाहाबाद परिसर	गालिबकाव्यस्य (दीवान-ए-गालिब इत्स्यानूदित-संस्कृतपद्यकाव्यस्य) समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
२४.	साबिता के.ए. (१०६४)	गुरुवायूर परिसर	कारिकावली (साक्षात् परम्परा) टीकानाम् तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्य न्याय
२५.	ष्ठास्मिता मोहान्ती (१११७)	पुरी परिसर	विष्णुपुराणस्थानां ष्ठौक्षिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	पुराणेतिहास
२६.	देवी दत्त ष्ठुक्ला (१०५४)	इलाहाबाद परिसर	स्वातंत्र्योत्तरकालिक संस्कृतनाटकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
२७.	नित्यनाथ पाण्डेय (१११५)	इलाहाबाद परिसर	हर्षकृतनैषधीयचरितमहाकाव्यस्य ज्योतिषष्ठास्त्रदष्ठा अध्ययनम्	ज्यौतिष
२८.	चन्द्र प्रकाष्ठ ष्ठार्मा (११२२)	जयपुर परिसर	पं. बदरिप्रसादष्ठास्त्रिविरचितस्य प्रपत्तिपीयूषार्णवकाव्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
२९.	पंकज पुरोहित (१११६)	जयपुर परिसर	'प्रत्ययः' इत्यधिकारे प्रयुक्तेषु सूत्रेषु पदमञ्जरी-तत्त्वबोधिनीटीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
३०.	श्याम सुन्दर शर्मा (१०८३)	जयपुर परिसर	रसगङ्गाधरप्रथमाननोक्ततत्त्वपरिष्कारे सरलारसचन्द्रिकाटीकयोर्मतभेदविमर्शः	साहित्य
३१.	चन्द्र कुमार मिश्र (११४०)	पुरी परिसर	यजुर्वेददृष्ट्या अग्निदेवस्य परवर्त्तिसंस्कृतसाहित्ये प्रभावानुशीलनम्	वेद
३२.	मनीष कुमार चंडक (११३८)	जयपुर परिसर	राजस्थाने पारम्परिकसंस्कृतच्छात्राणां मूल्यानां प्राथमिकतायाः अध्ययनम्	शिक्षा शास्त्र
३३.	ललित कुमार मिश्र (१११३)	इलाहाबाद परिसर	शंकरदीक्षितविरचितस्य गंगावतरणचम्पू काव्यस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
३४.	महेन्द्र कुमार (१०८०)	गरली परिसर	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या नेत्ररोगाणां कारणं निवारणं प्रायोगिकमनुशीलनञ्च	ज्यौतिष
३५.	मुकेश शर्मा (११३५)	भोपाल परिसर	शिक्षाशास्त्रदृष्ट्या ज्योतिषशिक्षणविधीनां प्रयोगात्मकमध्ययमन्	शिक्षा शास्त्र
३६.	नन्द किशोर नामदेव सरस्वती (११२८)	भोपाल परिसर	वाल्मीकिरामायणकौटिल्यार्थशास्त्रयोः राजधर्मस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
३७.	संकल्प मिश्र (११००)	जयपुर परिसर	कल्पसूत्राणि आधुनिक विज्ञानं च	वेद
३८.	मनमोहन शर्मा (११५७)	भोपाल परिसर	छात्राभिवृत्त्युपलब्ध्योः सन्दर्भे संस्कृतप्रत्ययाधारित-सङ्गणकसहानुदेशनसामग्रयाः विकासः मूल्याङ्कनञ्च	शिक्षा शास्त्र
३९.	नागपति भट्ट (११४३)	शृंगेरी परिसर	तत्त्वचिन्तामणौ शक्तिवादस्य विमर्शात्मकमध्ययनम्	नव्य न्याय
४०.	रजनी वी.जी. (११३२)	भोपाल परिसर	संस्कृतशिक्षणद्वारा माध्यमिकस्तरे अध्ययनरतानां छात्राणो सांस्कृतिकसामाजिकजागृतेः विकासस्य परीक्षणात्मकमध्ययनम्	शिक्षा शास्त्र
४१.	जी.पी. नागराज (११२७)	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर	हुल्मनिनरसिंहाचार्यरचितस्य श्रीवेङ्कटेशमाहात्म्य कल्याणकाण्डदीपस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	द्वैत वेदान्त
४२.	योगानन्द झा (११०२)	पुरी परिसर	परमलघुमञ्जूषायाः सरलाटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरण
४३.	विनोद कुमार (११५६)	दिल्ली परिसर	पाणिनेः अष्टाध्याय्यामसिद्ध काण्ड मीमांसा	साहित्य
४४.	योगेश अतरी गणेश (१०८२)	गरली परिसर	हिमाचलप्रदेशस्य सोलनशिमलासिरमौरमण्डलेषु प्रचलितभाषासु संस्कृतप्रभावः	व्याकरण
४५.	सांवरिया लाल शर्मा (११५२)	जयपुर परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषाया वृत्त्यर्थप्रकरणस्य कलारत्नप्रभयोः टीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
४६.	कमलाकान्त बलान (११५५)	दिल्ली परिसर	एकविंष्ठाष्ठताब्द्याः प्रथमदष्ठाकस्य संस्कृतसाहित्ये राजस्थानस्य योगदानम्	साहित्य
४७.	गुरुराज (११४४)	प्रर्णप्रज्ञासंष्ठोधनम् मन्दिरम्	सूत्रार्थसंग्रहस्य सविमर्ष्ठमध्ययनं सम्पादनं च	द्वैत वेदान्त
४८.	राजेष्ठा कुमार मीणा (११५०)	जयपुर परिसर	वैयाकरणभूषणसारस्य धात्वर्थलकारार्थ प्रकरणयोः प्रभाष्ठाङ्करीटीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
४९.	पवन कुमार (११३७)	दिल्ली परिसर	डॉ. मथुरादत्तपाण्डेयविरचितानां दष्ठयकाव्यानां समीक्षणं संस्कृत भाषा प्रचारे तेषां योगदानञ्च	साहित्य
५०.	गणपति वी. हेगडे (११४८)	शंष्ठेरी परिसर	कृष्णानन्दभारतीतीर्थकृतमहावाक्यार्थदर्पणस्य सम्पादनमध्ययनञ्च	अद्वैत वेदान्त
५१.	मीनाक्षी ष्ठार्मा (११६५)	जयपुर परिसर	अलवरमण्डलस्थविद्यालयेषु सेवारतानां भाषाष्ठिक्षकाणां ष्ठिक्षणवष्टिं वष्टिसंतष्टिञ्चोद्दिष्ठच अभिवष्ठेः अध्ययनम्	ष्ठिक्षा ष्ठास्त्र
५२.	राजेष्ठा कुमार ष्ठार्मा (११५९)	जयपुर परिसर	एकविंष्ठाष्ठातकस्य प्रथमदष्ठाके संस्कृतगद्यसाहित्यस्य विकासः	साहित्य
५३.	विजय ष्ठांकर ष्ठार्मा (११३०)	जयपुर परिसर	परमलघुमञ्जूषाया वंष्ठीतत्त्वप्रकाष्ठिकयोः टीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
५४.	पुष्पलता वर्मा (११६४)	लखनऊ परिसर	सुत्तपिटके वर्णितलोकजीवनस्य समस्यानां विवेचनं समाधानञ्च	बौद्ध दर्ष्ठान
५५.	रेखा कुमारी (११३१)	जयपुर परिसर	भट्टश्रीमथुरानाथष्ठास्त्रिणः कथानामुपन्यासानाञ्च समीक्षणम्	साहित्य
५६.	गोपाल दत्त परागेन (११३३)	दिल्ली परिसर	आचार्यराधावल्लभत्रिपाठी कृत प्रेक्षणसप्तकस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
५७.	बाहुबली कुमार जैन (११४२)	जयपुर परिसर	उत्तरक्षेत्रियसैनिकविद्यालयेषु उच्चप्राथमिकस्तरे अध्ययनरतानां छात्राणां सैन्याभिरुचेः संस्कृत-विषयेअध्ययनस्तरस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्ठिक्षा ष्ठास्त्र
५८.	दीप कुमार (११४५)	गरली परिसर	फलितज्योतिषे विद्याव्यवसायनिर्धारण विमर्ष्ठाः	ज्यौतिष
५९.	सागरी अनन्ततीर्थ उपाध्याय (११२६)	पूर्णप्रज्ञा संष्ठोधन मन्दिर	श्रीनिवासाचार्यविरचितस्य श्रीमद्भागवततात्पर्य-निर्णयप्रकाष्ठास्य तष्ठीयस्कन्धस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनं च	द्वैत वेदान्त
६०.	सत्यदेव (११५८)	मुम्बई परिसर	हिमाचलप्रदेष्ठास्य काङ्गडाजनपदस्यउच्चमाध्यमिक-स्तरच्छात्राणां कारकाणमधिगमे रेखीयभिक्रमस्य	ष्ठिक्षा ष्ठास्त्र
६१.	श्रुति एच.के. (११६८)	शंष्ठेरी परिसर	दष्ठोपनिषत्सूद्धतानां दष्ठान्तानां विमर्ष्ठाः	अद्वैत वेदान्त

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
६२.	सुनीता ष्टार्मा (११७८)	जयपुर परिसर	साहित्यदर्पणस्य रुचिराटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
६३.	जय कृष्णा पाठक (११७९)	पुरी परिसर	माध्यमिकविद्यालयीयच्छात्राणां बौद्धिकविकासे हितोपदेष्टास्थसुभाषितानाम् अनुदेष्टानात्मक प्रभावस्याध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
६४.	भाग्यलक्ष्मी एच.एम. (११६९)	शृंष्टेरी परिसर	सौन्दर्यष्टास्त्रदिष्टा श्रीष्टाङ्कराचार्यविरचितसौन्दर्यलहर्याः काव्यसौन्दर्यविवेचनम्	साहित्य
६५.	नरेष्टा ष्टार्मा (११५४)	लखनऊ परिसर	ज्योतिषष्टास्त्रीय-मूकबधिरान्धयोगनां समीक्षणम् (अद्यतन सर्वेक्षणद्वारा)	ज्योतिष
६६.	रंजीत सिंह रघुवंष्टी (११६६)	भोपाल परिसर	स्वातन्त्र्योत्तरकाले प्रणीतस्य सीताचरिताश्रित-संस्कृतसाहित्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
६७.	अनुसूया ष्टार्मा (११६०)	भोपाल परिसर	बष्टत्संहिताया: ग्रहचाराध्यायानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
६८.	प्रतिमा ष्टार्मा (११७२)	जयपुर परिसर	राजस्थाने विष्टिष्टबालानां ष्टिक्षाव्यवस्था-एकं विष्टलेषणात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
६९.	महावीर प्रसाद ष्टार्मा (११४६)	जयपुर परिसर	भासनाटकेषु तद्धितान्तपदविमर्ष्टाः	व्याकरण
७०.	चंद्र कान्त ष्टार्मा (११७१)	जयपुर परिसर	ष्टौषिकान्ततद्धितप्रत्ययानां तत्वबोधिनी बष्टच्छब्देन्दुष्टोखरयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
७१.	निदिष्टा एम.जी. (११३४)	गुरुवायूर परिसर	श्रीमद्भागवतस्य कृष्णपदीव्याख्यायाः चतुर्थस्कन्धस्य सम्पादनं पठनञ्च	.....
७२.	सरिता ष्टार्मा (११३६)	जयपुर परिसर	पण्डितमनुदेवभट्टाचार्यविरचित विष्णुद्धवैभवमहाकाव्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
७३.	रुचि जैन (११७६)	जयपुर परिसर	महाकविश्रीवादीभसिंहविरचितयोः क्षत्रचूडामणिगद्य-चितामण्याख्ययोः साहित्यकृत्योः काव्यष्टास्त्रीयं परिष्टीलनम्	साहित्य
७४.	राजेष्टा कुमार देतानी (११७४)	जयपुर परिसर	श्रीमता ओगेटीपरीक्षितष्टार्मणा प्रणीतस्य श्रीमत्प्रता-पराणायनमहाकाव्यस्य काव्यष्टास्त्रीयमनुष्टीलनम्	साहित्य
७५.	सुदीप कुमार पाठक (११५३)	लखनऊ परिसर	संस्कृतकाव्यष्टास्त्रपरम्परायां शृंष्टारप्रकाष्टानिरुपित दोषगुणालङ्काराणां समीक्षणम्	साहित्य
७६.	अष्टोक कुमार मीणा (११७०)	पुरी परिसर	योगसूत्रोपरि सदाष्टिवेन्द्रसरस्वती-आचार्यरामानन्दाभ्यां विरचितयोगसुधाकर-मणिप्रभाटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्ष्टान
७७.	गीता याजी (११६७)	शृंष्टेरी परिसर	ष्टारीरकसूत्रभाष्यस्थासांख्ययोगमतविमर्ष्टास्य एकं विष्टिष्टमध्ययनम्	अद्वैत वेदान्त
७८.	प्रतिभा ष्टार्मा (११६३)	जयपुर परिसर	आमेरजयपुरराज्ये प्रणीतेषु संस्कृतकाव्येषु लोकपरम्परावर्णनम्	साहित्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (समविश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला समस्तीपुर, पिन 848132 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ जिला दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)।
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार 851101	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय, शास्त्री प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		तृतीय, आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला समस्तीपुर 848302 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला मधुबनी, बिहार 847404	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली 110015	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली 2	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली 110092	आचार्य प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली 110057	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली 6	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली 110002	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली 110002	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110063	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली 110027	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली 110060	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
22.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली 110081	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली 110039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (परम्परागत शास्त्र एवं आधुनिक ऐच्छिक विषय)
24.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली 110041	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात 380007	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) 123039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला राजौरी, जम्मू	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)
झारखण्ड		
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
32.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर 560028	विद्यावारिधि
केरल		
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला कन्नूर 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो. अरुणापुरम, पलै जिला कोट्टायम 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
35.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
36.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला कालीकट 673612	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
37.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
39.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला कोजीकोड 673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई 400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
41.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) 400097	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
42.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर 795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
43.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर 795134	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
44.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
45.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना, जिला लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
राजस्थान		
46.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
47.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
48.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी 221010	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
49.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद 201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश 248005	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
51.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तरांचल		
54.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
55.	आदर्श संस्कृत परिषद सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला पौडी गढ़वाल 246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
56.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय (स्कूल लेवल) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय
57.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता 700035	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
58.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) 737133	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
59.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
60.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) 733123	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
61.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) 741302	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
62.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला हावड़ा (पश्चिम बंगाल) 711202	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
63.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-छ

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	वही
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	वही
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	वही
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	वही
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	प्री-डिग्री बी.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		
	एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/		
	2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77	वाचस्पति	डी.लिट्
	दिनांक 3.1.81		
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ	शास्त्री	बी.ए.
	संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली		
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक)	शिक्षा-शास्त्री	बी.एड.
	दिनांक 2.7.77, 3-27/79	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 4.7.80	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स
	पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84		(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश
	दिनांक 14.11.84		के प्रयोजन से)
		आचार्य	एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-झ

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	--
2.	असम	--
3.	बिहार	14
4.	छत्तीसगढ़	03
5.	दिल्ली	05
6.	गुजरात	--
7.	हरियाणा	09
8.	हिमाचल प्रदेश	01
9.	जम्मू और कश्मीर	01
10.	झारखण्ड	--
11.	कर्नाटक	03
12.	केरल	05
13.	मध्य प्रदेश	15
14.	महाराष्ट्र	--
15.	मणिपुर	--
16.	ओड़िशा	03
17.	पाण्डिचेरी	--
18.	पंजाब	--
19.	राजस्थान	10
20.	सिक्किम	08
21.	तमिलनाडु	--
22.	उत्तर प्रदेश	62
23.	उत्तराखंड	33
24.	पश्चिम बंगाल	65
	कुल	**227**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ अशोक चन्द्रा गौर	Bhartiya Sanskrit Tatva Vimarsha	82,230/-
2.	बिश्वाम्बर दत्त जोशी	लुप्तोदय	1,68,440/-
3.	राम किशोर मिश्रा	कवितासृष्टिः	15,675/-
4.	ब्रिजेश कुमार शुक्ला	वाङ्मा शेमुषिः	67,610/-
5.	भाग चन्द्र जैन	पालि भाषा का इतिहास	53,412/-
6.	शिव सागर त्रिपाठी	कथाषोडषी	19,328/-

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	अनीता शर्मा नई दिल्ली	संस्कृतकाव्यपरम्परायां मध्यकाव्यस्य व्यापकत्वसमीक्षणम	45.000/-
2.	डॉ गोविन्द नाथ चौधरी दरभंगा (बिहार)	महाभाष्येनिर्दिष्टनां धातनां विवेचनात्मकमध्ययनम	15.000/-
3.	डॉ. ए.वी. नागसंपीगे बैंगलरू	1. श्रीमदानन्दतीर्थविचरितम् गीताभाष्यम् (प्रमेयदीपिका-भावरत्नकोषसहितम) 2. श्रीमदानन्दतीर्थविरचितम् बृहदारण्यकोपनिषद्रभाष्यम् (श्रीरघूत्तमतीर्थविरचितभावबोधसहितम्) 3. ईष-तलवकारोपनिषदौ (भाष्य-टीका-टिप्पणीभिः समलङ्कृते) 4. तत्वप्रकाषिका-भावरत्नकोषः 5. मतत्रयरीत्या बिम्बप्रतिबिम्बभावसमीक्षा 6. ऐतरेयापनिषत् (श्रीमदानन्दतीर्थ-भगवत्पादाचार्यविरचितभाष्य-भगवन्तरायरचितटीकासहिता)	6.00.000/-

क्रमशः....

		7. वेदव्याख्याने मध्वाचार्यणा विशिष्टं योगदानम 8. महेतरेयखण्डार्थः (श्रीकृष्णाचार्यकतः) 9. सालग्रामपरीक्षा 10. यजुर्वेदीयसन्ध्याभाष्यम् (आयिसत्यनाथाचार्यविरचितम) 11. श्रीरङ्गमाहात्म्यम् (आष्टादषपुराणेषु उपवर्णितम्) 13. श्रीमुष्णमाहात्यम् (आष्टादषपुराणेषु उपवर्णितम्) 14. प्रज्ञा 2015 (पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिरस्य शोधपत्रिका) 15. प्रतिभा (श्रीहरिदासभट्ट-अभिवन्दग्रन्थः) 16. काठक-प्रश्नोपनिषदौ (भाष्य-टीका-टिप्पणीभिःसमलङ्कृते)	
4.	डॉ. नारायण दास कोलकता (प.बं)	1. साकेतरांजवधूः उर्मिता 2. संस्कतसाहित्येकष्णमठस्य योगदानम	30,800/- 30.800/-
5.	प्रो. ब्रिजेश कुमार शक्ला लखनऊ (उ.प्र.)	श्री बलभद्र मिश्र प्रणीत हायनरत्नम	1.18.976/-
6.	डॉ. कृष्णा कमार कमावत नई दिल्ली	साहित्यदर्पणस्य लोचनटीकायाः समीक्षणम	40.000/-
7.	डॉ. साबरी रक्षित रामकष्णा कोलकता	संस्कतसाहित्ये उपक्षितानि स्त्रीचरित्राणी	19.450/-
8.	राष्टीय वैदिक संस्थान	1. Dictionary of Sanskrit Quotations on Agricultural Sci. Ancient India 2. Dictionary of Sanskrit Quotations on Botony and Horticulture in Ancient India 3. Dictionary of Sanskrit Quotations on Chemistry in Ancient India 4. Dictionary of Sanskrit Quotations on Physics in Ancient India 5. Dictionary of Sanskrit Quotations on Medical Science in Ancient India	3.00.000/-
9.	डॉ. रजनीश शक्ला नई दिल्ली	महाकविविधनञ्चयप्रणीता नाममाला अपरकीर्तिविरचितभाष्योपेता	51.600/-
10.	डॉ. लालित प्रसाद साह बांदा (उ.प्र.)	पणीनायवैदिकस्वरसूत्राणा यजुर्वेदीयप्रतिषाख्ययोः स्वरसत्रै साकं समीक्षात्मकमध्ययनम	32.250/-
11.	डॉ. उमा रमण झज्ञ	1. नवभारतमहाकाव्यम् 2. आचार्य भासर्वज्ञ और न्यायसार 3. कंकाल (हिन्दीभाषा उपन्यासस्य संस्कतानवादः)	18,944/- 18,944/- 92.000/-
12.	डॉ. मदन कमार झा जम्म	माध्यमिकस्तरस्य संस्कृतच्छात्रैः प्रयज्यमानानां रक्षयकितीनां तलनात्मकमध्ययनम	44.750/-

संलग्नक-ठ

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
आन्ध्र प्रदेश	1.	संस्कृत अकादमी (शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल प्रदेश आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला (रोहडू), जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कालीरेखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लौर, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान आदि शंकरा नीलियम वेलियानाड, एरनाकुलम्, केरल-682319

क्रमशः....

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-400037
	16.	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत महाविद्यालय, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19.	अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी उत्तर प्रदेश-221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035

आद र्श संस्कृत महाविद्यालय/ गोध संस्थान

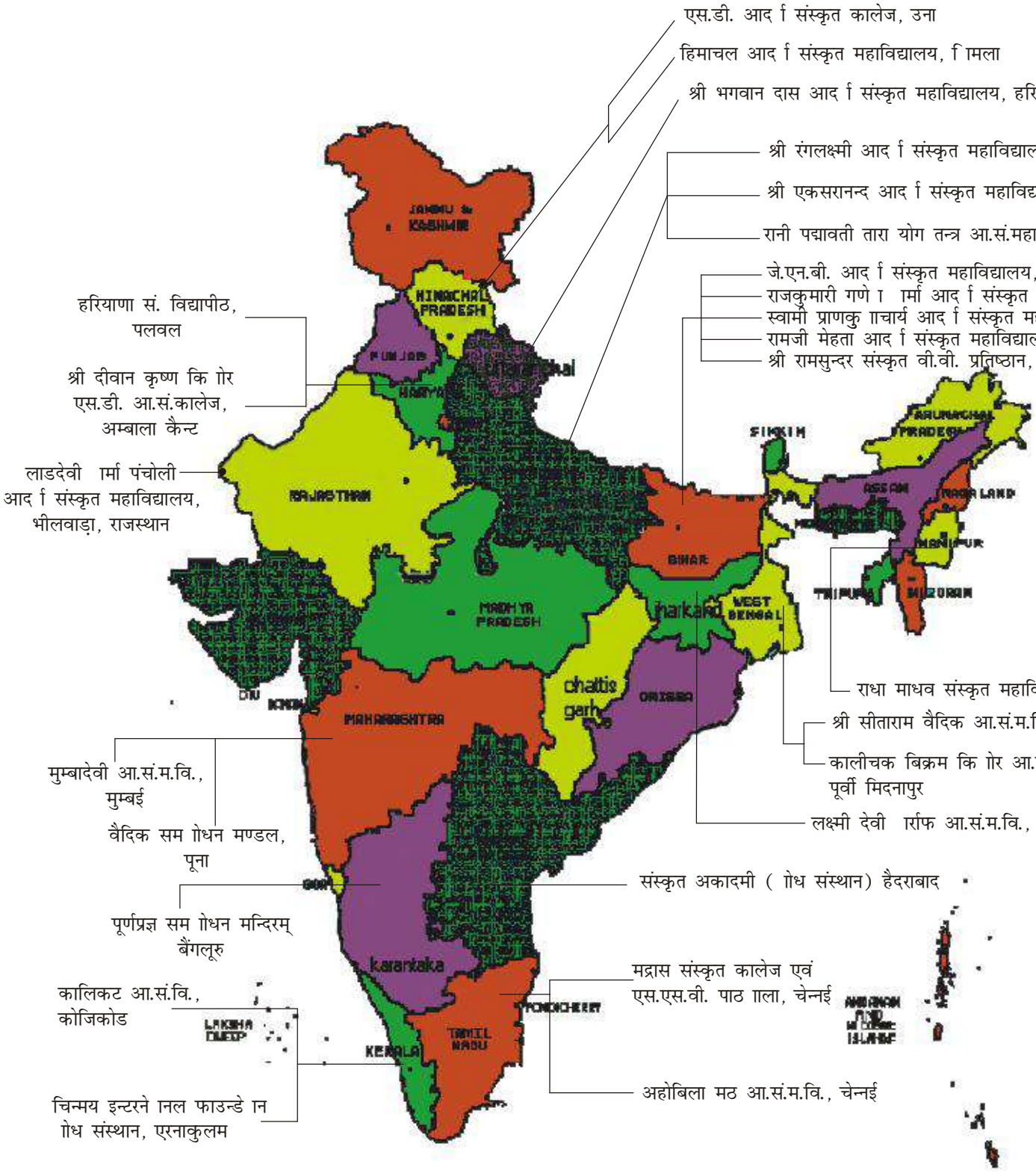

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2016 का तुलन पत्र

राशि ₹ में

निधि के स्त्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
संग्रह/पूंजी निधि	1	1768896168.00	1,927,800,481.30
चिन्हित/अक्षय निधि	2	67632452.00	821,717.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	372014888.00	76,158,990.57
योग		**2208543508.00**	**2,004,781,188.87**
निधि के प्रयोग	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ	4		
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4(1) to 4 (21)	646843299.00	634,535,191.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	4(22)	886709090.00	
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ	4(23) to 4(25)	769243.00	515,058,864.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि	5	886391.00	886,391.00
निवेश - अन्य	6		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	653284420.00	846,256,726.87
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि	8	20051065.00	8,044,016.00
(जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)			
योग		**2208543508.00**	**2,004,781,188.87**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 31 जुलाई, 2016

कृते राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2016 का आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	11623676.00	13,842,472.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1383276207.00	1,258,000,000.00
निवेश से आय	11	30173615.00	
अर्जित ब्याज	12	19557194.00	34,350,324.00
अन्य आय	13	5864088.00	9,518,796.00
पूर्व अवधि आय	14	50057.00	2,629,384.30
योग (ए)		**1450544837.00**	**1,318,340,976.30**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	531209256.00	526,410,664.00
शैक्षिक व्यय	16	779646363.00	510,530,674.00
प्रशासनिक व्यय	17	65475909.00	58,246,122.00
यात्रा व्यय	18	1770790.00	1,503,127.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	5173889.00	4,664,584.00
वित्तीय लाग	20		
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	26305758.00	22,679,885.00
अन्य व्यय	21		
पूर्व अवधि व्यय	22	1091946.00	
योग (बी)		**1410673911.00**	**1,124,035,056.00**
सकल आय - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		39870926.00	194,305,920.30
धन स्थानांतरण - कनिष्ठ शोध अध्येता 2013-14		0.00	105,600.00
मुक्तस्वाध्यायपीठम् 2013-14		0.00	2,171,884.00
मुक्तस्वाध्यायपीठम् 2014-15		0.00	424,674.00
बिल्डिंग फंड में स्थानान्तरण		0.00	-
अन्य-पेंशन फंड में स्थानान्तरण		7500000.00	5,000,000.00
समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाई गई शुद्ध आय		**32370926.00**	**186,603,762.30**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 31 जुलाई, 2016

कृते राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1927800481.00	-	1,741,082,124.00	-
जमा : योजना निधि का योगदान	0.00			
जमा : आय एवं व्यय खाते से शुद्ध आय का शेष	32370926.00	-	186,603,762.00	-
जमा : यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय का उपयोग	411829050.00			
सी.पी.डब्ल्यू.डी के साथ जमा				
दान पुस्तक में जमा	315532.00		51,214.00	
पूर्व वर्ष समायोजन				
घटा : सम्पत्ति लेनी चाहिए थी			102,791.00	
घटा : गत वर्षों में आय व्यय खातों में भूलवश ले जाई गई अप्रयुक्त अनुदान राशि	-603419821.00		(39,410.00)	
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**1768896168.00**	**-**	**1927800481.00**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/विन्यास निधि राशि ₹ में

विवरण		निधि-वार ब्रेक-अप						योग	
ए)		पेंशन फंड	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के.शर्मा	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए)	धन का प्रारंभिक शेष	52000000.00	186600.00	8534.00	371583.00	5000.00	250000.00	**52821717.00**	821,717.00
बी-1	वर्ष के दौरान जोड़ - पेंशन हेतु सरकार से प्राप्त अनुदान	59500000.00						**59500000.00**	
बी-2	वर्ष के दौरान जोड़- आय एवं व्यय खाते से आबंटित रकम	7500000.00						**7500000.00**	
सी	फंड में निवेश से आय					2235.00		**2235.00**	
डी	अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज							**0.00**	-
ई	बचत बैंक खाते पर ब्याज							**0.00**	
एफ	अन्य प्राप्तियां	10328576.00	23628.00	930.00	39852.00	408.00	56349.00	**10449743.00**	-
	योग (ए)	**129328576.00**	**210228.00**	**9464.00**	**411435.00**	**7643.00**	**306349.00**	**130273695.00**	821,717.00
बी)									
	निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय								
	i) पूंजीगत व्यय								0.00
	ii) वर्ष के दौरान राजस्व व्यय	62476517.00						**62476517.00**	
	iii) राजस्व व्यय (विगत वर्षों का व्यय जिसे पूर्व वर्ष समायोजन व्यय से समायोजित किया गया)		38374.00	2534.00	121583.00	2235.00		**164726.00**	0.00
	योग	**62476517.00**	**38374.00**	**2534.00**	**121583.00**	**2235.00**	**0.00**	**62641243.00**	**0.00**
	वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)		**171854.00**	**6930.00**	**289852.00**	**5408.00**	**306349.00**	**67632452.00**	**821717.00**

उपस्थापित कर्ता :								
नकद एवं बैंक में शेष	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
निवेश	148226.00	6000.00	250000.00	5000.00	250000.00	659226.00	0.00	
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं	23628.00	930.00	39852.00	408.00	56349.00	121167.00	0.00	
योग		**171854.00**	**6930.00**	**289852.00**	**5408.00**	**306349.00**	**780393.00**	**0.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान **राशि ₹ में**

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
ए) वर्तमान देनदारियां				
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	0.00	-	-	-
2. छात्रों द्वारा जमा				
3. विविध देनदार				
ए) सामान हेतु	0.00	-	-	-
बी) अन्य	0.00	-	-	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	946129.00		533,723.00	-
5. वैधानिक देनदारियां	0.00		-	
ए) अतिदेय	0.00	-	-	-
बी) अन्य	0.00	-	-	-
6. अन्य वर्तमान देनदारियां				
ए) वेतन	0.00	-	-	-
बी) प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	0.00	-	-	-
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न	2954149.00		20,791,666.00	
डी) अनुपयोगी अनुदान	363550564.00			
ई) अग्रिम अनुदान				
एफ) अन्य निधियाँ				
6. अन्य देनदारियां (विवरण संलग्न)	4564046.00		2,833,601.57	-
योग (ए)	**372014888.00**	-	24,158,990.57	-
बी) प्रावधान				
1. टैक्स हेतु	0.00	-		-
2. ऐच्छिक दान		-		-
3. सुपरएनुएशन/पेंशन		-		-
4. संचित छुट्टियों का नकदीकरण		-		-
5. व्यापार वारंटी/दावा		-		-
6. अन्य (निर्दिष्ट)		-		-
	0.00		-	
योग (बी)	**0.00**	-	-	-
योग (ए+बी)	**372014888.00**	-	24,158,990.57	-

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2016

राशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	सा.भ.नि.	184188.00	64277456.00	64461644.00	0.00
2	सी.पी.एफ.				0.00
3	जी.आई. प्रीमियम	803358.00	299129.00	329470.00	773017.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100000.00			100000.00
5	जी.आई.एस.	161277.00	851469.00	917529.00	95217.00
6	आय कर	-4425.00	43294147.00	43172747.00	116975.00
7	एल.आई.सी.	-20053.00	2257376.00	2288090.00	-50767.00
8	परिसरों को प्रेषण	842467.00	43743991.00	41562419.00	3024039.00
9	एन.पी.एस.	418415.00	7707543.00	7707543.00	418415.00
10	छात्रकोश	242600.00	62600.00	207300.00	97900.00
11	पेशेवर कर	111350.00	185730.00	302255.00	-5175.00
12	टी.डी.एस.	-5575.00	767360.00	767360.00	-5575.00
13	पी.एल.आई.		284210.00	284210.00	0.00
	योग	**2833602.00**	**163731011.00**	**162000567.00**	**4564046.00**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2016

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	ई.एम.डी.	171966.00	529156.00	90300.00	610822.00
2	जमानती राशि	361757.00	37350.00	63800.00	335307.00
	योग	**533723.00**	**566506.00**	**154100.00**	**946129.00**

संलग्नक प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2016

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे. आर. फैलोशिप	16031989.00	2124765.00	17283964.00	872790.00
2	एम.एस.पी.	3040917.00	5018817.00	7697135.00	362599.00
3	दान गुरुवायूर	1718760.00			1718760.00
	योग	**20791666.00**	**7143582.00**	**24981099.00**	**2954149.00**

संलग्नक ऋण एवं अग्रिम 31.03.2016

1	अग्रिम भुगतान	-206081.00	17431323.00	15586529.00	1638713.00
2	एल.टी.सी. अग्रिम	1229370.00	1483468.00	1540468.00	1172370.00
3	एच.बी. अग्रिम	1780587.00	591000.00	455608.00	1915979.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	815733.00	248200.00	679685.00	384248.00
5	टी.ए. अग्रिम	-189203.00	5086645.00	4650049.00	247393.00
6	यात्रा वाहन अग्रिम	2037746.00	332320.00	1008536.00	1361530.00
7	चिकित्सकीय अग्रिम	173394.00	814240.00	382240.00	605394.00
8	त्यौहार अग्रिम	42340.00	462750.00	589525.00	-84435.00
9	भविष्य निधि अग्रिम		26000.00	26000.00	0.00
	योग	**5683886.00**	**26475946.00**	**24918640.00**	**7241192.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

राशि ₹ में

		ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
क्र.सं.	एसैट्स हैड	प्रारंभिक शेष 01.04.2015	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2015	31.03.2015
1	i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व (गुरुवायूर, जयपुर, जम्मू, अगरतला एवं दिल्ली मुख्यालय)	3747107.00			3747107.00		0%	0.00		0	3747107.00	3747107.00
	ii. भूमि - पट्टे पर (लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल, शृंगेरी, गरली, मुम्बई एवं पुरी)	4865222.00			4865222.00	1728808.00	Lease Period	121198.00		1850006.00	3015216.00	
2	साइट का विकास				0.00		0%	0.00		0	0	0.00
3	भवन	582290969.00	4472374.00	8612329.00	578151014.00	50187751.00	2%	11563020.00		61750771.00	516400243.00	532103218.00
4	सड़क एवं पुल				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
7	पाण्डुलिपियाँ	69000.00	258000.00		327000.00		0%	0.00		0.00	327000.00	69000.00
8	बिजली संस्थापन एवं उपकरण				0.00		5%	0.00		0.00	0.00	0.00
9	यंत्र एवं मशीनरी				0.00		5%	0.00		0.00	0.00	0.00
10	जेनरेटर	30717716.00	6816745.00		37534461.00	8738134.00	5%	1876723.00		10614857.00	26919604.00	21979582.00
11	प्रयोगशाला उपकरण	958945.00	130809.00		1089754.00	257679.00	8%	87180.00		344859.00	744895.00	701266.00
12	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0.00		0.00	0.00	0.00
13	कार्यालय उपकरण				0.00		7.50%	0.00		0.00	0.00	0.00
14	दृश्य श्रव्य उपकरण				0.00		7.50%	0.00		0.00	0.00	0.00
15	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	5969646.00	3810402.00		9780048.00	1763757.00	20%	1956010.00		3719767.00	6060281.00	4205889.00
16	फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	61322447.00	19785686.00		81108133.00	10596150.00	7.50%	6083110.00		16679260.00	64428873.00	50726297.00
17	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	146813.00	7.50%	62920.00		209733.00	629194.00	692114.00
18	वाहन	4330191.00			4330191.00	1082548.00	10%	433019.00		1515567.00	2814624.00	3247643.00
19	पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	12105567.00	3343338.00	0	15448905.00	7942879.00	10%	1544891.00		9487770.00	5961135.00	4162688.00
20	कम मूल्य की संपत्तियां				0.00		100%	0.00		0.00	0.00	0.00
21	प्रकाशन	19506248.00	1742002.00	521715.00	20726535.00	2858754.00	10%	2072654.00		4931408.00	15795127.00	16647494.00
	योग (ए)	**726721985.00**	**40359356.00**	**9134044.00**	**757947297**	**85303273.00**		**25800725.00**	**0**	**111103998.00**	**646843299.00**	**638282298**
22	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)**	**515058864.00**	376122600.00	4472374.00	**886709090.00**	0.00	0%	0.00	0.00	0	**886709090.00**	**515058864.00**
	अमूर्त संपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष 01.04.2015	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास		वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2015	31.03.2015
23	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	0.00	148200.00		148200.00		40%	59280.00		59280.00	88920.00	0.00
24	ई-जरनल	837238.00	132225.00		969463.00	334895.00	40%	387785.00		722680.00	246783.00	502343.00
26	पेटेंट	271865.00	249850.00		521715.00	30207.00	9 years	57968.00		88175.00	433540.00	241658.00
	योग (सी)	**1109103.00**	**530275.00**	**0**	**1639378.00**	**365102.00**		**505033.00**	**0**	**870135.00**	**769243.00**	**744001.00**
	कुल योग (ए+बी+सी)	**1242889952.00**	**417012231.00**	**13606418.00**	**1646295765.00**	**85668375.00**		**26305758.00**	**0**	**111974133.00**	**1534321632.00**	**1154085163.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	53100.00	53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0.00	-
4. शेयर	0.00	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	0.00	-
6. बैंक में अवधि जमा	0.00	-
जिंदल ट्रस्ट	148226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250000.00	250,000.00
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	0.00	-
बी.एस.ई.एस.	174065.00	174,065.00
योग	**886391.00**	**886,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर	-	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-	-
योग	**-**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग	
1. स्टॉक				
गोदाम एवं पुर्जे				
खुले औजार				-
प्रकाशन				-
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय			-	-
भवन निर्माण सामग्री			-	-
बिजली सामग्री				
लेखन सामग्री				
पानी सप्लाई मैटिरीयल				
2. विविध टेनयर				
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक			-	-
अन्य	10		-	-
3. नगद एवं बैंक में शेष				
हाथ में नकद	371879.00	523083.00	894962.00	407,654.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	67649.00		67649.00	7,256.00
बैंक में शेष				
ए) अनुसूचित (बैंकों के साथ)				
-नगद खाते				-
-अवधि जमा	5007356.00	11575368.00	240346724.00	223,764,000.00
-बचत खाते	144001848.00	266225456.00	410227304.00	603,012,166.87
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	872790.00		872790.00	16,031,989.00
-एम.एस.पी.	874991.00		874991.00	3,033,661.00
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ				
-नगद खाते			0.00	-
-जमा खाते			0.00	-
-बचत खाते			0.00	-
4. डाक घर बचत खाते				
योग			**653284420.00**	**846,256,726.87**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं जमा राशि

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)	7241192.00	5,683,886.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट)		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय		
ए) निवेश निर्धारित/दान निधि	10449743.00	
बी) निवेश - अन्य		
सी) ऋण एवं अग्रिम		
डी) अन्य		
6. जमा		
दूरभाष, पट्टा किराया एवं बिजली		
7. दावा		
सस्पेंस खाता	569000.00	569,000.00
सस्पेंस खाता नकद	59122.00	59,122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
दान गुरुवायूर	1718459.00	1,718,459.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13549.00	13,549.00
योग	**20051065.00**	**8,044,016.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
छात्रों से प्राप्त शुल्क	**योजना**	**गैर योजना**	**योग**	
प्रशासन				
1. ट्यूशन शुल्क				385284.00
2. प्रवेश शुल्क	95880.00	110800.00	206680.00	
3. नामांकन शुल्क				
4. पुस्तकाल प्रवेश शुल्क				
5. प्रयोगशाला शुल्क				
6. कला एवं शिल्प शुल्क				
7. एन. एफ. एस. ई.	713832.00		713832.00	1,425,472.00
8. दान खाता			0.00	
9. जे.आर.एफ.			0.00	
योग (ए)	**809712.00**	**110800.00**	**920512.00**	**1810756.00**
परीक्षाएँ				
1. प्रवेश शुल्क		108400.00	108400.00	
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	116000.00	1826000.00	1942000.00	6188684.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क				
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क		6451765.00	6451765.00	3728960.00
5. फार्म की बिक्री		21590.00	21590.00	
योग (बी)	**116000.00**	**8407755.00**	**8523755.00**	**9917644.00**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क				
2. दण्ड/विविध शुल्क				
3. चिकित्सा शुल्क				
4. परिवहन शुल्क			0.00	
5. छात्रावास शुल्क		200200.00	200200.00	
6. एम.एस.पी.				
योग (सी)	**0.00**	**200200.00**	**200200.00**	**0**
प्रकाशनों का विक्रय				
1. प्रवेश फार्म की बिक्री	11532.00	1478959.00	1490491.00	3266256.00
2. पाठ्यक्रम एवं प्रशनपत्रों की बिक्री				

क्रमश.....

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ क्रमशः .....

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग	
3. फार्म सहित विवरणिका की बिक्री				
योग (डी)	**11532.00**	**1478959.00**	**1490491.00**	**3266256**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ				
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण				
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)				
3. पत्राचार प्राप्तियाँ		488718.00	488718.00	
योग (ई)	**0.00**	**488718.00**	**488718.00**	**0.00**
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**937244.00**	**10686432.00**	**11623676.00**	**14994656.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

राशि ₹ में

विवरण	योजना			गैर योजना भारत सरकार	चालू वर्ष योग	पूर्व वर्ष योग
	भारत सरकार	यू.जी.सी.				
		योजना एम.एस.पी.	विशिष्ट योजना जे.आर.एफ.			
शेष लाया गया	362599176.00	3040917.00	16031989.00	240820645.00	622492727.00	
जोड : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	935000000.00	5018817.00	2124765.00	620236000.00	1562379582.00	1258000000.00
योग	**1297599176.00**	**8059734.00**	**18156754.00**	**861056645.00**	**2184872309.00**	**1258000000.00**
घटा : यू.जी.सी. से वापसी						
शेष	-	-	-	-	-	1258000000.00
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	404058444.00			7770606.00	411829050.00	
शेष	**893540732.00**	**8059734.00**	**18156754.00**	**853286039.00**	**1773043259.00**	**1258000000.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	769815807.00	7697135.00	17283964.00	613460400.00	1408257306.00	1258000000.00
शेष ले जाया गया (सी)	**123724925.00**	**362599.00**	**872790.00**	**239825639.00**	**364785953.00**	**0.00**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 11 - निवेश से आय

राशि ₹ में

विवरण	निवेश निर्धारित फंड				निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग			
1) ब्याज			-	-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर			-	-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर			-	-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	18370154.00	11803461.00	30173615.00	23,856,186.00	-	-
			-	-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं			0.00	-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज						
5) अन्य (निर्दिष्ट)			-	-	-	-
योग	**18370154.00**	**11803461.00**	**30173615.00**	**23856186.00**	**-**	**-**
चिह्नित दान खाता में स्थानांतरित			**-**	-		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

राशि ₹ में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग	योग
1) बचत खाता :				
ए) अनुसूचित बैंक	5823175.00	13345970.00	19169145.00	9,890,109.00
बी) गैर अनुसूचित बैंक				
सी) डाक घर बचत खाता				
डी) अन्य	21223.00		21223.00	
2) ऋण				
ए) कर्मचारी	46406.00	320420.00	366826.00	593,718.00
बी) दान			0.00	10,311.00
सी) अन्य				
3) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज				
योग	**5890804.00**	**13666390.00**	**19557194.00**	**10,494,138.00**
नोट - स्त्रोत पर की जाने वाली टैक्स कटौती				

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अनुसूची 13 – अन्य आय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग	योग
ए) जमीन एवं भवन से आय				
1. छात्रावास कक्ष किराया				
2. लाइसेंस शुल्क	6880.00	28142.00	35022.00	48,072.00
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि				16,000.00
4. बिजली शुल्क वापिस				
5. पानी शुल्क वापिस				
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री				
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय				
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय				1,007,378.00
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च				
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि				
घटा : मेलों पर होने वाला खर्च				
3. शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि				
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च				
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)				
मन्त्रालय प्रकाशन	399990.00		399990.00	234,907.00
डी) अन्य				
1. परामर्श से आय				
2. आर.टी.आई. शुल्क	30.00	2810.00	2840.00	270.00
3. रायल्टी से आय				
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)				
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)				
6. बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान				
ए) सम्पत्ति स्वामित्व				

क्रमशः........

अनुसूची 13 - अन्य आय क्रमश:.....

राशि ₹ में

विवरण	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान, वेलफेयर बॉडी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन				
8. अन्य (निर्दिष्ट)	808503.00	4349141.00	5157644.00	2,617,857.00
एम.एस.पी.			0.00	4,937,882.00
अवकाश वेतन एवं पी.सी.		268592.00	268592.00	656,430.00
योग	**1215403.00**	**4648685.00**	**5864088.00**	**9,518,796.00**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
	योजना	गैर योजना	योग	
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ				
2. निवेश से आय				
3. अर्जित ब्याज				
4. अन्य आय	50057.00		50057.00	2,629,384.30
योग			**50,057.00**	**2,629,384.30**

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) वेतन एवं मजदूरी	137252591.00	350549072.00	487801663.00	119110169.00	321432634.00	440542803.00
बी) भत्ते एवं बोनस			0.00			
सी) भविष्य निधि को योगदान			0.00			
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)			0.00			
एन.पी.एस.	3414631.00	4869135.00	8283766.00	1874210.00	4505850.00	6380060.00
सी.पी.एफ.	81684.00		81684.00	76992.00	0.00	76992.00
जी.पी.एफ. ब्याज	906190.00	3196265.00	4102455.00	311851.00	2744453.00	3056304.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च			0.00		72246.00	72246.00
एफ) संवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ	67437.00	15310597.00	15378034.00	7916480.00	55098569.00	63015049.00
जी) एल.टी.सी. सुविधा	970809.00	1601478.00	2572287.00	1966657.00	3420819.00	5387476.00
एच) चिकित्सा सुविधा	1159905.00	7371691.00	8531596.00	1017239.00	5271077.00	6288316.00
आई) बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	1196622.00	2404833.00	3601455.00	748829.00	770007.00	1518836.00
जे) मानदेय	209752.00	646564.00	856316.00	72582.00		72582.00
के) अन्य (निर्दिष्ट)			0.00			
योग	**145259621.00**	**385949635.00**	**531209256.00**	**133095009.00**	**393315655.00**	**526410664.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) प्रयोगशाला व्यय						
बी) फील्ड कार्य/सम्मेलन सहभागिता	22000.00		22000.00		52950.00	52950.00
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	3417229.00	3689196.00	7106425.00	2647605.00	331457.00	2979062.00
डी) विजिटिंग फैकल्टी भुगतान			0.00	160203.00	184437.00	344640.00
ई) परीक्षा	416703.00	12147956.00	12564659.00	475526.00	14598661.00	15074187.00
एफ) छात्र कल्याण खर्च	126738.00	27516.00	154254.00	31244.00	79058.00	110302.00
जी) प्रवेश खर्च			0.00			
एच) दीक्षांत समारोह खर्च		33835.00	33835.00			
आई) प्रकाशन			0.00	21019.00	192956.00	213975.00
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति			0.00			
के) अनुसंधान खर्च	48475.00		48475.00			
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		438831.00	438831.00			
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	7842937.00	881189.00	8724126.00	5886015.00	739918.00	6625933.00
वार्षिक उत्सव	552346.00	6675321.00	7227667.00	193780.00	408574.00	602354.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	399107.00	139271.00	538378.00	169256.00	200668.00	369924.00
कम्प्यूटर शिक्षा	350000.00	138008.00	488008.00	515486.00	105106.00	620592.00
दूरस्थ शिक्षा	9774975.00		9774975.00	4542657.00	140774.00	4683431.00
सी.सी. आकस्मिकता		132302.00	132302.00		41967.00	41967.00
ई-टेक्स्ट	8950.00	132225.00	141175.00	100738.00		100738.00
ई-ग्रन्थालय	151645.00		151645.00	1286153.00		1286153.00
कौमुदी महोत्सव	3465148.00	153856.00	3619004.00	2399983.00	307523.00	2707506.00
उपहार	119741.00	221460.00	341201.00	43770.00	102854.00	146624.00
पी.एस.एस.टी.-शुल्क		1925212.00	1925212.00	20532.00	4383464.00	4403996.00
संस्कृत आयोग	163641.00		163641.00	2846357.00		2846357.00
संस्कृत दिवस समारोह	129240.00	1144296.00	1273536.00	138136.00	627744.00	765880.00
संस्कृत विश्वविद्यालय			0.00	3755881.00	35000.00	3790881.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र			0.00	9417303.00		9417303.00
हिन्दी दिवस समारोह	36809.00	198629.00	235438.00	38420.00		38420.00
महिला अध्ययन केन्द्र	431746.00		431746.00	62300.00		62300.00

क्रमश.....

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय क्रमश: .....

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ग्लोरी फेस्टिवल	111692.00		111692.00		400000.00	400000.00
प्रतियोगिताएँ			0.00	58273.00		58273.00
विश्व संस्कृत सम्मेलन	5312181.00		5312181.00	4667671.00		4667671.00
भाषा मन्दाकिनी		265436.00	265436.00	174193.00		174193.00
ज्ञान दर्शन			0.00			0.00
बसन्त महोत्सव			0.00		43219.00	43219.00
पालि प्राकृत			0.00			0.00
आइ.क्यू.ए.सी.	5931652.00		5931652.00			
विस्तृत व्याख्यान	143203.00	838774.00	981977.00			
रोड मैप विकास	630613.00		630613.00			
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्	821835.00		821835.00			
मु.स्वा.पी. (मुख्य खाता)	2454783.00		2454783.00	10565183.00	113154060.00	123719243.00
योजनाएँ	556419548.00	151180113.00	707599661.00	324182600.00		324182600.00
योग	**599282937.00**	**180363426.00**	**779646363.00**	**960009789.00**	**136130390.00**	**510530674.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) आधारभूत संरचना						
i) बिजली एवं पावर	4413935.00	9301658.00	13715593.00	3581083.00	7846801.00	11427884.00
ii) पानी शुल्क			0.00	5000.00	1135333.00	1140333.00
iii) बीमा			0.00			
iv) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	1226156.00	1406220.00	2632376.00	931187.00	2072772.00	3003959.00
बी) संचार			0.00			
v) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	294836.00	1138709.00	1433545.00	328678.00	806926.00	1135604.00
vi) दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	214837.00	831014.00	1045851.00	169673.00	3476042.00	3645715.00
सी) अन्य			0.00			
vii) मुद्रण एव लेखन सामग्री (खपत)	892738.00	2007455.00	2900193.00	695021.00	2366250.00	3061271.00
viii) यात्रा एवं वाहन खर्च	3615140.00	8781076.00	12396216.00	2455084.00	1626310.00	4081394.00
ix) अतिथि-सत्कार						
x) ऑडियोर पारिश्रमिक	71955.00	673110.00	745065.00	44280.00	193810.00	238090.00
xi) पेशेवर प्रभार			0.00	113950.00		113950.00
xii) विज्ञापन एवं प्रचार	438912.00	1587634.00	2026546.00	119517.00	1110792.00	1230309.00
xiii) पत्रिकाएं एवं जरनल		37112.00	37112.00			
ix) अन्य (निर्दिष्ट) नये परिसर की स्थापना	1234124.00		1234124.00			
आकस्मिक खर्च			0.00	7619329.00	13668225.00	21287554.00
संविदा मजदूर			0.00	2856157.00	507300.00	3363457.00
कानूनी खर्च	155300.00	1386990.00	1542290.00	221500.00	634433.00	855933.00
बैंक प्रभार			0.00	1820.00		1820.00
सुरक्षा हाउस कीपींग	2050280.00	2760246.00	4810526.00	2925289.00	730686.00	3655975.00
विविध खर्च	9058346.00	11898126.00	20956472.00			0.00
सी.वी.वी.टी.			0.00	2874.00		2874.00
योग	**23666559.00**	**41809350.00**	**65475909.00**	**22070442.00**	**36175680.00**	**58246122.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)						0
ए) रनिंग व्यय	908468.00	430951.00	1339419.00	858367.00	77844.00	936211.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव						0.00
सी) बीमा व्यय						0.00
डी) स्टाफ कार व्यय		431371.00	431371.00		566916.00	566916.00
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये						0.00
ए) किराया/लीज व्यय						0.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय						0.00
योग	**908468.00**	**862322.00**	**1770790.00**	**858367.00**	**644760.00**	**1503127.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) भवन						0
बी) फर्नीचर एवं फिक्सर						
सी) प्लांट एवं मशीनरी	584283.00	4004954.00	4589237.00	764314.00	3649071.00	4413385.00
डी) कार्यालय उपकरण						
ई) कम्प्यूटर	63939.00	398938.00	462877.00	43870.00	149210.00	193080.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण						
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण						
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ						
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क						
जे) बागवानी	50000.00	71775.00	121775.00		58119.00	58119.00
के) जायदाद रखरखाव						
एल) अन्य (निर्दिष्ट)						
योग	**698222.00**	**4475667.00**	**5173889.00**	**808184.00**	**3856400.00**	**4664584.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैंक प्रभार			0			0
बी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
			0			0
			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम			0			0
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया			0			0
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी			0			0
डी) अन्य (निर्दिष्ट)			0			0
योग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2016

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष		
विवरण	**योजना**	**गैर योजना**	**योग**	**योजना**	**गैर योजना**	**योग**
1. स्थापना व्यय			0			0
2. शैक्षिक व्यय			0.00			0
3. प्रशासनिक व्यय			0			0
4. परिवहन व्यय			0			0
5. मरम्मत एवं रखरखाव			0			0
6. अन्य (निर्दिष्ट)			-164726.00			0
7. अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)			1728808.00			
8. अन्य (प्रत्युत्सर्जन ..... ई-बुक)			-502343.00			
9. अन्य (प्रत्युत्सर्जन ..... एकस्व अधिकार)			30207.00			
योग	**0.00**	**0.00**	**1091946.00**	**0**	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 2015-16

अनुसची 23 - महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से फीस (ट्यूशन फीस को छोड़कर) एडमिशन फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1. भूमि	0%
2. साइट का विकास	0%
3. भवन	2%
4. सड़क एवं पुल	2%
5. ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6. सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7. विद्युत स्थापना और उपकरण	5%

क्रमश.....

8. संयंत्र और मशीनरी	5%
9. वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10. कार्यालय उपकरण	7.5%
11. दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12. कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14. वाहन	10%
15. पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1. ई-पत्रिका	40%
2. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3. पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोगकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची-4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शमिल हैं।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.11.2014 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 500/- दिया जा रहा है।

क्रमश.....

6.3 संस्थान के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित फंड, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है।

6.5 132 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सवधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 संस्थान में पेंशन के लिये एक चिह्नित फंड है एवं पांच दान फंड जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं फंड में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान

9.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित फंड एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए।

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना संस्थान में चल रही है जिसका लाभ वरिष्ठ शोध अध्येता/कनिष्ठ शोध अध्येता (वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधानकर्त्ता) जिसका लाभ ले रहें हैं।

12. आयकर

12.1 संस्थान एक मानित विश्वविद्यालय है और पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। कर के कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 2015-16

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

1.1 न्यायलय मुकदमा खर्च - रुपये 90,88,106/-

2. स्थायी संपत्ति

2.1 वर्ष 2015-16 में रुपये 4,08,89,631/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 संस्थान के पुरी परिसर के निर्माण की लागत अचल संपत्ति के तहत बिल्डिंग में ले लिया और सी.डब्लू.पी से बाहर रखा गया है।

2.3 रुपये 3,15,532/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	रुपये - 5,00,000/-
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	रुपये - 53,12,181/-

4. तुलन पत्र में रुपये - 6,28,122/- की राशि मुंबई परिसर में गबन से संबंधित है, उसे सस्पेंस एकाउट में दिखाया गया है (अनुसूची-3 देखें)। मामले का अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। राशि को सस्पेंस मद में रखा गया है।

5. वर्ष 2015-16 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 26.07.2016 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2016 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते उन सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

2015-16 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष	भुगतान	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष
i. पूर्व बकाया					**i. व्यय**				
a) हाथ में रोकड़	132148.00	275506.00	407654.00	436780.00	**a) स्थापना व्यय**	148517540.00	445168233.00	593685773.00	526410664.00
b) हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	7256.00		7256.00	33311.00	b) शैक्षिक व्यय	50560524.00	29183313.00	79743837.00	73194014.00
c) बैंक में शेष					c) प्रशासनिक व्यय	23666559.00	41809350.00	65475909.00	58246122.00
i) चालू खाता					d) यातायात व्यय	908468.00	862322.00	1770790.00	1503127.00
ii) जमा खाता					e) मरम्मत एवं देखभाल	711422.00	4475667.00	5187089.00	4664584.00
iii) बचत खाता	362467028.00	240545139.00	603012167.00	476784855.00	f) पूर्व अवधि व्यय				
d) बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	3033661.00		3033661.00	2582932.00	g) सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज				
e) छात्रवृत्ति	16031989.00		16031989.00	134281.00	**ii. निर्धारित भुगतान/दान निधि**	0.00	5000.00	5000.00	404226.00
ii. अनुदान प्राप्त					**iii. प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**			0.00	0.00
a. भारत सरकार से प्राप्त	935000000.00	679736000.00	1614736000.00	1258000000.00	**iv. परिसरों को अनुदान**	714527585.00	405882000.00	1120409585.00	623293000.00
b. राज्य सरकार से प्राप्त					**v. प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	556551773.00	151180113.00	707731886.00	437336660.00
c. भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त					**vi. कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	17283964.00		17283964.00	1393800.00
d. परिसर अनुदान	714527585.00	405882000.00	1120409585.00	623293000.00	**vii. मुक्त स्वाध्याय पीठ**			0.00	0.00
(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)					**viii. निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	61022921.00	325045563.00	386068484.00	153264000.00
f) कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)					**ix. पूर्व अवधि व्यय (अशुद्ध प्रविष्टि 31.3.15)**		3700000.00	3700000.00	
iii. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	937244.00	10686432.00	11623676.00	13842472.00	**ix. स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर**				
a) अन्य विविध प्राप्तियाँ	8358985.00	4648685.00	13007670.00	9518796.00	a) स्थायी सम्पत्ति	29853044.00	5853406.00	35706450.00	5835982.00
b) पूर्व अवधि आय	50057.00	0.00	50057.00	2629384.30	b) कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	374205400.00	1917200.00	376122600.00	26836000.00
iv. निर्धारित प्राप्तियाँ/इन्डोनमेन्ट निधि					c) सी.पी.डब्ल्यू.डी.	50000000.00		50000000.00	0.00
a) इन्डोनमेंट पुरस्कार		0.00	0.00	404226.00	**x. अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित**	42584950.00	119569717.00	162154667.00	118319826.79
v. प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ					**xi. जमा एवं अग्रिम**	8352182.00	18123764.00	26475946.00	28058797.00
a) मुख्यालय से प्राप्त			0.00		**xii. शेष राशि**				
b) अन्य स्रोत से आय					a) हाथ में रोकड़	371879.00	523083.00	894962.00	407654.00

क्रमश.....

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष	भुगतान	योजना	गैर योजना	योग	पूर्व वर्ष
vi. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ					b) हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	67649.00		67649.00	7256.00
कनिष्ठ छात्र वृत्ति	0.00		0.00	17291508.00	c) बैंक में शेष	144001848.00	266225456.00	410227304.00	362467028.24
vii. निवेश से आय					i) चालू खाते में				
a) निर्धारित/दान निधि		5000.00	5000.00		ii) जमा खाते में				
b) अन्य निवेश	56015565.00	313470195.00	369485760.00		iii) बचत खाते में				
viii) ब्याज प्राप्त					d) बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	874991.00		874991.00	243578799.63
a) बैंक में जमा	18370154.00	11803461.00	30173615.00	23856186.00	e)कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	872790.00		872790.00	16031989.00
b) ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	46406.00	320420.00	366826.00	593718.00					
c) बैंक बचत खाता	5823175.00	13345970.00	19169145.00	9890109.00					
d) बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)	21223.00		21223.00						
e) दान पर ब्याज	0.00	2235.00	2235.00	10311.00					
ix) नकद में निवेश									
स्थायी सम्पत्ति बिक्री									
x) कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी	50000000.00	0.00	50000000.00	94592000.00					
xi) अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	3700000.00		3700000.00						
xii. जमा एवं अग्रिम	5665299.00	19253341.00	24918640.00	29945289.00					
xiii. वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ (भेजी हुई रकम)	44747714.00	119549803.00	164297517.00	117414371.36					
योग	**2224935489.00**	**1819524187.00**	**4044459676.00**	**2681253529.66**	**योग**	**2224935489.00**	**1819524187.00**	**4044459676.00**	**2681253529.66**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

योजना

2015-16 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**													
i	हाथ में रोकड्		30809.00	19708.00	21763.00	29636.00	30232.00							**132148.00**
ii	हाथ में रोकड् (मु.स्वा.पी.)	7256.00												**7256.00**
iii	बचत खाता	344506985.00	2553753.00	2381084.00	2149633.00	3686011.00	4910983.00	937403.00	23138.00	293815.00	669549.00	163967.00	190707.00	**362467028.00**
iv	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	3033661.00												**3033661.00**
v	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)													**0.00**
vi	रखरखाव (मु.स्वा.पी.)		2224000.00											**2224000.00**
vii	रखरखाव	935000000.00												**935000000.00**
viii	सहायता सामान्य में योजना अनुदान		83884915.00	162598600.00	33218097.00	62372070.00	227184000.00	48274689.00	7539035.00	5344198.00	31419887.00	11845529.00	38622565.00	**712303585.00**
ix	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	16031989.00												**16031989.00**
x	पूर्व अवधि आय		50057.00											**50057.00**
	योग	**1298579891.00**	**88743534.00**	**164999392.00**	**35389493.00**	**66087717.00**	**232125215.00**	**49212092.00**	**7562173.00**	**5638013.00**	**32089436.00**	**12009496.00**	**38813272.00**	**2031249724.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**													
i	प्रवेश पत्र			92000.00	3880.00									**95880.00**
ii	परीक्षा प्राप्तियाँ													**0.00**
iii	प्रकाशनों की बिक्री		1505.00	6219.00	100.00	3708.00								**11532.00**
iv	एन.एफ.एस.सी.	713832.00												**713832.00**
v	पी.एस.एस.टी.			116000.00										**116000.00**
vi	दान पुरस्कार													**0.00**
	योग	**713832.00**	**1505.00**	**214219.00**	**3980.00**	**3708.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**937244.00**
3	**विविध प्राप्तियाँ**													**0.00**
i	मन्त्रालय प्रकाशन	399990.00												**399990.00**
ii	ज्ञान दर्शन	12007.00												**12007.00**
iii	कनिष्ठ शोध अध्येता (परिसरों से धन-वापसी)	2124765.00												**2124765.00**
iv	आर.टी.आई.			30.00										**30.00**
v	मुक्त स्वाध्याय पीठ	5018817.00												**5018817.00**
vi	अन्य विविध प्राप्तियाँ	430369.00	59456.00	147550.00	10413.00	5221.00	660.00		82827.00			60000.00		**796496.00**
vii	पुरी परिसर द्वारा धन वापसी (भवन)	50000000.00												**50000000.00**
viii	अशुद्ध प्रविष्टि 31.03.2015	3700000.00												**3700000.00**
ix	लाइसेंस शुल्क					6880.00								**6880.00**
	योग	**61685948.00**	**59456.00**	**147580.00**	**10413.00**	**12101.00**	**660.00**	**0.00**	**82827.00**	**0.00**	**0.00**	**60000.00**	**0.00**	**62058985.00**

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
4	ब्याज													0.00
i	बचत खाते पर ब्याज		240091.00	846001.00	226247.00	4118305.00	392531.00							5823175.00
ii	सावधि जमा रसीद पर ब्याज	18370154.00												18370154.00
iii	ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज		13881.00	25000.00		7525.00								46406.00
iv	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)		21223.00											21223.00
v	दान राशि पर ब्याज													0.00
	योग	**18370154.00**	**275195.00**	**871001.00**	**226247.00**	**4125830.00**	**392531.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**24260958.00**
5	**भेजी हुई रकम**													
i	आय कर		3161318.00	1737038.00	2103740.00	2873050.00	1606203.00							11481349.00
ii	सा.भ.नि.			2790797.00	1912000.00	1314941.00	1513000.00							7530738.00
iii	एन.पी.एस.		942974.00	470888.00	457417.00	1205878.00	337474.00							3414631.00
iv	जी.आई.एस.		62100.00	59165.00	26880.00	85530.00	24240.00							257915.00
v	अन्य विभागों को प्रेषण		446499.00	7136042.00	542952.00	3250207.00	10418174.00							21793874.00
vi	एल.आई.सी.			6474.00										6474.00
vii	प्रोफेशनल कर		116530.00		69200.00									185730.00
viii	टी.डी.एस.					7003.00								7003.00
ix	एस.डी. अग्रिम धन			70000.00										70000.00
	योग	**0.00**	**4729421.00**	**12270404.00**	**5112189.00**	**8736609.00**	**13899091.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**44747714.00**
6	**सावधि जमा रसीद**													
i	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित						0.00	56015565.00						56015565.00
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**56015565.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**56015565.00**
7	**रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर**													
i	रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर						0.00	0.00						0.00
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
8	अनुसूची (डी)													
i	एल.टी.सी.				100468.00	73000.00	276000.00							449468.00
ii	टी.ए.				224000.00	884000.00	99000.00							1207000.00
iii	त्यौहार			38700.00	13950.00	22875.00	18000.00							93525.00
iv	वाहन		20250.00	33720.00		36000.00	53100.00							143070.00
v	आकस्मिक व्यय				787050.00	1068350.00	1775400.00							3630800.00
vi	एच.बी.ए.													0.00
vii	चिकित्सा													0.00
viii	सा.भ.नि. अग्रिम						26000.00							26000.00
ix	कम्प्यूटर		56236.00			43200.00	16000.00							115436.00
	योग	**0.00**	**76486.00**	**72420.00**	**1125468.00**	**2127425.00**	**2263500.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**5665299.00**
9	गबन रकम की वापसी													0.00
	कुल योग	**1379349825.00**	**93885597.00**	**178575016.00**	**41867790.00**	**81093390.00**	**248680997.00**	**105227657.00**	**7645000.00**	**5638013.00**	**32089436.00**	**12069496.00**	**38813272.00**	**2224935489.00**

गैर योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

2015-16 के लिए प्राप्तियाँ लेखा की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

चालू वर्ष

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**								
i	हाथ में रोकड़	42562.00	5840.00	69827.00	50036.00	1270.00	48993.00	56978.00	**275506.00**
ii	बचत खाता	213573588.00	4747846.00	4510624.00	4102893.00	4312279.00	4133442.00	5164467.00	**240545139.00**
iii	पूर्व अवधि आय								**0.00**
iv	रखरखाव	679736000.00							**679736000.00**
v	एच.ओ. जनरल से प्राप्त		92559000.00	57157000.00	42798000.00	61421000.00	69541000.00	82406000.00	**405882000.00**
	योग	**893352150.00**	**97312686.00**	**61737451.00**	**46950929.00**	**65734549.00**	**73723435.00**	**87627445.00**	**1326438645.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**								
i	प्रवेश पत्र			57800.00				53000.00	**110800.00**
ii	प्रकाशन की बिक्री	1423828.00	173.00		46218.00	8740.00			**1478959.00**
iii	परीक्षा प्राप्तियां	6447755.00				4010.00			**6451765.00**
iv	छात्रावास शुल्क					200200.00			**200200.00**
v	सी.सी प्राप्तियाँ	148718.00			340000.00				**488718.00**
vi	पी.एस.एस.टी.	1826000.00							**1826000.00**
vii	विद्यावारिधि शुल्क	108400.00							**108400.00**
viii	फार्म की बिक्री					21590.00			**21590.00**
	योग	**9954701.00**	**173.00**	**57800.00**	**386218.00**	**234540.00**	**0.00**	**53000.00**	**10686432.00**
3	**विविध प्रप्तियाँ**								
i	अन्य विविध प्राप्तियाँ	2016013.00	46036.00	188529.00	400596.00	348372.00	673705.00	675890.00	**4349141.00**
ii	छुट्टियों का वेतन एवं पी.सी.	268592.00							**268592.00**
iii	लाईसेंस शुल्क		6240.00				5292.00	16610.00	**28142.00**

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
iv	आर.टी.आई.	2770.00		40.00					**2810.00**
	योग	**2287375.00**	**52276.00**	**188569.00**	**400596.00**	**348372.00**	**678997.00**	**692500.00**	**4648685.00**
4	**ब्याज**								
i	सा.भ.नि. पर ब्याज	9445051.00	2358410.00						**11803461.00**
ii	बचत पर ब्याज	9156003.00	3810040.00			379927.00			**13345970.00**
iii	ऋण पर ब्याज (कर्मचारी)	25547.00	80055.00	11251.00	35669.00		106470.00	61428.00	**320420.00**
iv	दान राशि पर ब्याज	2235.00							**2235.00**
	योग	**18628836.00**	**6248505.00**	**11251.00**	**35669.00**	**379927.00**	**106470.00**	**61428.00**	**25472086.00**
5	**प्रेषित राशि**								
i	आय कर	3636423.00	6237140.00	3839848.00	3226959.00	4697233.00	5175925.00	4999270.00	**31812798.00**
ii	सा.भ.नि.	10267592.00	9581425.00	5840618.00	5602115.00	5941214.00	6640500.00	12873254.00	**56746718.00**
iii	एन.पी.एस.	850834.00	1063253.00	127931.00		797645.00	538381.00	914868.00	**4292912.00**
iv	जी.आई.एस.	31236.00	98400.00	63790.00	126927.00	72375.00	66300.00	134526.00	**593554.00**
v	जी.आई.प्रिमियम	299129.00							**299129.00**
vi	अन्य विभागों को प्रेषित राशि		5640974.00	1725401.00		660368.00	2223537.00	11699837.00	**21950117.00**
vii	एल.आई.सी. (वेतन योजना)	963134.00	524442.00		18063.00	460057.00	97440.00	187766.00	**2250902.00**
viii	आर.डी.पी.ओ.								**0.00**
ix	प्रोफेशनल कर								**0.00**
x	टी.डी.एस.	552908.00		56741.00			80934.00	69774.00	**760357.00**
xi	पी.एल.आई.	284210.00							**284210.00**
xii	छात्रकोश एस.डी.						62600.00		**62600.00**
xiii	लाइब्रेरी जमानती राशि						37350.00		**37350.00**
xiv	अग्रिम राशि	8456.00				400.00		450300.00	**459156.00**
	योग	**16893922.00**	**23145634.00**	**11654329.00**	**8974064.00**	**12629292.00**	**14922967.00**	**31329595.00**	**119549803.00**
6	**सावधि जमा रसीद**								
i	250 के.वी.ए. डी.जी. सेट प्राप्त		1600000.00						**1600000.00**
ii	सावधि जमा रसीद परिपक्वता	311870195.00							**311870195.00**
iii	सावधि जमा रसीद (शुक्ला ट्रस्ट)	5000.00							**5000.00**
iv	सावधि जमा रसीद (जिन्दल ट्रस्ट)								

क्रमश.....

प्राप्तियाँ क्रमश:.....

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	जयपुर	योग
v	सावधि जमा रसीद (दूबे पुरस्कार)								**0.00**
vi	सावधि जमा रसीद (सोमैया ट्रस्ट)								**0.00**
	योग	**311875195.00**	**1600000.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**313475195.00**
7	अग्रिम खाता								
i	एल.टी.सी.	92480.00	55000.00	360800.00		136200.00	330720.00	115800.00	**1091000.00**
ii	टी.ए.	220000.00	589500.00	407500.00	443000.00	1357549.00	188500.00	237000.00	**3443049.00**
iii	त्यौहार	116625.00	89700.00	24750.00	60250.00	74250.00	68775.00	61650.00	**496000.00**
iv	वाहन	141955.00	174100.00	156656.00	37000.00	60755.00	141200.00	153800.00	**865466.00**
v	आकस्मिक व्यय	1014600.00	2357625.00	824000.00	1483300.00	1718304.00	2701750.00	1856150.00	**11955729.00**
vi	एच.बी.ए.	197888.00		24000.00	14476.00	36988.00	138660.00	43596.00	**455608.00**
vii	चिकित्सा	107240.00				225000.00	50000.00		**382240.00**
viii	कम्प्यूटर	107892.00		286000.00	8000.00	77857.00	30000.00	54500.00	**564249.00**
	योग	**1998680.00**	**3265925.00**	**2083706.00**	**2046026.00**	**3686903.00**	**3649605.00**	**2522496.00**	**19253341.00**
	कुल योग	**1254990859.00**	**131625199.00**	**75733106.00**	**58793502.00**	**83013583.00**	**93081474.00**	**122286464.00**	**1819524187.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 के लिए समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

योजना

भुगतान

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
व्यय													
A) स्थापना व्यय													
a) वेतन एवं मजदूरी	386835.00	20151325.00		34954850.00	24174913.00					22652485.00	34932183.00		**137252591.00**
b) कर्मचारी कल्याण व्यय													**0.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा		318299.00		216624.00	163559.00					131234.00	141093.00		**970809.00**
d) चिकित्सा सुविधा		119034.00		526187.00	382225.00					2242.00	130217.00		**1159905.00**
e) बच्चों हेतु शिक्षा		144731.00		471947.00	402049.00					30672.00	147223.00		**1196622.00**
f) मानदेय				51900.00	157852.00								**209752.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)				1616938.00	917761.00						790657.00		**3325356.00**
h) एन.पी.एस.		337474.00		942974.00	470888.00					457417.00	1205878.00		**3414631.00**
i) सी.पी.एफ. परिसर										81684.00			**81684.00**
j) सा.भ.नि. ब्याज		27999.00								878191.00			**906190.00**
योग (ए)	**386835.00**	**21098862.00**	**0.00**	**38781420.00**	**26669247.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**24233925.00**	**37347251.00**	**0.00**	**148517540.00**
(बी) शैक्षिक व्यय													
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	1832625.00	149616.00		146328.00	5335637.00					228715.00	150016.00		**7842937.00**
वार्षिक समारोह		21674.00		71846.00	203690.00					179060.00	76076.00		**552346.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा				85522.00	69924.00			37827.00	77920.00	127914.00			**399107.00**
कम्प्यूटर शिक्षा				350000.00									**350000.00**
दूरस्थ शिक्षा			657223.00	1715239.00	638065.00	916607.00	1725822.00	1461595.00	469785.00	477937.00	962714.00	749988.00	**9774975.00**
परीक्षा		65803.00		92671.00	125830.00					58486.00	73913.00		**416703.00**
ई-टैक्स्ट				6200.00	2750.00								**8950.00**
ई-ग्रन्थालय			87900.00									63745.00	**151645.00**
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय	50006.00	491311.00		519463.00	696520.00	694553.00				493526.00	471850.00		**3417229.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता				22000.00									**22000.00**
कौमुदी महोत्सव	3145368.00	48191.00		48479.00	94362.00					78748.00	50000.00		**3465148.00**
विद्वानों को मानदेय													**0.00**
उपहार		46211.00									73530.00		**119741.00**
प्रकाशन													**0.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क													**0.00**
संस्कृत आयोग	163641.00												**163641.00**
संस्कृत दिवस समारोह		42701.00		24416.00						62123.00			**129240.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
ग्लोर त्यौहार					111692.00								**111692.00**
छात्र कल्याण व्यय		2056.00		101848.00							22834.00		**126738.00**
हिन्दी दिवस समारोह					36809.00								**36809.00**
महिला अध्ययन केन्द्र					431746.00								**431746.00**
अनुसंधान सक्रियता				48475.00									**48475.00**
विश्व संस्कृत सम्मेलन	5312181.00												**5312181.00**
भाषा मन्दाकिनी													**0.00**
वसंत महोत्सव													**0.00**
आई.क्यू.ए.सी.	1596635.00					70440.00	150000.00					4114577.00	**5931652.00**
विस्तृत व्याख्यान		15000.00		150.00	51088.00					18168.00	58797.00		**143203.00**
रोड मैप विकास	630613.00												**630613.00**
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद	821835.00												**821835.00**
मु.स्वा.पी. (मुख्य रोकड़ बही)	2454783.00												**2454783.00**
मु.स्वा.पी. (रोकड़ बही)	7697135.00												**7697135.00**
योग (बी)	**23704822.00**	**882563.00**	**745123.00**	**3232637.00**	**7798113.00**	**1681600.00**	**1875822.00**	**1499422.00**	**547705.00**	**1724677.00**	**1939730.00**	**4928310.00**	**50560524.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय													
विद्युत आपूर्ति		510112.00		2389076.00	1213111.00						301636.00		**4413935.00**
जल शुल्क													**0.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)				555466.00	654946.00						15744.00		**1226156.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी		17515.00		42500.00	142521.00					22300.00	70000.00		**294836.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय		69573.00		49162.00						25622.00	70480.00		**214837.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)		50480.00		97987.00	501899.00					14303.00	228069.00		**892738.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय		892770.00		426959.00	1511274.00					243913.00	540224.00		**3615140.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				71955.00									**71955.00**
प्रोफेशनल व्यय													**0.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	272678.00	23017.00		14459.00	87666.00					4830.00	36262.00		**438912.00**
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय													**0.00**
संविदा श्रमिक													**0.00**
कानूनी व्यय					155300.00								**155300.00**
बैंक प्रभार													**0.00**
प्रतिभूति हाउस कीपिंग				2050280.00									**2050280.00**
विविध व्यय	1627237.00	2287630.00		238079.00	2756390.00				59850.00	369773.00	1719387.00		**9058346.00**
नये परिसरों पर स्थापना व्यय	1234124.00												**1234124.00**
योग (सी)	**3134039.00**	**3851097.00**	**0.00**	**5935923.00**	**7023107.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**59850.00**	**680741.00**	**2981802.00**	**0.00**	**23666559.00**
d) यातायात व्यय													
रनिंग व्यय					908468.00								**908468.00**
													0.00
योग (डी)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**908468.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**908468.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
e) मरम्मत एवं रखरखाव													
मरम्मत एवं रखरखाव		173747.00		72167.00	215358.00					31290.00	91721.00		**584283.00**
कम्प्यूटर रखरखाव		35264.00		41875.00									**77139.00**
बागवानी देखभाल		50000.00											**50000.00**
योग (ई)	**0.00**	**259011.00**	**0.00**	**114042.00**	**215358.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**31290.00**	**91721.00**	**0.00**	**711422.00**
F) पूर्व अवधि व्यय													**0.00**
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ													
छात्रवृत्ति	31390385.00	984006.00		5771801.00	4442391.00					1220632.00	3407071.00		**47216286.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	17029604.00			52491.00			40000.00	45000.00	99950.00	39768.00		28577.00	**17335390.00**
शास्त्र चूड़ामणि	5275975.00												**5275975.00**
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	173224.00												**173224.00**
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3288113.00												**3288113.00**
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	199943.00												**199943.00**
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	1637795.00												**1637795.00**
डेक्कन कॉलेज, पुणे	10067069.00												**10067069.00**
राष्ट्रपति सम्मान	14136093.00												**14136093.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	234849207.00												**234849207.00**
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	120696491.00												**120696491.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा/राज्य स्तर	5708295.00												**5708295.00**
एन.ई.आर.	31377694.00												**31377694.00**
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	799070.00												**799070.00**
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	19176602.00												**19176602.00**
उच्चमाध्यमिक/उच्च विद्यालयों को अनुदान	432000.00												**432000.00**
सम्मान राशि	5112126.00												**5112126.00**
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)													**0.00**
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान													**0.00**
पंचांग परियोजना				134944.00									**134944.00**
गुरुकुल संकल्पना											400000.00		**400000.00**
पालि एवं प्राकृत	908278.00						942694.00		2194529.00				**4045501.00**
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार													**0.00**
ई-पाठशाला पुस्तक	280100.00												**280100.00**
परियोजना	2921383.00	3500000.00	3000000.00	3000000.00	3000000.00	3000000.00		3000000.00	3000000.00	3000000.00	3000000.00	3000000.00	**33421383.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना													**0.00**
ज्योतिष परियाजना					433730.00								**433730.00**
नाट्यशास्त्र परियोजना				354742.00									**354742.00**
परिसर को प्रेषण													**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
योग (एफ)	**505459447.00**	**4484006.00**	**3000000.00**	**9313978.00**	**7876121.00**	**3000000.00**	**982694.00**	**3045000.00**	**5294479.00**	**4260400.00**	**6807071.00**	**3028577.00**	**556551773.00**
V. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को भुगतान													**0.00**
कनिष्ठ शोध अध्येता	17283964.00												**17283964.00**
													0.00
VI. परिसरों को अनुदान	714527585.00												**714527585.00**
													0.00
VI. राष्ट्रकृत बैंकों में अवधि जमा						15267930.00	5979800.00					39775191.00	**61022921.00**
													0.00
VII. स्थाई सम्पत्तियों एवं कैपिटल कार्य प्रगति पर व्यय		191156000.00		21780600.00	110032777.00	8353670.00	27048000.00		2546979.00		8815000.00	4472374.00	**374205400.00**
स्थायी सम्पत्तिया													**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण			441250.00	437750.00	418339	856650.00	166750			641025.00	721250.00		**3683014.00**
फर्नीचर, फिक्सर एवं फिटिंग्स		1131953.00	772918.00	3977555.00	5800.00	1581326.00	1192908	3100380.00	3130750.00	803077.00	1549831.00	1888112.00	**19134610.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाऐं		172697.00	473048.00	389214.00	331254.00	228930.00	450554			307474.00	339590.00		**2692761.00**
प्लांट एवं मशीनरी		1497091.00	115600.00	78578.00	993888.00	155900.00	613058			51927.00	118370.00		**3624412.00**
प्रकाशन		140713.00			114500.00	220935.00					188100.00		**664248.00**
पाण्डुलिपियां													**0.00**
प्रयोगशाला उपकरण		33599.00			11400.00								**44999.00**
कैपिटल कार्य प्रगति पर (परिसर से धन वापसी)												50000000.00	**50000000.00**
इन्टेन्जीबल (टैली साफ्टवेयर)				9000.00									**9000.00**
आई.क्यू.ए.सी.													**0.00**
योग (एफ)	**0.00**	**2976053.00**	**1802816.00**	**4892097.00**	**1875181.00**	**3043741.00**	**2423270.00**	**3100380.00**	**3130750.00**	**1803503.00**	**2917141.00**	**51888112.00**	**79853044.00**
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित													
आय कर		1606203.00		3161318.00	1737038.00					2103740.00	2751650.00		**11359949.00**
सा.भ.नि.		1513000.00			2974985.00					1912000.00	1314941.00		**7714926.00**
जी.आई.एस.		24240.00		62418.00	59165.00					26880.00	144777.00		**317480.00**
एन.पी.एस.		337474.00		942974.00	470888.00					457417.00	1205878.00		**3414631.00**
सी.पी.एफ.													**0.00**
प्रोफेशनल कर				116530.00						64325.00	121400.00		**302255.00**
एल.आई.सी. वेतन					6474.00								**6474.00**
बैंको को भेजी राशि													**0.00**
पुस्तकालय जमानती राशि													**0.00**
छात्रावास जमानती राशि													**0.00**
अग्रिम राशि					90000.00								**90000.00**
अन्य संस्थाओं से प्राप्त सा.भ.नि.													**0.00**
अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि													**0.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	बलाहार	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	पुरी	योग
पी.सी.ए. ब्याज													**0.00**
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि		10418174.00		446499.00	4789218.00					547392.00	3170949.00		**19372232.00**
टी.डी.एस.											7003.00		**7003.00**
योग (जी)	**0.00**	**13899091.00**	**0.00**	**4729739.00**	**10127768.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**5111754.00**	**8716598.00**	**0.00**	**42584950.00**
X. जमा एवं अग्रिम													
वाहन		53100.00			46720.00								**99820.00**
त्यौहार अग्रिम		18000.00			40500.00					15300.00	18000.00		**91800.00**
एल.टी.सी. अग्रिम		276000.00								100468.00			**376468.00**
डाक-व्यय अग्रिम													**0.00**
टी.ए.		169000.00								209000.00	934000.00		**1312000.00**
सा.भ.नि. अग्रिम		26000.00											**26000.00**
कम्प्यूटर अग्रिम		16000.00									80000.00		**96000.00**
आकस्मिक व्यय		2025400.00			2459644.00					787050.00	1078000.00		**6350094.00**
चिकित्सा अग्रिम													**0.00**
एच.बी.ए.													**0.00**
टी.ए.ए.													**0.00**
कार्यालय अग्रिम													**0.00**
वसूलीयोग्य अग्रिम													**0.00**
सुरक्षा जमा राशि													**0.00**
योग (एच)	**0.00**	**2583500.00**	**0.00**	**0.00**	**2546864.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**1111818.00**	**2110000.00**	**0.00**	**8352182.00**
													0.00
XII. अन्तिम शेष													**0.00**
a) हाथ में रोकड़	65323	31972.00		58918.00	203765.00					6978.00	4923.00		**371879.00**
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	7913.00			59736.00									**67649.00**
b) बैंक में शेष													**0.00**
i. चालू खाता													**0.00**
ii. जमा खाता													**0.00**
iii. बचत खाता	113552421	7458842.00	90074.00	4466202.00	3298247.00	742495.00	503686.00	198.00	489733.00	2902704.00	9362153.00	1135093.00	**144001848.00**
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	354686.00			520305.00									**874991.00**
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	872790.00												**872790.00**
योग (जे)	**114853133.00**	**7490814.00**	**90074.00**	**5105161.00**	**3502012.00**	**742495.00**	**503686.00**	**198.00**	**489733.00**	**2909682.00**	**9367076.00**	**1135093.00**	**146189157.00**
योग	**1379349825.00**	**248680997.00**	**5638013.00**	**93885597.00**	**178575016.00**	**32089436.00**	**38813272.00**	**7645000.00**	**12069496.00**	**41867790.00**	**81093390.00**	**105227657.00**	**2224935489.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 में समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा अनुसूची

गैर योजना

भुगतान

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
I. व्यय								
A. स्थापना व्यय								
a) वेतन एवं मजदूरी	65641483.00	26446678.00	47547750.00	63265325.00	39329881.00	45539809.00	62778146.00	**350549072.00**
b) स्टाफ कल्याण व्यय								**0.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा	329220.00	345351.00	185320.00	428128.00			313459.00	**1601478.00**
d) चिकित्सा सुविधा	3055294.00	496813.00	582210.00	349464.00	375357.00	854691.00	1657862.00	**7371691.00**
e) बच्चों की शिक्षा	919799.00	326835.00	193161.00	279367.00			685671.00	**2404833.00**
f) मानदेय	646564.00							**646564.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	28776943.00	8388124.00	5375676.00	5089187.00	8592886.00	6699686.00	11606693.00	**74529195.00**
h) एन.पी.एस.	850834.00	576223.00	797645.00	914868.00	127931.00	538381.00	1063253.00	**4869135.00**
i) सा.भ.नि. पर ब्याज								**0.00**
j) सी.पी.एफ. परिसर			61408			22564.00	3112293.00	**3196265.00**
योग (ए)	**100220137.00**	**36580024.00**	**54743170.00**	**70326339.00**	**48426055.00**	**53655131.00**	**81217377.00**	**445168233.00**
B. शैक्षिक व्यय								
प्रवेश व्यय								
अखिल भारतीय युवा महोत्सव		86829.00		168704.00	250267.00	153389.00	222000.00	**881189.00**
वार्षिक समारोह	6222517.00		35730.00	62900.00	258424.00		95750.00	**6675321.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा			41964.00				97307.00	**139271.00**
दीक्षान्त व्यय						33835.00		**33835.00**
कम्प्यूटर शिक्षा			138008.00					**138008.00**
दूरस्थ शिक्षा								**0.00**
परीक्षा	11351059.00		64815.00	145923.00	233799.00	116525.00	235835.00	**12147956.00**
सी.सी. आकस्मिक व्यय	132302.00							**132302.00**
ई-टेक्स्ट						132225.00		**132225.00**
ई-ग्रन्थालय								**0.00**
सम्मेलनों/कार्यशालाओं पर व्यय		987156.00	563546.00	236384.00	582168.00	724942.00	595000.00	**3689196.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलनों में प्रतिभागिता								**0.00**
कौमुदी महोत्सव		17873.00		17972.00		68011.00	50000.00	**153856.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
प्रयोगशाला सम्बन्धित व्यय								**0.00**
अतिथि अध्यापकों का मानदेय								**0.00**
पुरस्कार						48569.00	59895.00	**108464.00**
प्रकाशन								**0.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क	1925212.00							**1925212.00**
संस्कृत दिवस समारोह	992960.00	59386.00		35950.00			56000.00	**1144296.00**
संस्कृत विश्वविद्यालय								**0.00**
छात्रवृत्ति/सह-योग्यता छात्रवृत्ति								**0.00**
छात्र कल्याण व्यय			26717.00				799.00	**27516.00**
हिन्दी दिवस समारोह	115369.00			83260.00				**198629.00**
महिला अध्ययन केंद्र								**0.00**
ग्लोरी महोत्सव								**0.00**
विस्तृत व्याख्यान		50253.00	48507.00	101153.00	401285.00	72576.00	165000.00	**838774.00**
वसंत महोत्सव					265436.00			**265436.00**
खेल-कूद					70686.00	42310.00		**112996.00**
अन्य (निर्दिष्ट)				338831.00			100000.00	**438831.00**
योग (बी)	**20739419.00**	**1201497.00**	**919287.00**	**1191077.00**	**2062065.00**	**1392382.00**	**1677586.00**	**29183313.00**
C. प्रशासनिक व्यय								
विद्युत आपूर्ति	2760458.00	249150.00	711293.00	1123515.00	890500.00	2333086.00	1233656.00	**9301658.00**
शुल्क								**0.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	1148992.00					118471.00	138757.00	**1406220.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी	843359.00	24501.00	51450.00	62051.00	30000.00	43780.00	83568.00	**1138709.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	417225.00	40334.00	72512.00	44752.00	144622.00	27715.00	83854.00	**831014.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1439417.00	33039.00	111393.00	101052.00	134039.00	59385.00	129130.00	**2007455.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय	5785714.00	282915.00	629821.00	634184.00	656574.00	129516.00	662352.00	**8781076.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	330965.00	117850.00	63875.00	89000.00		25935.00	45485.00	**673110.00**
प्रोफेशनल व्यय								**0.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	1361162.00	8106.00	36352.00	43930.00	41331.00	16543.00	80210.00	**1587634.00**
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय	8410.00					3370.00	25332.00	**37112.00**
संविदा श्रमिक								**0.00**
कानूनी व्यय	1111448.00	16732.00	50000.00	16675.00	15130.00	113220.00	63785.00	**1386990.00**
बैंक प्रभार								**0.00**
प्रतिभूति हाउस कीपिंग				982382.00		1777864.00		**2760246.00**
विविध व्यय	5375178.00	1508188.00	1030650.00	551774.00	1673212.00	533351.00	1225773.00	**11898126.00**
सी.वी.वी.टी.								**0.00**
योग (सी)	**20582328.00**	**2280815.00**	**2757346.00**	**3649315.00**	**3585408.00**	**5182236.00**	**3771902.00**	**41809350.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
d) यातायात व्यय								
रनिंग व्यय	364786.00	66165.00						**430951.00**
स्टाफ कार व्यय	355030.00		76341.00					**431371.00**
योग (डी)	**719816.00**	**66165.00**	**76341.00**	**0**	**0**	**0**	**0**	**862322.00**
e) मरम्मत एवं रखरखाव								
मरम्मत एवं रखरखाव	1677849.00	150237.00	121314.00	142569.00	1327634.00		585351.00	**4004954.00**
कम्प्यूटर रखरखाव		91072.00		179006.00			128860.00	**398938.00**
बागवानी देखभाल				33750.00			38025.00	**71775.00**
योग (ई)	**1677849.00**	**241309.00**	**121314.00**	**355325.00**	**1327634.00**	**0.00**	**752236.00**	**4475667.00**
f) पूर्व अवधि व्यय (31.03.2015 को अशुद्ध प्रविष्टि)	3700000.00							**3700000.00**
g) सा.भ.नि. ब्याज								**0.00**
II. निधारित के अगेंस्ट भुगतान/दान निधि								**0.00**
								0.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ								**0.00**
छात्रवृत्ति		3483542.00	2648703.00	6216210.00	2554780.00	6152891.00	8446317	**29502443.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र								**0.00**
कनिष्ठ शोधछात्रवृत्ति								**0.00**
डाटा इन्ट्री आपरेटर ई-ग्रन्थालय								**0.00**
पंचाग परियोजना								**0.00**
संस्कृत सर्वेक्षण परियोजना								**0.00**
राष्ट्रपति सम्मान	9512706.00							**9512706.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	112164964.00							**112164964.00**
ई-परियोजना								**0.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना								**0.00**
मुक्त स्वाध्याय पीठम								**0.00**
ज्योतिष परियोजना								**0.00**
कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति								**0.00**
सी.एस.एस.ई.टी.								**0.00**
परिसरों को दिया गया अनुदान	405882000.00							**405882000.00**
योग (एफ)	**527559670.00**	**3483542.00**	**2648703.00**	**6216210.00**	**2554780**	**6152891.00**	**8446317.00**	**557062113.00**
V. शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को प्रायोजित भुगतान								
VI. शैड्यूल्ड बैंक में अवधि जमा								**0.00**
सावधि जमा रसीद खरीद	325045563.00							**325045563.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
सावधि जमा रसीद (शुक्ला पुरस्कार)	5000.00							**5000.00**
सावधि जमा रसीद (जे.टी.)								**0.00**
सावधि जमा रसीद (डी.ए.)								**0.00**
योग (जी)	**325050563.00**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**325050563.00**
VII. स्थायी सम्पत्तियां एवं कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस पर व्यय								**0.00**
स्थायी सम्पत्तियां								**0.00**
भवन								**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण				67388.00			60000.00	**127388.00**
फर्नीचर, फिक्चर एवं फिटिंग्स	334956.00	179196.00			147614.00	24995.00	90315.00	**777076.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाओं			105710.00	49253.00	18392.00	77576.00	84114.00	**335045.00**
संयंत्र एवं मशीनरी	461341.00	14550.00	241192.00	14950.00	17700.00	1750.00	2440850.00	**3192333.00**
प्रकाशन	827904.00	249850.00						**1077754.00**
पाण्डुलिपि		258000.00						**258000.00**
प्रयोगशाला उपकरण					85810.00			**85810.00**
कैपिटल कार्य प्रगति पर						1917200.00		**1917200.00**
सी.पी.डब्ल्यू.डी.								**0.00**
योग (एच)	**1624201.00**	**701596.00**	**346902.00**	**131591.00**	**269516.00**	**2021521.00**	**2675279.00**	**7770606.00**
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित								
आय कर	3636423.00	3226959.00	4697233.00	4999270.00	3839848.00	5175925.00	6237140.00	**31812798.00**
सा.भ.नि.	10267592.00	5602115.00	5941214.00	12873254.00	5840618.00	6640500.00	9581425.00	**56746718.00**
जी.आई.एस.	37731.00	126927.00	72375.00	134526.00	63790.00	66300.00	98400.00	**600049.00**
एन.पी.एस.	850834.00		797645.00	914868.00	127931.00	538381.00	1063253.00	**4292912.00**
सी.पी.एफ.								**0.00**
जी.आई.प्रिमियम	329470.00							**329470.00**
पी.एल.आई..	284210.00							**284210.00**
प्रोफेशनल कर								**0.00**
एल.आई.सी. वेतन	993848.00	18063.00	460057.00	187766.00		97440.00	524442.00	**2281616.00**
बैंक को भेजा धन								**0.00**
लाइब्रेरी जमानती राशि						63800.00		**63800.00**
छात्रावास जमानती राशि				110600.00		96700.00		**207300.00**
बयाना राशि			300.00					**300.00**
पी.सी.ए. ब्याज								**0.00**
परीसरों द्वारा भेजी गई रकम			732933.00	11609107.00	1955136.00	2252037.00	5640974.00	**22190187.00**
टी.डी.एस.	552908.00			69774.00	56741.00	80934.00		**760357.00**
योग (आई)	**16953016.00**	**8974064.00**	**12701757.00**	**30899165.00**	**11884064.00**	**15012017.00**	**23145634.00**	**119569717.00**

क्रमश.....

भुगतान क्रमशः .....

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	पुरी	योग
x. जमा एवं अग्रिम								
वाहन	20000.00			90000.00	26500.00	96000.00		**232500.00**
त्यौहार अग्रिम	120000.00		76500.00	76950.00	34500.00	63000.00		**370950.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	92480.00		136200.00	115800.00	360800.00	346720.00	55000.00	**1107000.00**
डाक हेतु अग्रिम								**0.00**
टी.ए.	220000.00	443000.00	1701645.00	237000.00	395000.00	188500.00	589500.00	**3774645.00**
विविध अग्रिम								**0.00**
कम्प्यूटर अग्रिम	59000.00			60000.00		30000.00	3200.00	**152200.00**
कॉन्टीजेन्ट्स	1014600.00	144000.00	1817804.00	1856150.00	810500.00	45000.00	2583125.00	**8271179.00**
चिकित्सा अग्रिम	449240.00		225000.00			40000.00	100000.00	**814240.00**
एच.बी.ए.	561000.00	30000.00						**591000.00**
कार्यालय अग्रिम		1453300.00				1356750.00		**2810050.00**
वसूलीयोग्य अग्रिम								**0.00**
जमानत राशि								**0.00**
योग (जे)	**2536320.00**	**2070300.00**	**3957149.00**	**2435900.00**	**1627300.00**	**2165970.00**	**3330825.00**	**18123764.00**
X अन्तिम शेष								**0.00**
ए) हाथ में रोकड़	7762.00	98429.00	2031	30082.00	1667.00	373945.00	9167.00	**523083.00**
बी) बैंक में शेष								**0.00**
i. चालू खाता में रोकड़								**0.00**
ii. जमा खाता में रोकड़								**0.00**
iii. बचत खाता में रोकड़	233619778.00	3095761.00	4739583.00	7051460.00	3994617.00	7125381.00	6598876.00	**266225456.00**
योग (के)	**233627540.00**	**3194190.00**	**4741614.00**	**7081542.00**	**3996284.00**	**7499326.00**	**6608043.00**	**266748539.00**
योग	**1254990859.00**	**58793502.00**	**83013583.00**	**122286464.00**	**75733106.00**	**93081474.00**	**131625199.00**	**1819524187.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	30825275.00	42677683.00	1	सावधि जमा	271712600.00	254221154.00
2	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	83352301.00	65417916.00	2	31.03.2016 को निवेश से अर्जित ब्याज	6746574.00	
3	घटाया - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	65532629.00	49593254.00	3	बैंक में रोकड़	53423288.00	30825275.00
4	घटाया - पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00				
5	31.03.2015 को देनदारियां	254221154.00	210816548.00				
6	जोड़ा - आय से अधिक व्यय	29016361.00	15727536.00				
	योग	**331882462.00**	**285046429.00**		**योग**	**331882462.00**	**285046429.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

राशि ₹ में

व्यय				आय			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष			चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
a	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	7981983.00	6118636.00	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
b	बैंक प्रभार	327.00	78.00	a	सावधि जमा पर ब्याज	18719980.00	12130889.00
c	ग्राहको को दिया गया ब्याज	0.00	0.00	b	बचत खाता	2420418.00	3326769.00
	कुल योग (बी)	**7982310.00**	**6118714.00**	c	मुख्य खाते से स्थानान्तरित ब्याज	9030015.00	6311600.00
				d	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
				e	31.03.2016 को निवेश से अर्जित ब्याज	6746574.00	
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**29016361.00**	**15727536.00**	f	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	81684.00	76992.00
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**29016361.00**	**15727536.00**		**कुल योग (ए)**	**36998671.00**	**21846250.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	30825275.00	42677683.00	1	अन्तिम भुगतान	37221894.00	24096847.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	50154883.00	45272415.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	9474605.00	12764114.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	10331338.00	11241825.00	3	सावधि जमा की खरीद	145634807.00	163039618.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	0.00	357440.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	18836130.00	12732293.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	128143361.00	119635012.00	5	मुख्य खाते मं स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	7981983.00	6118636.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	18719980.00	12130889.00	6	बैंक प्रभार	327.00	78.00
7	बचत खाता पर ब्याज	2420418.00	3326769.00	7	अशंदायी को देय ब्याज	0.00	0.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	22866080.00	8546236.00	8	**नगद शेष**		
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	81684.00	76992.00		बैंक में रोकड़	53423288.00	30825275.00
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	9030015.00	6311600.00				
11	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00				
12	पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00				
	कुल योग	**272573034.00**	**249576861.00**		**कुल योग**	**272573034.00**	**249576861.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ — **राशि ₹ में**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	श्रृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	कुलयोग
1.	आदि शेष	8870859.00	5638351.00	2184232.00	230121.00	522717.00	2392279.00	4212699.00	510129.00	88993.00	4298250.00	1239937.00	636708.00	**30825275.00**
2.	सा.भ.नि. अंशदान	9535792.00	7854000.00	4462000.00	3786000.00	3995734.00	6825657.00	5280000.00	1474000.00	925700.00	1746000.00	2214000.00	2056000.00	**50154883.00**
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	731800.00	1727425.00	1370088.00	317400.00	1945480.00	1915695.00	1360500.00	65000.00	340500.00	450050.00	107400.00		**10331338.00**
4.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)													**0.00**
5.	सावधि जमा परिपक्व	18500000.00			27082705.00	5329073.00	38539251.00	2920537.00	8417478.00	7800000.00	3100000.00	16454317.00		**128143361.00**
6.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	4852169.00	2614175.00		2104648.00	956526.00	3481680.00	2136295.00	712227.00		371399.00	1490861.00		**18719980.00**
7.	बचत खाता पर ब्याज	242596.00	330035.00	116228.00		41016.00	95402.00	195763.00	99097.00	632552.00	96971.00	46076.00	524682.00	**2420418.00**
8.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	8038903.00	1160912.00	1012625.00	1518715.00		1271991.00	26942.00	1361246.00	1784055.00	5038780.00	342488.00	1309423.00	**22866080.00**
9.	संस्थान का योगदान												81684.00	**81684.00**
10.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण		3112293.00				3582289.00					1457242.00	878191.00	**9030015.00**
11.	पूर्व वर्ष त्रुटि													**0.00**
12.	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज													**0.00**
	योग	**50772119.00**	**22437191.00**	**9145173.00**	**35039589.00**	**12790546.00**	**58104244.00**	**16132736.00**	**12639177.00**	**11571800.00**	**15101450.00**	**23352321.00**	**5486688.00**	**272573034.00**

भुगतान

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	श्रृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	कुलयोग
1.	अन्तिम भुगतान	11891789.00	8522078.00	400000.00	2338057.00	3381800.00	2868000.00	4000170.00		400000.00	1400000.00	1900000.00	120000.00	**37221894.00**
2.	सा.भ.नि. अग्रिम	837000.00	960750.00	1103135.00	319000.00	1546665.00	2053955.00	1919500.00		356600.00	282000.00	96000.00		**9474605.00**
3.	सावधि-जमा की खरीद	33352169.00		2000000.00	31477747.00	5561482.00	46520931.00	4455000.00	8417478.00	7850000.00	6000000.00			**145634807.00**
4.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	692329.00	1417292.00	598704.00	855560.00	2243452.00	562208.00	5325087.00	2869495.00	2721865.00	1550138.00			**18836130.00**
5.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण		2942452.00				3582289.00					1457242.00		**7981983.00**
6.	बैंक प्रभार	42.00				145.00					140.00			**327.00**
7.	अंशदायी को देय ब्याज													**0.00**
	नगद शेष													0
8.	बैंक में रोकड़	3998790.00	8594619.00	5043334.00	49225.00	57002.00	2516861.00	432979.00	1352204.00	243335.00	5869172.00	19899079.00	5366688.00	**53423288.00**
	योग	**50772119.00**	**22437191.00**	**9145173.00**	**35039589.00**	**12790546.00**	**58104244.00**	**16132736.00**	**12639177.00**	**11571800.00**	**15101450.00**	**23352321.00**	**5486688.00**	**272573034.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देयताएं				सम्पत्तियाँ			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूंजी निधि**			i)	सावधि जमा	2140545.00	1240545.00
i)	पूर्व शेष	686100.00	284943.00	ii)	वर्तमान सम्पत्तियां	2140545.00	1240545.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान+परिसरों से प्राप्त राशि	16937599.00	14993812.00	iii)	बैंक में शेष	616558.00	686100.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष में समायोजन त्रुटि	0.00	0.00				
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरित	16339853.00	-14444062.00				
v)	घटाया - 31.03.15 में जमा देनदारियां	1240545.00	940545.00				
vi)	व्यय से अधिक आय	232712.00	151407.00				
	कुल योग	**2757103.00**	**1926645.00**		**कुल योग**	**2757103.00**	**1926645.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित आय एवं व्यय

राशि ₹ में

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1	मुख्य खाते में स्थानांतरित ब्याज	0.00	0.00	1	सावधि जमा पर ब्याज		
2	बैंक संग्रहण प्रभार	222.00	410.00	2	बचत खाते पर अर्जित ब्याज	0.00	9795.00
3	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	0.00	0.00			232934.00	142022.00
	कुल योग (बी)	**222.00**	**410.00**				
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**232712.00**	**151407.00**				
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**232712.00**	**151407.00**		**कुल योग (ए)**	**232934.00**	**151817.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ						भुगतान					
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**					1	सावधि जमा क्रय	1400000.00	900000.00	2300000.00	1400000.00
						2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	674948.00	370067.00	1045015.00	408284.00
i)	आदि शेष	108425.00	577675.00	686100.00	284943.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	3414631.00	4869135.00	8283766.00	7496906.00	4	बैंक प्रभार	222.00	0.00	222.00	410.00
iii)	संस्थान का योगदान	3414631.00	4869135.00	8283766.00	7496906.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	61408.00	61408.00	30476.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	141409.00	30117.00	171526.00	111546.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	5924266.00	9370572.00	15294838.00	14035778.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	370067.00	370067.00	0.00	9	**बैंक में शेष**	479660.00	136898.00	616558.00	686100.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	1400000.00	0.00	1400000.00	1100000.00						
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	9795.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	0.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	0.00						
	कुल योग	**8479096.00**	**10777537.00**	**19256633.00**	**16530572.00**		**कुल योग**	**8479096.00**	**10777537.00**	**19256633.00**	**16530572.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.स.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एन.पी.योग	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योजना योग	योग
i)	आदि शेष	23446.00		10485.00		543744.00			**577675.00**		108425.00				**108425.00**	**686100.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	850834.00	1063253.00	127931.00	576223.00	797645.00	914868.00	538381.00	**4869135.00**	337474.00	1205878.00	470888.00	942974.00	457417.00	**3414631.00**	**8283766.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	850834.00	1063253.00	127931.00	576223.00	797645.00	914868.00	538381.00	**4869135.00**	337474.00	1205878.00	470888.00	942974.00	457417.00	**3414631.00**	**8283766.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज					61408.00			**61408.00**						**0.00**	**61408.00**
v)	पूर्व शेष								**0.00**						**0.00**	**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	5044.00				25073.00			**30117.00**		141409.00				**141409.00**	**171526.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि	370067.00							**370067.00**						**0.00**	**370067.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व								**0.00**		1400000.00				**1400000.00**	**1400000.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज								**0.00**						**0.00**	**0.00**
ix)	ब्याज का अन्तर								**0.00**						**0.00**	**0.00**
x)	टी.आर								**0.00**						**0.00**	**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि								**0.00**						**0.00**	**0.00**
	कुल योग	**2100225.00**	**2126506.00**	**266347.00**	**1152446.00**	**2225515.00**	**1829736.00**	**1076762.00**	**10777537.00**	**674948.00**	**4061590.00**	**941776.00**	**1885948.00**	**914834.00**	**8479096.00**	**19256633.00**

भुगतान

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एन.पी.योग	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योजना योग	योग
i)	सावधि जमा क्रय					900000.00			**900000.00**		1400000.00				**1400000.00**	**2300000.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	370067.00							**370067.00**	674948.00					**674948.00**	**1045015.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज								**0.00**						**0.00**	**0.00**
iv)	बैंक प्रभार								**0.00**		222.00				**222.00**	**222.00**
v)	अन्तिम भुगतान								**0.00**						**0.00**	**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W								**0.00**						**0.00**	**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी								**0.00**						**0.00**	**0.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	1701668.00	2126506.00	255862.00	1152446.00	1227592.00	1829736.00	1076762.00	**9370572.00**		2181708.00	941776.00	1885948.00	914834.00	**5924266.00**	**15294838.00**
	बैंक में शेष	28490.00		10485.00		97923.00			**136898.00**		479660.00				**479660.00**	**616558.00**
	कुल योग	**2100225.00**	**2126506.00**	**266347.00**	**1152446.00**	**2225515.00**	**1829736.00**	**1076762.00**	**10777537.00**	**674948.00**	**4061590.00**	**941776.00**	**1885948.00**	**914834.00**	**8479096.00**	**19256633.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2015-16 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना
1	**आदि शेष**		1	**परिसरों को अवमुक्त राशि-**	
i)	हाथ में रोकड़	7256.00	i	पुरी परिसर	1000000.00
ii)	बैंक मे जमा	3033661.00	ii	जम्मू परिसर	1393655.00
iii)	प्राप्त अनुदान	7500000.00	iii	इलाहाबाद परिसर	500000.00
iv)	प्राप्त अनुदान (यू.जी.सी.)	0.00	iv	गुरुवायुर परिसर	1914636.00
	विविध प्राप्तियाँ		v	जयपुर परिसर	1270000.00
i)	पंजीकरण शुल्क	4897169.00	vi	लखनऊ परिसर	500000.00
ii)	ब्याज	121648.00	vii	श्रृंगेरी परिसर	1050000.00
iii)	विक्रय	0.00	viii	गरली परिसर	1000000.00
	योग	**15559734.00**	ix	भोपाल परिसर	2224033.00
			x	मुम्बई परिसर	500000.00
				योग	**11352324.00**
			2	**स्थापना व्यय**	
			i	वेतनादि एवं भत्ते	1635290.00
				योग	**1635290.00**
			3	**प्रशासनिक व्यय**	
				डाक एवं तार	94024.00
				मरम्मत एवं रखरखाव	
				यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	372328.00
				विज्ञापन	
				स्टेशनरी एवं मुद्रण	41787.00
				विविध आकस्मिकता	219021.00
				परीक्षा आकस्मिकता	1360531.00
				दूरभाष खर्च	19910.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	4000.00
				संस्थान प्रकाशन	97920.00
				योग	**2209521.00**
			4	**पूर्व शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	7913.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता	354686.00
				योग	**362599.00**
	कुल योग	**15559734.00**		**कुल योग**	**15559734.00**

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखापरीक्षा-रिपोर्ट

हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2016 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबन्धन का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के ग्यारह एककों के लेखे सम्मिलित हैं। इनमें से चार एकक के लेखों की लेखा परीक्षा की गई और उनकी टिप्पणियां इस रिपोर्ट में समाहित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के आधार पर राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:

(i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सामान्यतया भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश संख्या 29-4/2012-एफ.डी. दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित रूपरेखा में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यही प्रकट होता है।

(iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. तुलन-पत्र

क.1 परिसंपत्तियां

क.1.1 वर्तमान देयताएँ और प्रावधान (अनुसूची-3) रु. 37.20 करोड़

बीमाकिंक मूल्यांकन के आधार पर सेवा निवृत्ति के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है जो कि खाता सहिंता 15 और भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के प्रारुप के विपरीत है।

ख. सामान्य

ख.1 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में वर्ष 2008–2009 के अवधि में रुपये 13.51 लाख का गबन दर्शाया गया है। इसमें से 1.42 लाख रुपये दोषी खजांची द्वारा जमा किये गये थे। लेकिन संस्थान ने केवल 6.28 लाख रुपये को उचंति खाते के अंतर्गत वर्ष 2014–15 की तुलनपत्र में दर्शाया है। और 5.81 लाख रुपये की बकाया राशि जिसमें 4.27 लाख रुपये जी.पी.एफ. से सम्बन्धित हैं उन्हें खातों में नहीं दर्शाया गया है। इस मामले की वर्तमान स्थिति को भी खातों में किसी भी टिप्पणी के द्वारा नहीं दर्शाया गया है।

ख.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का तुलन पत्र तैयार नहीं किया गया है। मुम्बई परिसर की प्राप्ति एवं भुगतान खाते के आधार पर खातों में समेकन किया गया है। मुम्बई परिसर की परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को सत्यापित करने के लिए लेखा परीक्षक सक्षम नहीं है।

ख.3 अनुसूची–7 के अनुसार मुक्तस्वाध्यायपीठ योजना की समापन नगदी शेष रु. 9.43 लाख है जबकि अनुसूची–3 एवं 10 के अनुसार दायित्व एवं अक्षय राशि का योग रु. 3.67 लाख दर्शाया गया है। इसे सुधारा जा सकता है। मुक्तस्वाध्यायपीठ के सही दायित्वों को अनुसूची–3 एवं 10 में दर्शाया जा सकता है।

ग. सहायता अनुदान

संस्थान द्वारा पूर्व वर्ष का रु. 60.34 करोड़ (योजना रु. 36.63 करोड़ तथा योजनेतर रु. 23.71 करोड़) अव्ययित शेष था एवं वर्ष के दौरान कुल रु. 161.47 करोड़ (योजना रु. 93.50 करोड़ तथा योजनेतर रु. 67.97 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया। संस्थान ने रु. 7.70 करोड़ (योजना रु. 2.86 करोड़ और योजनेतर रु. 4.84 करोड़) की आय अपने स्रोतों से अर्जित की। इन्होंने रु. 188.11 करोड़ (योजना रु. 118.25 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 69.86 करोड़) का उपयोग कर रु. 41.40 करोड़ (योजना रु. 14.74 करोड़ तथा योजनेतर रु. 26.66 करोड़) शेष रहा।

अनुसूची–10 के अनुसार संस्थान अनुदान में दर्शायी गयी प्रारंभिक राशि सही नहीं है इस राशि को रु. 60.34 करोड़ (योजना रु. 36.63 करोड़ तथा योजनेतर रु. 23.71 करोड़) होना चाहिए। दिनांक 31.03.2015 को दर्शायी गयी प्रारंभिक शेष राशि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की नकद शेष राशि है न कि अनुदान राशि।

अनुसूची–10 में दर्शाए गए व्यय में सेवानिवृत्ति व्यय रु. 6.25 करोड़ (योजना रु. 0.33 करोड़ एवं योजनेतर रु. 5.92 करोड़) शामिल नहीं है। इसे अनुसूची–2 में दिखाया गया है।

घ. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन–पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा–परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन–पत्र और आय–व्यय एवं लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

(vi) हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ मिलकर करें। उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा–परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं सही दृष्टि प्रस्तुत करते हैं –

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2016 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ब) जहाँ तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 07.02.17

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता

आन्तरिक लेखा परीक्षा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं परिसरों में से गठित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। लेकिन वर्ष 2015-16 के दौरान किसी प्रकार का कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा नहीं किया गया।

- मुख्यालय का आन्तरिक लेखा-परीक्षा नहीं किया जा रहा है।
- मन्त्रालय द्वारा आन्तरिक लेखा-परीक्षा का संचालन नहीं किया जा रहा है।
- आन्तरिक लेखा-परीक्षा की कोई नियमावली नहीं है।

2. आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता

आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त है-

- अनियमित आन्तरिक लेखा परीक्षा एवं आन्तरिक लेखा नियमावली न रखने के कारण।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर में रु. 6.35 लाख का व्यय सक्षम अधिकारियों की पूर्व स्वीकृति के बिना किया गया।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर द्वारा बैंक मिलान विवरण नहीं बनाया गया।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर द्वारा जारी किये गये चैकों का नियमानुसार रजिस्टर में अंकित नहीं किया गया।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं इसके परिसरों की अचल संपत्तियों/माल का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया गया।

3. परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2014 से 2016 तक लंबित है।

(ii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन (परिसरों की कसौटी पर जाँच के आधार पर) नियमित रूप से नहीं किया गया।

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के माल का भौतिक सत्यापन दिनांक 31.03.2014 तक किया गया एवं पुस्तक व प्रकाशन का सत्यापन कार्य प्रगति पर है।

(ii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों के माल का भौतिक सत्यापन (परिसरों की कसौटी पर जाँच के आधार पर) नियमित रूप से नहीं किया गया।

5. देय राशि के भुगतान की नियमितता

31-3-2016 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छः महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।